

Der Prophet Sacharja

Erläuterungen

In diesem Buch werden folgende Abkürzungen verwendet:

WV = Nummer des Wortes im Vers

WK = Nummer des Wortes im Kapitel

WB = Nummer des Wortes im Buch

ABV = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Vers

ABK = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Kapitel

ABB = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Buch

AnzB = Anzahl der Buchstaben des Wortes

TW = Totalwert des Wortes

Am Ende eines Verses finden sich sieben Zahlen,
die folgende Bedeutung haben (von links nach rechts):

1. Nummer des Verses im Buch
2. Gesamtzahl der Buchstaben im Vers
3. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
4. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Buch
5. Summe der Totalwerte des Verses
6. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
7. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Buch

– 1.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 4 | 314 | 2.8.4.300 | בחדש | BCDS | im Monat |
| 2. | 2. | 2. | 5. | 5. | 5. | 6 | 415 | 5.300.40.10.50.10 | השמיני | HSMJNJ | dem achten |
| 3. | 3. | 3. | 11. | 11. | 11. | 4 | 752 | 2.300.50.400 | בשנה | BSNT | im Jahr |
| 4. | 4. | 4. | 15. | 15. | 15. | 4 | 750 | 300.400.10.40 | שתיים | STJM | zweiten/zwei |
| 5. | 5. | 5. | 19. | 19. | 19. | 6 | 550 | 30.4.200.10.6.300 | לדריוש | LDRJWS | des Darius/von Darius |
| 6. | 6. | 6. | 25. | 25. | 25. | 3 | 20 | 5.10.5 | היה | HJH | geschah/er (=es) erging |
| 7. | 7. | 7. | 28. | 28. | 28. | 3 | 206 | 4.2.200 | דבר | DBR | das Wort |
| 8. | 8. | 8. | 31. | 31. | 31. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 9. | 9. | 9. | 35. | 35. | 35. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | zu/an |
| 10. | 10. | 10. | 37. | 37. | 37. | 5 | 242 | 7.20.200.10.5 | זכריה | ZKRJH | Sacharja///<erinnert hat sich Jah> |
| 11. | 11. | 11. | 42. | 42. | 42. | 2 | 52 | 2.50 | בן | BN | (dem) Sohn |
| 12. | 12. | 12. | 44. | 44. | 44. | 5 | 237 | 2.200.20.10.5 | ברכיה | BRKJH | Berekjas/Berechja(s)//<gesegnet hat Jah> |
| 13. | 13. | 13. | 49. | 49. | 49. | 2 | 52 | 2.50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 14. | 14. | 14. | 51. | 51. | 51. | 3 | 80 | 70.4.6 | ערו | aDW | Iddo(s)//<festlich> |
| 15. | 15. | 15. | 54. | 54. | 54. | 5 | 68 | 5.50.2.10.1 | הנביא | HNBJA | dem Propheten/den Propheten |
| 16. | 16. | 16. | 59. | 59. | 59. | 4 | 271 | 30.1.40.200 | לאמר | LAMR | also/besagend |

Ende des Verses 1.1

Verse: 1, Buchstaben: 62, 62, 62, Totalwerte: 4066, 4066, 4066

Im achten Monat, im zweiten Jahre des Darius, geschah das Wort Jahwes zu Sacharja, dem Sohne Berekjas, des Sohnes Iddos, dem Propheten, also:

– 1.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 17. | 17. | 63. | 63. | 1. | 3 | 270 | 100_90_80 | קצפ QβP | | (es) ist erzürnt gewesen/er (=es) zürnte |
| 2. | 18. | 18. | 66. | 66. | 4. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | | Jahwe |
| 3. | 19. | 19. | 70. | 70. | 8. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | | über |
| 4. | 20. | 20. | 72. | 72. | 10. | 7 | 479 | 1_2_6_400_10_20_40 | אבותיכם ABWTJKM | | eure Väter |
| 5. | 21. | 21. | 79. | 79. | 17. | 3 | 270 | 100_90_80 | קצפ QβP | | (heftig) erzürnt gewesen/(einen) Zorn |

Ende des Verses 1.2

Verse: 2, Buchstaben: 19, 81, 81, Totalwerte: 1145, 5211, 5211

Jahwe ist heftig erzürnt gewesen über eure Väter.

– 1.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------------------------------|
| 1. | 22. | 22. | 82. | 82. | 1. | 5 | 647 | 6_1_40_200_400 | ואמרה | WAMRT | und sprich/und du sollst sagen |
| 2. | 23. | 23. | 87. | 87. | 6. | 4 | 76 | 1_30_5_40 | אלהם | ALHM | zu ihnen |
| 3. | 24. | 24. | 91. | 91. | 10. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 4. | 25. | 25. | 93. | 93. | 12. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 5. | 26. | 26. | 96. | 96. | 15. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 6. | 27. | 27. | 100. | 100. | 19. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | ((der) Heerscharen |
| 7. | 28. | 28. | 105. | 105. | 24. | 4 | 314 | 300_6_2_6 | שובו | SWBW | kehrt um/kehrt zurück |
| 8. | 29. | 29. | 109. | 109. | 28. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 9. | 30. | 30. | 112. | 112. | 31. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 10. | 31. | 31. | 115. | 115. | 34. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 11. | 32. | 32. | 119. | 119. | 38. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | ((der) Heerscharen |
| 12. | 33. | 33. | 124. | 124. | 43. | 5 | 315 | 6_1_300_6_2 | ואשוב | WASWB | und ich werde umkehren/und ich will zurückkehren |
| 13. | 34. | 34. | 129. | 129. | 48. | 5 | 101 | 1_30_10_20_40 | אליכם | ALJKM | zu euch |
| 14. | 35. | 35. | 134. | 134. | 53. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 15. | 36. | 36. | 137. | 137. | 56. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 16. | 37. | 37. | 141. | 141. | 60. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | ((der) Heerscharen |

Ende des Verses 1.3

Verse: 3, Buchstaben: 64, 145, 145, Totalwerte: 3667, 8878, 8878

Und sprich zu ihnen: So spricht Jahwe der Heerscharen: Kehret zu mir um, spricht Jahwe der Heerscharen, und ich werde zu euch umkehren, spricht Jahwe der Heerscharen.

– 1.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|------|------|-----|---------------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 38. | 38. | 146. | 146. | 1. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 2. | 39. | 39. | 148. | 148. | 3. | 4 | 421 | 400_5_10_6 | תהיו | THJW | seid/ihr sollt sein |
| 3. | 40. | 40. | 152. | 152. | 7. | 7 | 493 | 20_1_2_400_10_20_40 | קאבתיכמ | KABTJKM | wie eure Väter |
| 4. | 41. | 41. | 159. | 159. | 14. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | denen/welchen |
| 5. | 42. | 42. | 162. | 162. | 17. | 4 | 307 | 100_200_1_6 | קראו | QRAW | riefen/sie (=es) haben gerufen |
| 6. | 43. | 43. | 166. | 166. | 21. | 5 | 86 | 1_30_10_5_40 | אליהם | ALJHM | zu (ihnen) |
| 7. | 44. | 44. | 171. | 171. | 26. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאים | HNBIAJM | die Propheten |
| 8. | 45. | 45. | 178. | 178. | 33. | 7 | 606 | 5_200_1_300_50_10_40 | הראשנים | HRASNJM | die früheren |
| 9. | 46. | 46. | 185. | 185. | 40. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sprachen/sagend |
| 10. | 47. | 47. | 189. | 189. | 44. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 11. | 48. | 48. | 191. | 191. | 46. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 12. | 49. | 49. | 194. | 194. | 49. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 13. | 50. | 50. | 198. | 198. | 53. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 14. | 51. | 51. | 203. | 203. | 58. | 4 | 314 | 300_6_2_6 | שובו | SWBW | kehrt um |
| 15. | 52. | 52. | 207. | 207. | 62. | 2 | 51 | 50_1 | נא | NA | doch |
| 16. | 53. | 53. | 209. | 209. | 64. | 7 | 334 | 40_4_200_20_10_20_40 | מדרכיכמ | MDRKJKM | von euren Wegen |
| 17. | 54. | 54. | 216. | 216. | 71. | 5 | 325 | 5_200_70_10_40 | הרעים | HRaJM | den bösen |
| 18. | 55. | 55. | 221. | 221. | 76. | 9 | 256 | 6_40_70_30_10_30_10_20_40 | ומעליליכמ | WMaLJLJKM | und von euren Handlungen/und eure(n) Taten |
| 19. | 56. | 56. | 230. | 230. | 85. | 5 | 325 | 5_200_70_10_40 | הרעים | HRaJM | den bösen |
| 20. | 57. | 57. | 235. | 235. | 90. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | aber nicht/doch nicht//und nicht |
| 21. | 58. | 58. | 238. | 238. | 93. | 4 | 416 | 300_40_70_6 | שמעו | SMaW | sie hörten |
| 22. | 59. | 59. | 242. | 242. | 97. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 23. | 60. | 60. | 245. | 245. | 100. | 6 | 423 | 5_100_300_10_2_6 | הקשיבו | HQSJBW | (sie) merkten |
| 24. | 61. | 61. | 251. | 251. | 106. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | auf mich |
| 25. | 62. | 62. | 254. | 254. | 109. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|------|------|----|------------|------------------|-----------|-----------------|
| 26. | 63. | 63. | 257. | 257. | 112. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 1.4

Verse: 4, Buchstaben: 115, 260, 260, Totalwerte: 6301, 15179, 15179

Seid nicht wie eure Väter, denen die früheren Propheten zuriefen und sprachen: So spricht Jahwe der Heerscharen: Kehret doch um von euren bösen Wegen und von euren bösen Handlungen! aber sie hörten nicht und merkten nicht auf mich, spricht Jahwe.

– 1.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-------------------------|
| 1. | 64. | 64. | 261. | 261. | 1. | 7 | 479 | 1_2_6_400_10_20_40 | אבוּחִיכֶם | ABWTJKM | eure Väter |
| 2. | 65. | 65. | 268. | 268. | 8. | 3 | 16 | 1_10_5 | אֵיה | AJH | wo (sind) |
| 3. | 66. | 66. | 271. | 271. | 11. | 2 | 45 | 5_40 | הֵם | HM | sie |
| 4. | 67. | 67. | 273. | 273. | 13. | 7 | 114 | 6_5_50_2_1_10_40 | והַנְּבִיאִים | WHNBAJM | und die Propheten |
| 5. | 68. | 68. | 280. | 280. | 20. | 6 | 181 | 5_30_70_6_30_40 | הַלְעוֹלָם | HLaWLM | ewiglich/etwa für immer |
| 6. | 69. | 69. | 286. | 286. | 26. | 4 | 34 | 10_8_10_6 | יֵהוּוּ | JCJW | sie leben? |

Ende des Verses 1.5

Verse: 5, Buchstaben: 29, 289, 289, Totalwerte: 869, 16048, 16048

Eure Väter, wo sind sie? Und die Propheten, leben sie ewiglich?

– 1.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|------|------|-----|--------------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------------|
| 1. | 70. | 70. | 290. | 290. | 1. | 2 | 21 | 1_20 | אכ | AK | doch/nur |
| 2. | 71. | 71. | 292. | 292. | 3. | 4 | 216 | 4_2_200_10 | דברי | DBRJ | meine Worte |
| 3. | 72. | 72. | 296. | 296. | 7. | 4 | 124 | 6_8_100_10 | וחקי | WCQJ | und meine Beschlüsse |
| 4. | 73. | 73. | 300. | 300. | 11. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 5. | 74. | 74. | 303. | 303. | 14. | 5 | 516 | 90_6_10_400_10 | צויתי | ßWJTTJ | ich gebot/ich habe aufgetragen |
| 6. | 75. | 75. | 308. | 308. | 19. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 7. | 76. | 76. | 310. | 310. | 21. | 4 | 86 | 70_2_4_10 | עבדי | aBDJ | meinen Knechten |
| 8. | 77. | 77. | 314. | 314. | 25. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאים | HNBIAJM | den Propheten |
| 9. | 78. | 78. | 321. | 321. | 32. | 4 | 42 | 5_30_6_1 | הלוא | HLWA | (etwa) nicht |
| 10. | 79. | 79. | 325. | 325. | 36. | 5 | 324 | 5_300_10_3_6 | השינו | HSJGW | haben sie getroffen/sie haben erreicht |
| 11. | 80. | 80. | 330. | 330. | 41. | 6 | 473 | 1_2_400_10_20_40 | אבותיכם | ABTJKM | eure Väter |
| 12. | 81. | 81. | 336. | 336. | 47. | 6 | 330 | 6_10_300_6_2_6 | וישובו | WJSWBW | und sie kehrten um |
| 13. | 82. | 82. | 342. | 342. | 53. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und (sie) sprachen |
| 14. | 83. | 83. | 348. | 348. | 59. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | כאשר | KASR | so wie |
| 15. | 84. | 84. | 352. | 352. | 63. | 3 | 87 | 7_40_40 | זמנ | ZMM | vorhatte/er hatte ersonnen |
| 16. | 85. | 85. | 355. | 355. | 66. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 17. | 86. | 86. | 359. | 359. | 70. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | צבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 18. | 87. | 87. | 364. | 364. | 75. | 5 | 806 | 30_70_300_6_400 | לעשות | LaSWT | zu tun |
| 19. | 88. | 88. | 369. | 369. | 80. | 3 | 86 | 30_50_6 | לנו | LNW | (an) uns |
| 20. | 89. | 89. | 372. | 372. | 83. | 7 | 310 | 20_4_200_20_10_50_6 | קדרכינו | KDRKJNW | nach unseren Wegen/gemäß unseren Wegen |
| 21. | 90. | 90. | 379. | 379. | 90. | 9 | 262 | 6_20_40_70_30_30_10_50_6 | וכמעלינו | WKMaLLJNW | und nach unseren Handlungen/und gemäß unseren Taten |
| 22. | 91. | 91. | 388. | 388. | 99. | 2 | 70 | 20_50 | כן | KN | (al)so |
| 23. | 92. | 92. | 390. | 390. | 101. | 3 | 375 | 70_300_5 | עשה | aSH | er hat getan |
| 24. | 93. | 93. | 393. | 393. | 104. | 4 | 457 | 1_400_50_6 | אתנו | ATNW | mit uns |

Ende des Verses 1.6

Verse: 6, Buchstaben: 107, 396, 396, Totalwerte: 6914, 22962, 22962

Doch meine Worte und meine Beschlüsse, welche ich meinen Knechten, den Propheten, gebot, haben sie eure Väter nicht getroffen? Und sie kehrten um und sprachen: So wie Jahwe der Heerscharen vorhatte, uns nach unseren Wegen und nach unseren Handlungen zu tun, also hat er mit uns getan.

– 1.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 94. | 94. | 397. | 397. | 1. | 4 | 58 | 2.10.6_40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 2. | 95. | 95. | 401. | 401. | 5. | 5 | 620 | 70_300_200_10_40 | עשרים | aSRJM | zwanzigsten/zwanzig |
| 3. | 96. | 96. | 406. | 406. | 10. | 6 | 284 | 6.1_200_2_70_5 | וארבעה | WARBaH | und vier |
| 4. | 97. | 97. | 412. | 412. | 16. | 5 | 810 | 30_70_300_400_10 | לעשהי | LaSTJ | im ein/des eins |
| 5. | 98. | 98. | 417. | 417. | 21. | 3 | 570 | 70_300_200 | עשר | aSR | (und) zehnten |
| 6. | 99. | 99. | 420. | 420. | 24. | 3 | 312 | 8.4_300 | חדש | CDS | Monat(s) |
| 7. | 100. | 100. | 423. | 423. | 27. | 3 | 12 | 5.6.1 | הוא | HWA | das ist/er (=es ist) |
| 8. | 101. | 101. | 426. | 426. | 30. | 3 | 312 | 8.4_300 | חדש | CDS | (der) Monat |
| 9. | 102. | 102. | 429. | 429. | 33. | 3 | 311 | 300_2_9 | שבט | SBt | Schebat |
| 10. | 103. | 103. | 432. | 432. | 36. | 4 | 752 | 2_300_50_400 | בשנה | BSNT | im Jahr |
| 11. | 104. | 104. | 436. | 436. | 40. | 4 | 750 | 300_400_10_40 | שתיים | STJM | zweiten/zwei |
| 12. | 105. | 105. | 440. | 440. | 44. | 6 | 550 | 30.4_200_10.6_300 | לדריוש | LDRJWS | des Darius/von Darius |
| 13. | 106. | 106. | 446. | 446. | 50. | 3 | 20 | 5.10.5 | היה | HJH | geschah/er (=es) erging |
| 14. | 107. | 107. | 449. | 449. | 53. | 3 | 206 | 4.2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 15. | 108. | 108. | 452. | 452. | 56. | 4 | 26 | 10.5.6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 16. | 109. | 109. | 456. | 456. | 60. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | zu/an |
| 17. | 110. | 110. | 458. | 458. | 62. | 5 | 242 | 7.20_200_10_5 | זכריה | ZKRJH | Sacharja |
| 18. | 111. | 111. | 463. | 463. | 67. | 2 | 52 | 2.50 | בן | BN | (dem) Sohn |
| 19. | 112. | 112. | 465. | 465. | 69. | 6 | 243 | 2.200_20_10_5_6 | ברכיהו | BRKJHW | Berekja(s) |
| 20. | 113. | 113. | 471. | 471. | 75. | 2 | 52 | 2.50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 21. | 114. | 114. | 473. | 473. | 77. | 4 | 81 | 70.4.6.1 | עדוא | aDWA | Iddo(s) |
| 22. | 115. | 115. | 477. | 477. | 81. | 5 | 68 | 5.50.2_10.1 | הנביא | HNBJA | dem Propheten/den Propheten |
| 23. | 116. | 116. | 482. | 482. | 86. | 4 | 271 | 30.1.40.200 | לאמר | LAMR | also/besagend |

Ende des Verses 1.7

Verse: 7, Buchstaben: 89, 485, 485, Totalwerte: 6633, 29595, 29595

Am vierundzwanzigsten Tage, im elften Monat, das ist der Monat Schebat, im zweiten Jahre des Darius, geschah das Wort Jahwes zu Sacharja, dem Sohne Berekjas, des Sohnes Iddos, dem Propheten, also: -

– 1.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 117. | 117. | 486. | 486. | 1. | 5 | 621 | 200_1_10_400_10 | ראיתי | RAJTJ | ich schaute/ich sah |
| 2. | 118. | 118. | 491. | 491. | 6. | 5 | 80 | 5_30_10_30_5 | הלילה | HLJLH | des Nachts/heute Nacht |
| 3. | 119. | 119. | 496. | 496. | 11. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 4. | 120. | 120. | 500. | 500. | 15. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | (ein) Mann |
| 5. | 121. | 121. | 503. | 503. | 18. | 3 | 222 | 200_20_2 | רכב | RKB | der ritt/reitend(er) |
| 6. | 122. | 122. | 506. | 506. | 21. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 7. | 123. | 123. | 508. | 508. | 23. | 3 | 126 | 60_6_60 | סוס | sWs | (einem) Ross |
| 8. | 124. | 124. | 511. | 511. | 26. | 3 | 45 | 1_4_40 | אדמ | ADM | roten/rotbraun(en) |
| 9. | 125. | 125. | 514. | 514. | 29. | 4 | 18 | 6_5_6_1 | והוא | WHWA | und er |
| 10. | 126. | 126. | 518. | 518. | 33. | 3 | 114 | 70_40_4 | עמד | aMD | hielt/Stehender |
| 11. | 127. | 127. | 521. | 521. | 36. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 12. | 128. | 128. | 524. | 524. | 39. | 6 | 124 | 5_5_4_60_10_40 | ההרסים | HHDsJM | den Myrten |
| 13. | 129. | 129. | 530. | 530. | 45. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 14. | 130. | 130. | 533. | 533. | 48. | 5 | 167 | 2_40_90_30_5 | במצלה | BMβLH | im Talgrund waren/im Schattengrund |
| 15. | 131. | 131. | 538. | 538. | 53. | 6 | 231 | 6_1_8_200_10_6 | ואחריו | WACRJW | und hinter ihm |
| 16. | 132. | 132. | 544. | 544. | 59. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסים | sWsJM | (waren) Rosse |
| 17. | 133. | 133. | 549. | 549. | 64. | 5 | 95 | 1_4_40_10_40 | אדמימ | ADMJM | rote/rotbraune |
| 18. | 134. | 134. | 554. | 554. | 69. | 5 | 650 | 300_200_100_10_40 | שרקים | SRQJM | hellrote/fuchsrote |
| 19. | 135. | 135. | 559. | 559. | 74. | 6 | 138 | 6_30_2_50_10_40 | ולבנים | WLB NJM | und weiße |

Ende des Verses 1.8

Verse: 8, Buchstaben: 79, 564, 564, Totalwerte: 3847, 33442, 33442

Ich schaute des Nachts, und siehe, ein Mann, der auf einem roten Rosse ritt; und er hielt zwischen den Myrten, welche im Talgrunde waren, und hinter ihm waren rote, hellrote und weiße Rosse.

– 1.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|---------------------------------------------|
| 1. | 136. | 136. | 565. | 565. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach |
| 2. | 137. | 137. | 569. | 569. | 5. | 2 | 45 | 40_5 | סה | MH | wer/was |
| 3. | 138. | 138. | 571. | 571. | 7. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | (sind) diese |
| 4. | 139. | 139. | 574. | 574. | 10. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אדני | ADNJ | mein Herr |
| 5. | 140. | 140. | 578. | 578. | 14. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er (=es) sprach |
| 6. | 141. | 141. | 583. | 583. | 19. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 7. | 142. | 142. | 586. | 586. | 22. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 8. | 143. | 143. | 591. | 591. | 27. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הרבר | HDBR | der redete/der redende |
| 9. | 144. | 144. | 595. | 595. | 31. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 10. | 145. | 145. | 597. | 597. | 33. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | ich (selbst) |
| 11. | 146. | 146. | 600. | 600. | 36. | 4 | 222 | 1_200_1_20 | אראכ | ARAK | will dir zeigen/ich werde sehen lassen dich |
| 12. | 147. | 147. | 604. | 604. | 40. | 2 | 45 | 40_5 | סה | MH | wer/was |
| 13. | 148. | 148. | 606. | 606. | 42. | 3 | 50 | 5_40_5 | המה | HMH | (sie) sind |
| 14. | 149. | 149. | 609. | 609. | 45. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese |

Ende des Verses 1.9

Verse: 9, Buchstaben: 47, 611, 611, Totalwerte: 1424, 34866, 34866

Und ich sprach: Mein Herr, wer sind diese? Und der Engel, der mit mir redete, sprach zu mir: Ich will dir zeigen, wer diese sind.

– 1.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 150. | 150. | 612. | 612. | 1. | 4 | 136 | 6_10_70_50 | ויענ | WJaN | und (es) antwortete/und er (=es) erwiderte |
| 2. | 151. | 151. | 616. | 616. | 5. | 4 | 316 | 5_1_10_300 | האיש | HAJS | der Mann |
| 3. | 152. | 152. | 620. | 620. | 9. | 4 | 119 | 5_70_40_4 | העמד | HaMD | der hielt/der stehende |
| 4. | 153. | 153. | 624. | 624. | 13. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 5. | 154. | 154. | 627. | 627. | 16. | 6 | 124 | 5_5_4_60_10_40 | ההרסים | HHDsJM | den Myrten |
| 6. | 155. | 155. | 633. | 633. | 22. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und sprach/und er sagte |
| 7. | 156. | 156. | 638. | 638. | 27. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese (sind) |
| 8. | 157. | 157. | 641. | 641. | 30. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | die welche |
| 9. | 158. | 158. | 644. | 644. | 33. | 3 | 338 | 300_30_8 | שלה | SLC | ausgesandt hat/er hat gesandt |
| 10. | 159. | 159. | 647. | 647. | 36. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 160. | 160. | 651. | 651. | 40. | 6 | 490 | 30_5_400_5_30_20 | להתהלך | LHThLK | um zu durchziehen/um zu gehen hin und her |
| 12. | 161. | 161. | 657. | 657. | 46. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארץ | BARß | die Erde/im Erdland |

Ende des Verses 1.10

Verse: 10, Buchstaben: 49, 660, 660, Totalwerte: 2698, 37564, 37564

Und der Mann, der zwischen den Myrten hielt, antwortete und sprach: Diese sind die, welche Jahwe ausgesandt hat, um die Erde zu durchziehen.

– 1.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 162. | 162. | 661. | 661. | 1. | 5 | 142 | 6_10_70_50_6 | ויענו | WJaNW | und sie antworteten |
| 2. | 163. | 163. | 666. | 666. | 6. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 164. | 164. | 668. | 668. | 8. | 4 | 91 | 40_30_1_20 | מלאכ | MLAK | dem Engel/(dem) Boten |
| 4. | 165. | 165. | 672. | 672. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 5. | 166. | 166. | 676. | 676. | 16. | 4 | 119 | 5_70_40_4 | העמד | HaMD | der hielt/dem stehenden |
| 6. | 167. | 167. | 680. | 680. | 20. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 7. | 168. | 168. | 683. | 683. | 23. | 6 | 124 | 5_5_4_60_10_40 | ההרסימ | HHDsJM | den Myrten |
| 8. | 169. | 169. | 689. | 689. | 29. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und sprachen/und sie sagten |
| 9. | 170. | 170. | 695. | 695. | 35. | 7 | 516 | 5_400_5_30_20_50_6 | התהלכנו | HTHLKNW | wir haben durchzogen/wir sind hin und her gegangen |
| 10. | 171. | 171. | 702. | 702. | 42. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארצ | BARß | die Erde/im Erdland |
| 11. | 172. | 172. | 706. | 706. | 46. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 12. | 173. | 173. | 710. | 710. | 50. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | die ganze/all |
| 13. | 174. | 174. | 712. | 712. | 52. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | (die) Erde |
| 14. | 175. | 175. | 716. | 716. | 56. | 4 | 712 | 10_300_2_400 | ישבת | JSBT | sitzt still/(ist) ruhend(e) |
| 15. | 176. | 176. | 720. | 720. | 60. | 5 | 815 | 6_300_100_9_400 | ושקטה | WSQtT | und ist ruhig/und sich untätig verhaltend(e) |

Ende des Verses 1.11

Verse: 11, Buchstaben: 64, 724, 724, Totalwerte: 3976, 41540, 41540

Und sie antworteten dem Engel Jahwes, der zwischen den Myrten hielt, und sprachen: Wir haben die Erde durchzogen, und siehe, die ganze Erde sitzt still und ist ruhig.

– 1.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|--------------------|---------------|-----------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 177. | 177. | 725. | 725. | 1. | 4 | 136 | 6_10_70_50 | ויענ WJaN | da hob an/und er (=es) entgegnete | |
| 2. | 178. | 178. | 729. | 729. | 5. | 4 | 91 | 40_30_1_20 | מלאכ MLAK | der Engel/der Bote | |
| 3. | 179. | 179. | 733. | 733. | 9. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 4. | 180. | 180. | 737. | 737. | 13. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר WJAMR | und (er) sprach | |
| 5. | 181. | 181. | 742. | 742. | 18. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 6. | 182. | 182. | 746. | 746. | 22. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות βBAWT | ((der) Heerscharen | |
| 7. | 183. | 183. | 751. | 751. | 27. | 2 | 74 | 70_4 | ער aD | wie/bis | |
| 8. | 184. | 184. | 753. | 753. | 29. | 3 | 450 | 40_400_10 | סתי MTJ | lange/wann | |
| 9. | 185. | 185. | 756. | 756. | 32. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה ATH | du (selber) | |
| 10. | 186. | 186. | 759. | 759. | 35. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 11. | 187. | 187. | 761. | 761. | 37. | 4 | 648 | 400_200_8_40 | תרחמ TRCM | willst dich erbarmen/du willst Erbarmen haben | |
| 12. | 188. | 188. | 765. | 765. | 41. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | /mit | |
| 13. | 189. | 189. | 767. | 767. | 43. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם JRWSLM | Jerusalem(s)///<Erbeil des Friedens> | |
| 14. | 190. | 190. | 773. | 773. | 49. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואה WAT | und (mit) | |
| 15. | 191. | 191. | 776. | 776. | 52. | 3 | 280 | 70_200_10 | ערי aRJ | der Städte/den Städten | |
| 16. | 192. | 192. | 779. | 779. | 55. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה JHWDH | Judas/(von) Juda//<Lobpreis> | |
| 17. | 193. | 193. | 784. | 784. | 60. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | auf welche/denen | |
| 18. | 194. | 194. | 787. | 787. | 63. | 5 | 522 | 7_70_40_400_5 | זעמתה ZaMTH | du gezürnt hast/du zürnst | |
| 19. | 195. | 195. | 792. | 792. | 68. | 2 | 12 | 7_5 | זה ZH | diese/schon | |
| 20. | 196. | 196. | 794. | 794. | 70. | 5 | 422 | 300_2_70_10_40 | שבעים SBaJM | siebzig | |
| 21. | 197. | 197. | 799. | 799. | 75. | 3 | 355 | 300_50_5 | שנה SNH | Jahre | |

Ende des Verses 1.12

Verse: 12, Buchstaben: 77, 801, 801, Totalwerte: 6160, 47700, 47700

Da hob der Engel Jahwes an und sprach: Jahwe der Heerscharen, wie lange willst du dich nicht Jerusalems und der Städte Judas erbarmen, auf welche du gezürnt hast diese siebzig Jahre?

– 1.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 198. | 198. | 802. | 802. | 1. | 4 | 136 | 6_10_70_50 | ויענ | WJaN | und (es) antwortete/und er (=es) erwiderte |
| 2. | 199. | 199. | 806. | 806. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 200. | 200. | 810. | 810. | 9. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 4. | 201. | 201. | 812. | 812. | 11. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | dem Engel/dem Boten |
| 5. | 202. | 202. | 817. | 817. | 16. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/dem redende(n) |
| 6. | 203. | 203. | 821. | 821. | 20. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 7. | 204. | 204. | 823. | 823. | 22. | 5 | 256 | 4_2_200_10_40 | דברימ | DBRJM | Worte |
| 8. | 205. | 205. | 828. | 828. | 27. | 5 | 67 | 9_6_2_10_40 | שובימ | tWBJM | gütige/gute |
| 9. | 206. | 206. | 833. | 833. | 32. | 5 | 256 | 4_2_200_10_40 | דברימ | DBRJM | Worte |
| 10. | 207. | 207. | 838. | 838. | 37. | 5 | 148 | 50_8_40_10_40 | ןחמימ | NCMJM | tröstliche/tröstende |

Ende des Verses 1.13

Verse: 13, Buchstaben: 41, 842, 842, Totalwerte: 1609, 49309, 49309

Und Jahwe antwortete dem Engel, der mit mir redete, gütige Worte, tröstliche Worte.

– 1.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 208. | 208. | 843. | 843. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (es) sprach/und er (=es) sagte |
| 2. | 209. | 209. | 848. | 848. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 3. | 210. | 210. | 851. | 851. | 9. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 4. | 211. | 211. | 856. | 856. | 14. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/der redende |
| 5. | 212. | 212. | 860. | 860. | 18. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 6. | 213. | 213. | 862. | 862. | 20. | 3 | 301 | 100_200_1 | קרא | QRA | rufe (aus) |
| 7. | 214. | 214. | 865. | 865. | 23. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sprich/zu sagen |
| 8. | 215. | 215. | 869. | 869. | 27. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 9. | 216. | 216. | 871. | 871. | 29. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 10. | 217. | 217. | 874. | 874. | 32. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 218. | 218. | 878. | 878. | 36. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 12. | 219. | 219. | 883. | 883. | 41. | 5 | 561 | 100_50_1_400_10 | קנאתי | QNATJ | ich habe geeifert/ich eifer(t)e |
| 13. | 220. | 220. | 888. | 888. | 46. | 7 | 616 | 30_10_200_6_300_30_40 | לירושלם | LJRWSLM | für Jerusalem |
| 14. | 221. | 221. | 895. | 895. | 53. | 6 | 192 | 6_30_90_10_6_50 | ולציון | WLBJWN | und für Zion//<Burg> |
| 15. | 222. | 222. | 901. | 901. | 59. | 4 | 156 | 100_50_1_5 | קנאה | QNAH | (mit) Eifer |
| 16. | 223. | 223. | 905. | 905. | 63. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | großem |

Ende des Verses 1.14

Verse: 14, Buchstaben: 67, 909, 909, Totalwerte: 3553, 52862, 52862

Und der Engel, der mit mir redete, sprach zu mir: Rufe aus und sprich: So spricht Jahwe der Heerscharen: Ich habe mit großem Eifer für Jerusalem und für Zion geeifert,

– 1.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|---------------------|-----------|-----------|----------------------------|
| 1. | 224. | 224. | 910. | 910. | 1. | 4 | 276 | 6_100_90_80 | וקצפ | WQßP | und (mit) Zorn |
| 2. | 225. | 225. | 914. | 914. | 5. | 4 | 43 | 3_4_6_30 | גדול | GDWL | (sehr) groß(em) |
| 3. | 226. | 226. | 918. | 918. | 9. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | ich (bin) |
| 4. | 227. | 227. | 921. | 921. | 12. | 3 | 270 | 100_90_80 | קצפ | QßP | zürne/zürnend(er) |
| 5. | 228. | 228. | 924. | 924. | 15. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 6. | 229. | 229. | 926. | 926. | 17. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | die Nationen/die Völker |
| 7. | 230. | 230. | 931. | 931. | 22. | 7 | 456 | 5_300_1_50_50_10_40 | השאנימ | HSANNJM | die sicheren/die sorglosen |
| 8. | 231. | 231. | 938. | 938. | 29. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | denn/da |
| 9. | 232. | 232. | 941. | 941. | 32. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | ich (selbst) |
| 10. | 233. | 233. | 944. | 944. | 35. | 5 | 680 | 100_90_80_400_10 | קצפתי | QßPTJ | habe gezürnt/ich zürnte |
| 11. | 234. | 234. | 949. | 949. | 40. | 3 | 119 | 40_70_9 | מעט | Mat | (ein) wenig |
| 12. | 235. | 235. | 952. | 952. | 43. | 4 | 56 | 6_5_40_5 | והמה | WHMH | aber sie/doch sie//und sie |
| 13. | 236. | 236. | 956. | 956. | 47. | 4 | 283 | 70_7_200_6 | עזרו | aZRW | haben geholfen/sie halfen |
| 14. | 237. | 237. | 960. | 960. | 51. | 4 | 305 | 30_200_70_5 | לרעה | LRaH | zum Unglück/zum Bösen |

Ende des Verses 1.15

Verse: 15, Buchstaben: 54, 963, 963, Totalwerte: 3275, 56137, 56137

und mit sehr großem Zorne zürne ich über die sicheren Nationen; denn ich habe ein wenig gezürnt, sie aber haben zum Unglück geholfen.

– 1.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|-----------------------------------------------|
| 1. | 238. | 238. | 964. | 964. | 1. | 3 | 100 | 30_20_50 | לכּן | LKN | darum |
| 2. | 239. | 239. | 967. | 967. | 4. | 2 | 25 | 20_5 | ךָ | KH | (al)so |
| 3. | 240. | 240. | 969. | 969. | 6. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 4. | 241. | 241. | 972. | 972. | 9. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 242. | 242. | 976. | 976. | 13. | 4 | 712 | 300_2_400_10 | שבתי | SBTJ | ich habe mich gewandt wieder/ich kehrt)e mich |
| 6. | 243. | 243. | 980. | 980. | 17. | 7 | 616 | 30_10_200_6_300_30_40 | לירושלם | LJRWSLM | zu Jerusalem |
| 7. | 244. | 244. | 987. | 987. | 24. | 6 | 300 | 2_200_8_40_10_40 | ברהמים | BRCMJM | mit Erbarmen/mit Erbarmungen |
| 8. | 245. | 245. | 993. | 993. | 30. | 4 | 422 | 2_10_400_10 | ביתי | BJTJ | mein Haus |
| 9. | 246. | 246. | 997. | 997. | 34. | 4 | 67 | 10_2_50_5 | יבנה | JBNH | soll gebaut/er (=es) wird aufgebaut |
| 10. | 247. | 247. | 1001. | 1001. | 38. | 2 | 7 | 2_5 | בה | BH | darin/in ihr |
| 11. | 248. | 248. | 1003. | 1003. | 40. | 3 | 91 | 50_1_40 | אמ | NAM | spricht/Spruch |
| 12. | 249. | 249. | 1006. | 1006. | 43. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 13. | 250. | 250. | 1010. | 1010. | 47. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 14. | 251. | 251. | 1015. | 1015. | 52. | 4 | 117 | 6_100_6_5 | וקוה | WQWH | und (die) Messschnur |
| 15. | 252. | 252. | 1019. | 1019. | 56. | 4 | 74 | 10_50_9_5 | ינשה | JNtH | gezogen werden/er (=sie) wird gespannt |
| 16. | 253. | 253. | 1023. | 1023. | 60. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 17. | 254. | 254. | 1025. | 1025. | 62. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |

Ende des Verses 1.16

Verse: 16, Buchstaben: 67, 1030, 1030, Totalwerte: 4009, 60146, 60146

Darum spricht Jahwe also: Ich habe mich Jerusalem mit Erbarmen wieder zugewandt; mein Haus, spricht Jahwe der Heerscharen, soll darin gebaut, und die Meßschnur über Jerusalem gezogen werden.

– 1.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 255. | 255. | 1031. | 1031. | 1. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | ferner/noch |
| 2. | 256. | 256. | 1034. | 1034. | 4. | 3 | 301 | 100_200_1 | קרא | QRA | rufe (aus) |
| 3. | 257. | 257. | 1037. | 1037. | 7. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sprich/zu sagen |
| 4. | 258. | 258. | 1041. | 1041. | 11. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 5. | 259. | 259. | 1043. | 1043. | 13. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | spricht/er (=es) spricht |
| 6. | 260. | 260. | 1046. | 1046. | 16. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 261. | 261. | 1050. | 1050. | 20. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 8. | 262. | 262. | 1055. | 1055. | 25. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | noch |
| 9. | 263. | 263. | 1058. | 1058. | 28. | 7 | 641 | 400_80_6_90_10_50_5 | תפוצינה | TPWßJNH | sollen überfließen/sie werden überfließen |
| 10. | 264. | 264. | 1065. | 1065. | 35. | 3 | 280 | 70_200_10 | ערי | aRJ | meine Städte |
| 11. | 265. | 265. | 1068. | 1068. | 38. | 4 | 57 | 40_9_6_2 | משוב | MtWB | von Gutem |
| 12. | 266. | 266. | 1072. | 1072. | 42. | 4 | 104 | 6_50_8_40 | ונחמ | WNCM | und er (=es) wird trösten |
| 13. | 267. | 267. | 1076. | 1076. | 46. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 14. | 268. | 268. | 1080. | 1080. | 50. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | noch/fernerhin |
| 15. | 269. | 269. | 1083. | 1083. | 53. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 16. | 270. | 270. | 1085. | 1085. | 55. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | קיונ | ßJWN | Zion |
| 17. | 271. | 271. | 1089. | 1089. | 59. | 4 | 216 | 6_2_8_200 | ובחר | WBCR | und erwählen/und er wählt |
| 18. | 272. | 272. | 1093. | 1093. | 63. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | noch/wieder |
| 19. | 273. | 273. | 1096. | 1096. | 66. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | ** Jerusalem |

Ende des Verses 1.17

Verse: 17, Buchstaben: 72, 1102, 1102, Totalwerte: 4152, 64298, 64298

Rufe ferner aus und sprich: So spricht Jahwe der Heerscharen: Meine Städte sollen noch überfließen von Gutem; und Jahwe wird Zion noch trösten und Jerusalem noch erwählen.

– 1.18 (2.1)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-------------------------|-----------------|
| 1. | 274. | 274. | 1103. | 1103. | 1. | 4 | 308 | 6_1_300_1 | ואשא WASA | und ich hob (auf) | |
| 2. | 275. | 275. | 1107. | 1107. | 5. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 3. | 276. | 276. | 1109. | 1109. | 7. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני aJNJ | meine Augen | |
| 4. | 277. | 277. | 1113. | 1113. | 11. | 4 | 208 | 6_1_200_1 | וארא WARA | und sah/und ich schaute | |
| 5. | 278. | 278. | 1117. | 1117. | 15. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה WHNH | und siehe | |
| 6. | 279. | 279. | 1121. | 1121. | 19. | 4 | 273 | 1_200_2_70 | ארבע ARBa | vier | |
| 7. | 280. | 280. | 1125. | 1125. | 23. | 5 | 756 | 100_200_50_6_400 | קרנות QRNWT | Hörner | |

Ende des Verses 1.18

Verse: 18, Buchstaben: 27, 1129, 1129, Totalwerte: 2152, 66450, 66450

Und ich hob meine Augen auf und sah: und siehe, vier Hörner.

– 1.19 (2.2)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|---------------------------------------|
| 1. | 281. | 281. | 1130. | 1130. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach |
| 2. | 282. | 282. | 1134. | 1134. | 5. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 3. | 283. | 283. | 1136. | 1136. | 7. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאך | HMLAK | dem Engel/dem Boten |
| 4. | 284. | 284. | 1141. | 1141. | 12. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/der redende (war) |
| 5. | 285. | 285. | 1145. | 1145. | 16. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 6. | 286. | 286. | 1147. | 1147. | 18. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was (sind) |
| 7. | 287. | 287. | 1149. | 1149. | 20. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese |
| 8. | 288. | 288. | 1152. | 1152. | 23. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 9. | 289. | 289. | 1157. | 1157. | 28. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 10. | 290. | 290. | 1160. | 1160. | 31. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese (sind) |
| 11. | 291. | 291. | 1163. | 1163. | 34. | 6 | 761 | 5_100_200_50_6_400 | הקרנות | HQRNWT | (die) Hörner |
| 12. | 292. | 292. | 1169. | 1169. | 40. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 13. | 293. | 293. | 1172. | 1172. | 43. | 3 | 213 | 7_200_6 | זרו | ZRW | zerstreut haben/(sie) haben zerstreut |
| 14. | 294. | 294. | 1175. | 1175. | 46. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 15. | 295. | 295. | 1177. | 1177. | 48. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 16. | 296. | 296. | 1182. | 1182. | 53. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 17. | 297. | 297. | 1184. | 1184. | 55. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל | JSRAL | Israel/// <Fürst Gottes> |
| 18. | 298. | 298. | 1189. | 1189. | 60. | 7 | 592 | 6_10_200_6_300_30_40 | וירושלם | WJRWSLM | und Jerusalem |

Ende des Verses 1.19

Verse: 19, Buchstaben: 66, 1195, 1195, Totalwerte: 4452, 70902, 70902

Und ich sprach zu dem Engel, der mit mir redete: Was sind diese? Und er sprach zu mir: Diese sind die Hörner, welche Juda, Israel und Jerusalem zerstreut haben.

– 1.20 (2.3)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|------------------------------|
| 1. | 299. | 299. | 1196. | 1196. | 1. | 6 | 277 | 6_10_200_1_50_10 | ויראני | WJRANJ | und er (=es) ließ sehen mich |
| 2. | 300. | 300. | 1202. | 1202. | 7. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 301. | 301. | 1206. | 1206. | 11. | 5 | 278 | 1_200_2_70_5 | ארבעה | ARBaH | vier |
| 4. | 302. | 302. | 1211. | 1211. | 16. | 5 | 558 | 8_200_300_10_40 | חרשימ | CRSJm | Werkleute/Schmiede |

Ende des Verses 1.20

Verse: 20, Buchstaben: 20, 1215, 1215, Totalwerte: 1139, 72041, 72041

Und Jahwe ließ mich vier Werkleute sehen.

– 1.21 (2.4)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 303. | 303. | 1216. | 1216. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach/und ich sagte |
| 2. | 304. | 304. | 1220. | 1220. | 5. | 2 | 45 | 40_5 | סה | MH | was (sind) |
| 3. | 305. | 305. | 1222. | 1222. | 7. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese |
| 4. | 306. | 306. | 1225. | 1225. | 10. | 4 | 53 | 2_1_10_40 | באימ | BAJM | wollen/kommend(e) |
| 5. | 307. | 307. | 1229. | 1229. | 14. | 5 | 806 | 30_70_300_6_400 | לעשות | LaSWT | (zu) tun |
| 6. | 308. | 308. | 1234. | 1234. | 19. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach (zu mir) |
| 7. | 309. | 309. | 1239. | 1239. | 24. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagte/zu sagen |
| 8. | 310. | 310. | 1243. | 1243. | 28. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | jene sind/diese (sind) |
| 9. | 311. | 311. | 1246. | 1246. | 31. | 6 | 761 | 5_100_200_50_6_400 | הקרנות | HQRNWT | (die) Hörner |
| 10. | 312. | 312. | 1252. | 1252. | 37. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 11. | 313. | 313. | 1255. | 1255. | 40. | 3 | 213 | 7_200_6 | זרו | ZRW | haben zerstreut/(sie) zerstreuten |
| 12. | 314. | 314. | 1258. | 1258. | 43. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 13. | 315. | 315. | 1260. | 1260. | 45. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 14. | 316. | 316. | 1265. | 1265. | 50. | 3 | 110 | 20_80_10 | כפי | KPJ | dermaßen dass |
| 15. | 317. | 317. | 1268. | 1268. | 53. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | jemand/(ein) Mann |
| 16. | 318. | 318. | 1271. | 1271. | 56. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht (mehr) |
| 17. | 319. | 319. | 1273. | 1273. | 58. | 3 | 351 | 50_300_1 | נשא | NSA | (er) erhob |
| 18. | 320. | 320. | 1276. | 1276. | 61. | 4 | 507 | 200_1_300_6 | ראשו | RASW | sein Haupt |
| 19. | 321. | 321. | 1280. | 1280. | 65. | 5 | 25 | 6_10_2_1_6 | ויבאו | WJBAW | und (es) sind gekommen/und sie kamen |
| 20. | 322. | 322. | 1285. | 1285. | 70. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese |
| 21. | 323. | 323. | 1288. | 1288. | 73. | 6 | 257 | 30_5_8_200_10_4 | להחריד | LHCRJD | um in Schrecken zu setzen/um zu schrecken |
| 22. | 324. | 324. | 1294. | 1294. | 79. | 3 | 441 | 1_400_40 | אתם | ATM | sie |
| 23. | 325. | 325. | 1297. | 1297. | 82. | 5 | 450 | 30_10_4_6_400 | לירות | LJDWT | (und) niederzuwerfen/abzuschlagen |
| 24. | 326. | 326. | 1302. | 1302. | 87. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 25. | 327. | 327. | 1304. | 1304. | 89. | 5 | 756 | 100_200_50_6_400 | קרנות | QRNWT | die Hörner |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|------|------|-----|------------------|-----------|-----------|--------------------------------------------|
| 26. | 328. | 328. | 1309. | 1309. | 94. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגויים | HGWJM | der Nationen/der Volksstämme |
| 27. | 329. | 329. | 1314. | 1314. | 99. | 6 | 406 | 5_50_300_1_10_40 | הנשאים | HNSAJM | welche erhoben haben/die erhebend(e) waren |
| 28. | 330. | 330. | 1320. | 1320. | 105. | 3 | 350 | 100_200_50 | קרנ | QRN | das Horn/(ein) Horn |
| 29. | 331. | 331. | 1323. | 1323. | 108. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | gegen/wider |
| 30. | 332. | 332. | 1325. | 1325. | 110. | 3 | 291 | 1_200_90 | ארץ | ARß | das Land |
| 31. | 333. | 333. | 1328. | 1328. | 113. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 32. | 334. | 334. | 1333. | 1333. | 118. | 6 | 648 | 30_7_200_6_400_5 | לזרותה | LZRWTH | ((um) zu zerstreuen sie (=es) |

Ende des Verses 1.21

Verse: 21, Buchstaben: 123, 1338, 1338, Totalwerte: 9153, 81194, 81194

Und ich sprach: Was wollen diese tun? Und er sprach zu mir und sagte: Jene sind die Hörner, welche Juda dermaßen zerstreut haben, daß niemand mehr sein Haupt erhob; und diese sind gekommen, um sie in Schrecken zu setzen und die Hörner der Nationen niederzuwerfen, welche das Horn gegen das Land Juda erhoben haben, um es zu zerstreuen.

Ende des Kapitels 1

– 2.1 (2.5)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-------------------------------|-----------------|
| 1. | 1. | 335. | 1. | 1339. | 1. | 4 | 308 | 6_1_300_1 | ואשא WASA | und ich hob auf/und ich erhob | |
| 2. | 2. | 336. | 5. | 1343. | 5. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני aJNJ | meine Augen | |
| 3. | 3. | 337. | 9. | 1347. | 9. | 4 | 208 | 6_1_200_1 | וארא WARA | und sah/und ich schaute | |
| 4. | 4. | 338. | 13. | 1351. | 13. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה WHNH | und siehe | |
| 5. | 5. | 339. | 17. | 1355. | 17. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש AJS | (ein) Mann | |
| 6. | 6. | 340. | 20. | 1358. | 20. | 5 | 28 | 6_2_10_4_6 | ובידו WBJDW | und in seiner Hand | |
| 7. | 7. | 341. | 25. | 1363. | 25. | 3 | 40 | 8_2_30 | חבל CBL | (war) (eine) Schnur | |
| 8. | 8. | 342. | 28. | 1366. | 28. | 3 | 49 | 40_4_5 | סדה MDH | (zum) Mess(en)/zur Ausmessung | |

Ende des Verses 2.1

Verse: 22, Buchstaben: 30, 30, 1368, Totalwerte: 1150, 1150, 82344

Und ich hob meine Augen auf und sah: und siehe, ein Mann, und eine Meßschnur war in seiner Hand.

– 2.2 (2.6)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|----------------------------------|-----------------|
| 1. | 9. | 343. | 31. | 1369. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | und ich sprach/und ich sagte | |
| 2. | 10. | 344. | 35. | 1373. | 5. | 3 | 56 | 1_50_5 | אנה ANH | wohin | |
| 3. | 11. | 345. | 38. | 1376. | 8. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה ATH | du (bist) | |
| 4. | 12. | 346. | 41. | 1379. | 11. | 3 | 55 | 5_30_20 | הלכ HLK | gehst/gehend(er) | |
| 5. | 13. | 347. | 44. | 1382. | 14. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר WJAMR | und er sprach | |
| 6. | 14. | 348. | 49. | 1387. | 19. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי ALJ | zu mir | |
| 7. | 15. | 349. | 52. | 1390. | 22. | 3 | 74 | 30_40_4 | למד LMD | zu messen/zum Ausmessen | |
| 8. | 16. | 350. | 55. | 1393. | 25. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 9. | 17. | 351. | 57. | 1395. | 27. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם JRWSLM | Jerusalem | |
| 10. | 18. | 352. | 63. | 1401. | 33. | 5 | 637 | 30_200_1_6_400 | לראות LRAWT | ((um) zu sehen | |
| 11. | 19. | 353. | 68. | 1406. | 38. | 3 | 65 | 20_40_5 | ךמה KMH | wie groß | |
| 12. | 20. | 354. | 71. | 1409. | 41. | 4 | 215 | 200_8_2_5 | רחבה RCBH | seine Breite/ihre Breite | |
| 13. | 21. | 355. | 75. | 1413. | 45. | 4 | 71 | 6_20_40_5 | וכמה WKMH | und wie groß | |
| 14. | 22. | 356. | 79. | 1417. | 49. | 4 | 226 | 1_200_20_5 | ארכה ARKH | seine Länge ist/ihre Länge (ist) | |

Ende des Verses 2.2

Verse: 23, Buchstaben: 52, 82, 1420, Totalwerte: 3337, 4487, 85681

Und ich sprach: Wohin gehst du? Und er sprach zu mir: Jerusalem zu messen, um zu sehen, wie groß seine Breite und wie groß seine Länge ist.

– 2.3 (2.7)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 23. | 357. | 83. | 1421. | 1. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 2. | 24. | 358. | 87. | 1425. | 5. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 25. | 359. | 92. | 1430. | 10. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/der redend (war) |
| 4. | 26. | 360. | 96. | 1434. | 14. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 5. | 27. | 361. | 98. | 1436. | 16. | 3 | 101 | 10_90_1 | יצא | JßA | ging aus/(war) abgehend(er) |
| 6. | 28. | 362. | 101. | 1439. | 19. | 5 | 97 | 6_40_30_1_20 | ומלאכ | WMLAK | und ein Engel/und (ein) Bote |
| 7. | 29. | 363. | 106. | 1444. | 24. | 3 | 209 | 1_8_200 | אחר | ACR | anderer |
| 8. | 30. | 364. | 109. | 1447. | 27. | 3 | 101 | 10_90_1 | יצא | JßA | ging aus/hervortretend(er) (war) |
| 9. | 31. | 365. | 112. | 1450. | 30. | 6 | 737 | 30_100_200_1_400_6 | לקראחו | LQRATW | ihm entgegen |

Ende des Verses 2.3

Verse: 24, Buchstaben: 35, 117, 1455, Totalwerte: 1630, 6117, 87311

Und siehe, der Engel, der mit mir redete, ging aus; und ein anderer Engel ging aus, ihm entgegen.

– 2.4 (2.8)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 32. | 366. | 118. | 1456. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er) sprach |
| 2. | 33. | 367. | 123. | 1461. | 6. | 3 | 37 | 1_30_6 | אלו | ALW | zu ihm |
| 3. | 34. | 368. | 126. | 1464. | 9. | 2 | 290 | 200_90 | רצ | Rß | lauf |
| 4. | 35. | 369. | 128. | 1466. | 11. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | rede |
| 5. | 36. | 370. | 131. | 1469. | 14. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 6. | 37. | 371. | 133. | 1471. | 16. | 4 | 325 | 5_50_70_200 | הנער | HNaR | dem Jüngling/dem Jungmann |
| 7. | 38. | 372. | 137. | 1475. | 20. | 3 | 42 | 5_30_7 | הלו | HLZ | diesem |
| 8. | 39. | 373. | 140. | 1478. | 23. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sprich/zu sagen |
| 9. | 40. | 374. | 144. | 1482. | 27. | 5 | 693 | 80_200_7_6_400 | פרזות | PRZWT | als offene Stadt/offenes Gelände |
| 10. | 41. | 375. | 149. | 1487. | 32. | 3 | 702 | 400_300_2 | תשב | TSB | wird bewohnt werden/sie soll bleiben |
| 11. | 42. | 376. | 152. | 1490. | 35. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 12. | 43. | 377. | 158. | 1496. | 41. | 3 | 242 | 40_200_2 | סרב | MRB | wegen der Menge/ob der Menge |
| 13. | 44. | 378. | 161. | 1499. | 44. | 3 | 45 | 1_4_40 | אדם | ADM | (von) Menschen |
| 14. | 45. | 379. | 164. | 1502. | 47. | 5 | 58 | 6_2_5_40_5 | ובהמה | WBHMH | und Vieh |
| 15. | 46. | 380. | 169. | 1507. | 52. | 5 | 433 | 2_400_6_20_5 | בחוכה | BTWKH | in seiner Mitte/darin |

Ende des Verses 2.4

Verse: 25, Buchstaben: 56, 173, 1511, Totalwerte: 4218, 10335, 91529

Und er sprach zu ihm: Laufe, rede zu diesem Jüngling und sprich: Als offene Stadt wird Jerusalem bewohnt werden wegen der Menge Menschen und Vieh in seiner Mitte.

– 2.5 (2.9)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|----------------------------------|-----------------|
| 1. | 47. | 381. | 174. | 1512. | 1. | 4 | 67 | 6_1_50_10 | ואני WANJ | und ich (selbst) | |
| 2. | 48. | 382. | 178. | 1516. | 5. | 4 | 21 | 1_5_10_5 | אהיה AHJH | (ich) werde sein | |
| 3. | 49. | 383. | 182. | 1520. | 9. | 2 | 35 | 30_5 | לה LH | ihm/für sie | |
| 4. | 50. | 384. | 184. | 1522. | 11. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 5. | 51. | 385. | 187. | 1525. | 14. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 6. | 52. | 386. | 191. | 1529. | 18. | 4 | 454 | 8_6_40_400 | חומת CWMT | eine Mauer | |
| 7. | 53. | 387. | 195. | 1533. | 22. | 2 | 301 | 1_300 | אש AS | feurige/(von) Feuer | |
| 8. | 54. | 388. | 197. | 1535. | 24. | 4 | 74 | 60_2_10_2 | סביב sBJB | ringsum | |
| 9. | 55. | 389. | 201. | 1539. | 28. | 6 | 68 | 6_30_20_2_6_4 | ולכבוד WLKBWD | und zur Herrlichkeit | |
| 10. | 56. | 390. | 207. | 1545. | 34. | 4 | 21 | 1_5_10_5 | אהיה AHJH | (ich) werde sein | |
| 11. | 57. | 391. | 211. | 1549. | 38. | 5 | 433 | 2_400_6_20_5 | בתוכה BTWKH | in seiner Mitte/in ihrem Inneren | |

Ende des Verses 2.5

Verse: 26, Buchstaben: 42, 215, 1553, Totalwerte: 1591, 11926, 93120

Und ich, spricht Jahwe, werde ihm eine feurige Mauer sein ringsum, und werde zur Herrlichkeit sein in seiner Mitte. -

– 2.6 (2.10)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|------------------------------|-----------------|
| 1. | 58. | 392. | 216. | 1554. | 1. | 3 | 21 | 5.6_10 | הוי HWJ | hui/wehe | |
| 2. | 59. | 393. | 219. | 1557. | 4. | 3 | 21 | 5.6_10 | הוי HWJ | hui/wehe | |
| 3. | 60. | 394. | 222. | 1560. | 7. | 4 | 122 | 6.50_60_6 | ונסו WNsW | (und) flieht | |
| 4. | 61. | 395. | 226. | 1564. | 11. | 4 | 331 | 40.1_200_90 | סארצ MARß | aus dem Lande | |
| 5. | 62. | 396. | 230. | 1568. | 15. | 4 | 226 | 90.80.6_50 | ץפונ βPWN | des Nordens | |
| 6. | 63. | 397. | 234. | 1572. | 19. | 3 | 91 | 50.1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 7. | 64. | 398. | 237. | 1575. | 22. | 4 | 26 | 10.5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 8. | 65. | 399. | 241. | 1579. | 26. | 2 | 30 | 20.10 | די KJ | denn | |
| 9. | 66. | 400. | 243. | 1581. | 28. | 5 | 293 | 20.1_200_2_70 | ךארבע KARBa | nach den vier/wie (die) vier | |
| 10. | 67. | 401. | 248. | 1586. | 33. | 5 | 620 | 200.6.8_6_400 | רוחות RWCWT | Winde(n) | |
| 11. | 68. | 402. | 253. | 1591. | 38. | 5 | 395 | 5.300.40_10_40 | השמימ HSMJM | des Himmels/der Himmel | |
| 12. | 69. | 403. | 258. | 1596. | 43. | 5 | 990 | 80.200.300.400_10 | פרשתי PRSTJ | ich breite(te) aus | |
| 13. | 70. | 404. | 263. | 1601. | 48. | 4 | 461 | 1.400.20_40 | אתכם ATKM | euch | |
| 14. | 71. | 405. | 267. | 1605. | 52. | 3 | 91 | 50.1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 15. | 72. | 406. | 270. | 1608. | 55. | 4 | 26 | 10.5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 2.6

Verse: 27, Buchstaben: 58, 273, 1611, Totalwerte: 3744, 15670, 96864

Hui! Hui! Fliehet aus dem Lande des Nordens! spricht Jahwe; denn nach den vier Winden des Himmels breite ich euch aus, spricht Jahwe.

– 2.7 (2.11)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------|
| 1. | 73. | 407. | 274. | 1612. | 1. | 3 | 21 | 5_6_10 | הוי HWJ | hui/wehe | |
| 2. | 74. | 408. | 277. | 1615. | 4. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | קיוו BJWN | | (nach) Zion |
| 3. | 75. | 409. | 281. | 1619. | 8. | 5 | 94 | 5_40_30_9_10 | המלטי HMLtJ | | entrinne/rette dich |
| 4. | 76. | 410. | 286. | 1624. | 13. | 5 | 718 | 10_6_300_2_400 | יושבת JWST | | die du wohnst/Bewohnerin |
| 5. | 77. | 411. | 291. | 1629. | 18. | 2 | 402 | 2_400 | בה BT | | (bei) der Tochter |
| 6. | 78. | 412. | 293. | 1631. | 20. | 3 | 34 | 2_2_30 | בבל BBL | | Babel(s) |

Ende des Verses 2.7

Verse: 28, Buchstaben: 22, 295, 1633, Totalwerte: 1425, 17095, 98289

Hui! Entrinne, Zion, die du wohnst bei der Tochter Babels!

– 2.8 (2.12)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-------------|---------------------------------------|-----------------|
| 1. | 79. | 413. | 296. | 1634. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 2. | 80. | 414. | 298. | 1636. | 3. | 2 | 25 | 20_5 | דה KH | so | |
| 3. | 81. | 415. | 300. | 1638. | 5. | 3 | 241 | 1.40_200 | אמר AMR | (er) spricht | |
| 4. | 82. | 416. | 303. | 1641. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 5. | 83. | 417. | 307. | 1645. | 12. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 6. | 84. | 418. | 312. | 1650. | 17. | 3 | 209 | 1.8_200 | אחר ACR | nach | |
| 7. | 85. | 419. | 315. | 1653. | 20. | 4 | 32 | 20_2_6_4 | ךבוד KBWD | der Herrlichkeit/Ehre | |
| 8. | 86. | 420. | 319. | 1657. | 24. | 5 | 398 | 300_30_8_50_10 | שלהני SLCNJ | er hat mich (aus)gesandt | |
| 9. | 87. | 421. | 324. | 1662. | 29. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | zu | |
| 10. | 88. | 422. | 326. | 1664. | 31. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ HGWJM | den Nationen/den Völkern | |
| 11. | 89. | 423. | 331. | 1669. | 36. | 6 | 415 | 5_300_30_30_10_40 | השלימ HSLLM | die geplündert haben/den ausbeutenden | |
| 12. | 90. | 424. | 337. | 1675. | 42. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אתכמ ATKM | euch | |
| 13. | 91. | 425. | 341. | 1679. | 46. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 14. | 92. | 426. | 343. | 1681. | 48. | 4 | 128 | 5_50_3_70 | הנגע HNGa | wer antastet/der Rührende | |
| 15. | 93. | 427. | 347. | 1685. | 52. | 3 | 62 | 2_20_40 | בכמ BKM | (an) euch | |
| 16. | 94. | 428. | 350. | 1688. | 55. | 3 | 123 | 50_3_70 | ונע NGe | tastet an/(ist) rührend(er) an | |
| 17. | 95. | 429. | 353. | 1691. | 58. | 4 | 406 | 2_2_2_400 | בבבת BBBT | seinen Apfel/den Apfel | |
| 18. | 96. | 430. | 357. | 1695. | 62. | 4 | 136 | 70_10_50_6 | עיני aJNW | (des) Aug(es)/seines Aug(es) | |

Ende des Verses 2.8

Verse: 29, Buchstaben: 65, 360, 1698, Totalwerte: 3316, 20411, 101605

Denn so spricht Jahwe der Heerscharen: Nach der Herrlichkeit hat er mich zu den Nationen gesandt, die euch geplündert haben; denn wer euch antastet, tastet seinen Augapfel an.

– 2.9 (2.13)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|---------------------------------------|-----------------|
| 1. | 97. | 431. | 361. | 1699. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 2. | 98. | 432. | 363. | 1701. | 3. | 4 | 115 | 5_50_50_10 | הנני HNNJ | siehe ich (bin) | |
| 3. | 99. | 433. | 367. | 1705. | 7. | 4 | 180 | 40_50_10_80 | מניפ MNJP | werde schwingen/schwingend(er) | |
| 4. | 100. | 434. | 371. | 1709. | 11. | 2 | 401 | 1_400 | אה AT | ** | |
| 5. | 101. | 435. | 373. | 1711. | 13. | 3 | 24 | 10_4_10 | ידי JDJ | meine Hand | |
| 6. | 102. | 436. | 376. | 1714. | 16. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם aLJHM | über sie/wider sie | |
| 7. | 103. | 437. | 381. | 1719. | 21. | 4 | 27 | 6_5_10_6 | והיו WHJW | und sie werden | |
| 8. | 104. | 438. | 385. | 1723. | 25. | 3 | 360 | 300_30_30 | שלל SLL | zum Raub sein denen/Beute | |
| 9. | 105. | 439. | 388. | 1726. | 28. | 7 | 161 | 30_70_2_4_10_5_40 | לעבדיהם LaBDJHM | welche ihnen dienten/für ihre Knechte | |
| 10. | 106. | 440. | 395. | 1733. | 35. | 6 | 530 | 6_10_4_70_400_40 | וידעתם WJDaTM | und ihr werdet erkennen | |
| 11. | 107. | 441. | 401. | 1739. | 41. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | dass | |
| 12. | 108. | 442. | 403. | 1741. | 43. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 13. | 109. | 443. | 407. | 1745. | 47. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 14. | 110. | 444. | 412. | 1750. | 52. | 5 | 398 | 300_30_8_50_10 | שלחני SLCNJ | (er) hat mich gesandt | |

Ende des Verses 2.9

Verse: 30, Buchstaben: 56, 416, 1754, Totalwerte: 2936, 23347, 104541

Denn siehe, ich werde meine Hand über sie schwingen, und sie werden denen zum Raube sein, welche ihnen dienten; und ihr werdet erkennen, daß Jahwe der Heerscharen mich gesandt hat. -

– 2.10 (2.14)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|------------------------|-----------------|
| 1. | 111. | 445. | 417. | 1755. | 1. | 3 | 260 | 200_50_10 | רני RNJ | juble | |
| 2. | 112. | 446. | 420. | 1758. | 4. | 5 | 364 | 6_300_40_8_10 | ושמחי WSMCJ | und freue dich | |
| 3. | 113. | 447. | 425. | 1763. | 9. | 2 | 402 | 2_400 | בה BT | Tochter | |
| 4. | 114. | 448. | 427. | 1765. | 11. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | ציון BJWN | Zion | |
| 5. | 115. | 449. | 431. | 1769. | 15. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 6. | 116. | 450. | 433. | 1771. | 17. | 4 | 115 | 5_50_50_10 | הנני HNNJ | siehe ich (bin) | |
| 7. | 117. | 451. | 437. | 1775. | 21. | 2 | 3 | 2_1 | בא BA | komme(nd(er)) | |
| 8. | 118. | 452. | 439. | 1777. | 23. | 6 | 786 | 6_300_20_50_400_10 | ושכנתי WSKNTJ | und (ich) werde wohnen | |
| 9. | 119. | 453. | 445. | 1783. | 29. | 5 | 448 | 2_400_6_20_20 | בתוכי BTWKK | in deiner Mitte | |
| 10. | 120. | 454. | 450. | 1788. | 34. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 11. | 121. | 455. | 453. | 1791. | 37. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 2.10

Verse: 31, Buchstaben: 40, 456, 1794, Totalwerte: 2681, 26028, 107222

Jubele und freue dich, Tochter Zion! Denn siehe, ich komme und werde in deiner Mitte wohnen, spricht Jahwe.

– 2.11 (2.15)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------------------|
| 1. | 122. | 456. | 457. | 1795. | 1. | 5 | 98 | 6.50.30.6.6 | ונלו | WNLWW | und anschließen werden sich/und sie (=es) schließen sich an |
| 2. | 123. | 457. | 462. | 1800. | 6. | 4 | 59 | 3.6.10.40 | גוימ | GWJM | Nationen/Völker |
| 3. | 124. | 458. | 466. | 1804. | 10. | 4 | 252 | 200.2.10.40 | רבימ | RBJM | viele |
| 4. | 125. | 459. | 470. | 1808. | 14. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | an |
| 5. | 126. | 460. | 472. | 1810. | 16. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 6. | 127. | 461. | 476. | 1814. | 20. | 4 | 58 | 2.10.6.40 | ביומ | BJWM | an Tag |
| 7. | 128. | 462. | 480. | 1818. | 24. | 4 | 17 | 5.5.6.1 | ההוא | HHWA | jenem |
| 8. | 129. | 463. | 484. | 1822. | 28. | 4 | 27 | 6.5.10.6 | והיו | WHJW | und sie werden (sein) |
| 9. | 130. | 464. | 488. | 1826. | 32. | 2 | 40 | 30.10 | לי | LJ | mein/mir |
| 10. | 131. | 465. | 490. | 1828. | 34. | 3 | 140 | 30.70.40 | לעמ | LaM | (zum) Volk |
| 11. | 132. | 466. | 493. | 1831. | 37. | 6 | 786 | 6.300.20.50.400.10 | ושכנתי | WSKNTJ | und ich werde wohnen |
| 12. | 133. | 467. | 499. | 1837. | 43. | 5 | 448 | 2.400.6.20.20 | בתוכך | BTWKK | in deiner Mitte |
| 13. | 134. | 468. | 504. | 1842. | 48. | 5 | 490 | 6.10.4.70.400 | וידעת | WJDaT | und du wirst erkennen |
| 14. | 135. | 469. | 509. | 1847. | 53. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | dass |
| 15. | 136. | 470. | 511. | 1849. | 55. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 16. | 137. | 471. | 515. | 1853. | 59. | 5 | 499 | 90.2.1.6.400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 17. | 138. | 472. | 520. | 1858. | 64. | 5 | 398 | 300.30.8.50.10 | שלחני | SLCNJ | (er) hat mich gesandt |
| 18. | 139. | 473. | 525. | 1863. | 69. | 4 | 61 | 1.30.10.20 | אליך | ALJK | zu dir |

Ende des Verses 2.11

Verse: 32, Buchstaben: 72, 528, 1866, Totalwerte: 3486, 29514, 110708

Und an jenem Tage werden viele Nationen sich an Jahwe anschließen, und sie werden mein Volk sein; und ich werde in deiner Mitte wohnen, und du wirst erkennen, daß Jahwe der Heerscharen mich zu dir gesandt hat.

– 2.12 (2.16)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|------------------------------------------------|
| 1. | 140. | 474. | 529. | 1867. | 1. | 4 | 94 | 6_50_8_30 | ונהל | WNCL | und besitzen wird/und er (=es) nimmt in Besitz |
| 2. | 141. | 475. | 533. | 1871. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 142. | 476. | 537. | 1875. | 9. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 4. | 143. | 477. | 539. | 1877. | 11. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 5. | 144. | 478. | 544. | 1882. | 16. | 4 | 144 | 8_30_100_6 | חלקו | CLQW | als sein Erbteil/(als) seinen Anteil |
| 6. | 145. | 479. | 548. | 1886. | 20. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | in/auf |
| 7. | 146. | 480. | 550. | 1888. | 22. | 4 | 445 | 1_4_40_400 | ארמת | ADMT | dem Land/(dem) Boden |
| 8. | 147. | 481. | 554. | 1892. | 26. | 4 | 409 | 5_100_4_300 | הקדש | HQDS | heiligen/des Heiligtums |
| 9. | 148. | 482. | 558. | 1896. | 30. | 4 | 216 | 6_2_8_200 | ובהר | WBCR | und wird erwählen/und er erwählt |
| 10. | 149. | 483. | 562. | 1900. | 34. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | noch(mals) |
| 11. | 150. | 484. | 565. | 1903. | 37. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | ** Jerusalem |

Ende des Verses 2.12

Verse: 33, Buchstaben: 43, 571, 1909, Totalwerte: 2533, 32047, 113241

Und Jahwe wird Juda als sein Erbteil besitzen in dem heiligen Lande und wird Jerusalem noch erwählen.

– 2.13 (2.17)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|--------------------------------------|-----------------|
| 1. | 151. | 485. | 572. | 1910. | 1. | 2 | 65 | 5_60 | הַס Hs | (es) schweige/still (da) | |
| 2. | 152. | 486. | 574. | 1912. | 3. | 2 | 50 | 20_30 | כֹּל KL | alles | |
| 3. | 153. | 487. | 576. | 1914. | 5. | 3 | 502 | 2_300_200 | בָּשָׂר BSR | Fleisch | |
| 4. | 154. | 488. | 579. | 1917. | 8. | 4 | 180 | 40_80_50_10 | מִפְנֵי MPNJ | vor (der Gegenwart) | |
| 5. | 155. | 489. | 583. | 1921. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה JHWH | Jahwe(s) | |
| 6. | 156. | 490. | 587. | 1925. | 16. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי KJ | denn | |
| 7. | 157. | 491. | 589. | 1927. | 18. | 4 | 326 | 50_70_6_200 | נֶעֱרַר NaWR | er hat sich aufgemacht/er bricht auf | |
| 8. | 158. | 492. | 593. | 1931. | 22. | 5 | 206 | 40_40_70_6_50 | מִמְעוֹן MMaWN | aus seiner Wohnung/von der Stätte | |
| 9. | 159. | 493. | 598. | 1936. | 27. | 4 | 410 | 100_4_300_6 | קִדְשׁ QDSW | heiligen/seines Heiligtums | |

Ende des Verses 2.13

Verse: 34, Buchstaben: 30, 601, 1939, Totalwerte: 1795, 33842, 115036

Alles Fleisch schweige vor Jahwe! Denn er hat sich aufgemacht aus seiner heiligen Wohnung.

Ende des Kapitels 2

– 3.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 1. | 494. | 1. | 1940. | 1. | 6 | 277 | 6_10_200_1_50_10 | ויראני | WJРАНJ | und er ließ sehen mich |
| 2. | 2. | 495. | 7. | 1946. | 7. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 3. | 496. | 9. | 1948. | 9. | 5 | 391 | 10_5_6_300_70 | יהושע | JHWSa | Josua/J(eh)oschua//<Jahwe ist Rettung> |
| 4. | 4. | 497. | 14. | 1953. | 14. | 4 | 80 | 5_20_5_50 | הכהן | HKHN | den Priester |
| 5. | 5. | 498. | 18. | 1957. | 18. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הגדול | HGDWL | (den) hohen |
| 6. | 6. | 499. | 23. | 1962. | 23. | 3 | 114 | 70_40_4 | עמד | aMD | der stand/stehend(er) |
| 7. | 7. | 500. | 26. | 1965. | 26. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני | LPNJ | vor |
| 8. | 8. | 501. | 30. | 1969. | 30. | 4 | 91 | 40_30_1_20 | מלאכ | MLAK | dem Engel/(dem) Boten |
| 9. | 9. | 502. | 34. | 1973. | 34. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 10. | 10. | 503. | 38. | 1977. | 38. | 5 | 370 | 6_5_300_9_50 | והשטן | WHStN | und der Satan |
| 11. | 11. | 504. | 43. | 1982. | 43. | 3 | 114 | 70_40_4 | עמד | aMD | stand/(war) stehend(er) |
| 12. | 12. | 505. | 46. | 1985. | 46. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | zu/an |
| 13. | 13. | 506. | 48. | 1987. | 48. | 5 | 116 | 10_40_10_50_6 | ימינו | JMJNW | seiner Rechten |
| 14. | 14. | 507. | 53. | 1992. | 53. | 5 | 395 | 30_300_9_50_6 | לשטנו | LStNW | ihm zu widerstehen/anzuklagen ihn |

Ende des Verses 3.1

Verse: 35, Buchstaben: 57, 57, 1996, Totalwerte: 2693, 2693, 117729

Und er ließ mich den Hohenpriester Josua sehen, der vor dem Engel Jahwes stand; und der Satan stand zu seiner Rechten, ihm zu widerstehen.

– 3.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 15. | 508. | 58. | 1997. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er (=es)) sprach |
| 2. | 16. | 509. | 63. | 2002. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 17. | 510. | 67. | 2006. | 10. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 4. | 18. | 511. | 69. | 2008. | 12. | 4 | 364 | 5_300_9_50 | השטן | HStN | (dem) Satan |
| 5. | 19. | 512. | 73. | 2012. | 16. | 4 | 283 | 10_3_70_200 | ינער | JGaR | (es) schelte/er (=es) bedroht |
| 6. | 20. | 513. | 77. | 2016. | 20. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 21. | 514. | 81. | 2020. | 24. | 2 | 22 | 2_20 | בכ | BK | dich |
| 8. | 22. | 515. | 83. | 2022. | 26. | 4 | 364 | 5_300_9_50 | השטן | HStN | Satan |
| 9. | 23. | 516. | 87. | 2026. | 30. | 5 | 289 | 6_10_3_70_200 | וינער | WJGaR | ja es schelte/und er (=es) bedroht |
| 10. | 24. | 517. | 92. | 2031. | 35. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 25. | 518. | 96. | 2035. | 39. | 2 | 22 | 2_20 | בכ | BK | dich |
| 12. | 26. | 519. | 98. | 2037. | 41. | 4 | 215 | 5_2_8_200 | הבחר | HBCR | der erwählt hat/der Erwählende |
| 13. | 27. | 520. | 102. | 2041. | 45. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | ** Jerusalem |
| 14. | 28. | 521. | 109. | 2048. | 52. | 4 | 42 | 5_30_6_1 | הלוא | HLWA | (etwa) nicht |
| 15. | 29. | 522. | 113. | 2052. | 56. | 2 | 12 | 7_5 | זה | ZH | ist dieser/das ist |
| 16. | 30. | 523. | 115. | 2054. | 58. | 3 | 11 | 1_6_4 | אור | AWD | ein Brandscheit/(ein) Holzscheit |
| 17. | 31. | 524. | 118. | 2057. | 61. | 3 | 160 | 40_90_30 | מצל | MßL | das gerettet ist/entrissen(es) |
| 18. | 32. | 525. | 121. | 2060. | 64. | 3 | 341 | 40_1_300 | מאש | MAS | aus dem Feuer |

Ende des Verses 3.2

Verse: 36, Buchstaben: 66, 123, 2062, Totalwerte: 3079, 5772, 120808

Und Jahwe sprach zum Satan: Jahwe schelte dich, Satan! Ja, es schelte dich Jahwe, der Jerusalem erwählt hat! Ist dieser nicht ein Brandscheit, das aus dem Feuer gerettet ist?

– 3.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|---------------------------|
| 1. | 33. | 526. | 124. | 2063. | 1. | 6 | 397 | 6_10_5_6_300_70 | ויהושע | WJHWSa | und Josua/und J(eh)oschua |
| 2. | 34. | 527. | 130. | 2069. | 7. | 3 | 20 | 5_10_5 | היה | HJH | (er) war |
| 3. | 35. | 528. | 133. | 2072. | 10. | 3 | 332 | 30_2_300 | לבש | LBS | bekleidet(er) |
| 4. | 36. | 529. | 136. | 2075. | 13. | 5 | 59 | 2_3_4_10_40 | בגדימ | BGDJM | mit Kleidern |
| 5. | 37. | 530. | 141. | 2080. | 18. | 5 | 147 | 90_6_1_10_40 | קואימ | ßWAJM | schmutzigen |
| 6. | 38. | 531. | 146. | 2085. | 23. | 4 | 120 | 6_70_40_4 | ועמד | WaMD | und stand/und stehend(er) |
| 7. | 39. | 532. | 150. | 2089. | 27. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני | LPNJ | vor |
| 8. | 40. | 533. | 154. | 2093. | 31. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | dem Engel/dem Boten |

Ende des Verses 3.3

Verse: 37, Buchstaben: 35, 158, 2097, Totalwerte: 1341, 7113, 122149

Und Josua war bekleidet mit schmutzigen Kleidern und stand vor dem Engel.

– 3.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 41. | 534. | 159. | 2098. | 1. | 4 | 136 | 6_10_70_50 | ויענו | WJaN | und (der Engel) hob an/und er hob an |
| 2. | 42. | 535. | 163. | 2102. | 5. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er) sprach |
| 3. | 43. | 536. | 168. | 2107. | 10. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 4. | 44. | 537. | 170. | 2109. | 12. | 6 | 169 | 5_70_40_4_10_40 | העמדימ | HaMDJM | denen welche standen/den Stehenden |
| 5. | 45. | 538. | 176. | 2115. | 18. | 5 | 176 | 30_80_50_10_6 | לפניו | LPNJW | vor ihm |
| 6. | 46. | 539. | 181. | 2120. | 23. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagte/sagend |
| 7. | 47. | 540. | 185. | 2124. | 27. | 5 | 281 | 5_60_10_200_6 | הסירו | HsJRW | zieht aus/entfernt |
| 8. | 48. | 541. | 190. | 2129. | 32. | 6 | 64 | 5_2_3_4_10_40 | הבגדימ | HBGDJM | die Kleider |
| 9. | 49. | 542. | 196. | 2135. | 38. | 5 | 146 | 5_90_1_10_40 | הצאימ | HBAJM | (die) schmutzigen |
| 10. | 50. | 543. | 201. | 2140. | 43. | 5 | 156 | 40_70_30_10_6 | מעליו | MaLJW | (von) ihm |
| 11. | 51. | 544. | 206. | 2145. | 48. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 12. | 52. | 545. | 211. | 2150. | 53. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 13. | 53. | 546. | 215. | 2154. | 57. | 3 | 206 | 200_1_5 | ראה | RAH | siehe |
| 14. | 54. | 547. | 218. | 2157. | 60. | 6 | 687 | 5_70_2_200_400_10 | העברתי | HaBRTJ | ich habe weggenommen/ich habe fortgenommen |
| 15. | 55. | 548. | 224. | 2163. | 66. | 5 | 170 | 40_70_30_10_20 | מעליכ | MaLJK | von dir |
| 16. | 56. | 549. | 229. | 2168. | 71. | 4 | 146 | 70_6_50_20 | עונכ | aWNK | deine Ungerechtigkeit/deine Schuld |
| 17. | 57. | 550. | 233. | 2172. | 75. | 5 | 343 | 6_5_30_2_300 | והלבש | WHLBS | und ich kleide/und bin anlegend |
| 18. | 58. | 551. | 238. | 2177. | 80. | 3 | 421 | 1_400_20 | אתכ | ATK | dich/dir |
| 19. | 59. | 552. | 241. | 2180. | 83. | 6 | 574 | 40_8_30_90_6_400 | סחלצות | MCLBWT | in Feierkleider/Festgewänder |

Ende des Verses 3.4

Verse: 38, Buchstaben: 88, 246, 2185, Totalwerte: 4538, 11651, 126687

Und der Engel hob an und sprach zu denen, welche vor ihm standen, und sagte: Zieh ihm die schmutzigen Kleider aus; und zu ihm sprach er: Siehe, ich habe deine Ungerechtigkeit von dir weggenommen, und ich kleide dich in Feierkleider.

– 3.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------------|----------------------------------------|-----------------|
| 1. | 60. | 553. | 247. | 2186. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | und ich sprach | |
| 2. | 61. | 554. | 251. | 2190. | 5. | 5 | 366 | 10_300_10_40_6 | ישימו JSJMW | man setze/sie setzen | |
| 3. | 62. | 555. | 256. | 2195. | 10. | 4 | 230 | 90_50_10_80 | קניפ בNJP | (einen) Kopfbund | |
| 4. | 63. | 556. | 260. | 2199. | 14. | 4 | 220 | 9_5_6_200 | טהור tHWR | reinen | |
| 5. | 64. | 557. | 264. | 2203. | 18. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | auf | |
| 6. | 65. | 558. | 266. | 2205. | 20. | 4 | 507 | 200_1_300_6 | ראשו RASW | sein Haupt | |
| 7. | 66. | 559. | 270. | 2209. | 24. | 6 | 372 | 6_10_300_10_40_6 | וישימו WJSJMW | und sie setzten | |
| 8. | 67. | 560. | 276. | 2215. | 30. | 5 | 235 | 5_90_50_10_80 | הצניפ HBNJP | den Kopfbund | |
| 9. | 68. | 561. | 281. | 2220. | 35. | 5 | 225 | 5_9_5_6_200 | הטהור HtHWR | (den) reinen | |
| 10. | 69. | 562. | 286. | 2225. | 40. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | auf | |
| 11. | 70. | 563. | 288. | 2227. | 42. | 4 | 507 | 200_1_300_6 | ראשו RASW | sein Haupt | |
| 12. | 71. | 564. | 292. | 2231. | 46. | 7 | 359 | 6_10_30_2_300_5_6 | וילבשהו WJLBShw | und zogen ihm an/und sie kleideten ihn | |
| 13. | 72. | 565. | 299. | 2238. | 53. | 5 | 59 | 2_3_4_10_40 | בגדימ BGDJM | Kleider/(in) Gewänder(n) | |
| 14. | 73. | 566. | 304. | 2243. | 58. | 5 | 97 | 6_40_30_1_20 | ומלאכ WMLAK | und der Engel/und (der) Bote | |
| 15. | 74. | 567. | 309. | 2248. | 63. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 16. | 75. | 568. | 313. | 2252. | 67. | 3 | 114 | 70_40_4 | עמד aMD | stand dabei/(war) stehend(er) | |

Ende des Verses 3.5

Verse: 39, Buchstaben: 69, 315, 2254, Totalwerte: 3764, 15415, 130451

Und ich sprach: Man setze einen reinen Kopfbund auf sein Haupt. Und sie setzten den reinen Kopfbund auf sein Haupt und zogen ihm Kleider an; und der Engel Jahwes stand dabei.

– 3.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 76. | 569. | 316. | 2255. | 1. | 4 | 90 | 6_10_70_4 | ויעד | WJaD | und (es) bezeugte/und er (=es) beteuerte |
| 2. | 77. | 570. | 320. | 2259. | 5. | 4 | 91 | 40_30_1_20 | מלאכ | MLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 78. | 571. | 324. | 2263. | 9. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 79. | 572. | 328. | 2267. | 13. | 6 | 393 | 2_10_5_6_300_70 | ביהושע | BJHWSa | dem Josua/gegenüber Joschua |
| 5. | 80. | 573. | 334. | 2273. | 19. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sprach/sagend |

Ende des Verses 3.6

Verse: 40, Buchstaben: 22, 337, 2276, Totalwerte: 871, 16286, 131322

Und der Engel Jahwes bezeugte dem Josua und sprach:

– 3.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|--------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 81. | 574. | 338. | 2277. | 1. | 2 | 25 | 20.5 | ךה KH | so | |
| 2. | 82. | 575. | 340. | 2279. | 3. | 3 | 241 | 1.40.200 | אמר AMR | (er) spricht | |
| 3. | 83. | 576. | 343. | 2282. | 6. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 4. | 84. | 577. | 347. | 2286. | 10. | 5 | 499 | 90.2.1.6.400 | ץבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 5. | 85. | 578. | 352. | 2291. | 15. | 2 | 41 | 1.40 | אם AM | wenn | |
| 6. | 86. | 579. | 354. | 2293. | 17. | 5 | 236 | 2.4.200.20.10 | בדרכי BDRKJ | in meinen Wegen/auf meinen Wegen | |
| 7. | 87. | 580. | 359. | 2298. | 22. | 3 | 450 | 400.30.20 | תלכ TLK | du wandeln/du gehst | |
| 8. | 88. | 581. | 362. | 2301. | 25. | 3 | 47 | 6.1.40 | ואם WAM | und wenn | |
| 9. | 89. | 582. | 365. | 2304. | 28. | 2 | 401 | 1.400 | את AT | ** | |
| 10. | 90. | 583. | 367. | 2306. | 30. | 6 | 990 | 40.300.40.200.400.10 | משמרתִי MSMRTJ | meiner Hut/meinen Dienst | |
| 11. | 91. | 584. | 373. | 2312. | 36. | 4 | 940 | 400.300.40.200 | תשמר TSMR | du warten wirst/du beachtest | |
| 12. | 92. | 585. | 377. | 2316. | 40. | 3 | 49 | 6.3.40 | ונם WGM | so sowohl/und auch | |
| 13. | 93. | 586. | 380. | 2319. | 43. | 3 | 406 | 1.400.5 | אתה ATH | du | |
| 14. | 94. | 587. | 383. | 2322. | 46. | 4 | 464 | 400.4.10.50 | תדין TDJN | (du) sollst richten | |
| 15. | 95. | 588. | 387. | 2326. | 50. | 2 | 401 | 1.400 | את AT | ** | |
| 16. | 96. | 589. | 389. | 2328. | 52. | 4 | 422 | 2.10.400.10 | ביתי BJTJ | mein Haus | |
| 17. | 97. | 590. | 393. | 2332. | 56. | 3 | 49 | 6.3.40 | ונם WGM | als auch/und auch | |
| 18. | 98. | 591. | 396. | 2335. | 59. | 4 | 940 | 400.300.40.200 | תשמר TSMR | behüten/du sollst hüten | |
| 19. | 99. | 592. | 400. | 2339. | 63. | 2 | 401 | 1.400 | את AT | ** | |
| 20. | 100. | 593. | 402. | 2341. | 65. | 4 | 308 | 8.90.200.10 | הצרי CBRJ | meine (Vor)Höfe | |
| 21. | 101. | 594. | 406. | 2345. | 69. | 5 | 866 | 6.50.400.400.10 | ונתתי WNTTJ | und sollst ein- und ausgehen/und ich werde geben | |
| 22. | 102. | 595. | 411. | 2350. | 74. | 2 | 50 | 30.20 | לכ LK | du/dir | |
| 23. | 103. | 596. | 413. | 2352. | 76. | 6 | 145 | 40.5.30.20.10.40 | מהלכיִם MHLKJM | Zugänge | |
| 24. | 104. | 597. | 419. | 2358. | 82. | 3 | 62 | 2.10.50 | בין BJN | unter/zwischen | |
| 25. | 105. | 598. | 422. | 2361. | 85. | 6 | 169 | 5.70.40.4.10.40 | העמדיִם HaMDJM | die hier stehen/den Stehenden | |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|----|------------|------------------|-----------|-----------------|
| 26. | 106. | 599. | 428. | 2367. | 91. | 4 | 41 | 5_1-30_5 | הָאֵלֵהּ | HALH | diesen (da) |

Ende des Verses 3.7

Verse: 41, Buchstaben: 94, 431, 2370, Totalwerte: 8669, 24955, 139991

So spricht Jahwe der Heerscharen: Wenn du in meinen Wegen wandeln und wenn du meiner Hut warten wirst, so sollst du sowohl mein Haus richten als auch meine Vorhöfe behüten; und du sollst ein-und ausgehen unter diesen, die hier stehen. -

– 3.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|----------------------------------------|-----------------|
| 1. | 107. | 600. | 432. | 2371. | 1. | 3 | 410 | 300_40_70 | שמע SMA | höre | |
| 2. | 108. | 601. | 435. | 2374. | 4. | 2 | 51 | 50_1 | ןא NA | doch | |
| 3. | 109. | 602. | 437. | 2376. | 6. | 5 | 391 | 10_5_6_300_70 | יהושע JHWSa | Josua/J(eh)oschua | |
| 4. | 110. | 603. | 442. | 2381. | 11. | 4 | 80 | 5_20_5_50 | הכהו HKHN | du Priester | |
| 5. | 111. | 604. | 446. | 2385. | 15. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הגדול HGDWL | (du) hoher | |
| 6. | 112. | 605. | 451. | 2390. | 20. | 3 | 406 | 1_400_5 | אחה ATH | du | |
| 7. | 113. | 606. | 454. | 2393. | 23. | 5 | 306 | 6_200_70_10_20 | ורעיכ WRaJK | und deine Genossen/und deine Gefährten | |
| 8. | 114. | 607. | 459. | 2398. | 28. | 6 | 367 | 5_10_300_2_10_40 | הישבימ HJSBJM | die sitzen(den) | |
| 9. | 115. | 608. | 465. | 2404. | 34. | 5 | 190 | 30_80_50_10_20 | לפניכ LPNJK | vor dir | |
| 10. | 116. | 609. | 470. | 2409. | 39. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 11. | 117. | 610. | 472. | 2411. | 41. | 4 | 361 | 1_50_300_10 | אנשי ANSJ | Männer | |
| 12. | 118. | 611. | 476. | 2415. | 45. | 4 | 526 | 40_6_80_400 | מופה MWPT | des Wunders/(des) Vorzeichens | |
| 13. | 119. | 612. | 480. | 2419. | 49. | 3 | 50 | 5_40_5 | המה HMH | sie sind | |
| 14. | 120. | 613. | 483. | 2422. | 52. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 15. | 121. | 614. | 485. | 2424. | 54. | 4 | 115 | 5_50_50_10 | הנני HNNJ | siehe ich (bin) | |
| 16. | 122. | 615. | 489. | 2428. | 58. | 4 | 53 | 40_2_10_1 | מביא MBJA | (will) kommen lassen(d)(er) | |
| 17. | 123. | 616. | 493. | 2432. | 62. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 18. | 124. | 617. | 495. | 2434. | 64. | 4 | 86 | 70_2_4_10 | עברי aBDJ | meinen Knecht | |
| 19. | 125. | 618. | 499. | 2438. | 68. | 3 | 138 | 90_40_8 | קמה BMC | (den) Spross (genannt) | |

Ende des Verses 3.8

Verse: 42, Buchstaben: 70, 501, 2440, Totalwerte: 4039, 28994, 144030

Höre doch, Josua, du Hoherpriester, du und deine Genossen, die vor dir sitzen-denn Männer des Wunders sind sie; denn siehe, ich will meinen Knecht, Sproß genannt, kommen lassen.

– 3.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|--------------|----------------------------------------|-----------------|
| 1. | 126. | 619. | 502. | 2441. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 2. | 127. | 620. | 504. | 2443. | 3. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה HNH | siehe | |
| 3. | 128. | 621. | 507. | 2446. | 6. | 4 | 58 | 5_1_2_50 | האבן HABN | der Stein | |
| 4. | 129. | 622. | 511. | 2450. | 10. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | den/welchen | |
| 5. | 130. | 623. | 514. | 2453. | 13. | 4 | 860 | 50_400_400_10 | נתתי NTTJ | ich gelegt habe/ich habe gegeben | |
| 6. | 131. | 624. | 518. | 2457. | 17. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני LPNJ | vor | |
| 7. | 132. | 625. | 522. | 2461. | 21. | 5 | 391 | 10_5_6_300_70 | יהושע JHWSa | Josua/J(eh)oschua | |
| 8. | 133. | 626. | 527. | 2466. | 26. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | auf | |
| 9. | 134. | 627. | 529. | 2468. | 28. | 3 | 53 | 1_2_50 | אבן ABN | Stein | |
| 10. | 135. | 628. | 532. | 2471. | 31. | 3 | 409 | 1_8_400 | אחה ACT | einem/einzig(em) | |
| 11. | 136. | 629. | 535. | 2474. | 34. | 4 | 377 | 300_2_70_5 | שבעה SBaH | (sind) sieben | |
| 12. | 137. | 630. | 539. | 2478. | 38. | 5 | 180 | 70_10_50_10_40 | עינימי aJNJM | Augen | |
| 13. | 138. | 631. | 544. | 2483. | 43. | 4 | 115 | 5_50_50_10 | הנני HNNJ | siehe ich (bin) | |
| 14. | 139. | 632. | 548. | 2487. | 47. | 4 | 528 | 40_80_400_8 | ספחה MPTC | will eingraben/öffnend(er) | |
| 15. | 140. | 633. | 552. | 2491. | 51. | 4 | 493 | 80_400_8_5 | פתחה PTCH | seine Eingrabung/ihre Inschrift | |
| 16. | 141. | 634. | 556. | 2495. | 55. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 17. | 142. | 635. | 559. | 2498. | 58. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 18. | 143. | 636. | 563. | 2502. | 62. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 19. | 144. | 637. | 568. | 2507. | 67. | 5 | 756 | 6_40_300_400_10 | ומשחתי WMSTJ | und will hinwegnehmen/und ich entferne | |
| 20. | 145. | 638. | 573. | 2512. | 72. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 21. | 146. | 639. | 575. | 2514. | 74. | 3 | 126 | 70_6_50 | עונ aWN | die Ungerechtigkeit/die Schuld | |
| 22. | 147. | 640. | 578. | 2517. | 77. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ HARß | (des) Landes | |
| 23. | 148. | 641. | 582. | 2521. | 81. | 4 | 21 | 5_5_10_1 | ההיא HHJA | dieses/desselben | |
| 24. | 149. | 642. | 586. | 2525. | 85. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום BJWM | an Tag | |
| 25. | 150. | 643. | 590. | 2529. | 89. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד ACD | einem | |

Ende des Verses 3.9

Verse: 43, Buchstaben: 91, 592, 2531, Totalwerte: 6612, 35606, 150642

Denn siehe, der Stein, den ich vor Josua gelegt habe-auf einem Steine sieben Augen siehe-ich will seine Eingrabung eingraben, spricht Jahwe der Heerscharen, und will die Ungerechtigkeit dieses Landes hinwegnehmen an einem Tage.

– 3.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 151. | 644. | 593. | 2532. | 1. | 4 | 58 | 2.10.6.40 | ביום | BJWM | an Tag |
| 2. | 152. | 645. | 597. | 2536. | 5. | 4 | 17 | 5.5.6.1 | ההוא | HHWA | jenem |
| 3. | 153. | 646. | 601. | 2540. | 9. | 3 | 91 | 50.1.40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 4. | 154. | 647. | 604. | 2543. | 12. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 5. | 155. | 648. | 608. | 2547. | 16. | 5 | 499 | 90.2.1.6.400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 6. | 156. | 649. | 613. | 2552. | 21. | 5 | 707 | 400.100.200.1.6 | תקראו | TQRAW | werdet ihr einladen/ihr ruft |
| 7. | 157. | 650. | 618. | 2557. | 26. | 3 | 311 | 1.10.300 | איש | AJS | einer/Mann |
| 8. | 158. | 651. | 621. | 2560. | 29. | 5 | 311 | 30.200.70.5.6 | לרעהו | LRaHW | den anderen |
| 9. | 159. | 652. | 626. | 2565. | 34. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | /zu (verweilen) |
| 10. | 160. | 653. | 628. | 2567. | 36. | 3 | 808 | 400.8.400 | תחת | TCT | unter |
| 11. | 161. | 654. | 631. | 2570. | 39. | 3 | 133 | 3.80.50 | גפן | GPN | den Weinstock/(einem) Weinstock |
| 12. | 162. | 655. | 634. | 2573. | 42. | 3 | 37 | 6.1.30 | ואל | WAL | und (zu) |
| 13. | 163. | 656. | 637. | 2576. | 45. | 3 | 808 | 400.8.400 | תחת | TCT | unter |
| 14. | 164. | 657. | 640. | 2579. | 48. | 4 | 456 | 400.1.50.5 | תאנה | TANH | den Feigenbaum/(einen) Feigenbaum |

Ende des Verses 3.10

Verse: 44, Buchstaben: 51, 643, 2582, Totalwerte: 4293, 39899, 154935

An jenem Tage, spricht Jahwe der Heerscharen, werdet ihr einer den anderen einladen unter den Weinstock und unter den Feigenbaum.

Ende des Kapitels 3

– 4.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 1. | 658. | 1. | 2583. | 1. | 4 | 318 | 6_10_300_2 | וישב | WJSB | und wieder kam/und er (=es) kam zurück |
| 2. | 2. | 659. | 5. | 2587. | 5. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאך | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 3. | 660. | 10. | 2592. | 10. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/der redend (war) |
| 4. | 4. | 661. | 14. | 2596. | 14. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 5. | 5. | 662. | 16. | 2598. | 16. | 7 | 356 | 6_10_70_10_200_50_10 | ויעירני | WJaJRNJ | und (er) weckte mich |
| 6. | 6. | 663. | 23. | 2605. | 23. | 4 | 331 | 20_1_10_300 | ךאיש | KAJS | wie (einen) Mann |
| 7. | 7. | 664. | 27. | 2609. | 27. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | der |
| 8. | 8. | 665. | 30. | 2612. | 30. | 4 | 286 | 10_70_6_200 | יעור | JaWR | (er) wird geweckt |
| 9. | 9. | 666. | 34. | 2616. | 34. | 5 | 796 | 40_300_50_400_6 | משנתו | MSNTW | aus seinem Schlaf |

Ende des Verses 4.1

Verse: 45, Buchstaben: 38, 38, 2620, Totalwerte: 2907, 2907, 157842

Und der Engel, der mit mir redete, kam wieder und weckte mich wie einen Mann, der aus seinem Schläfe geweckt wird.

– 4.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 10. | 667. | 39. | 2621. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 11. | 668. | 44. | 2626. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 3. | 12. | 669. | 47. | 2629. | 9. | 2 | 45 | 40_5 | הָיָה | MH | was |
| 4. | 13. | 670. | 49. | 2631. | 11. | 3 | 406 | 1_400_5 | אַתָּה | ATH | du (warst) |
| 5. | 14. | 671. | 52. | 2634. | 14. | 3 | 206 | 200_1_5 | רָאִיתָ | RAH | siehst/sehend(er) |
| 6. | 15. | 672. | 55. | 2637. | 17. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und ich sprach/und ich sagte |
| 7. | 16. | 673. | 60. | 2642. | 22. | 5 | 621 | 200_1_10_400_10 | רָאִיתִי | RAJTJ | ich sehe/ich schaute |
| 8. | 17. | 674. | 65. | 2647. | 27. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | וְהִנֵּה | WHNH | und siehe |
| 9. | 18. | 675. | 69. | 2651. | 31. | 5 | 696 | 40_50_6_200_400 | מְנוֹרָה | MNWRT | ein Leuchter |
| 10. | 19. | 676. | 74. | 2656. | 36. | 3 | 14 | 7_5_2 | זָהָב | ZHB | von Gold/(aus) Gold |
| 11. | 20. | 677. | 77. | 2659. | 39. | 3 | 55 | 20_30_5 | כֻּלָּהּ | KLH | ganz (und gar) |
| 12. | 21. | 678. | 80. | 2662. | 42. | 4 | 44 | 6_3_30_5 | וְגִלָּהָ | WGLH | und sein Ölbehälter/und des Öllampel |
| 13. | 22. | 679. | 84. | 2666. | 46. | 2 | 100 | 70_30 | עָלָהּ | aL | an/auf |
| 14. | 23. | 680. | 86. | 2668. | 48. | 4 | 506 | 200_1_300_5 | רֹאשָׁהּ | RASH | seinem oberen Ende/dessen Haupt |
| 15. | 24. | 681. | 90. | 2672. | 52. | 5 | 383 | 6_300_2_70_5 | וְשִׁבְעָהּ | WSBaH | und (die) sieben |
| 16. | 25. | 682. | 95. | 2677. | 57. | 5 | 665 | 50_200_400_10_5 | נִרְתְּיָהּ | NRTJH | seine Lampen/Lampen ihre |
| 17. | 26. | 683. | 100. | 2682. | 62. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עָלָהּ | aLJH | an ihm/darauf |
| 18. | 27. | 684. | 104. | 2686. | 66. | 4 | 377 | 300_2_70_5 | שִׁבְעָהּ | SBaH | sieben |
| 19. | 28. | 685. | 108. | 2690. | 70. | 5 | 383 | 6_300_2_70_5 | וְשִׁבְעָהּ | WSBaH | und sieben |
| 20. | 29. | 686. | 113. | 2695. | 75. | 6 | 642 | 40_6_90_100_6_400 | מוֹצְקוֹת | MWßQWT | ((Gieß)Röhren |
| 21. | 30. | 687. | 119. | 2701. | 81. | 5 | 686 | 30_50_200_6_400 | לְנֵרוֹת | LNRWT | zu den Lampen/für die Lampen |
| 22. | 31. | 688. | 124. | 2706. | 86. | 3 | 501 | 1_300_200 | אֲשֶׁר | ASR | die/welche |
| 23. | 32. | 689. | 127. | 2709. | 89. | 2 | 100 | 70_30 | עָלָהּ | aL | an/auf |
| 24. | 33. | 690. | 129. | 2711. | 91. | 4 | 506 | 200_1_300_5 | רֹאשָׁהּ | RASH | seinem oberen Ende sind/dessen Haupt (waren) |

Ende des Verses 4.2

Verse: 46, Buchstaben: 94, 132, 2714, Totalwerte: 7672, 10579, 165514

Und er sprach zu mir: Was siehst du? Und ich sprach: Ich sehe, und siehe, ein Leuchter ganz von Gold, und sein Ölbehälter an seinem oberen Ende, und seine sieben Lampen an ihm, sieben, und sieben Gießröhren zu den Lampen, die an seinem oberen Ende sind;

– 4.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 34. | 691. | 133. | 2715. | 1. | 5 | 406 | 6_300_50_10_40 | ושנימ | WSNJM | und zwei |
| 2. | 35. | 692. | 138. | 2720. | 6. | 5 | 467 | 7_10_400_10_40 | זיתים | ZJTJM | Olivenbäume/Ölbäume |
| 3. | 36. | 693. | 143. | 2725. | 11. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עליה | aLJH | neben demselben/darauf |
| 4. | 37. | 694. | 147. | 2729. | 15. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד | ACD | einer |
| 5. | 38. | 695. | 150. | 2732. | 18. | 5 | 150 | 40_10_40_10_50 | סימני | MJMJN | zur Rechten |
| 6. | 39. | 696. | 155. | 2737. | 23. | 4 | 43 | 5_3_30_5 | הגלה | HGLH | des Ölbehälters/der Ölampel |
| 7. | 40. | 697. | 159. | 2741. | 27. | 4 | 19 | 6_1_8_4 | ואחד | WACD | und einer |
| 8. | 41. | 698. | 163. | 2745. | 31. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | zu/an |
| 9. | 42. | 699. | 165. | 2747. | 33. | 5 | 376 | 300_40_1_30_5 | שמאלה | SMALH | seiner Linken/ihrer Linken |

Ende des Verses 4.3

Verse: 47, Buchstaben: 37, 169, 2751, Totalwerte: 1689, 12268, 167203

und zwei Olivenbäume neben demselben, einer zur Rechten des Ölbehälters und einer zu seiner Linken.

– 4.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 43. | 700. | 170. | 2752. | 1. | 4 | 127 | 6_1_70_50 | ואענ | WAaN | und ich hob an/und ich antwortete |
| 2. | 44. | 701. | 174. | 2756. | 5. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und (ich) sprach |
| 3. | 45. | 702. | 178. | 2760. | 9. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 4. | 46. | 703. | 180. | 2762. | 11. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | dem Engel/dem Boten |
| 5. | 47. | 704. | 185. | 2767. | 16. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/dem redenden |
| 6. | 48. | 705. | 189. | 2771. | 20. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 7. | 49. | 706. | 191. | 2773. | 22. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagte/sagend |
| 8. | 50. | 707. | 195. | 2777. | 26. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was |
| 9. | 51. | 708. | 197. | 2779. | 28. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | (sind) diese |
| 10. | 52. | 709. | 200. | 2782. | 31. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אדני | ADNJ | mein Herr |

Ende des Verses 4.4

Verse: 48, Buchstaben: 34, 203, 2785, Totalwerte: 1141, 13409, 168344

Und ich hob an und sprach zu dem Engel, der mit mir redete, und sagte: Mein Herr, was sind diese?

– 4.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 53. | 710. | 204. | 2786. | 1. | 4 | 136 | 6.10.70_50 | ויענ | WJaN | und (es) antwortete/und er (=es) erwiderte |
| 2. | 54. | 711. | 208. | 2790. | 5. | 5 | 96 | 5.40.30_1.20 | המלאכ | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 55. | 712. | 213. | 2795. | 10. | 4 | 211 | 5.4.2.200 | הדבר | HDBR | der redete/der redende |
| 4. | 56. | 713. | 217. | 2799. | 14. | 2 | 12 | 2.10 | בי | BJ | mit mir |
| 5. | 57. | 714. | 219. | 2801. | 16. | 5 | 257 | 6.10.1.40_200 | ויאמר | WJAMR | und sprach/und (er) sagte |
| 6. | 58. | 715. | 224. | 2806. | 21. | 3 | 41 | 1.30.10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 7. | 59. | 716. | 227. | 2809. | 24. | 4 | 42 | 5.30.6.1 | הלוא | HLWA | (etwa) nicht |
| 8. | 60. | 717. | 231. | 2813. | 28. | 4 | 484 | 10.4.70_400 | ירעה | JDaT | du weißt |
| 9. | 61. | 718. | 235. | 2817. | 32. | 2 | 45 | 40.5 | מה | MH | was |
| 10. | 62. | 719. | 237. | 2819. | 34. | 3 | 50 | 5.40.5 | המה | HMH | (sie) sind |
| 11. | 63. | 720. | 240. | 2822. | 37. | 3 | 36 | 1.30.5 | אלה | ALH | diese |
| 12. | 64. | 721. | 243. | 2825. | 40. | 4 | 247 | 6.1.40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach/und ich sagte |
| 13. | 65. | 722. | 247. | 2829. | 44. | 2 | 31 | 30.1 | לא | LA | nein |
| 14. | 66. | 723. | 249. | 2831. | 46. | 4 | 65 | 1.4.50_10 | אדני | ADNJ | mein Herr |

Ende des Verses 4.5

Verse: 49, Buchstaben: 49, 252, 2834, Totalwerte: 1753, 15162, 170097

Und der Engel, der mit mir redete, antwortete und sprach zu mir: Weißt du nicht, was diese sind? Und ich sprach: Nein, mein Herr.

– 4.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|---------------------------------------|
| 1. | 67. | 724. | 253. | 2835. | 1. | 4 | 136 | 6.10.70_50 | ויענ | WJaN | da antwortete er/und er antwortete |
| 2. | 68. | 725. | 257. | 2839. | 5. | 5 | 257 | 6.10.1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er) sprach |
| 3. | 69. | 726. | 262. | 2844. | 10. | 3 | 41 | 1.30.10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 4. | 70. | 727. | 265. | 2847. | 13. | 4 | 271 | 30.1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagte/erklärend |
| 5. | 71. | 728. | 269. | 2851. | 17. | 2 | 12 | 7.5 | זה | ZH | dies ist/das ist |
| 6. | 72. | 729. | 271. | 2853. | 19. | 3 | 206 | 4.2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 7. | 73. | 730. | 274. | 2856. | 22. | 4 | 26 | 10.5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 8. | 74. | 731. | 278. | 2860. | 26. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | an |
| 9. | 75. | 732. | 280. | 2862. | 28. | 5 | 241 | 7.200.2_2_30 | זרבבל | ZRBBL | Serubbabel/// <gepflanzt in Babel> |
| 10. | 76. | 733. | 285. | 2867. | 33. | 4 | 271 | 30.1_40_200 | לאמר | LAMR | /besagend |
| 11. | 77. | 734. | 289. | 2871. | 37. | 2 | 31 | 30.1 | לא | LA | nicht |
| 12. | 78. | 735. | 291. | 2873. | 39. | 4 | 50 | 2.8_10_30 | בחיל | BCJL | durch Macht |
| 13. | 79. | 736. | 295. | 2877. | 43. | 3 | 37 | 6.30.1 | ולא | WLA | und nicht |
| 14. | 80. | 737. | 298. | 2880. | 46. | 3 | 30 | 2.20_8 | בכח | BKC | durch Kraft |
| 15. | 81. | 738. | 301. | 2883. | 49. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | /denn |
| 16. | 82. | 739. | 303. | 2885. | 51. | 2 | 41 | 1.40 | אם | AM | sondern |
| 17. | 83. | 740. | 305. | 2887. | 53. | 5 | 226 | 2.200.6_8_10 | ברוחי | BRWCJ | durch meinen Geist |
| 18. | 84. | 741. | 310. | 2892. | 58. | 3 | 241 | 1.40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 19. | 85. | 742. | 313. | 2895. | 61. | 4 | 26 | 10.5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 20. | 86. | 743. | 317. | 2899. | 65. | 5 | 499 | 90.2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |

Ende des Verses 4.6

Verse: 50, Buchstaben: 69, 321, 2903, Totalwerte: 2703, 17865, 172800

Da antwortete er und sprach zu mir und sagte: Dies ist das Wort Jahwes an Serubbabel: Nicht durch Macht und nicht durch Kraft, sondern durch meinen Geist, spricht Jahwe der Heerscharen.

– 4.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|------|------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------------------|
| 1. | 87. | 744. | 322. | 2904. | 1. | 2 | 50 | 40_10 | מי | MJ | wer |
| 2. | 88. | 745. | 324. | 2906. | 3. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה | ATH | (bist) du |
| 3. | 89. | 746. | 327. | 2909. | 6. | 2 | 205 | 5_200 | הר | HR | Berg |
| 4. | 90. | 747. | 329. | 2911. | 8. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הגדול | HGDWL | (du) großer |
| 5. | 91. | 748. | 334. | 2916. | 13. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני | LPNJ | vor |
| 6. | 92. | 749. | 338. | 2920. | 17. | 5 | 241 | 7_200_2_2_30 | זרובבל | ZRBBL | Serubbabel |
| 7. | 93. | 750. | 343. | 2925. | 22. | 5 | 580 | 30_40_10_300_200 | למישר | LMJSR | zur Ebene sollst du werden/(werde) zur Ebene |
| 8. | 94. | 751. | 348. | 2930. | 27. | 6 | 118 | 6_5_6_90_10_1 | והוציא | WHWBJA | und er wird herausbringen/und er herausbre- chen mache |
| 9. | 95. | 752. | 354. | 2936. | 33. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 10. | 96. | 753. | 356. | 2938. | 35. | 4 | 58 | 5_1_2_50 | האבן | HABN | den Stein |
| 11. | 97. | 754. | 360. | 2942. | 39. | 5 | 511 | 5_200_1_300_5 | הראשה | HRASH | (des) Schluss(es)/des Hauptes |
| 12. | 98. | 755. | 365. | 2947. | 44. | 5 | 1107 | 400_300_1_6_400 | תשאות | TSAWT | unter lautem Zuruf/unter (Jubel)rufen |
| 13. | 99. | 756. | 370. | 2952. | 49. | 2 | 58 | 8_50 | חנ | CN | Gnade |
| 14. | 100. | 757. | 372. | 2954. | 51. | 2 | 58 | 8_50 | חנ | CN | Gnade |
| 15. | 101. | 758. | 374. | 2956. | 53. | 2 | 35 | 30_5 | לה | LH | (zu) ihm |

Ende des Verses 4.7

Verse: 51, Buchstaben: 54, 375, 2957, Totalwerte: 4046, 21911, 176846

Wer bist du, großer Berg, vor Serubbabel? Zur Ebene sollst du werden! Und er wird den Schlußstein herausbringen unter lautem Zuruf: Gnade, Gnade ihm! -

– 4.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 102. | 759. | 376. | 2958. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 103. | 760. | 380. | 2962. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 104. | 761. | 383. | 2965. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 4. | 105. | 762. | 387. | 2969. | 12. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 5. | 106. | 763. | 390. | 2972. | 15. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/besagend |

Ende des Verses 4.8

Verse: 52, Buchstaben: 18, 393, 2975, Totalwerte: 575, 22486, 177421

Und das Wort Jahwes geschah zu mir also:

– 4.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|---------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 107. | 764. | 394. | 2976. | 1. | 3 | 24 | 10_4_10 | ידי JDJ | die Hände | |
| 2. | 108. | 765. | 397. | 2979. | 4. | 5 | 241 | 7_200_2_2_30 | זרבבל ZRBBL | Serubbabel(s) | |
| 3. | 109. | 766. | 402. | 2984. | 9. | 4 | 80 | 10_60_4_6 | יסדו JsDW | (sie) haben gegründet | |
| 4. | 110. | 767. | 406. | 2988. | 13. | 4 | 417 | 5_2_10_400 | הבית HBJT | (das) Haus | |
| 5. | 111. | 768. | 410. | 2992. | 17. | 3 | 17 | 5_7_5 | הזה HZH | dies(es) (da) | |
| 6. | 112. | 769. | 413. | 2995. | 20. | 5 | 36 | 6_10_4_10_6 | וידיו WJDJW | und seine Hände | |
| 7. | 113. | 770. | 418. | 3000. | 25. | 6 | 617 | 400_2_90_70_50_5 | תבצענה TBβaNH | werden es vollenden/sie sollen es vollenden | |
| 8. | 114. | 771. | 424. | 3006. | 31. | 5 | 490 | 6_10_4_70_400 | וידעת WJDaT | und du wirst erkennen | |
| 9. | 115. | 772. | 429. | 3011. | 36. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | dass | |
| 10. | 116. | 773. | 431. | 3013. | 38. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 11. | 117. | 774. | 435. | 3017. | 42. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות βBAWT | (der) Heerscharen | |
| 12. | 118. | 775. | 440. | 3022. | 47. | 5 | 398 | 300_30_8_50_10 | שלחני SLCNJ | (er) hat mich gesandt | |
| 13. | 119. | 776. | 445. | 3027. | 52. | 4 | 91 | 1_30_20_40 | אלכמ ALKM | zu euch | |

Ende des Verses 4.9

Verse: 53, Buchstaben: 55, 448, 3030, Totalwerte: 2966, 25452, 180387

Die Hände Serubbabels haben dieses Haus gegründet, und seine Hände werden es vollenden; und du wirst erkennen, daß Jahwe der Heerscharen mich zu euch gesandt hat.

– 4.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------------|--------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 120. | 777. | 449. | 3031. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 2. | 121. | 778. | 451. | 3033. | 3. | 2 | 50 | 40_10 | מי MJ | wer | |
| 3. | 122. | 779. | 453. | 3035. | 5. | 2 | 9 | 2_7 | בו BZ | verachtet/(er) gering | schätzte |
| 4. | 123. | 780. | 455. | 3037. | 7. | 4 | 86 | 30_10_6_40 | ליום LJWM | (für) den Tag | |
| 5. | 124. | 781. | 459. | 3041. | 11. | 5 | 565 | 100_9_50_6_400 | קטנות QtNWT | klein(er) (Dinge) | |
| 6. | 125. | 782. | 464. | 3046. | 16. | 5 | 360 | 6_300_40_8_6 | ושמחו WSMCW | und mit Freuden/und sie werden sich freuen | |
| 7. | 126. | 783. | 469. | 3051. | 21. | 4 | 213 | 6_200_1_6 | וראו WRAW | werden sehen/und sie sehen | |
| 8. | 127. | 784. | 473. | 3055. | 25. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 9. | 128. | 785. | 475. | 3057. | 27. | 4 | 58 | 5_1_2_50 | האבן HABN | das Senk/den Stein | |
| 10. | 129. | 786. | 479. | 3061. | 31. | 5 | 51 | 5_2_4_10_30 | הבדיל HBDJL | Blei/des Bleis | |
| 11. | 130. | 787. | 484. | 3066. | 36. | 3 | 16 | 2_10_4 | ביר BJD | in der Hand | |
| 12. | 131. | 788. | 487. | 3069. | 39. | 5 | 241 | 7_200_2_2_30 | זרבבל ZRBBL | Serubbabels/(von) Serubbabel | |
| 13. | 132. | 789. | 492. | 3074. | 44. | 4 | 377 | 300_2_70_5 | שבעה SBaH | (die) Sieben(zahl) | |
| 14. | 133. | 790. | 496. | 3078. | 48. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה ALH | jene/diese | |
| 15. | 134. | 791. | 499. | 3081. | 51. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני aJNJ | die Augen/(sind) Augen | |
| 16. | 135. | 792. | 503. | 3085. | 55. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwes/(von) Jahwe | |
| 17. | 136. | 793. | 507. | 3089. | 59. | 3 | 50 | 5_40_5 | המה HMH | sie (sind) | |
| 18. | 137. | 794. | 510. | 3092. | 62. | 7 | 414 | 40_300_6_9_9_10_40 | משוטטים MSWttJM | durchlaufen/umherstreifend(e) | |
| 19. | 138. | 795. | 517. | 3099. | 69. | 3 | 52 | 2_20_30 | בכל BKL | die ganze/in all | |
| 20. | 139. | 796. | 520. | 3102. | 72. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ HARß | (der) Erde | |

Ende des Verses 4.10

Verse: 54, Buchstaben: 75, 523, 3105, Totalwerte: 3471, 28923, 183858

Denn wer verachtet den Tag kleiner Dinge? Und mit Freuden werden jene Sieben das Senkblei in der Hand Serubbabels sehen: die Augen Jahwes, sie durchlaufen die ganze Erde. -

– 4.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 140. | 797. | 524. | 3106. | 1. | 4 | 127 | 6_1_70_50 | ואענ | WAaN | und ich hob an/und ich antwortete |
| 2. | 141. | 798. | 528. | 3110. | 5. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und (ich) sprach |
| 3. | 142. | 799. | 532. | 3114. | 9. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 4. | 143. | 800. | 536. | 3118. | 13. | 2 | 45 | 40_5 | סה | MH | was (sind) |
| 5. | 144. | 801. | 538. | 3120. | 15. | 3 | 360 | 300_50_10 | שני | SNJ | zwei/(die) Zweiheit |
| 6. | 145. | 802. | 541. | 3123. | 18. | 6 | 472 | 5_7_10_400_10_40 | הזיתים | HZJTJM | Olivenbäume/der Ölbäume |
| 7. | 146. | 803. | 547. | 3129. | 24. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה | HALH | diese/dieselben |
| 8. | 147. | 804. | 551. | 3133. | 28. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | zur |
| 9. | 148. | 805. | 553. | 3135. | 30. | 4 | 110 | 10_40_10_50 | ימין | JMJN | Rechten |
| 10. | 149. | 806. | 557. | 3139. | 34. | 6 | 306 | 5_40_50_6_200_5 | המנורה | HMNWRH | des Leuchters |
| 11. | 150. | 807. | 563. | 3145. | 40. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und zu |
| 12. | 151. | 808. | 566. | 3148. | 43. | 6 | 382 | 300_40_1_6_30_5 | שמאולה | SMAWLH | seiner Linken |

Ende des Verses 4.11

Verse: 55, Buchstaben: 48, 571, 3153, Totalwerte: 2343, 31266, 186201

Und ich hob an und sprach zu ihm: Was sind diese zwei Olivenbäume zur Rechten des Leuchters und zu seiner Linken?

– 4.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|------|-----------------------|-----------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 152. | 809. | 572. | 3154. | 1. | 4 | 127 | 6_1_70_50 | ואענ | WAaN | und ich hob an/und ich antwortete |
| 2. | 153. | 810. | 576. | 3158. | 5. | 4 | 760 | 300_50_10_400 | שנית | SNJT | zum zweiten Mal/ein zweites Mal |
| 3. | 154. | 811. | 580. | 3162. | 9. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und (ich) sprach |
| 4. | 155. | 812. | 584. | 3166. | 13. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 5. | 156. | 813. | 588. | 3170. | 17. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was (sind) |
| 6. | 157. | 814. | 590. | 3172. | 19. | 3 | 710 | 300_400_10 | שתי | STJ | die beiden/die Zweizahl |
| 7. | 158. | 815. | 593. | 3175. | 22. | 4 | 342 | 300_2_30_10 | שבלי | SBLJ | Zweige/von Schößlingen |
| 8. | 159. | 816. | 597. | 3179. | 26. | 6 | 472 | 5_7_10_400_10_40 | הזיתים | HZJTJM | der Olivenbäume/der Ölbäume |
| 9. | 160. | 817. | 603. | 3185. | 32. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 10. | 161. | 818. | 606. | 3188. | 35. | 3 | 16 | 2_10_4 | ביד | BJD | neben/in Hand |
| 11. | 162. | 819. | 609. | 3191. | 38. | 3 | 360 | 300_50_10 | שני | SNJ | den zwei/(der) Zweizahl |
| 12. | 163. | 820. | 612. | 3194. | 41. | 6 | 1146 | 90_50_400_200_6_400 | צנתרות | βNTRWT | (von) Röhren |
| 13. | 164. | 821. | 618. | 3200. | 47. | 4 | 19 | 5_7_5_2 | הזהב | HZHB | goldenen sind/des Goldes (sind) |
| 14. | 165. | 822. | 622. | 3204. | 51. | 7 | 405 | 5_40_200_10_100_10_40 | המריקים | HMRJQJM | die ergießen/die entleerend(e) (sind) |
| 15. | 166. | 823. | 629. | 3211. | 58. | 6 | 195 | 40_70_30_10_5_40 | מעליהם | MaLJHM | von sich aus/aus ihnen |
| 16. | 167. | 824. | 635. | 3217. | 64. | 4 | 19 | 5_7_5_2 | הזהב | HZHB | das Gold |

Ende des Verses 4.12

Verse: 56, Buchstaben: 67, 638, 3220, Totalwerte: 5411, 36677, 191612

Und ich hob zum zweiten Male an und sprach zu ihm: Was sind die beiden Zweige der Olivenbäume, welche neben den zwei goldenen Röhren sind, die das Gold von sich aus ergießen?

– 4.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|----------------------|
| 1. | 168. | 825. | 639. | 3221. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 169. | 826. | 644. | 3226. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 3. | 170. | 827. | 647. | 3229. | 9. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לֵאמֹר | LAMR | (und) sagte/zu sagen |
| 4. | 171. | 828. | 651. | 3233. | 13. | 4 | 42 | 5_30_6_1 | הֲלוֹא | HLWA | (etwa) nicht |
| 5. | 172. | 829. | 655. | 3237. | 17. | 4 | 484 | 10_4_70_400 | יֹדַעַתָּה | JDaT | du weißt |
| 6. | 173. | 830. | 659. | 3241. | 21. | 2 | 45 | 40_5 | מֵהֵם | MH | was (sind) |
| 7. | 174. | 831. | 661. | 3243. | 23. | 3 | 36 | 1_30_5 | אֵלֶּה | ALH | diese |
| 8. | 175. | 832. | 664. | 3246. | 26. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WAMR | und ich sprach |
| 9. | 176. | 833. | 668. | 3250. | 30. | 2 | 31 | 30_1 | לֹא | LA | nein |
| 10. | 177. | 834. | 670. | 3252. | 32. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אֲדֹנָי | ADNJ | mein Herr |

Ende des Verses 4.13

Verse: 57, Buchstaben: 35, 673, 3255, Totalwerte: 1519, 38196, 193131

Und er sprach zu mir und sagte: Weißt du nicht, was diese sind? Und ich sprach: Nein, mein Herr.

– 4.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 178. | 835. | 674. | 3256. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | da sprach er/und er sprach |
| 2. | 179. | 836. | 679. | 3261. | 6. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | dies(e) (sind) |
| 3. | 180. | 837. | 682. | 3264. | 9. | 3 | 360 | 300_50_10 | שני | SNJ | die beiden/zwei |
| 4. | 181. | 838. | 685. | 3267. | 12. | 3 | 62 | 2_50_10 | בני | BNJ | Söhne |
| 5. | 182. | 839. | 688. | 3270. | 15. | 5 | 310 | 5_10_90_5_200 | היצהר | HJßHR | des Öls/Jizhars |
| 6. | 183. | 840. | 693. | 3275. | 20. | 6 | 169 | 5_70_40_4_10_40 | העמדימ | HaMDJM | welche stehen/die Stehenden |
| 7. | 184. | 841. | 699. | 3281. | 26. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | bei/vor |
| 8. | 185. | 842. | 701. | 3283. | 28. | 4 | 61 | 1_4_6_50 | אדון | ADWN | ((dem) Herrn |
| 9. | 186. | 843. | 705. | 3287. | 32. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | der ganzen/all |
| 10. | 187. | 844. | 707. | 3289. | 34. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | ((der) Erde |

Ende des Verses 4.14

Verse: 58, Buchstaben: 37, 710, 3292, Totalwerte: 1701, 39897, 194832

Da sprach er: Dies sind die beiden Söhne des Öls, welche bei dem Herrn der ganzen Erde stehen.

Ende des Kapitels 4

– 5.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 1. | 845. | 1. | 3293. | 1. | 5 | 315 | 6_1_300_6_2 | ואשוב | WASWB | und wiederum/und ich kehrte |
| 2. | 2. | 846. | 6. | 3298. | 6. | 4 | 308 | 6_1_300_1 | ואשא | WASA | ich hob auf/und ich erhob |
| 3. | 3. | 847. | 10. | 3302. | 10. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני | aJNJ | meine Augen |
| 4. | 4. | 848. | 14. | 3306. | 14. | 5 | 213 | 6_1_200_1_5 | ואראה | WARAH | und sah/und (ich) schaute |
| 5. | 5. | 849. | 19. | 3311. | 19. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 6. | 6. | 850. | 23. | 3315. | 23. | 4 | 78 | 40_3_30_5 | סגולה | MGLH | (eine Schrift)Rolle |
| 7. | 7. | 851. | 27. | 3319. | 27. | 3 | 155 | 70_80_5 | עפה | aPH | fliegende |

Ende des Verses 5.1

Verse: 59, Buchstaben: 29, 29, 3321, Totalwerte: 1275, 1275, 196107

Und ich hob wiederum meine Augen auf und sah: und siehe, eine fliegende Rolle.

– 5.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|------------------------------|
| 1. | 8. | 852. | 30. | 3322. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 9. | 853. | 35. | 3327. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 3. | 10. | 854. | 38. | 3330. | 9. | 2 | 45 | 40_5 | סָה | MH | was |
| 4. | 11. | 855. | 40. | 3332. | 11. | 3 | 406 | 1_400_5 | אַתָּה | ATH | du (bist) |
| 5. | 12. | 856. | 43. | 3335. | 14. | 3 | 206 | 200_1_5 | רֹאֵה | RAH | siehst/sehend(er) |
| 6. | 13. | 857. | 46. | 3338. | 17. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WAMR | und ich sprach/und ich sagte |
| 7. | 14. | 858. | 50. | 3342. | 21. | 3 | 61 | 1_50_10 | אֲנִי | ANJ | ich (bin) |
| 8. | 15. | 859. | 53. | 3345. | 24. | 3 | 206 | 200_1_5 | רֹאֵה | RAH | sehe(nd(er)) |
| 9. | 16. | 860. | 56. | 3348. | 27. | 4 | 78 | 40_3_30_5 | סֹנְלָה | MGLH | (eine Schrift)Rolle |
| 10. | 17. | 861. | 60. | 3352. | 31. | 3 | 155 | 70_80_5 | עֹפֵה | aPH | fliegende |
| 11. | 18. | 862. | 63. | 3355. | 34. | 4 | 226 | 1_200_20_5 | אַרְכָּה | ARKH | ihre Länge |
| 12. | 19. | 863. | 67. | 3359. | 38. | 5 | 620 | 70_300_200_10_40 | עֶשְׂרִים | aSRJM | zwanzig |
| 13. | 20. | 864. | 72. | 3364. | 43. | 4 | 48 | 2_1_40_5 | בְּאַמָּה | BAMH | Ellen/nach der Elle |
| 14. | 21. | 865. | 76. | 3368. | 47. | 5 | 221 | 6_200_8_2_5 | וּרְחֹבָהּ | WRCBH | und ihre Breite |
| 15. | 22. | 866. | 81. | 3373. | 52. | 3 | 570 | 70_300_200 | עֶשֶׂר | aSR | zehn |
| 16. | 23. | 867. | 84. | 3376. | 55. | 4 | 48 | 2_1_40_5 | בְּאַמָּה | BAMH | Ellen/nach der Elle |

Ende des Verses 5.2

Verse: 60, Buchstaben: 58, 87, 3379, Totalwerte: 3435, 4710, 199542

Und er sprach zu mir: Was siehst du? Und ich sprach: Ich sehe eine fliegende Rolle, ihre Länge zwanzig Ellen und ihre Breite zehn Ellen.

– 5.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|--------------------------------------------------------------|
| 1. | 24. | 868. | 88. | 3380. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 25. | 869. | 93. | 3385. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 3. | 26. | 870. | 96. | 3388. | 9. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאה | ZAT | dies(e) (ist) |
| 4. | 27. | 871. | 99. | 3391. | 12. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה | HALH | der Fluch/die Verfluchung |
| 5. | 28. | 872. | 103. | 3395. | 16. | 6 | 512 | 5_10_6_90_1_400 | היוצאת | HJWßAT | welcher ausgeht/die ausgehende |
| 6. | 29. | 873. | 109. | 3401. | 22. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 7. | 30. | 874. | 111. | 3403. | 24. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני | PNJ | die Fläche/das Antlitz |
| 8. | 31. | 875. | 114. | 3406. | 27. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | des ganzen |
| 9. | 32. | 876. | 116. | 3408. | 29. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | Landes |
| 10. | 33. | 877. | 120. | 3412. | 33. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 11. | 34. | 878. | 122. | 3414. | 35. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | (ein) jeder |
| 12. | 35. | 879. | 124. | 3416. | 37. | 4 | 60 | 5_3_50_2 | הגנב | HGNB | der stiehlt/der stehend(er) (war) |
| 13. | 36. | 880. | 128. | 3420. | 41. | 3 | 52 | 40_7_5 | סיה | MZH | gemäß/von diesem |
| 14. | 37. | 881. | 131. | 3423. | 44. | 4 | 71 | 20_40_6_5 | ךמוה | KMWH | dem (was auf dieser Seite der Rolle geschrieben ist)/wie sie |
| 15. | 38. | 882. | 135. | 3427. | 48. | 3 | 155 | 50_100_5 | וקה | NQH | wird weggefegt werden/er ist straffrei geblieben |
| 16. | 39. | 883. | 138. | 3430. | 51. | 3 | 56 | 6_20_30 | וכל | WKL | und (ein) jeder |
| 17. | 40. | 884. | 141. | 3433. | 54. | 5 | 427 | 5_50_300_2_70 | הנשבע | HNSBa | der falsch schwört/der schwörend(e) |
| 18. | 41. | 885. | 146. | 3438. | 59. | 3 | 52 | 40_7_5 | סיה | MZH | gemäß/von diesem |
| 19. | 42. | 886. | 149. | 3441. | 62. | 4 | 71 | 20_40_6_5 | ךמוה | KMWH | dem (was auf dieser Seite der Rolle geschrieben ist)/wie sie |
| 20. | 43. | 887. | 153. | 3445. | 66. | 3 | 155 | 50_100_5 | וקה | NQH | wird weggefegt werden/er ist straffrei geblieben |

Ende des Verses 5.3

Verse: 61, Buchstaben: 68, 155, 3447, Totalwerte: 3024, 7734, 202566

Und er sprach zu mir: Dies ist der Fluch, welcher über die Fläche des ganzen Landes ausgeht; denn ein jeder, der stiehlt, wird gemäß dem, was auf dieser Seite der Rolle geschrieben ist, weggefegt werden; und ein jeder, der falsch schwört, wird gemäß dem, was auf jener Seite der Rolle geschrieben ist, weggefegt werden.

– 5.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|-----------------------------------------------------|
| 1. | 44. | 888. | 156. | 3448. | 1. | 7 | 517 | 5.6_90_1.400_10_5 | הוצאתיה | HWBATJH | ich habe ihn ausgehen lassen/ich mache ausgehen sie |
| 2. | 45. | 889. | 163. | 3455. | 8. | 3 | 91 | 50.1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 3. | 46. | 890. | 166. | 3458. | 11. | 4 | 26 | 10.5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 47. | 891. | 170. | 3462. | 15. | 5 | 499 | 90.2_1_6.400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 48. | 892. | 175. | 3467. | 20. | 4 | 14 | 6.2_1_5 | ובאה | WBAH | und er wird kommen/und sie kommt |
| 6. | 49. | 893. | 179. | 3471. | 24. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | in/über |
| 7. | 50. | 894. | 181. | 3473. | 26. | 3 | 412 | 2.10_400 | בית | BJT | das Haus |
| 8. | 51. | 895. | 184. | 3476. | 29. | 4 | 60 | 5.3_50_2 | הגנב | HGNB | des Diebes/des Stehlers |
| 9. | 52. | 896. | 188. | 3480. | 33. | 3 | 37 | 6.1_30 | ואל | WAL | und in/und über |
| 10. | 53. | 897. | 191. | 3483. | 36. | 3 | 412 | 2.10_400 | בית | BJT | das Haus |
| 11. | 54. | 898. | 194. | 3486. | 39. | 5 | 427 | 5.50_300_2_70 | הנשבע | HNSBa | dessen der schwört/des Schwörenden |
| 12. | 55. | 899. | 199. | 3491. | 44. | 4 | 352 | 2.300_40_10 | בשמי | BSMJ | bei meinem Namen |
| 13. | 56. | 900. | 203. | 3495. | 48. | 4 | 630 | 30_300_100_200 | לשקר | LSQR | falsch |
| 14. | 57. | 901. | 207. | 3499. | 52. | 4 | 91 | 6.30_50_5 | ולנה | WLNH | und er wird herbergen/und sie bleibt |
| 15. | 58. | 902. | 211. | 3503. | 56. | 4 | 428 | 2.400_6_20 | בתוכ | BTWK | in (Mitte) |
| 16. | 59. | 903. | 215. | 3507. | 60. | 4 | 418 | 2.10_400_6 | ביתו | BJTW | seinem Haus/seines Hauses |
| 17. | 60. | 904. | 219. | 3511. | 64. | 5 | 462 | 6.20_30_400_6 | וכלהו | WKLTW | und es vernichten/und sie vernichtet ihn (=es) |
| 18. | 61. | 905. | 224. | 3516. | 69. | 3 | 407 | 6.1_400 | ואת | WAT | sowohl/und mit |
| 19. | 62. | 906. | 227. | 3519. | 72. | 4 | 176 | 70_90_10_6 | עציו | aßJW | sein Gebälk/seinen Hölzern |
| 20. | 63. | 907. | 231. | 3523. | 76. | 3 | 407 | 6.1_400 | ואת | WAT | als auch/und mit |
| 21. | 64. | 908. | 234. | 3526. | 79. | 5 | 69 | 1.2_50_10_6 | אבניו | ABNJW | seine(n) Steine(n) |

Ende des Verses 5.4

Verse: 62, Buchstaben: 83, 238, 3530, Totalwerte: 5966, 13700, 208532

Ich habe ihn ausgehen lassen, spricht Jahwe der Heerscharen; und er wird kommen in das Haus des Diebes und in das Haus dessen, der bei meinem Namen falsch schwört; und er wird in seinem Hause herbergen und es vernichten, sowohl sein Gebälk als auch seine Steine. -

– 5.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 65. | 909. | 239. | 3531. | 1. | 4 | 107 | 6.10.90_1 | ויצא | WJBA | und hervor trat/und er (=es) trat hervor |
| 2. | 66. | 910. | 243. | 3535. | 5. | 5 | 96 | 5.40.30_1.20 | המלאך | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 67. | 911. | 248. | 3540. | 10. | 4 | 211 | 5.4.2.200 | הדבר | HDBR | der redete/der redend |
| 4. | 68. | 912. | 252. | 3544. | 14. | 2 | 12 | 2.10 | בי | BJ | mit mir |
| 5. | 69. | 913. | 254. | 3546. | 16. | 5 | 257 | 6.10.1.40.200 | ויאמר | WJAMR | und (er) sprach |
| 6. | 70. | 914. | 259. | 3551. | 21. | 3 | 41 | 1.30.10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 7. | 71. | 915. | 262. | 3554. | 24. | 2 | 301 | 300.1 | שא | SA | hebe auf/erhebe |
| 8. | 72. | 916. | 264. | 3556. | 26. | 2 | 51 | 50.1 | וא | NA | doch |
| 9. | 73. | 917. | 266. | 3558. | 28. | 5 | 160 | 70.10.50.10.20 | עיניך | aJNJK | deine Augen |
| 10. | 74. | 918. | 271. | 3563. | 33. | 4 | 212 | 6.200.1.5 | וראה | WRAH | und sieh |
| 11. | 75. | 919. | 275. | 3567. | 37. | 2 | 45 | 40.5 | מה | MH | was (ist) |
| 12. | 76. | 920. | 277. | 3569. | 39. | 6 | 512 | 5.10.6.90.1.400 | היוצאה | HJWßAT | das hervorkommt/das Ausgehende |
| 13. | 77. | 921. | 283. | 3575. | 45. | 4 | 413 | 5.7.1.400 | הואת | HZAT | dieses da |

Ende des Verses 5.5

Verse: 63, Buchstaben: 48, 286, 3578, Totalwerte: 2418, 16118, 210950

Und der Engel, der mit mir redete, trat hervor und sprach zu mir: Hebe doch deine Augen auf und sieh: was ist dieses, das da hervorkommt?

– 5.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|--------------------------------|-----------------|
| 1. | 78. | 922. | 287. | 3579. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | und ich sprach | |
| 2. | 79. | 923. | 291. | 3583. | 5. | 2 | 45 | 40_5 | מה MH | was (ist) | |
| 3. | 80. | 924. | 293. | 3585. | 7. | 3 | 16 | 5_10_1 | היא HJA | sie (=es) | |
| 4. | 81. | 925. | 296. | 3588. | 10. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר WJAMR | und er sprach | |
| 5. | 82. | 926. | 301. | 3593. | 15. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאת ZAT | dies ist/das (ist) | |
| 6. | 83. | 927. | 304. | 3596. | 18. | 5 | 101 | 5_1_10_80_5 | האיפה HAJPH | ein Epha/das Efa(maß) | |
| 7. | 84. | 928. | 309. | 3601. | 23. | 6 | 512 | 5_10_6_90_1_400 | היוצאת HJWßAT | das hervorkommt/das ausgehende | |
| 8. | 85. | 929. | 315. | 3607. | 29. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר WJAMR | und er sprach | |
| 9. | 86. | 930. | 320. | 3612. | 34. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאת ZAT | solches ist/das (ist) | |
| 10. | 87. | 931. | 323. | 3615. | 37. | 4 | 170 | 70_10_50_40 | עינמ aJNM | ihr Aussehen/ihr Auge | |
| 11. | 88. | 932. | 327. | 3619. | 41. | 3 | 52 | 2_20_30 | בכל BKL | im ganzen/in all | |
| 12. | 89. | 933. | 330. | 3622. | 44. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ HARß | (dem) Land | |

Ende des Verses 5.6

Verse: 64, Buchstaben: 47, 333, 3625, Totalwerte: 2769, 18887, 213719

Und ich sprach: Was ist es? Und er sprach: Dies ist ein Epha, das hervorkommt; und er sprach: Solches ist ihr Aussehen im ganzen Lande.

– 5.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 90. | 934. | 334. | 3626. | 1. | 4 | 66 | 6.5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 2. | 91. | 935. | 338. | 3630. | 5. | 3 | 240 | 20_20_200 | ךכר | KKR | (eine) Scheibe |
| 3. | 92. | 936. | 341. | 3633. | 8. | 4 | 750 | 70_80_200_400 | עפרה | aPRT | von Blei |
| 4. | 93. | 937. | 345. | 3637. | 12. | 4 | 751 | 50_300_1_400 | ןשאה | NSAT | wurde aufgehoben/(war) sich erhebend |
| 5. | 94. | 938. | 349. | 3641. | 16. | 4 | 414 | 6.7_1_400 | וזאה | WZAT | und da war/und diese |
| 6. | 95. | 939. | 353. | 3645. | 20. | 3 | 306 | 1.300_5 | אשה | ASH | Frau |
| 7. | 96. | 940. | 356. | 3648. | 23. | 3 | 409 | 1.8_400 | אהה | ACT | eine |
| 8. | 97. | 941. | 359. | 3651. | 26. | 5 | 718 | 10_6_300_2_400 | יושבת | JWSBT | welche saß/sitzende |
| 9. | 98. | 942. | 364. | 3656. | 31. | 4 | 428 | 2.400_6_20 | בתוכ | BTWK | inmitten/in Mitte |
| 10. | 99. | 943. | 368. | 3660. | 35. | 5 | 101 | 5.1_10_80_5 | האיפה | HJPH | des Ephas/dem Efa(maß) |

Ende des Verses 5.7

Verse: 65, Buchstaben: 39, 372, 3664, Totalwerte: 4183, 23070, 217902

Und siehe, eine Scheibe von Blei wurde aufgehoben; und da war ein Weib, welches inmitten des Ephas saß.

– 5.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 100. | 944. | 373. | 3665. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 101. | 945. | 378. | 3670. | 6. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאה | ZAT | dies ist/das (ist) |
| 3. | 102. | 946. | 381. | 3673. | 9. | 5 | 580 | 5_200_300_70_5 | הרשעה | HRSaH | die Gesetzlosigkeit/die Bosheit |
| 4. | 103. | 947. | 386. | 3678. | 14. | 5 | 366 | 6_10_300_30_20 | וישלכ | WJSLK | und er warf |
| 5. | 104. | 948. | 391. | 3683. | 19. | 3 | 406 | 1_400_5 | אחה | ATH | sie |
| 6. | 105. | 949. | 394. | 3686. | 22. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | in |
| 7. | 106. | 950. | 396. | 3688. | 24. | 3 | 426 | 400_6_20 | תוכ | TWK | hinein/die Mitte |
| 8. | 107. | 951. | 399. | 3691. | 27. | 5 | 101 | 5_1_10_80_5 | האיפה | HAJPH | das Epha/des Efa(maß) |
| 9. | 108. | 952. | 404. | 3696. | 32. | 5 | 366 | 6_10_300_30_20 | וישלכ | WJSLK | und (er) warf |
| 10. | 109. | 953. | 409. | 3701. | 37. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 11. | 110. | 954. | 411. | 3703. | 39. | 3 | 53 | 1_2_50 | אבנ | ABN | das Gewicht/(den) Stein |
| 12. | 111. | 955. | 414. | 3706. | 42. | 5 | 755 | 5_70_80_200_400 | העפרת | HaPRT | (aus) Blei |
| 13. | 112. | 956. | 419. | 3711. | 47. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | auf |
| 14. | 113. | 957. | 421. | 3713. | 49. | 3 | 95 | 80_10_5 | פיה | PJH | dessen Mündung/dessen Mund |

Ende des Verses 5.8

Verse: 66, Buchstaben: 51, 423, 3715, Totalwerte: 4276, 27346, 222178

Und er sprach: Dies ist die Gesetzlosigkeit; und er warf sie in das Epha hinein und warf das Bleigewicht auf dessen Mündung.

– 5.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|---------------------------------------|-----------------|
| 1. | 114. | 958. | 424. | 3716. | 1. | 4 | 308 | 6_1_300_1 | ואשא WASA | und ich hob auf/und ich erhob | |
| 2. | 115. | 959. | 428. | 3720. | 5. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני aJNJ | meine Augen | |
| 3. | 116. | 960. | 432. | 3724. | 9. | 4 | 208 | 6_1_200_1 | וארא WARA | und sah/und (ich) schaute | |
| 4. | 117. | 961. | 436. | 3728. | 13. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה WHNH | und siehe (da) | |
| 5. | 118. | 962. | 440. | 3732. | 17. | 4 | 750 | 300_400_10_40 | שתימ STJM | zwei | |
| 6. | 119. | 963. | 444. | 3736. | 21. | 4 | 400 | 50_300_10_40 | נשימ NSJM | Frauen | |
| 7. | 120. | 964. | 448. | 3740. | 25. | 6 | 513 | 10_6_90_1_6_400 | ויצאוה JWBAWT | kamen hervor/(waren) hervorkommend(e) | |
| 8. | 121. | 965. | 454. | 3746. | 31. | 4 | 220 | 6_200_6_8 | ורוח WRWC | und Wind | |
| 9. | 122. | 966. | 458. | 3750. | 35. | 7 | 207 | 2_20_50_80_10_5_40 | בכנפיהם BKNPJHM | (war) in ihren Flügel(paar)(e)(n) | |
| 10. | 123. | 967. | 465. | 3757. | 42. | 5 | 96 | 6_30_5_50_5 | ולהנה WLHNNH | und sie hatten | |
| 11. | 124. | 968. | 470. | 3762. | 47. | 5 | 200 | 20_50_80_10_40 | כנפיהם KNPJM | Flügel(paare) | |
| 12. | 125. | 969. | 475. | 3767. | 52. | 5 | 180 | 20_20_50_80_10 | כנפיהם KKNPJ | wie Flügel(paare) | |
| 13. | 126. | 970. | 480. | 3772. | 57. | 6 | 92 | 5_8_60_10_4_5 | החסידה HCsJDH | des Storches | |
| 14. | 127. | 971. | 486. | 3778. | 63. | 6 | 762 | 6_400_300_1_50_5 | ותשאנה WTSANH | und sie (er)hoben (empor) | |
| 15. | 128. | 972. | 492. | 3784. | 69. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 16. | 129. | 973. | 494. | 3786. | 71. | 5 | 101 | 5_1_10_80_5 | האיפה HAJPH | das Epha/das Efa(maß) | |
| 17. | 130. | 974. | 499. | 3791. | 76. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין BJN | zwischen | |
| 18. | 131. | 975. | 502. | 3794. | 79. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ HARß | (die) Erde | |
| 19. | 132. | 976. | 506. | 3798. | 83. | 4 | 68 | 6_2_10_50 | ובין WBJN | und (zwischen) | |
| 20. | 133. | 977. | 510. | 3802. | 87. | 5 | 395 | 5_300_40_10_40 | השמיים HSMJM | (die) Himmel | |

Ende des Verses 5.9

Verse: 67, Buchstaben: 91, 514, 3806, Totalwerte: 5465, 32811, 227643

Und ich hob meine Augen auf und sah: und siehe, da kamen zwei Weiber hervor, und Wind war in ihren Flügeln, und sie hatten Flügel wie die Flügel des Storches; und sie hoben das Epha empor zwischen Erde und Himmel.

– 5.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-------------------------|
| 1. | 134. | 978. | 515. | 3807. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach |
| 2. | 135. | 979. | 519. | 3811. | 5. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 3. | 136. | 980. | 521. | 3813. | 7. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאך | HMLAK | dem Engel/dem Boten |
| 4. | 137. | 981. | 526. | 3818. | 12. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/dem redenden |
| 5. | 138. | 982. | 530. | 3822. | 16. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 6. | 139. | 983. | 532. | 3824. | 18. | 3 | 56 | 1_50_5 | אנה | ANH | wohin |
| 7. | 140. | 984. | 535. | 3827. | 21. | 3 | 50 | 5_40_5 | המה | HMH | diese/sie sind |
| 8. | 141. | 985. | 538. | 3830. | 24. | 6 | 502 | 40_6_30_20_6_400 | מולכות | MWLKWT | bringen/führend(e) |
| 9. | 142. | 986. | 544. | 3836. | 30. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 10. | 143. | 987. | 546. | 3838. | 32. | 5 | 101 | 5_1_10_80_5 | האיפה | HJPH | das Epha/das Efa(maß) |

Ende des Verses 5.10

Verse: 68, Buchstaben: 36, 550, 3842, Totalwerte: 1707, 34518, 229350

Und ich sprach zu dem Engel, der mit mir redete: Wohin bringen diese das Epha?

– 5.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------------------------------------------------|
| 1. | 144. | 988. | 551. | 3843. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 145. | 989. | 556. | 3848. | 6. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 3. | 146. | 990. | 559. | 3851. | 9. | 5 | 488 | 30_2_50_6_400 | לבנות | LBNWT | (um) zu bauen |
| 4. | 147. | 991. | 564. | 3856. | 14. | 2 | 35 | 30_5 | לה | LH | ihm/für sie (=es) |
| 5. | 148. | 992. | 566. | 3858. | 16. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | (ein) Haus |
| 6. | 149. | 993. | 569. | 3861. | 19. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארץ | BARß | im Lande |
| 7. | 150. | 994. | 573. | 3865. | 23. | 4 | 620 | 300_50_70_200 | שנער | SNaR | Sinear/Schinear//<Mondland> |
| 8. | 151. | 995. | 577. | 3869. | 27. | 5 | 87 | 6_5_6_20_50 | והוכן | WHWKN | und ist dieses aufgerichtet/und er (=es) wird er- richtet |
| 9. | 152. | 996. | 582. | 3874. | 32. | 6 | 84 | 6_5_50_10_8_5 | והניחה | WHNJCH | so wird es niedergesetzt werden/und sie (=es) wird niedergelegt |
| 10. | 153. | 997. | 588. | 3880. | 38. | 2 | 340 | 300_40 | שמ | SM | daselbst/dort |
| 11. | 154. | 998. | 590. | 3882. | 40. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 12. | 155. | 999. | 592. | 3884. | 42. | 5 | 515 | 40_20_50_400_5 | מכנתה | MKNTH | seine Stelle/dessen Gestell |

Ende des Verses 5.11

Verse: 69, Buchstaben: 46, 596, 3888, Totalwerte: 3272, 37790, 232622

Und er sprach zu mir: Um ihm ein Haus zu bauen im Lande Sinear; und ist dieses aufgerichtet, so wird es daselbst auf seine Stelle niedergesetzt werden.

Ende des Kapitels 5

– 6.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-------------------|----------------------|---------------------------------------|-------------------------|
| 1. | 1. | 1000. | 1. | 3889. | 1. | 4 | 309 | 6_1_300_2 | ואשב WASB | und | wiederum/und ich kehrte |
| 2. | 2. | 1001. | 5. | 3893. | 5. | 4 | 308 | 6_1_300_1 | ואשא WASA | hob ich auf/und ich erhob | |
| 3. | 3. | 1002. | 9. | 3897. | 9. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עיני aJNJ | meine Augen | |
| 4. | 4. | 1003. | 13. | 3901. | 13. | 5 | 213 | 6_1_200_1_5 | ואראה WARAH | und sah/und (ich) schaute | |
| 5. | 5. | 1004. | 18. | 3906. | 18. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה WHNH | und siehe | |
| 6. | 6. | 1005. | 22. | 3910. | 22. | 4 | 273 | 1_200_2_70 | ארבע ARBa | vier | |
| 7. | 7. | 1006. | 26. | 3914. | 26. | 6 | 668 | 40_200_20_2_6_400 | מרכבות MRKBWT | Wagen | |
| 8. | 8. | 1007. | 32. | 3920. | 32. | 5 | 507 | 10_90_1_6_400 | יצאות JBAWT | kamen hervor/(waren) hervorkommend(e) | |
| 9. | 9. | 1008. | 37. | 3925. | 37. | 4 | 102 | 40_2_10_50 | מבין MBJN | (von) zwischen | |
| 10. | 10. | 1009. | 41. | 3929. | 41. | 3 | 360 | 300_50_10 | שני SNJ | (der) Zwei(heit) | |
| 11. | 11. | 1010. | 44. | 3932. | 44. | 5 | 260 | 5_5_200_10_40 | ההרים HHRJM | Bergen/der Berge | |
| 12. | 12. | 1011. | 49. | 3937. | 49. | 6 | 266 | 6_5_5_200_10_40 | וההרים WHHRJM | und die Berge | |
| 13. | 13. | 1012. | 55. | 3943. | 55. | 3 | 215 | 5_200_10 | הרי HRJ | (waren) Berge | |
| 14. | 14. | 1013. | 58. | 3946. | 58. | 4 | 758 | 50_8_300_400 | ןהשת NCST | von Erz/(aus) Erz | |

Ende des Verses 6.1

Verse: 70, Buchstaben: 61, 61, 3949, Totalwerte: 4445, 4445, 237067

Und ich hob wiederum meine Augen auf und sah: und siehe, vier Wagen kamen hervor zwischen zwei Bergen; und die Berge waren Berge von Erz.

– 6.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|-----------------|
| 1. | 15. | 1014. | 62. | 3950. | 1. | 6 | 269 | 2_40_200_20_2_5 | במרכבה | BMRKBH | am Wagen |
| 2. | 16. | 1015. | 68. | 3956. | 7. | 6 | 561 | 5_200_1_300_50_5 | הראשנה | HRASNH | (dem) ersten |
| 3. | 17. | 1016. | 74. | 3962. | 13. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסימ | sWsJM | (waren) Rosse |
| 4. | 18. | 1017. | 79. | 3967. | 18. | 5 | 95 | 1_4_40_10_40 | אדמימ | ADMJM | rote |
| 5. | 19. | 1018. | 84. | 3972. | 23. | 7 | 275 | 6_2_40_200_20_2_5 | ובמרכבה | WBMRKBH | und am Wagen |
| 6. | 20. | 1019. | 91. | 3979. | 30. | 5 | 765 | 5_300_50_10_400 | השניה | HSNJT | (dem) zweiten |
| 7. | 21. | 1020. | 96. | 3984. | 35. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסימ | sWsJM | Rosse |
| 8. | 22. | 1021. | 101. | 3989. | 40. | 5 | 558 | 300_8_200_10_40 | שחרימ | SCRJM | schwarze |

Ende des Verses 6.2

Verse: 71, Buchstaben: 44, 105, 3993, Totalwerte: 2875, 7320, 239942

An dem ersten Wagen waren rote Rosse, und an dem zweiten Wagen schwarze Rosse;

– 6.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|------|---------------------|------------------|-----------|----------------------|
| 1. | 23. | 1022. | 106. | 3994. | 1. | 7 | 275 | 6_2_40_200_20_2_5 | ובמרכבה | WBMRKBH | und am Wagen |
| 2. | 24. | 1023. | 113. | 4001. | 8. | 6 | 1045 | 5_300_30_300_10_400 | השלשית | HSLSJT | (dem) dritten |
| 3. | 25. | 1024. | 119. | 4007. | 14. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסימ | sWsJM | Rosse |
| 4. | 26. | 1025. | 124. | 4012. | 19. | 5 | 132 | 30_2_50_10_40 | לבנימ | LBNJM | weiße |
| 5. | 27. | 1026. | 129. | 4017. | 24. | 7 | 275 | 6_2_40_200_20_2_5 | ובמרכבה | WBMRKBH | und am Wagen |
| 6. | 28. | 1027. | 136. | 4024. | 31. | 6 | 687 | 5_200_2_70_10_400 | הרבעית | HRBaJT | (dem) vierten |
| 7. | 29. | 1028. | 142. | 4030. | 37. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסימ | sWsJM | Rosse |
| 8. | 30. | 1029. | 147. | 4035. | 42. | 5 | 256 | 2_200_4_10_40 | ברדימ | BRDJM | scheckige/gescheckte |
| 9. | 31. | 1030. | 152. | 4040. | 47. | 5 | 181 | 1_40_90_10_40 | אמצימ | AMBJM | starke/kraftvolle |

Ende des Verses 6.3

Verse: 72, Buchstaben: 51, 156, 4044, Totalwerte: 3203, 10523, 243145

und an dem dritten Wagen weiße Rosse, und an dem vierten Wagen scheckige, starke Rosse.

– 6.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 32. | 1031. | 157. | 4045. | 1. | 4 | 127 | 6_1_70_50 | ואנני | WAaN | und ich hob an/und ich erwiderte |
| 2. | 33. | 1032. | 161. | 4049. | 5. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und (ich) sprach |
| 3. | 34. | 1033. | 165. | 4053. | 9. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 4. | 35. | 1034. | 167. | 4055. | 11. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | dem Engel/dem Boten |
| 5. | 36. | 1035. | 172. | 4060. | 16. | 4 | 211 | 5_4_2_200 | הדבר | HDBR | der redete/der redend war |
| 6. | 37. | 1036. | 176. | 4064. | 20. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | mit mir |
| 7. | 38. | 1037. | 178. | 4066. | 22. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was (sind) |
| 8. | 39. | 1038. | 180. | 4068. | 24. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese |
| 9. | 40. | 1039. | 183. | 4071. | 27. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אדני | ADNJ | mein Herr |

Ende des Verses 6.4

Verse: 73, Buchstaben: 30, 186, 4074, Totalwerte: 870, 11393, 244015

Und ich hob an und sprach zu dem Engel, der mit mir redete: Mein Herr, was sind diese?

– 6.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-------------------------------------------------------|
| 1. | 41. | 1040. | 187. | 4075. | 1. | 4 | 136 | 6_10_70_50 | ויענ | WJaN | und (es) antwortete/und er (=es) erwiderte |
| 2. | 42. | 1041. | 191. | 4079. | 5. | 5 | 96 | 5_40_30_1_20 | המלאכ | HMLAK | der Engel/der Bote |
| 3. | 43. | 1042. | 196. | 4084. | 10. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und sprach/und er sagte |
| 4. | 44. | 1043. | 201. | 4089. | 15. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 5. | 45. | 1044. | 204. | 4092. | 18. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה | ALH | diese (sind) |
| 6. | 46. | 1045. | 207. | 4095. | 21. | 4 | 273 | 1_200_2_70 | ארבע | ARBa | (die) vier |
| 7. | 47. | 1046. | 211. | 4099. | 25. | 4 | 614 | 200_8_6_400 | רהות | RCWT | Winde |
| 8. | 48. | 1047. | 215. | 4103. | 29. | 5 | 395 | 5_300_40_10_40 | השמימ | HSMJM | des Himmels/der Himmel |
| 9. | 49. | 1048. | 220. | 4108. | 34. | 6 | 513 | 10_6_90_1_6_400 | יוצאות | JWBAWT | welche ausgehen/ausfahrend(e) |
| 10. | 50. | 1049. | 226. | 4114. | 40. | 6 | 547 | 40_5_400_10_90_2 | סהתיצב | MHTJBB | nachdem sie sich gestellt haben/nachdem sie gestanden |
| 11. | 51. | 1050. | 232. | 4120. | 46. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | vor/um |
| 12. | 52. | 1051. | 234. | 4122. | 48. | 4 | 61 | 1_4_6_50 | אדון | ADWN | (den) Herrn |
| 13. | 53. | 1052. | 238. | 4126. | 52. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | der ganzen/all |
| 14. | 54. | 1053. | 240. | 4128. | 54. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | (der) Erde |

Ende des Verses 6.5

Verse: 74, Buchstaben: 57, 243, 4131, Totalwerte: 3415, 14808, 247430

Und der Engel antwortete und sprach zu mir: Diese sind die vier Winde des Himmels, welche ausgehen, nachdem sie sich vor den Herrn der ganzen Erde gestellt haben.

– 6.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 55. | 1054. | 244. | 4132. | 1. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר | ASR | an welchem/welche |
| 2. | 56. | 1055. | 247. | 4135. | 4. | 2 | 7 | 2.5 | בה | BH | (sind) |
| 3. | 57. | 1056. | 249. | 4137. | 6. | 6 | 181 | 5.60.6.60.10.40 | הסוסים | HsWsJM | die Rosse |
| 4. | 58. | 1057. | 255. | 4143. | 12. | 6 | 563 | 5.300.8.200.10.40 | השחורים | HSCRJM | (die) schwarzen |
| 5. | 59. | 1058. | 261. | 4149. | 18. | 5 | 151 | 10.90.1.10.40 | יצאים | JßAJM | die ziehen aus/ausziehend(e) |
| 6. | 60. | 1059. | 266. | 4154. | 23. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | nach dem/zum |
| 7. | 61. | 1060. | 268. | 4156. | 25. | 3 | 291 | 1.200.90 | ארצ | ARß | Land |
| 8. | 62. | 1061. | 271. | 4159. | 28. | 4 | 226 | 90.80.6.50 | קפונ | ßPWN | des Nordens |
| 9. | 63. | 1062. | 275. | 4163. | 32. | 7 | 143 | 6.5.30.2.50.10.40 | והל בנימ | WHLBNJM | und die weißen |
| 10. | 64. | 1063. | 282. | 4170. | 39. | 4 | 107 | 10.90.1.6 | יצאו | JßAW | ziehen aus/(sie) zogen aus |
| 11. | 65. | 1064. | 286. | 4174. | 43. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | /nach |
| 12. | 66. | 1065. | 288. | 4176. | 45. | 6 | 264 | 1.8.200.10.5.40 | אחריהם | ACRJHM | hinter ihnen (=Westen) (her) |
| 13. | 67. | 1066. | 294. | 4182. | 51. | 7 | 267 | 6.5.2.200.4.10.40 | והברדים | WHBRDJM | und die scheckigen/und die gescheckten |
| 14. | 68. | 1067. | 301. | 4189. | 58. | 4 | 107 | 10.90.1.6 | יצאו | JßAW | ziehen aus/(sie) zogen aus |
| 15. | 69. | 1068. | 305. | 4193. | 62. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | nach dem/zum |
| 16. | 70. | 1069. | 307. | 4195. | 64. | 3 | 291 | 1.200.90 | ארצ | ARß | Land |
| 17. | 71. | 1070. | 310. | 4198. | 67. | 5 | 505 | 5.400.10.40.50 | התימן | HTJMN | des Südens |

Ende des Verses 6.6

Verse: 75, Buchstaben: 71, 314, 4202, Totalwerte: 3697, 18505, 251127

An welchem die schwarzen Rosse sind, die ziehen aus nach dem Lande des Nordens; und die weißen ziehen aus hinter ihnen her; und die scheckigen ziehen aus nach dem Lande des Südens;

– 6.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 72. | 1071. | 315. | 4203. | 1. | 7 | 192 | 6_5_1_40_90_10_40 | והאמצימו | WHAMßJM | und die starken/und die Kräftigen |
| 2. | 73. | 1072. | 322. | 4210. | 8. | 4 | 107 | 10_90_1_6 | יצאו | JBAW | ziehen aus/(sie) hervorkamen |
| 3. | 74. | 1073. | 326. | 4214. | 12. | 6 | 424 | 6_10_2_100_300_6 | ויבקשו | WJBQSW | und trachten/und sie versuchten |
| 4. | 75. | 1074. | 332. | 4220. | 18. | 4 | 480 | 30_30_20_400 | ללכת | LLKT | (hin) zu gehen |
| 5. | 76. | 1075. | 336. | 4224. | 22. | 6 | 490 | 30_5_400_5_30_20 | להתהלכ | LHTHLK | zu durchziehen/um zu gehen umher |
| 6. | 77. | 1076. | 342. | 4230. | 28. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארצ | BARß | die Erde/auf der Erde |
| 7. | 78. | 1077. | 346. | 4234. | 32. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 8. | 79. | 1078. | 351. | 4239. | 37. | 3 | 56 | 30_20_6 | לכו | LKW | geht |
| 9. | 80. | 1079. | 354. | 4242. | 40. | 6 | 466 | 5_400_5_30_20_6 | התהלכו | HHTHLKW | durchzieht/geht umher |
| 10. | 81. | 1080. | 360. | 4248. | 46. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארצ | BARß | die Erde/auf der Erde |
| 11. | 82. | 1081. | 364. | 4252. | 50. | 8 | 916 | 6_400_400_5_30_20_50_5 | ותתהלכנה | WTTHLKNH | und sie (durch)zogen (aus) |
| 12. | 83. | 1082. | 372. | 4260. | 58. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארצ | BARß | die Erde |

Ende des Verses 6.7

Verse: 76, Buchstaben: 61, 375, 4263, Totalwerte: 4267, 22772, 255394

und die starken ziehen aus und trachten hinzugehen, die Erde zu durchziehen. Und er sprach: Gehet, durchziehet die Erde! Und sie durchzogen die Erde.

– 6.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 84. | 1083. | 376. | 4264. | 1. | 5 | 193 | 6_10_7_70_100 | וִיזַעַק | WJZaQ | und er rief/und er ließ rufen |
| 2. | 85. | 1084. | 381. | 4269. | 6. | 3 | 411 | 1_400_10 | אֲחִי | ATJ | mir/mich |
| 3. | 86. | 1085. | 384. | 4272. | 9. | 5 | 222 | 6_10_4_2_200 | וַיְדַבֵּר | WJDDBR | und redete/und (er) sagte |
| 4. | 87. | 1086. | 389. | 4277. | 14. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 5. | 88. | 1087. | 392. | 4280. | 17. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לֵאמֹר | LAMR | ((und) sprach/zu sagen |
| 6. | 89. | 1088. | 396. | 4284. | 21. | 3 | 206 | 200_1_5 | רֵאֵה | RAH | siehe |
| 7. | 90. | 1089. | 399. | 4287. | 24. | 7 | 162 | 5_10_6_90_1_10_40 | הַיּוֹצֵאִים | HJWßAJM | diejenigen welche ausgezogen sind/die Ausziehenden |
| 8. | 91. | 1090. | 406. | 4294. | 31. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל | AL | nach dem/zum |
| 9. | 92. | 1091. | 408. | 4296. | 33. | 3 | 291 | 1_200_90 | אֶרֶץ | ARß | Land |
| 10. | 93. | 1092. | 411. | 4299. | 36. | 4 | 226 | 90_80_6_50 | קִפְנוֹ | ßPWN | des Nordens |
| 11. | 94. | 1093. | 415. | 4303. | 40. | 5 | 79 | 5_50_10_8_6 | הַנִּיחוּ | HNJCW | lassen Ruhe finden/(sie) lassen nieder |
| 12. | 95. | 1094. | 420. | 4308. | 45. | 2 | 401 | 1_400 | אֵת | AT | ** |
| 13. | 96. | 1095. | 422. | 4310. | 47. | 4 | 224 | 200_6_8_10 | רוּחִי | RWCJ | meinen Geist |
| 14. | 97. | 1096. | 426. | 4314. | 51. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בְּאֶרֶץ | BARß | im Lande |
| 15. | 98. | 1097. | 430. | 4318. | 55. | 4 | 226 | 90_80_6_50 | קִפְנוֹ | ßPWN | des Nordens |

Ende des Verses 6.8

Verse: 77, Buchstaben: 58, 433, 4321, Totalwerte: 3277, 26049, 258671

Und er rief mir und redete zu mir und sprach: Siehe, diejenigen, welche nach dem Lande des Nordens ausgezogen sind, lassen meinen Geist Ruhe finden im Lande des Nordens.

– 6.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 99. | 1098. | 434. | 4322. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | וַיְהִי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) war |
| 2. | 100. | 1099. | 438. | 4326. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דְּבַר | DBR | das Wort |
| 3. | 101. | 1100. | 441. | 4329. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 4. | 102. | 1101. | 445. | 4333. | 12. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 5. | 103. | 1102. | 448. | 4336. | 15. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לְאמֹר | LAMR | also/lautend |

Ende des Verses 6.9

Verse: 78, Buchstaben: 18, 451, 4339, Totalwerte: 575, 26624, 259246

Und das Wort Jahwes geschah zu mir also:

– 6.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 104. | 1103. | 452. | 4340. | 1. | 4 | 144 | 30_100_6_8 | לקח | LQWC | nimm |
| 2. | 105. | 1104. | 456. | 4344. | 5. | 3 | 441 | 40_1_400 | מאת | MAT | von **/einige von |
| 3. | 106. | 1105. | 459. | 4347. | 8. | 5 | 49 | 5_3_6_30_5 | הגולה | HGWLH | den Weggeführten/der Wegführung |
| 4. | 107. | 1106. | 464. | 4352. | 13. | 5 | 92 | 40_8_30_4_10 | מהלדי | MCLDJ | von Cheldai///<langlebig> |
| 5. | 108. | 1107. | 469. | 4357. | 18. | 4 | 447 | 6_40_1_400 | ומאת | WMAT | und von ** |
| 6. | 109. | 1108. | 473. | 4361. | 22. | 5 | 32 | 9_6_2_10_5 | טוביה | tWBJH | Tobija///<Jah ist gut> |
| 7. | 110. | 1109. | 478. | 4366. | 27. | 4 | 447 | 6_40_1_400 | ומאת | WMAT | und von ** |
| 8. | 111. | 1110. | 482. | 4370. | 31. | 5 | 99 | 10_4_70_10_5 | ידעיה | JDaJH | Jedaja///<Jah kennt> |
| 9. | 112. | 1111. | 487. | 4375. | 36. | 4 | 409 | 6_2_1_400 | ובאת | WBAT | und geh |
| 10. | 113. | 1112. | 491. | 4379. | 40. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה | ATH | du |
| 11. | 114. | 1113. | 494. | 4382. | 43. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 12. | 115. | 1114. | 498. | 4386. | 47. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | selbigem/jenem |
| 13. | 116. | 1115. | 502. | 4390. | 51. | 4 | 409 | 6_2_1_400 | ובאת | WBAT | und geh |
| 14. | 117. | 1116. | 506. | 4394. | 55. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | (ins) Haus |
| 15. | 118. | 1117. | 509. | 4397. | 58. | 5 | 326 | 10_1_300_10_5 | יאשיה | JASJH | Josias/Joschija(s)//<der Herr heilt> |
| 16. | 119. | 1118. | 514. | 4402. | 63. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 17. | 120. | 1119. | 516. | 4404. | 65. | 5 | 235 | 90_80_50_10_5 | זפניה | ßPNJH | Zephanjas/Zefanja(s) |
| 18. | 121. | 1120. | 521. | 4409. | 70. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | wohin/die |
| 19. | 122. | 1121. | 524. | 4412. | 73. | 3 | 9 | 2_1_6 | באו | BAW | (sie) sind gekommen |
| 20. | 123. | 1122. | 527. | 4415. | 76. | 4 | 74 | 40_2_2_30 | מבבל | MBBL | aus Babel |

Ende des Verses 6.10

Verse: 79, Buchstaben: 79, 530, 4418, Totalwerte: 4659, 31283, 263905

Nimm von den Weggeführten, von Cheldai und von Tobija und von Jedaja, -und geh du an selbigem Tage, geh in das Haus Josijas, des Sohnes Zephanjas, wohin sie aus Babel gekommen sind-

– 6.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|---------------------------------------------|
| 1. | 124. | 1123. | 531. | 4419. | 1. | 5 | 544 | 6_30_100_8_400 | ולקחת | WLQCT | ja nimm/und nimm |
| 2. | 125. | 1124. | 536. | 4424. | 6. | 3 | 160 | 20_60_80 | קספ | KsP | Silber |
| 3. | 126. | 1125. | 539. | 4427. | 9. | 4 | 20 | 6_7_5_2 | וזהב | WZHB | und Gold |
| 4. | 127. | 1126. | 543. | 4431. | 13. | 5 | 786 | 6_70_300_10_400 | ועשיה | WaSJT | und mache |
| 5. | 128. | 1127. | 548. | 4436. | 18. | 5 | 685 | 70_9_200_6_400 | עטרות | atRWT | eine Krone |
| 6. | 129. | 1128. | 553. | 4441. | 23. | 4 | 746 | 6_300_40_400 | ושמת | WSMT | und setze (sie) |
| 7. | 130. | 1129. | 557. | 4445. | 27. | 4 | 503 | 2_200_1_300 | בראש | BRAS | auf das Haupt |
| 8. | 131. | 1130. | 561. | 4449. | 31. | 5 | 391 | 10_5_6_300_70 | יהושע | JHWSa | Josuas/J(eh)hoschua |
| 9. | 132. | 1131. | 566. | 4454. | 36. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | ((des) Sohn(es) |
| 10. | 133. | 1132. | 568. | 4456. | 38. | 6 | 215 | 10_5_6_90_4_100 | יהוצדק | JHWBDQ | Jozadaks/(von) Jozadak//<Jahwe ist gerecht> |
| 11. | 134. | 1133. | 574. | 4462. | 44. | 4 | 80 | 5_20_5_50 | הכהן | HKHN | des Priesters/dem Priester |
| 12. | 135. | 1134. | 578. | 4466. | 48. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הגדול | HGDWL | ((dem) hohen |

Ende des Verses 6.11

Verse: 80, Buchstaben: 52, 582, 4470, Totalwerte: 4230, 35513, 268135

ja, nimm Silber und Gold und mache eine Krone. Und setze sie auf das Haupt Josuas, des Sohnes Jozadaks, des Hohenpriester, und sprich zu ihm und sage:

– 6.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 136. | 1135. | 583. | 4471. | 1. | 5 | 647 | 6_1_40_200_400 | ואמרת | WAMRT | und sprich |
| 2. | 137. | 1136. | 588. | 4476. | 6. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 3. | 138. | 1137. | 592. | 4480. | 10. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sage/zu sagen |
| 4. | 139. | 1138. | 596. | 4484. | 14. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 5. | 140. | 1139. | 598. | 4486. | 16. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 6. | 141. | 1140. | 601. | 4489. | 19. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 142. | 1141. | 605. | 4493. | 23. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 8. | 143. | 1142. | 610. | 4498. | 28. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagt/zu sagen |
| 9. | 144. | 1143. | 614. | 4502. | 32. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה | HNH | siehe |
| 10. | 145. | 1144. | 617. | 4505. | 35. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | (ein) Mann |
| 11. | 146. | 1145. | 620. | 4508. | 38. | 3 | 138 | 90_40_8 | קמו | ßMC | Spross |
| 12. | 147. | 1146. | 623. | 4511. | 41. | 3 | 346 | 300_40_6 | שמו | SMW | (ist) sein Name |
| 13. | 148. | 1147. | 626. | 4514. | 44. | 7 | 870 | 6_40_400_8_400_10_6 | ומתחתיו | WMTCTJW | und von seiner Stelle/und unter ihm |
| 14. | 149. | 1148. | 633. | 4521. | 51. | 4 | 148 | 10_90_40_8 | יצמח | JßMC | er (=es) wird (auf)sprossen |
| 15. | 150. | 1149. | 637. | 4525. | 55. | 4 | 63 | 6_2_50_5 | ובנה | WBNH | und (er wird) bauen |
| 16. | 151. | 1150. | 641. | 4529. | 59. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 17. | 152. | 1151. | 643. | 4531. | 61. | 4 | 65 | 5_10_20_30 | היכל | HJKL | den Tempel |
| 18. | 153. | 1152. | 647. | 4535. | 65. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 6.12

Verse: 81, Buchstaben: 68, 650, 4538, Totalwerte: 4455, 39968, 272590

So spricht Jahwe der Heerscharen und sagt: Siehe, ein Mann, sein Name ist Sproß; und er wird von seiner Stelle aufsprossen und den Tempel Jahwes bauen.

– 6.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|-----------|-----------|----------------------------|
| 1. | 154. | 1153. | 651. | 4539. | 1. | 4 | 18 | 6_5_6_1 | והוא | WHWA | ja er/und er |
| 2. | 155. | 1154. | 655. | 4543. | 5. | 4 | 67 | 10_2_50_5 | יבנה | JBNH | (er) wird bauen |
| 3. | 156. | 1155. | 659. | 4547. | 9. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 4. | 157. | 1156. | 661. | 4549. | 11. | 4 | 65 | 5_10_20_30 | היכל | HJKL | den Tempel |
| 5. | 158. | 1157. | 665. | 4553. | 15. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 159. | 1158. | 669. | 4557. | 19. | 4 | 18 | 6_5_6_1 | והוא | WHWA | und er |
| 7. | 160. | 1159. | 673. | 4561. | 23. | 3 | 311 | 10_300_1 | ישא | JSA | (er) wird tragen |
| 8. | 161. | 1160. | 676. | 4564. | 26. | 3 | 15 | 5_6_4 | הוד | HWD | Herrlichkeit/Hoheit |
| 9. | 162. | 1161. | 679. | 4567. | 29. | 4 | 318 | 6_10_300_2 | וישב | WJSB | und er wird sitzen |
| 10. | 163. | 1162. | 683. | 4571. | 33. | 4 | 376 | 6_40_300_30 | ומשל | WMSL | und (er) (wird) herrschen |
| 11. | 164. | 1163. | 687. | 4575. | 37. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 12. | 165. | 1164. | 689. | 4577. | 39. | 4 | 87 | 20_60_1_6 | קסאו | KsAW | seinem Thron |
| 13. | 166. | 1165. | 693. | 4581. | 43. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird sein |
| 14. | 167. | 1166. | 697. | 4585. | 47. | 3 | 75 | 20_5_50 | כהן | KHN | (ein) Priester |
| 15. | 168. | 1167. | 700. | 4588. | 50. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf/an |
| 16. | 169. | 1168. | 702. | 4590. | 52. | 4 | 87 | 20_60_1_6 | קסאו | KsAW | seinem Thron |
| 17. | 170. | 1169. | 706. | 4594. | 56. | 4 | 566 | 6_70_90_400 | ועצה | WaßT | und der Rat/und Beratung |
| 18. | 171. | 1170. | 710. | 4598. | 60. | 4 | 376 | 300_30_6_40 | שלום | SLWM | des Friedens/(von) Frieden |
| 19. | 172. | 1171. | 714. | 4602. | 64. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה | THJH | (sie) wird sein |
| 20. | 173. | 1172. | 718. | 4606. | 68. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 21. | 174. | 1173. | 721. | 4609. | 71. | 5 | 405 | 300_50_10_5_40 | שניהם | SNJHM | beiden (von) ihnen |

Ende des Verses 6.13

Verse: 82, Buchstaben: 75, 725, 4613, Totalwerte: 3919, 43887, 276509

Ja, er wird den Tempel Jahwes bauen; und er wird Herrlichkeit tragen; und er wird auf seinem Throne sitzen und herrschen, und er wird Priester sein auf seinem Throne; und der Rat des Friedens wird zwischen ihnen beiden sein.

– 6.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 175. | 1174. | 726. | 4614. | 1. | 6 | 690 | 6_5_70_9_200_400 | והעטרת | WHatRT | und die Krone(n) |
| 2. | 176. | 1175. | 732. | 4620. | 7. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה | THJH | (sie (=es)) soll sein |
| 3. | 177. | 1176. | 736. | 4624. | 11. | 4 | 108 | 30_8_30_40 | לחלמ | LCLM | dem Chelem/von Chelem//<Stärke> |
| 4. | 178. | 1177. | 740. | 4628. | 15. | 7 | 68 | 6_30_9_6_2_10_5 | ולטוביה | WLtWBJH | und (von) Tobija |
| 5. | 179. | 1178. | 747. | 4635. | 22. | 7 | 135 | 6_30_10_4_70_10_5 | ולידעיה | WLJDaJH | und (von) Jedaja |
| 6. | 180. | 1179. | 754. | 4642. | 29. | 4 | 94 | 6_30_8_50 | ולחנ | WLCN | und der Güte/und von Chen |
| 7. | 181. | 1180. | 758. | 4646. | 33. | 2 | 52 | 2_50 | בנ | BN | (des) Sohn(es) |
| 8. | 182. | 1181. | 760. | 4648. | 35. | 5 | 235 | 90_80_50_10_5 | קפניה | ßPNJH | Zephanjas/Zefanja(s) |
| 9. | 183. | 1182. | 765. | 4653. | 40. | 6 | 313 | 30_7_20_200_6_50 | לזכרונ | LZKRWN | zum Gedächtnis/ein Andenken |
| 10. | 184. | 1183. | 771. | 4659. | 46. | 5 | 67 | 2_5_10_20_30 | בהיכל | BHJKL | im Tempel |
| 11. | 185. | 1184. | 776. | 4664. | 51. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 6.14

Verse: 83, Buchstaben: 54, 779, 4667, Totalwerte: 2208, 46095, 278717

Und die Krone soll dem Chelem und Tobija und Jedaja und der Güte des Sohnes Zephanjas zum Gedächtnis sein im Tempel Jahwes.

– 6.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 186. | 1185. | 780. | 4668. | 1. | 7 | 370 | 6_200_8_6_100_10_40 | ורחוקים | WRCWQJM | und Entfernte/und Ferne |
| 2. | 187. | 1186. | 787. | 4675. | 8. | 4 | 19 | 10_2_1_6 | יבאו | JBAW | (sie) werden kommen |
| 3. | 188. | 1187. | 791. | 4679. | 12. | 4 | 64 | 6_2_50_6 | ובנו | WBNW | und (sie werden) bauen |
| 4. | 189. | 1188. | 795. | 4683. | 16. | 5 | 67 | 2_5_10_20_30 | בהיכל | BHJKL | am Tempel |
| 5. | 190. | 1189. | 800. | 4688. | 21. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 191. | 1190. | 804. | 4692. | 25. | 6 | 530 | 6_10_4_70_400_40 | וידעתם | WJDaTM | und ihr werdet erkennen |
| 7. | 192. | 1191. | 810. | 4698. | 31. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | dass |
| 8. | 193. | 1192. | 812. | 4700. | 33. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 9. | 194. | 1193. | 816. | 4704. | 37. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 10. | 195. | 1194. | 821. | 4709. | 42. | 5 | 398 | 300_30_8_50_10 | שלהני | SLCNJ | (er) hat mich gesandt |
| 11. | 196. | 1195. | 826. | 4714. | 47. | 5 | 101 | 1_30_10_20_40 | אליכמ | ALJKM | zu euch |
| 12. | 197. | 1196. | 831. | 4719. | 52. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und (er (=es)) wird geschehen (dieses) |
| 13. | 198. | 1197. | 835. | 4723. | 56. | 2 | 41 | 1_40 | אם | AM | wenn |
| 14. | 199. | 1198. | 837. | 4725. | 58. | 4 | 416 | 300_40_6_70 | שמוע | SMWa | (ein) Hören |
| 15. | 200. | 1199. | 841. | 4729. | 62. | 6 | 866 | 400_300_40_70_6_50 | תשמעו | TSMaWN | ihr (fleißig) hör(en werde)t |
| 16. | 201. | 1200. | 847. | 4735. | 68. | 4 | 138 | 2_100_6_30 | בקול | BQWL | auf die Stimme |
| 17. | 202. | 1201. | 851. | 4739. | 72. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 18. | 203. | 1202. | 855. | 4743. | 76. | 6 | 106 | 1_30_5_10_20_40 | אליכמ | ALHJKM | eures Gottes |

Ende des Verses 6.15

Verse: 84, Buchstaben: 81, 860, 4748, Totalwerte: 3749, 49844, 282466

Und Entfernte werden kommen und am Tempel Jahwes bauen; und ihr werdet erkennen, daß Jahwe der Heerscharen mich zu euch gesandt hat. Und dieses wird geschehen, wenn ihr fleißig auf die Stimme Jahwes, eures Gottes, hören werdet.

Ende des Kapitels 6

– 7.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|------------------------------------|-----------------|
| 1. | 1. | 1203. | 1. | 4749. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי WJHJ | und es begab sich/und er (=es) war | |
| 2. | 2. | 1204. | 5. | 4753. | 5. | 4 | 752 | 2_300_50_400 | בשנת BSNT | im Jahr | |
| 3. | 3. | 1205. | 9. | 4757. | 9. | 4 | 273 | 1_200_2_70 | ארבע ARBa | vier(ten) | |
| 4. | 4. | 1206. | 13. | 4761. | 13. | 6 | 550 | 30_4_200_10_6_300 | לדריוש LDRJWS | (von) Darius | |
| 5. | 5. | 1207. | 19. | 4767. | 19. | 4 | 95 | 5_40_30_20 | המלכ HMLK | des Königs/dem König | |
| 6. | 6. | 1208. | 23. | 4771. | 23. | 3 | 20 | 5_10_5 | היה HJH | da geschah/er (=es) erging | |
| 7. | 7. | 1209. | 26. | 4774. | 26. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר DBR | das Wort | |
| 8. | 8. | 1210. | 29. | 4777. | 29. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwes/(von) Jahwe | |
| 9. | 9. | 1211. | 33. | 4781. | 33. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | zu/an | |
| 10. | 10. | 1212. | 35. | 4783. | 35. | 5 | 242 | 7_20_200_10_5 | זכריה ZKRJH | Sacharja | |
| 11. | 11. | 1213. | 40. | 4788. | 40. | 6 | 280 | 2_1_200_2_70_5 | בארבעה BARBaH | am vier(ten) (Tag) | |
| 12. | 12. | 1214. | 46. | 4794. | 46. | 4 | 342 | 30_8_4_300 | לחדש LCDS | des Monats | |
| 13. | 13. | 1215. | 50. | 4798. | 50. | 5 | 785 | 5_400_300_70_10 | החשעי HTSaJ | (des) neunten | |
| 14. | 14. | 1216. | 55. | 4803. | 55. | 5 | 118 | 2_20_60_30_6 | בכסלו BKsLW | im (Monat) Kislev | |

Ende des Verses 7.1

Verse: 85, Buchstaben: 59, 59, 4807, Totalwerte: 3751, 3751, 286217

Und es begab sich im vierten Jahre des Königs Darius, da geschah das Wort Jahwes zu Sacharja, am vierten Tage des neunten Monats, im Monat Kislev,

– 7.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|--------------------------------|-----------------|
| 1. | 15. | 1217. | 60. | 4808. | 1. | 5 | 354 | 6_10_300_30_8 | וישלה WJSLC | als sandte//und (es) sandte | |
| 2. | 16. | 1218. | 65. | 4813. | 6. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית BJT | Beth/Bet//<Haus> | |
| 3. | 17. | 1219. | 68. | 4816. | 9. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | El///<Gott> | |
| 4. | 18. | 1220. | 70. | 4818. | 11. | 2 | 500 | 300_200 | שר SR | (den) Schar/(den) Sar//<Fürst> | |
| 5. | 19. | 1221. | 72. | 4820. | 13. | 3 | 291 | 1_90_200 | אצר AßR | Ezer///<Feuer> | |
| 6. | 20. | 1222. | 75. | 4823. | 16. | 4 | 249 | 6_200_3_40 | ורגמ WRGM | und Regem///<Freund> | |
| 7. | 21. | 1223. | 79. | 4827. | 20. | 3 | 90 | 40_30_20 | מלכ MLK | Melech///<König> | |
| 8. | 22. | 1224. | 82. | 4830. | 23. | 6 | 373 | 6_1_50_300_10_6 | ואנשיו WANSJW | und seine Männer | |
| 9. | 23. | 1225. | 88. | 4836. | 29. | 5 | 474 | 30_8_30_6_400 | לחלות LCLWT | um anzuflehen/zu besänftigen | |
| 10. | 24. | 1226. | 93. | 4841. | 34. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 11. | 25. | 1227. | 95. | 4843. | 36. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני PNJ | /das Antlitz | |
| 12. | 26. | 1228. | 98. | 4846. | 39. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 7.2

Verse: 86, Buchstaben: 42, 101, 4849, Totalwerte: 3341, 7092, 289558

als Bethel den Scharezer und Regem-Melech und seine Männer sandte, um Jahwe anzuflehen,

– 7.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 27. | 1229. | 102. | 4850. | 1. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) um zu sagen/zu sagen |
| 2. | 28. | 1230. | 106. | 4854. | 5. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | /zu |
| 3. | 29. | 1231. | 108. | 4856. | 7. | 6 | 130 | 5_20_5_50_10_40 | הכהנימ | HKHNJM | den Priestern |
| 4. | 30. | 1232. | 114. | 4862. | 13. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | /welche |
| 5. | 31. | 1233. | 117. | 4865. | 16. | 4 | 442 | 30_2_10_400 | לביה | LBJT | des Hauses/zum (Tempel)Haus |
| 6. | 32. | 1234. | 121. | 4869. | 20. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 7. | 33. | 1235. | 125. | 4873. | 24. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 8. | 34. | 1236. | 130. | 4878. | 29. | 3 | 37 | 6_1_30 | ואל | WAL | und (zu) |
| 9. | 35. | 1237. | 133. | 4881. | 32. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאימ | HNBJAJM | den Propheten |
| 10. | 36. | 1238. | 140. | 4888. | 39. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | /sagend |
| 11. | 37. | 1239. | 144. | 4892. | 43. | 5 | 33 | 5_1_2_20_5 | האבכה | HABKH | (etwa) ich soll weinen |
| 12. | 38. | 1240. | 149. | 4897. | 48. | 4 | 314 | 2_8_4_300 | בחדש | BCDS | im Monat |
| 13. | 39. | 1241. | 153. | 4901. | 52. | 5 | 363 | 5_8_40_300_10 | החמשי | HCMSJ | (dem) fünften |
| 14. | 40. | 1242. | 158. | 4906. | 57. | 4 | 262 | 5_50_7_200 | הניזר | HNZR | und mich enthalten/ein Sichenthalten |
| 15. | 41. | 1243. | 162. | 4910. | 61. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | ראשר | KASR | (so) wie |
| 16. | 42. | 1244. | 166. | 4914. | 65. | 5 | 790 | 70_300_10_400_10 | עשיתי | aSJTJ | ich getan habe |
| 17. | 43. | 1245. | 171. | 4919. | 70. | 2 | 12 | 7_5 | זה | ZH | schon/diese |
| 18. | 44. | 1246. | 173. | 4921. | 72. | 3 | 65 | 20_40_5 | רמה | KMH | (so) viele |
| 19. | 45. | 1247. | 176. | 4924. | 75. | 4 | 400 | 300_50_10_40 | שנימ | SNJM | Jahre (lang) |

Ende des Verses 7.3

Verse: 87, Buchstaben: 78, 179, 4927, Totalwerte: 5086, 12178, 294644

und um den Priestern des Hauses Jahwes der Heerscharen und den Propheten zu sagen: Soll ich weinen im fünften Monat und mich enthalten, wie ich schon so viele Jahre getan habe?

– 7.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 46. | 1248. | 180. | 4928. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 47. | 1249. | 184. | 4932. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 48. | 1250. | 187. | 4935. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 49. | 1251. | 191. | 4939. | 12. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאוה | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 50. | 1252. | 196. | 4944. | 17. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 6. | 51. | 1253. | 199. | 4947. | 20. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/zu sagen |

Ende des Verses 7.4

Verse: 88, Buchstaben: 23, 202, 4950, Totalwerte: 1074, 13252, 295718

Und das Wort Jahwes der Heerscharen geschah zu mir also:

– 7.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------------|--------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 52. | 1254. | 203. | 4951. | 1. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר AMR | rede/sprich | |
| 2. | 53. | 1255. | 206. | 4954. | 4. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | zu | |
| 3. | 54. | 1256. | 208. | 4956. | 6. | 2 | 50 | 20_30 | כל KL | dem ganzen/alle | |
| 4. | 55. | 1257. | 210. | 4958. | 8. | 2 | 110 | 70_40 | עם aM | Volk | |
| 5. | 56. | 1258. | 212. | 4960. | 10. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ HARß | des Landes | |
| 6. | 57. | 1259. | 216. | 4964. | 14. | 3 | 37 | 6_1_30 | ואל WAL | und zu | |
| 7. | 58. | 1260. | 219. | 4967. | 17. | 6 | 130 | 5_20_5_50_10_40 | הכהנים HKHJNM | den Priestern | |
| 8. | 59. | 1261. | 225. | 4973. | 23. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר LAMR | (und) sprich/zu sagen | |
| 9. | 60. | 1262. | 229. | 4977. | 27. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | wenn | |
| 10. | 61. | 1263. | 231. | 4979. | 29. | 4 | 570 | 90_40_400_40 | צמתם ßMTM | ihr habt gefastet | |
| 11. | 62. | 1264. | 235. | 4983. | 33. | 5 | 156 | 6_60_80_6_4 | וספור WsPWD | und gewehklagt/und einem Klagen | |
| 12. | 63. | 1265. | 240. | 4988. | 38. | 6 | 370 | 2_8_40_10_300_10 | בהמישי BCMJSJ | im fünften | |
| 13. | 64. | 1266. | 246. | 4994. | 44. | 7 | 400 | 6_2_300_2_10_70_10 | ובשביעי WBSBJaJ | und im siebten (Monat) | |
| 14. | 65. | 1267. | 253. | 5001. | 51. | 3 | 18 | 6_7_5 | וזה WZH | und zwar schon/und das | |
| 15. | 66. | 1268. | 256. | 5004. | 54. | 5 | 422 | 300_2_70_10_40 | שבעים SBaJM | siebzig | |
| 16. | 67. | 1269. | 261. | 5009. | 59. | 3 | 355 | 300_50_5 | שנה SNH | Jahre (lang) | |
| 17. | 68. | 1270. | 264. | 5012. | 62. | 4 | 141 | 5_90_6_40 | הצום HBWM | (etwa) ein Fasten | |
| 18. | 69. | 1271. | 268. | 5016. | 66. | 5 | 590 | 90_40_400_50_10 | צמתני ßMTNJ | ihr habt gefastet mir/ihr habt gefastet für mich | |
| 19. | 70. | 1272. | 273. | 5021. | 71. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני ANJ | irgendwie/(war) ich (der Grund) | |

Ende des Verses 7.5

Verse: 89, Buchstaben: 73, 275, 5023, Totalwerte: 4279, 17531, 299997

Rede zu dem ganzen Volke des Landes und zu den Priestern und sprich: Wenn ihr im fünften und im siebten Monat gefastet und gewehklagt habt, und zwar schon siebzig Jahre, habt ihr irgendwie mir gefastet?

– 7.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|------|-----------------|------------------|-----------|-----------------|
| 1. | 71. | 1273. | 276. | 5024. | 1. | 3 | 36 | 6_20_10 | וכי | WKJ | und wenn |
| 2. | 72. | 1274. | 279. | 5027. | 4. | 5 | 457 | 400_1_20_30_6 | תאכלו | TAKLW | ihr esst |
| 3. | 73. | 1275. | 284. | 5032. | 9. | 3 | 36 | 6_20_10 | וכי | WKJ | und wenn |
| 4. | 74. | 1276. | 287. | 5035. | 12. | 4 | 1106 | 400_300_400_6 | תשתו | TSTW | ihr trinkt |
| 5. | 75. | 1277. | 291. | 5039. | 16. | 4 | 42 | 5_30_6_1 | הלא | HLWA | (etwa) nicht |
| 6. | 76. | 1278. | 295. | 5043. | 20. | 3 | 441 | 1_400_40 | אתם | ATM | ihr (seid) |
| 7. | 77. | 1279. | 298. | 5046. | 23. | 6 | 106 | 5_1_20_30_10_40 | האכלימ | HAKLJM | die Essenden |
| 8. | 78. | 1280. | 304. | 5052. | 29. | 4 | 447 | 6_1_400_40 | ואתם | WATM | und ihr |
| 9. | 79. | 1281. | 308. | 5056. | 33. | 5 | 755 | 5_300_400_10_40 | השתימ | HSTJM | die Trinkenden |

Ende des Verses 7.6

Verse: 90, Buchstaben: 37, 312, 5060, Totalwerte: 3426, 20957, 303423

Und wenn ihr esset, und wenn ihr trinket, seid nicht ihr die Essenden und ihr die Trinkenden?

– 7.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 80. | 1282. | 313. | 5061. | 1. | 4 | 42 | 5.30.6.1 | הלוא HLWA | | kennt ihr nicht/etwa nicht (sind es) |
| 2. | 81. | 1283. | 317. | 5065. | 5. | 2 | 401 | 1.400 | את AT | ** | |
| 3. | 82. | 1284. | 319. | 5067. | 7. | 6 | 261 | 5.4.2.200.10.40 | הדברים HDBRJM | | die Worte |
| 4. | 83. | 1285. | 325. | 5073. | 13. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר ASR | | welche |
| 5. | 84. | 1286. | 328. | 5076. | 16. | 3 | 301 | 100.200.1 | קרא QRA | | (er) (aus)rief |
| 6. | 85. | 1287. | 331. | 5079. | 19. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה JHWH | | Jahwe |
| 7. | 86. | 1288. | 335. | 5083. | 23. | 3 | 16 | 2.10.4 | ביר BJD | | durch |
| 8. | 87. | 1289. | 338. | 5086. | 26. | 7 | 118 | 5.50.2.10.1.10.40 | הנביאים HNBIAJM | | die Propheten |
| 9. | 88. | 1290. | 345. | 5093. | 33. | 7 | 606 | 5.200.1.300.50.10.40 | הראשנים HRASNJM | | (die) früheren |
| 10. | 89. | 1291. | 352. | 5100. | 40. | 5 | 423 | 2.5.10.6.400 | בהיות BHJWT | | als/in Sein |
| 11. | 90. | 1292. | 357. | 5105. | 45. | 6 | 586 | 10.200.6.300.30.40 | ירושלם JRWSLM | | Jerusalem |
| 12. | 91. | 1293. | 363. | 5111. | 51. | 4 | 712 | 10.300.2.400 | ישבת JSBT | | (noch) bewohnt (war) |
| 13. | 92. | 1294. | 367. | 5115. | 55. | 5 | 347 | 6.300.30.6.5 | ושלוח WSLWH | | und ruhig(e) |
| 14. | 93. | 1295. | 372. | 5120. | 60. | 5 | 291 | 6.70.200.10.5 | ועריה WaRJH | | und seine Städte/und ihre Städte |
| 15. | 94. | 1296. | 377. | 5125. | 65. | 7 | 489 | 60.2.10.2.400.10.5 | סביבתיה sBJBTJH | | rings um dasselbe her/herum um sie |
| 16. | 95. | 1297. | 384. | 5132. | 72. | 5 | 66 | 6.5.50.3.2 | והנגב WHNGB | | und der Süden/und der Negeb |
| 17. | 96. | 1298. | 389. | 5137. | 77. | 6 | 426 | 6.5.300.80.30.5 | והשפלה WHSPLH | | und die Niederung |
| 18. | 97. | 1299. | 395. | 5143. | 83. | 3 | 312 | 10.300.2 | ישב JSB | | bewohnt (war(en)) |

Ende des Verses 7.7

Verse: 91, Buchstaben: 85, 397, 5145, Totalwerte: 5924, 26881, 309347

Kennet ihr nicht die Worte, welche Jahwe durch die früheren Propheten ausrief, als Jerusalem bewohnt und ruhig war, und seine Städte rings um dasselbe her, und der Süden und die Niederung bewohnt waren?

– 7.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 98. | 1300. | 398. | 5146. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 99. | 1301. | 402. | 5150. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 100. | 1302. | 405. | 5153. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 4. | 101. | 1303. | 409. | 5157. | 12. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu/an |
| 5. | 102. | 1304. | 411. | 5159. | 14. | 5 | 242 | 7_20_200_10_5 | זכריה | ZKRJH | Sacharja |
| 6. | 103. | 1305. | 416. | 5164. | 19. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/zu sagen |

Ende des Verses 7.8

Verse: 92, Buchstaben: 22, 419, 5167, Totalwerte: 807, 27688, 310154

Und das Wort Jahwes geschah zu Sacharja also:

– 7.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 104. | 1306. | 420. | 5168. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 105. | 1307. | 422. | 5170. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 106. | 1308. | 425. | 5173. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 107. | 1309. | 429. | 5177. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 108. | 1310. | 434. | 5182. | 15. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | (und) sagt/zu sagen |
| 6. | 109. | 1311. | 438. | 5186. | 19. | 4 | 429 | 40_300_80_9 | משפט | MSPt | (ein) Gericht |
| 7. | 110. | 1312. | 442. | 5190. | 23. | 3 | 441 | 1_40_400 | אמת | AMT | wahrhaftiges |
| 8. | 111. | 1313. | 445. | 5193. | 26. | 4 | 395 | 300_80_9_6 | שפטו | SPtW | übt/richtet |
| 9. | 112. | 1314. | 449. | 5197. | 30. | 4 | 78 | 6_8_60_4 | והסד | WCsD | und Güte |
| 10. | 113. | 1315. | 453. | 5201. | 34. | 6 | 304 | 6_200_8_40_10_40 | ורחמימ | WRCMJM | und Barmherzigkeit/und Erbarmungen |
| 11. | 114. | 1316. | 459. | 5207. | 40. | 3 | 376 | 70_300_6 | עשו | aSW | erweist/übt |
| 12. | 115. | 1317. | 462. | 5210. | 43. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | einer |
| 13. | 116. | 1318. | 465. | 5213. | 46. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | /mit |
| 14. | 117. | 1319. | 467. | 5215. | 48. | 4 | 25 | 1_8_10_6 | אחיו | ACJW | dem anderen/seinem Bruder |

Ende des Verses 7.9

Verse: 93, Buchstaben: 51, 470, 5218, Totalwerte: 3822, 31510, 313976

So spricht Jahwe der Heerscharen und sagt: Übet ein wahrhaftiges Gericht und erweist Güte und Barmherzigkeit einer dem anderen;

– 7.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 118. | 1320. | 471. | 5219. | 1. | 6 | 132 | 6_1_30_40_50_5 | ואלמנה | WALMNH | und (die) Witwe |
| 2. | 119. | 1321. | 477. | 5225. | 7. | 5 | 462 | 6_10_400_6_40 | ויחומ | WJTWWM | und (die) Waise |
| 3. | 120. | 1322. | 482. | 5230. | 12. | 2 | 203 | 3_200 | גר | GR | den Fremdling/(einen) Fremden |
| 4. | 121. | 1323. | 484. | 5232. | 14. | 4 | 136 | 6_70_50_10 | ועני | WaNJ | und den Elenden/und Armen |
| 5. | 122. | 1324. | 488. | 5236. | 18. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 6. | 123. | 1325. | 490. | 5238. | 20. | 5 | 876 | 400_70_300_100_6 | תעשקו | TaSQW | bedrückt/ihr sollt bedrücken |
| 7. | 124. | 1326. | 495. | 5243. | 25. | 4 | 676 | 6_200_70_400 | ורעה | WRaT | und Unglück/und Böses |
| 8. | 125. | 1327. | 499. | 5247. | 29. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | einer |
| 9. | 126. | 1328. | 502. | 5250. | 32. | 4 | 25 | 1_8_10_6 | אחיו | ACJW | auf seines Bruders/seinem Bruder |
| 10. | 127. | 1329. | 506. | 5254. | 36. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 11. | 128. | 1330. | 508. | 5256. | 38. | 5 | 716 | 400_8_300_2_6 | תחשבו | TCSBW | sinnt/ihr sollt ersinnen |
| 12. | 129. | 1331. | 513. | 5261. | 43. | 6 | 96 | 2_30_2_2_20_40 | בלבבכם | BLBBKM | in eurem Herzen |

Ende des Verses 7.10

Verse: 94, Buchstaben: 48, 518, 5266, Totalwerte: 3695, 35205, 317671

und bedrückt nicht die Witwe und die Waise, den Fremdling und den Elenden; und sinnet keiner auf seines Bruders Unglück in euren Herzen.

– 7.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|------------------------------------------------|
| 1. | 130. | 1332. | 519. | 5267. | 1. | 6 | 113 | 6_10_40_1_50_6 | וימאנו | WJMANW | aber sie weigerten sich/und sie weigerten sich |
| 2. | 131. | 1333. | 525. | 5273. | 7. | 6 | 447 | 30_5_100_300_10_2 | להקשיב | LHQSJB | aufzumerken/zu sein aufmerksam |
| 3. | 132. | 1334. | 531. | 5279. | 13. | 5 | 472 | 6_10_400_50_6 | ויתנו | WJTNW | und zogen zurück/und sie machten |
| 4. | 133. | 1335. | 536. | 5284. | 18. | 3 | 500 | 20_400_80 | כהפ | KTP | die Schulter/(eine) Schulter |
| 5. | 134. | 1336. | 539. | 5287. | 21. | 4 | 860 | 60_200_200_400 | סררה | sRRT | widerspenstig/störrische |
| 6. | 135. | 1337. | 543. | 5291. | 25. | 7 | 119 | 6_1_7_50_10_5_40 | ואזניהם | WAZNJHM | und ihre Ohren |
| 7. | 136. | 1338. | 550. | 5298. | 32. | 6 | 47 | 5_20_2_10_4_6 | הכבירו | HKBJDW | (sie) machten schwer (=taub) |
| 8. | 137. | 1339. | 556. | 5304. | 38. | 5 | 456 | 40_300_40_6_70 | שמוע | MSMWA | um nicht zu hören/von Hören |

Ende des Verses 7.11

Verse: 95, Buchstaben: 42, 560, 5308, Totalwerte: 3014, 38219, 320685

Aber sie weigerten sich, aufzumerken, und zogen die Schulter widerspenstig zurück und machten ihre Ohren schwer, um nicht zu hören.

– 7.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 138. | 1340. | 561. | 5309. | 1. | 4 | 78 | 6_30_2_40 | ולבמ | WLBm | und ihr Herz |
| 2. | 139. | 1341. | 565. | 5313. | 5. | 3 | 346 | 300_40_6 | שמו | SMW | sie machten |
| 3. | 140. | 1342. | 568. | 5316. | 8. | 4 | 550 | 300_40_10_200 | שמיר | SMJR | zu Diamant/(zu) Schamirstein |
| 4. | 141. | 1343. | 572. | 5320. | 12. | 5 | 456 | 40_300_40_6_70 | שמוע | MSMWa | um nicht zu hören/von Hören |
| 5. | 142. | 1344. | 577. | 5325. | 17. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 6. | 143. | 1345. | 579. | 5327. | 19. | 5 | 616 | 5_400_6_200_5 | התורה | HTWRH | das Gesetz/die Weisung |
| 7. | 144. | 1346. | 584. | 5332. | 24. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואח | WAT | noch **/und ** |
| 8. | 145. | 1347. | 587. | 5335. | 27. | 6 | 261 | 5_4_2_200_10_40 | הדברים | HDBRJm | die Worte |
| 9. | 146. | 1348. | 593. | 5341. | 33. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 10. | 147. | 1349. | 596. | 5344. | 36. | 3 | 338 | 300_30_8 | שלה | SLC | (er) sandte |
| 11. | 148. | 1350. | 599. | 5347. | 39. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 12. | 149. | 1351. | 603. | 5351. | 43. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 13. | 150. | 1352. | 608. | 5356. | 48. | 5 | 222 | 2_200_6_8_6 | ברוחו | BRWCW | durch seinen Geist/in seinem Geist |
| 14. | 151. | 1353. | 613. | 5361. | 53. | 3 | 16 | 2_10_4 | ביר | BJD | mittelst/durch |
| 15. | 152. | 1354. | 616. | 5364. | 56. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאים | HNBjAJM | der Propheten/die Propheten |
| 16. | 153. | 1355. | 623. | 5371. | 63. | 7 | 606 | 5_200_1_300_50_10_40 | הראשנים | HRASNjM | (die) früheren |
| 17. | 154. | 1356. | 630. | 5378. | 70. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und so kam/und er (=es) kam |
| 18. | 155. | 1357. | 634. | 5382. | 74. | 3 | 270 | 100_90_80 | קצפ | QβP | (ein) Zorn |
| 19. | 156. | 1358. | 637. | 5385. | 77. | 4 | 43 | 3_4_6_30 | גדול | GDWL | großer |
| 20. | 157. | 1359. | 641. | 5389. | 81. | 3 | 441 | 40_1_400 | מאת | MAT | von seiten |
| 21. | 158. | 1360. | 644. | 5392. | 84. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 22. | 159. | 1361. | 648. | 5396. | 88. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |

Ende des Verses 7.12

Verse: 96, Buchstaben: 92, 652, 5400, Totalwerte: 6751, 44970, 327436

Und sie machten ihr Herz zu Diamant, um das Gesetz nicht zu hören noch die Worte, welche Jahwe der Heerscharen durch seinen Geist mittelst der früheren Propheten sandte; und so kam ein großer Zorn von seiten Jahwes der Heerscharen.

– 7.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 160. | 1362. | 653. | 5401. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und es geschah/und er (=es) wird geschehn |
| 2. | 161. | 1363. | 657. | 5405. | 5. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | קאשר | KASR | gleichwie/so wie |
| 3. | 162. | 1364. | 661. | 5409. | 9. | 3 | 301 | 100_200_1 | קרא | QRA | er gerufen/er rief |
| 4. | 163. | 1365. | 664. | 5412. | 12. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 5. | 164. | 1366. | 667. | 5415. | 15. | 4 | 416 | 300_40_70_6 | שמעו | SMAW | sie gehört hatten/sie hörten |
| 6. | 165. | 1367. | 671. | 5419. | 19. | 2 | 70 | 20_50 | כן | KN | (al)so |
| 7. | 166. | 1368. | 673. | 5421. | 21. | 5 | 317 | 10_100_200_1_6 | יקראו | JQRAW | riefen sie/sie werden rufen |
| 8. | 167. | 1369. | 678. | 5426. | 26. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 9. | 168. | 1370. | 681. | 5429. | 29. | 4 | 411 | 1_300_40_70 | אשמע | ASMa | ich hörte/ich werde hören |
| 10. | 169. | 1371. | 685. | 5433. | 33. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 11. | 170. | 1372. | 688. | 5436. | 36. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 12. | 171. | 1373. | 692. | 5440. | 40. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאוה | βBAWT | (der) Heerscharen |

Ende des Verses 7.13

Verse: 97, Buchstaben: 44, 696, 5444, Totalwerte: 2907, 47877, 330343

Und es geschah, gleichwie er gerufen, und sie nicht gehört hatten, also riefen sie, und ich hörte nicht, spricht Jahwe der Heerscharen;

– 7.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|---------------------------------------------------------|
| 1. | 172. | 1374. | 697. | 5445. | 1. | 6 | 377 | 6_1_60_70_200_40 | ואסערמ | WAsaRM | und ich stürmte sie hinweg/und ich werde zerstäuben sie |
| 2. | 173. | 1375. | 703. | 5451. | 7. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | unter |
| 3. | 174. | 1376. | 705. | 5453. | 9. | 2 | 50 | 20_30 | לך | KL | alle |
| 4. | 175. | 1377. | 707. | 5455. | 11. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | Nationen/die Volksstämme |
| 5. | 176. | 1378. | 712. | 5460. | 16. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | die/welche |
| 6. | 177. | 1379. | 715. | 5463. | 19. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 7. | 178. | 1380. | 717. | 5465. | 21. | 5 | 130 | 10_4_70_6_40 | ידעומ | JDaWM | ((sie) kannten (sie) |
| 8. | 179. | 1381. | 722. | 5470. | 26. | 5 | 302 | 6_5_1_200_90 | והארצ | WHARß | und das Land |
| 9. | 180. | 1382. | 727. | 5475. | 31. | 4 | 395 | 50_300_40_5 | ןשמה | NSMH | wurde verwüstet/sie (=es) wurde öde |
| 10. | 181. | 1383. | 731. | 5479. | 35. | 6 | 264 | 1_8_200_10_5_40 | אחריהם | ACRJHM | hinter ihnen |
| 11. | 182. | 1384. | 737. | 5485. | 41. | 4 | 312 | 40_70_2_200 | מעבר | MaBR | so dass niemand/ohne Vorübergehenden |
| 12. | 183. | 1385. | 741. | 5489. | 45. | 4 | 348 | 6_40_300_2 | ומשב | WMSB | hin und wieder zieht/und ohne Kehrenden |
| 13. | 184. | 1386. | 745. | 5493. | 49. | 6 | 372 | 6_10_300_10_40_6 | וישימו | WJSJMW | und sie machten |
| 14. | 185. | 1387. | 751. | 5499. | 55. | 3 | 291 | 1_200_90 | ארצ | ARß | das Land/(ein) Land |
| 15. | 186. | 1388. | 754. | 5502. | 58. | 4 | 57 | 8_40_4_5 | חמדה | CMDH | köstliche/(der) Kostbarkeit |
| 16. | 187. | 1389. | 758. | 5506. | 62. | 4 | 375 | 30_300_40_5 | לשמה | LSMH | zu einer Wüste/zur Öde |

Ende des Verses 7.14

Verse: 98, Buchstaben: 65, 761, 5509, Totalwerte: 3969, 51846, 334312

und ich stürmte sie hinweg unter alle Nationen, die sie nicht kannten, und das Land wurde hinter ihnen verwüstet, so daß niemand hin und wieder zieht; und sie machten das köstliche Land zu einer Wüste.

Ende des Kapitels 7

– 8.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|-------|-----|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|------------------------------------|-----------------|
| 1. | 1. | 1390. | 1. | 5510. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | יהי WJHJ | und es geschah/und er (=es) erging | |
| 2. | 2. | 1391. | 5. | 5514. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר DBR | das Wort | |
| 3. | 3. | 1392. | 8. | 5517. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwes/(von) Jahwe | |
| 4. | 4. | 1393. | 12. | 5521. | 12. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 5. | 5. | 1394. | 17. | 5526. | 17. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר LAMR | also/zu sagen | |

Ende des Verses 8.1

Verse: 99, Buchstaben: 20, 20, 5529, Totalwerte: 1033, 1033, 335345

Und es geschah das Wort Jahwes der Heerscharen also:

– 8.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 6. | 1395. | 21. | 5530. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 7. | 1396. | 23. | 5532. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 8. | 1397. | 26. | 5535. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 9. | 1398. | 30. | 5539. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאוה | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 10. | 1399. | 35. | 5544. | 15. | 5 | 561 | 100_50_1_400_10 | קנאתי | QNATJ | ich eifer(t)e |
| 6. | 11. | 1400. | 40. | 5549. | 20. | 5 | 186 | 30_90_10_6_50 | לציון | LβJWN | für Zion |
| 7. | 12. | 1401. | 45. | 5554. | 25. | 4 | 156 | 100_50_1_5 | קנאה | QNAH | (mit) Eifer |
| 8. | 13. | 1402. | 49. | 5558. | 29. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | großem |
| 9. | 14. | 1403. | 54. | 5563. | 34. | 4 | 59 | 6_8_40_5 | וחמה | WCMH | und mit Grimm/und (mit) Zornlut |
| 10. | 15. | 1404. | 58. | 5567. | 38. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | großem/großer |
| 11. | 16. | 1405. | 63. | 5572. | 43. | 5 | 561 | 100_50_1_400_10 | קנאתי | QNATJ | ich eifer(t)e |
| 12. | 17. | 1406. | 68. | 5577. | 48. | 2 | 35 | 30_5 | לה | LH | für dasselbe/für sie |

Ende des Verses 8.2

Verse: 100, Buchstaben: 49, 69, 5578, Totalwerte: 2445, 3478, 337790

So spricht Jahwe der Heerscharen: Ich eifere für Zion mit großem Eifer, und mit großem Grimme eifere ich für dasselbe.

– 8.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 18. | 1407. | 70. | 5579. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 19. | 1408. | 72. | 5581. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 20. | 1409. | 75. | 5584. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 21. | 1410. | 79. | 5588. | 10. | 4 | 712 | 300_2_400_10 | שבתי | SBTJ | ichkehr(t)e (zurück) |
| 5. | 22. | 1411. | 83. | 5592. | 14. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach |
| 6. | 23. | 1412. | 85. | 5594. | 16. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | ציון | βJWN | Zion |
| 7. | 24. | 1413. | 89. | 5598. | 20. | 6 | 786 | 6_300_20_50_400_10 | ושכנתי | WSKNTJ | und will wohnen/und ich werde wohnen |
| 8. | 25. | 1414. | 95. | 5604. | 26. | 4 | 428 | 2_400_6_20 | בתוכ | BTWK | inmitten/in Mitte |
| 9. | 26. | 1415. | 99. | 5608. | 30. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem(s) |
| 10. | 27. | 1416. | 105. | 5614. | 36. | 6 | 362 | 6_50_100_200_1_5 | ונקראה | WNQRAH | und genannt werden wird/und sie wird gerufen |
| 11. | 28. | 1417. | 111. | 5620. | 42. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 12. | 29. | 1418. | 117. | 5626. | 48. | 3 | 280 | 70_10_200 | עיר | aJR | Stadt |
| 13. | 30. | 1419. | 120. | 5629. | 51. | 4 | 446 | 5_1_40_400 | האמת | HAMT | der Wahrheit/der Treue |
| 14. | 31. | 1420. | 124. | 5633. | 55. | 3 | 211 | 6_5_200 | והר | WHR | und (der) Berg |
| 15. | 32. | 1421. | 127. | 5636. | 58. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 16. | 33. | 1422. | 131. | 5640. | 62. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 17. | 34. | 1423. | 136. | 5645. | 67. | 2 | 205 | 5_200 | הר | HR | (der) Berg |
| 18. | 35. | 1424. | 138. | 5647. | 69. | 4 | 409 | 5_100_4_300 | הקדש | HQDS | heilige/der Heiligkeit |

Ende des Verses 8.3

Verse: 101, Buchstaben: 72, 141, 5650, Totalwerte: 6015, 9493, 343805

So spricht Jahwe: Ich kehre nach Zion zurück und will inmitten Jerusalems wohnen; und Jerusalem wird genannt werden 'Stadt der Wahrheit', und der Berg Jahwes der Heerscharen 'der heilige Berg'.

– 8.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|--------------------------------|
| 1. | 36. | 1425. | 142. | 5651. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 37. | 1426. | 144. | 5653. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 38. | 1427. | 147. | 5656. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 39. | 1428. | 151. | 5660. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 40. | 1429. | 156. | 5665. | 15. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | noch |
| 6. | 41. | 1430. | 158. | 5667. | 17. | 4 | 318 | 10_300_2_6 | ישבו | JSBW | sie (=es) werden sitzen |
| 7. | 42. | 1431. | 162. | 5671. | 21. | 5 | 207 | 7_100_50_10_40 | זקנימ | ZQNJM | Greise |
| 8. | 43. | 1432. | 167. | 5676. | 26. | 6 | 569 | 6_7_100_50_6_400 | זקנות | WZQNWT | und Greisinnen |
| 9. | 44. | 1433. | 173. | 5682. | 32. | 6 | 618 | 2_200_8_2_6_400 | ברחבות | BRCBWT | in den Straßen/auf den Plätzen |
| 10. | 45. | 1434. | 179. | 5688. | 38. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלמ | JRWSLM | von Jerusalem/Jerusalem(s) |
| 11. | 46. | 1435. | 185. | 5694. | 44. | 4 | 317 | 6_1_10_300 | ואיש | WAJS | ein jeder/und jeder |
| 12. | 47. | 1436. | 189. | 5698. | 48. | 6 | 866 | 40_300_70_50_400_6 | משעתו | MSaNTW | (mit) seinem Stab |
| 13. | 48. | 1437. | 195. | 5704. | 54. | 4 | 22 | 2_10_4_6 | בירו | BJDW | in seiner Hand |
| 14. | 49. | 1438. | 199. | 5708. | 58. | 3 | 242 | 40_200_2 | מרב | MRB | vor Menge/ob der Fülle |
| 15. | 50. | 1439. | 202. | 5711. | 61. | 4 | 100 | 10_40_10_40 | ימימ | JMJM | (der) Tage |

Ende des Verses 8.4

Verse: 102, Buchstaben: 64, 205, 5714, Totalwerte: 4710, 14203, 348515

So spricht Jahwe der Heerscharen: Es werden noch Greise und Greisinnen in den Straßen von Jerusalem sitzen, ein jeder mit seinem Stabe in seiner Hand vor Menge der Tage.

– 8.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 51. | 1440. | 206. | 5715. | 1. | 6 | 622 | 6_200_8_2_6_400 | ורחבות | WRCBWT | und die Straßen/und (die) Plätze |
| 2. | 52. | 1441. | 212. | 5721. | 7. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt |
| 3. | 53. | 1442. | 216. | 5725. | 11. | 5 | 87 | 10_40_30_1_6 | ימלאו | JMLAW | werden voll sein/(sie) werden gefüllt werden |
| 4. | 54. | 1443. | 221. | 5730. | 16. | 5 | 94 | 10_30_4_10_40 | ילדימ | JLDJM | von Knaben/(mit) Knaben |
| 5. | 55. | 1444. | 226. | 5735. | 21. | 6 | 456 | 6_10_30_4_6_400 | וילדות | WJLDWT | und Mädchen |
| 6. | 56. | 1445. | 232. | 5741. | 27. | 6 | 498 | 40_300_8_100_10_40 | משחקימ | MSCQJM | ((die) spielen(de) |
| 7. | 57. | 1446. | 238. | 5747. | 33. | 7 | 627 | 2_200_8_2_400_10_5 | ברחבתיה | BRCBTJH | auf seinen Straßen/auf ihren Plätzen |

Ende des Verses 8.5

Verse: 103, Buchstaben: 39, 244, 5753, Totalwerte: 2669, 16872, 351184

Und die Straßen der Stadt werden voll sein von Knaben und Mädchen, die auf seinen Straßen spielen.

– 8.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------|
| 1. | 58. | 1447. | 245. | 5754. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 59. | 1448. | 247. | 5756. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 60. | 1449. | 250. | 5759. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 61. | 1450. | 254. | 5763. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאוה | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 62. | 1451. | 259. | 5768. | 15. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | wenn |
| 6. | 63. | 1452. | 261. | 5770. | 17. | 4 | 121 | 10_80_30_1 | יפלא | JPLA | es wunderbar ist/er (=es) (ist) unmöglich |
| 7. | 64. | 1453. | 265. | 5774. | 21. | 5 | 142 | 2_70_10_50_10 | בעיני | BaJNJ | in den Augen |
| 8. | 65. | 1454. | 270. | 5779. | 26. | 5 | 911 | 300_1_200_10_400 | שארית | SARJT | (des) (Über)Restes |
| 9. | 66. | 1455. | 275. | 5784. | 31. | 3 | 115 | 5_70_40 | העם | HaM | des Volkes |
| 10. | 67. | 1456. | 278. | 5787. | 34. | 3 | 17 | 5_7_5 | הזה | HZH | dieses (da) |
| 11. | 68. | 1457. | 281. | 5790. | 37. | 5 | 102 | 2_10_40_10_40 | בימים | BJMJM | in (den) Tagen |
| 12. | 69. | 1458. | 286. | 5795. | 42. | 3 | 50 | 5_5_40 | ההם | HHM | jenen/denjenigen |
| 13. | 70. | 1459. | 289. | 5798. | 45. | 2 | 43 | 3_40 | גם | GM | auch |
| 14. | 71. | 1460. | 291. | 5800. | 47. | 5 | 142 | 2_70_10_50_10 | בעיני | BaJNJ | in meinen Augen |
| 15. | 72. | 1461. | 296. | 5805. | 52. | 4 | 121 | 10_80_30_1 | יפלא | JPLA | wird es wunderbar sein/er (=es) (ist) unmöglich |
| 16. | 73. | 1462. | 300. | 5809. | 56. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 17. | 74. | 1463. | 303. | 5812. | 59. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 18. | 75. | 1464. | 307. | 5816. | 63. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאוה | βBAWT | (der) Heerscharen |

Ende des Verses 8.6

Verse: 104, Buchstaben: 67, 311, 5820, Totalwerte: 3201, 20073, 354385

So spricht Jahwe der Heerscharen: Wenn es wunderbar ist in den Augen des Überrestes dieses Volkes in jenen Tagen, wird es auch in meinen Augen wunderbar sein? spricht Jahwe der Heerscharen.

– 8.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------|
| 1. | 76. | 1465. | 312. | 5821. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 77. | 1466. | 314. | 5823. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | er (=es) spricht |
| 3. | 78. | 1467. | 317. | 5826. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 79. | 1468. | 321. | 5830. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 80. | 1469. | 326. | 5835. | 15. | 4 | 115 | 5_50_50_10 | הנני | HNNJ | siehe ich (bin) |
| 6. | 81. | 1470. | 330. | 5839. | 19. | 5 | 426 | 40_6_300_10_70 | מושיע | MWSJa | werde retten/rettend(er) |
| 7. | 82. | 1471. | 335. | 5844. | 24. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 8. | 83. | 1472. | 337. | 5846. | 26. | 3 | 120 | 70_40_10 | עמי | aMJ | mein Volk |
| 9. | 84. | 1473. | 340. | 5849. | 29. | 4 | 331 | 40_1_200_90 | סארצ | MARβ | aus dem Lande |
| 10. | 85. | 1474. | 344. | 5853. | 33. | 4 | 255 | 40_7_200_8 | מזרה | MZRC | (des) Aufgang(s) |
| 11. | 86. | 1475. | 348. | 5857. | 37. | 5 | 337 | 6_40_1_200_90 | ומארצ | WMARβ | und aus dem Land |
| 12. | 87. | 1476. | 353. | 5862. | 42. | 4 | 49 | 40_2_6_1 | מבוא | MBWA | des Untergangs |
| 13. | 88. | 1477. | 357. | 5866. | 46. | 4 | 645 | 5_300_40_300 | השמש | HSMS | der Sonne |

Ende des Verses 8.7

Verse: 105, Buchstaben: 49, 360, 5869, Totalwerte: 3470, 23543, 357855

So spricht Jahwe der Heerscharen: Siehe, ich werde mein Volk retten aus dem Lande des Aufgangs und aus dem Lande des Untergangs der Sonne;

– 8.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|--------------------------------------------------|
| 1. | 89. | 1478. | 361. | 5870. | 1. | 6 | 424 | 6.5.2.1.400.10 | והבאתי | WHBATJ | und ich werde herbeibringen/und ich lasse kommen |
| 2. | 90. | 1479. | 367. | 5876. | 7. | 3 | 441 | 1.400.40 | אתם | ATM | sie |
| 3. | 91. | 1480. | 370. | 5879. | 10. | 5 | 382 | 6.300.20.50.6 | ושכנו | WSKNW | und sie werden wohnen |
| 4. | 92. | 1481. | 375. | 5884. | 15. | 4 | 428 | 2.400.6.20 | בתוכ | BTWK | inmitten/in Mitte |
| 5. | 93. | 1482. | 379. | 5888. | 19. | 6 | 586 | 10.200.6.300.30.40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem(s) |
| 6. | 94. | 1483. | 385. | 5894. | 25. | 4 | 27 | 6.5.10.6 | והיו | WHJW | und sie werden (sein) |
| 7. | 95. | 1484. | 389. | 5898. | 29. | 2 | 40 | 30.10 | לי | LJ | mein/mir |
| 8. | 96. | 1485. | 391. | 5900. | 31. | 3 | 140 | 30.70.40 | לעם | LaM | (zu) Volk |
| 9. | 97. | 1486. | 394. | 5903. | 34. | 4 | 67 | 6.1.50.10 | ואני | WANJ | und ich |
| 10. | 98. | 1487. | 398. | 5907. | 38. | 4 | 21 | 1.5.10.5 | אהיה | AHJH | werde sein/ich will sein |
| 11. | 99. | 1488. | 402. | 5911. | 42. | 3 | 75 | 30.5.40 | להם | LHM | ihr/für sie |
| 12. | 100. | 1489. | 405. | 5914. | 45. | 6 | 116 | 30.1.30.5.10.40 | לאלהים | LALHJM | (als) Gott |
| 13. | 101. | 1490. | 411. | 5920. | 51. | 4 | 443 | 2.1.40.400 | באמת | BAMT | in Wahrheit |
| 14. | 102. | 1491. | 415. | 5924. | 55. | 6 | 207 | 6.2.90.4.100.5 | ובצדקה | WBßDQH | und in Gerechtigkeit |

Ende des Verses 8.8

Verse: 106, Buchstaben: 60, 420, 5929, Totalwerte: 3397, 26940, 361252

und ich werde sie herbeibringen, und sie werden wohnen inmitten Jerusalems; und sie werden mein Volk, und ich werde ihr Gott sein in Wahrheit und in Gerechtigkeit.

– 8.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 103. | 1492. | 421. | 5930. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 104. | 1493. | 423. | 5932. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 105. | 1494. | 426. | 5935. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 106. | 1495. | 430. | 5939. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 107. | 1496. | 435. | 5944. | 15. | 6 | 570 | 400_8_7_100_50_5 | תחזקנה | TCZQNH | stärkt/sie (=es) werden stark sein |
| 6. | 108. | 1497. | 441. | 5950. | 21. | 5 | 84 | 10_4_10_20_40 | ידיכמ | JDJKM | eure Hände |
| 7. | 109. | 1498. | 446. | 5955. | 26. | 6 | 465 | 5_300_40_70_10_40 | השמעימ | HSMaJM | die ihr hört/die Hörenden |
| 8. | 110. | 1499. | 452. | 5961. | 32. | 5 | 102 | 2_10_40_10_40 | בימימ | BJMJM | in den Tagen |
| 9. | 111. | 1500. | 457. | 5966. | 37. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה | HALH | diesen (da) |
| 10. | 112. | 1501. | 461. | 5970. | 41. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 11. | 113. | 1502. | 463. | 5972. | 43. | 6 | 261 | 5_4_2_200_10_40 | הדברימ | HDBRJM | die Worte |
| 12. | 114. | 1503. | 469. | 5978. | 49. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה | HALH | diese(lben) |
| 13. | 115. | 1504. | 473. | 5982. | 53. | 3 | 130 | 40_80_10 | מפי | MPJ | aus dem Mund/von dem Mund |
| 14. | 116. | 1505. | 476. | 5985. | 56. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאימ | HNBJAJM | der Propheten |
| 15. | 117. | 1506. | 483. | 5992. | 63. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche waren/wie |
| 16. | 118. | 1507. | 486. | 5995. | 66. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביומ | BJWM | am Tag |
| 17. | 119. | 1508. | 490. | 5999. | 70. | 3 | 74 | 10_60_4 | יסד | JsD | da gelegt wurde der Grund/er (=es) wurde gegründet |
| 18. | 120. | 1509. | 493. | 6002. | 73. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/das Haus |
| 19. | 121. | 1510. | 496. | 6005. | 76. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 20. | 122. | 1511. | 500. | 6009. | 80. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 21. | 123. | 1512. | 505. | 6014. | 85. | 5 | 70 | 5_5_10_20_30 | ההיכל | HHJKL | des Tempels/der Tempel |
| 22. | 124. | 1513. | 510. | 6019. | 90. | 6 | 493 | 30_5_2_50_6_400 | להבנות | LHBNWT | (um ihn) zu erbauen |

Ende des Verses 8.9

Verse: 107, Buchstaben: 95, 515, 6024, Totalwerte: 5137, 32077, 366389

So spricht Jahwe der Heerscharen: Stärket eure Hände, die ihr in diesen Tagen diese Worte aus dem Munde der Propheten höret, welche an dem Tage waren, da der Grund des Hauses Jahwes der Heerscharen, des Tempels, gelegt wurde, um ihn zu erbauen!

– 8.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|---------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 125. | 1514. | 516. | 6025. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 2. | 126. | 1515. | 518. | 6027. | 3. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני LPNJ | vor | |
| 3. | 127. | 1516. | 522. | 6031. | 7. | 5 | 105 | 5_10_40_10_40 | הימים HJMJM | den Tagen | |
| 4. | 128. | 1517. | 527. | 6036. | 12. | 3 | 50 | 5_5_40 | ההם HHM | diesen/denjenigen | |
| 5. | 129. | 1518. | 530. | 6039. | 15. | 3 | 520 | 300_20_200 | שכר SKR | Lohn | |
| 6. | 130. | 1519. | 533. | 6042. | 18. | 4 | 50 | 5_1_4_40 | האדם HADM | für die Menschen/des Menschen | |
| 7. | 131. | 1520. | 537. | 6046. | 22. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 8. | 132. | 1521. | 539. | 6048. | 24. | 4 | 70 | 50_5_10_5 | והיה NHJH | (er (=es)) war | |
| 9. | 133. | 1522. | 543. | 6052. | 28. | 4 | 526 | 6_300_20_200 | ושכר WSKR | und Lohn | |
| 10. | 134. | 1523. | 547. | 6056. | 32. | 5 | 57 | 5_2_5_40_5 | הבהמה HBHMH | für das Vieh/des Viehs | |
| 11. | 135. | 1524. | 552. | 6061. | 37. | 5 | 116 | 1_10_50_50_5 | איננה AJNNH | nicht (ist) | |
| 12. | 136. | 1525. | 557. | 6066. | 42. | 6 | 143 | 6_30_10_6_90_1 | וליוצא WLJWBA | und der Ausgehende/und für den Ausziehenden | |
| 13. | 137. | 1526. | 563. | 6072. | 48. | 4 | 39 | 6_30_2_1 | ולבא WLBA | und Eingehende/und für den Heimkommenden | |
| 14. | 138. | 1527. | 567. | 6076. | 52. | 3 | 61 | 1_10_50 | אין AJN | nicht hatte/nicht ist | |
| 15. | 139. | 1528. | 570. | 6079. | 55. | 4 | 376 | 300_30_6_40 | שלום SLWM | Frieden | |
| 16. | 140. | 1529. | 574. | 6083. | 59. | 2 | 90 | 40_50 | מן MN | vor | |
| 17. | 141. | 1530. | 576. | 6085. | 61. | 3 | 295 | 5_90_200 | הצר HBR | dem Bedränger | |
| 18. | 142. | 1531. | 579. | 6088. | 64. | 5 | 345 | 6_1_300_30_8 | ואשלח WASLC | und ich ließ los/und ich sandte | |
| 19. | 143. | 1532. | 584. | 6093. | 69. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 20. | 144. | 1533. | 586. | 6095. | 71. | 2 | 50 | 20_30 | כל KL | all(e) | |
| 21. | 145. | 1534. | 588. | 6097. | 73. | 4 | 50 | 5_1_4_40 | האדם HADM | (die) Mensch(en) | |
| 22. | 146. | 1535. | 592. | 6101. | 77. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש AJS | /Mann | |
| 23. | 147. | 1536. | 595. | 6104. | 80. | 5 | 283 | 2_200_70_5_6 | ברעהו BRaHW | gegeneinander/gegen seinen Gefährten | |

Ende des Verses 8.10

Verse: 108, Buchstaben: 84, 599, 6108, Totalwerte: 4169, 36246, 370558

Denn vor diesen Tagen war kein Lohn für die Menschen und kein Lohn für das Vieh; und der Aus- und Eingehende hatte keinen Frieden vor dem Bedränger, und ich ließ alle Menschen gegeneinander los.

– 8.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 148. | 1537. | 600. | 6109. | 1. | 4 | 481 | 6_70_400_5 | ועתה | WaTH | nun aber/und nun |
| 2. | 149. | 1538. | 604. | 6113. | 5. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 3. | 150. | 1539. | 606. | 6115. | 7. | 5 | 120 | 20_10_40_10_40 | כימימ | KJMJM | wie in den Tagen |
| 4. | 151. | 1540. | 611. | 6120. | 12. | 7 | 606 | 5_200_1_300_50_10_40 | הראשנים | HRASNJM | (den) früheren |
| 5. | 152. | 1541. | 618. | 6127. | 19. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | will ich sein/ich (bin) |
| 6. | 153. | 1542. | 621. | 6130. | 22. | 6 | 941 | 30_300_1_200_10_400 | לשארית | LSARJT | dem Überrest/gegen den (Über)Rest |
| 7. | 154. | 1543. | 627. | 6136. | 28. | 3 | 115 | 5_70_40 | העם | HaM | des Volkes |
| 8. | 155. | 1544. | 630. | 6139. | 31. | 3 | 17 | 5_7_5 | היה | HZH | dieses (da) |
| 9. | 156. | 1545. | 633. | 6142. | 34. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 10. | 157. | 1546. | 636. | 6145. | 37. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 158. | 1547. | 640. | 6149. | 41. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |

Ende des Verses 8.11

Verse: 109, Buchstaben: 45, 644, 6153, Totalwerte: 2988, 39234, 373546

Nun aber will ich dem Überrest dieses Volkes nicht sein wie in den früheren Tagen, spricht Jahwe der Heerscharen;

– 8.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------------|-----------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 159. | 1548. | 645. | 6154. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי KJ | sondern | |
| 2. | 160. | 1549. | 647. | 6156. | 3. | 3 | 277 | 7_200_70 | זרע ZRa | die Saat/Same | |
| 3. | 161. | 1550. | 650. | 6159. | 6. | 5 | 381 | 5_300_30_6_40 | השלום HSLWM | des Friedens/für den Frieden | |
| 4. | 162. | 1551. | 655. | 6164. | 11. | 4 | 138 | 5_3_80_50 | הנפנ HGNP | der Weinstock/die Weinrebe | |
| 5. | 163. | 1552. | 659. | 6168. | 15. | 3 | 850 | 400_400_50 | תתן TTN | (sie) wird geben | |
| 6. | 164. | 1553. | 662. | 6171. | 18. | 4 | 295 | 80_200_10_5 | פריה PRJH | seine Frucht/ihre Frucht | |
| 7. | 165. | 1554. | 666. | 6175. | 22. | 5 | 302 | 6_5_1_200_90 | והארצ WHARß | und die Erde | |
| 8. | 166. | 1555. | 671. | 6180. | 27. | 3 | 850 | 400_400_50 | תתן TTN | (sie) (wird) geben | |
| 9. | 167. | 1556. | 674. | 6183. | 30. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 10. | 168. | 1557. | 676. | 6185. | 32. | 5 | 53 | 10_2_6_30_5 | יבולה JBWLH | ihren Ertrag | |
| 11. | 169. | 1558. | 681. | 6190. | 37. | 6 | 401 | 6_5_300_40_10_40 | והשמימ WHSMJM | und der Himmel/und die Himmel | |
| 12. | 170. | 1559. | 687. | 6196. | 43. | 4 | 466 | 10_400_50_6 | יתנו JTNW | wird geben/(sie) werden geben | |
| 13. | 171. | 1560. | 691. | 6200. | 47. | 3 | 79 | 9_30_40 | טלמ tLM | seinen Tau/ihren Tau | |
| 14. | 172. | 1561. | 694. | 6203. | 50. | 7 | 509 | 6_5_50_8_30_400_10 | והנהלתי WHNCLTJ | und ich werde geben zum Erbteil/und ich mache erben | |
| 15. | 173. | 1562. | 701. | 6210. | 57. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 16. | 174. | 1563. | 703. | 6212. | 59. | 5 | 911 | 300_1_200_10_400 | שארית SARJT | dem Überrest/(den) (Über)Rest | |
| 17. | 175. | 1564. | 708. | 6217. | 64. | 3 | 115 | 5_70_40 | העמ HaM | des Volkes | |
| 18. | 176. | 1565. | 711. | 6220. | 67. | 3 | 17 | 5_7_5 | הזה HZH | dieses (da) | |
| 19. | 177. | 1566. | 714. | 6223. | 70. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 20. | 178. | 1567. | 716. | 6225. | 72. | 2 | 50 | 20_30 | כל KL | all(es) | |
| 21. | 179. | 1568. | 718. | 6227. | 74. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה ALH | das/dieses | |

Ende des Verses 8.12

Verse: 110, Buchstaben: 76, 720, 6229, Totalwerte: 6963, 46197, 380509

sondern die Saat des Friedens, der Weinstock, wird seine Frucht geben, und die Erde ihren Ertrag geben, und der Himmel wird seinen Tau geben; und dem Überrest dieses Volkes werde ich das alles zum Erbteil geben.

– 8.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 180. | 1569. | 721. | 6230. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 181. | 1570. | 725. | 6234. | 5. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | קאשר | KASR | gleichwie/so wie |
| 3. | 182. | 1571. | 729. | 6238. | 9. | 5 | 465 | 5_10_10_400_40 | הייתם | HJJTM | ihr gewesen seid/ihr wart |
| 4. | 183. | 1572. | 734. | 6243. | 14. | 4 | 165 | 100_30_30_5 | קללה | QLLH | (ein) Fluch |
| 5. | 184. | 1573. | 738. | 6247. | 18. | 5 | 61 | 2_3_6_10_40 | בנוימ | BGWJM | unter den Nationen/unter den Völkern |
| 6. | 185. | 1574. | 743. | 6252. | 23. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | Haus |
| 7. | 186. | 1575. | 746. | 6255. | 26. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 8. | 187. | 1576. | 751. | 6260. | 31. | 4 | 418 | 6_2_10_400 | ובית | WBJT | und Haus |
| 9. | 188. | 1577. | 755. | 6264. | 35. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל | JSRAL | Israel |
| 10. | 189. | 1578. | 760. | 6269. | 40. | 2 | 70 | 20_50 | כן | KN | (al)so |
| 11. | 190. | 1579. | 762. | 6271. | 42. | 5 | 387 | 1_6_300_10_70 | אושיע | AWSJa | ich werde retten |
| 12. | 191. | 1580. | 767. | 6276. | 47. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אתכם | ATKM | euch |
| 13. | 192. | 1581. | 771. | 6280. | 51. | 6 | 471 | 6_5_10_10_400_40 | והייתם | WHJJTM | und ihr werdet (sein) |
| 14. | 193. | 1582. | 777. | 6286. | 57. | 4 | 227 | 2_200_20_5 | ברכה | BRKH | (ein) Segen |
| 15. | 194. | 1583. | 781. | 6290. | 61. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 16. | 195. | 1584. | 783. | 6292. | 63. | 5 | 617 | 400_10_200_1_6 | תיראו | TJRAW | fürchtet euch/sollt ihr fürchten (euch) |
| 17. | 196. | 1585. | 788. | 6297. | 68. | 6 | 570 | 400_8_7_100_50_5 | תחזקנה | TCZQNH | stärkt/sie (=es) werden stark sein |
| 18. | 197. | 1586. | 794. | 6303. | 74. | 5 | 84 | 10_4_10_20_40 | ידיכם | JDJKM | eure Hände |

Ende des Verses 8.13

Verse: 111, Buchstaben: 78, 798, 6307, Totalwerte: 5557, 51754, 386066

Und es wird geschehen, gleichwie ihr, Haus Juda und Haus Israel, ein Fluch unter den Nationen gewesen seid, also werde ich euch retten, und ihr werdet ein Segen sein. Fürchtet euch nicht, stärket eure Hände!

– 8.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 198. | 1587. | 799. | 6308. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי | KJ | denn |
| 2. | 199. | 1588. | 801. | 6310. | 3. | 2 | 25 | 20_5 | כה | KH | so |
| 3. | 200. | 1589. | 803. | 6312. | 5. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | er (=es) spricht |
| 4. | 201. | 1590. | 806. | 6315. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 202. | 1591. | 810. | 6319. | 12. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 6. | 203. | 1592. | 815. | 6324. | 17. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | ךאשר | KASR | gleichwie/so wie |
| 7. | 204. | 1593. | 819. | 6328. | 21. | 5 | 497 | 7_40_40_400_10 | זממתי | ZMMTJ | ich gedachte/ich plante |
| 8. | 205. | 1594. | 824. | 6333. | 26. | 4 | 305 | 30_5_200_70 | להרע | LHRa | Böses zu tun/übel zu tun |
| 9. | 206. | 1595. | 828. | 6337. | 30. | 3 | 90 | 30_20_40 | לכמ | LKM | (zu) euch |
| 10. | 207. | 1596. | 831. | 6340. | 33. | 6 | 287 | 2_5_100_90_10_80 | בהקציפ | BHQßJP | als erzürnten/in Erzürnen machen |
| 11. | 208. | 1597. | 837. | 6346. | 39. | 6 | 473 | 1_2_400_10_20_40 | אבתיכמ | ABTJKM | eure Väter |
| 12. | 209. | 1598. | 843. | 6352. | 45. | 3 | 411 | 1_400_10 | אתי | ATJ | mich |
| 13. | 210. | 1599. | 846. | 6355. | 48. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | er (=es) spricht |
| 14. | 211. | 1600. | 849. | 6358. | 51. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 15. | 212. | 1601. | 853. | 6362. | 55. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 16. | 213. | 1602. | 858. | 6367. | 60. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 17. | 214. | 1603. | 861. | 6370. | 63. | 5 | 508 | 50_8_40_400_10 | נהמתי | NCMTJ | ich es mich gereuen ließ/ich bereute |

Ende des Verses 8.14

Verse: 112, Buchstaben: 67, 865, 6374, Totalwerte: 4716, 56470, 390782

Denn so spricht Jahwe der Heerscharen: Gleichwie ich euch Böses zu tun gedachte, als eure Väter mich erzürnten, spricht Jahwe der Heerscharen, und ich es mich nicht gereuen ließ,

– 8.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------|
| 1. | 215. | 1604. | 866. | 6375. | 1. | 2 | 70 | 20_50 | ךן | KN | (al)so |
| 2. | 216. | 1605. | 868. | 6377. | 3. | 4 | 712 | 300_2_400_10 | שבת | SBTJ | wiederum/ich kehrte |
| 3. | 217. | 1606. | 872. | 6381. | 7. | 5 | 497 | 7_40_40_400_10 | זממה | ZMMTJ | gedenke ich/(ich) plante |
| 4. | 218. | 1607. | 877. | 6386. | 12. | 5 | 102 | 2_10_40_10_40 | בימים | BJMJM | in den Tagen |
| 5. | 219. | 1608. | 882. | 6391. | 17. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה | HALH | diesen (da) |
| 6. | 220. | 1609. | 886. | 6395. | 21. | 6 | 66 | 30_5_10_9_10_2 | להיטיב | LHJtJB | zu tun Gutes/zu handeln gut |
| 7. | 221. | 1610. | 892. | 6401. | 27. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | /mit |
| 8. | 222. | 1611. | 894. | 6403. | 29. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 9. | 223. | 1612. | 900. | 6409. | 35. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת | WAT | und (mit) |
| 10. | 224. | 1613. | 903. | 6412. | 38. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | dem Haus |
| 11. | 225. | 1614. | 906. | 6415. | 41. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 12. | 226. | 1615. | 911. | 6420. | 46. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 13. | 227. | 1616. | 913. | 6422. | 48. | 5 | 617 | 400_10_200_1_6 | תיראו | TJRAW | fürchtet euch/sollt ihr fürchten (euch) |

Ende des Verses 8.15

Verse: 113, Buchstaben: 52, 917, 6426, Totalwerte: 3972, 60442, 394754

also gedenke ich wiederum in diesen Tagen Jerusalem und dem Hause Juda Gutes zu tun. Fürchtet euch nicht!

– 8.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------|
| 1. | 228. | 1617. | 918. | 6427. | 1. | 3 | 36 | 1.30.5 | אלה | ALH | dies(e) (sind) |
| 2. | 229. | 1618. | 921. | 6430. | 4. | 6 | 261 | 5.4.2.200.10.40 | הדברים | HDBRJM | die Dinge/die Worte |
| 3. | 230. | 1619. | 927. | 6436. | 10. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר | ASR | die |
| 4. | 231. | 1620. | 930. | 6439. | 13. | 4 | 776 | 400.70.300.6 | תעשו | TaSW | ihr tun sollt |
| 5. | 232. | 1621. | 934. | 6443. | 17. | 4 | 212 | 4.2.200.6 | דברו | DBRW | redet |
| 6. | 233. | 1622. | 938. | 6447. | 21. | 3 | 441 | 1.40.400 | אמת | AMT | (die) Wahrheit |
| 7. | 234. | 1623. | 941. | 6450. | 24. | 3 | 311 | 1.10.300 | איש | AJS | einer/Mann |
| 8. | 235. | 1624. | 944. | 6453. | 27. | 2 | 401 | 1.400 | את | AT | mit |
| 9. | 236. | 1625. | 946. | 6455. | 29. | 4 | 281 | 200.70.5.6 | רעהו | RaHW | dem anderen/seinem Nächsten |
| 10. | 237. | 1626. | 950. | 6459. | 33. | 3 | 441 | 1.40.400 | אמת | AMT | gemäß der Wahrheit/(mit) Wahrheit |
| 11. | 238. | 1627. | 953. | 6462. | 36. | 5 | 435 | 6.40.300.80.9 | ומשפט | WMSPt | und fälltet einen Rechtspruch/und Recht |
| 12. | 239. | 1628. | 958. | 6467. | 41. | 4 | 376 | 300.30.6.40 | שלום | SLWM | des Friedens |
| 13. | 240. | 1629. | 962. | 6471. | 45. | 4 | 395 | 300.80.9.6 | שפטו | SPtW | richtet |
| 14. | 241. | 1630. | 966. | 6475. | 49. | 7 | 642 | 2.300.70.200.10.20.40 | בשעריכם | BSaRJkm | in euren Toren |

Ende des Verses 8.16

Verse: 114, Buchstaben: 55, 972, 6481, Totalwerte: 5509, 65951, 400263

Dies sind die Dinge, die ihr tun sollt: Redet die Wahrheit einer mit dem anderen; richtet der Wahrheit gemäß und fälltet einen Rechtspruch des Friedens in euren Toren;

– 8.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|------------------------------|-----------------|
| 1. | 242. | 1631. | 973. | 6482. | 1. | 4 | 317 | 6_1_10_300 | ואיש WAJS | und einer/und Mann | |
| 2. | 243. | 1632. | 977. | 6486. | 5. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 3. | 244. | 1633. | 979. | 6488. | 7. | 3 | 670 | 200_70_400 | רעה RaT | Unglück/Böses | |
| 4. | 245. | 1634. | 982. | 6491. | 10. | 4 | 281 | 200_70_5_6 | רעהו RaHW | des anderen/seinem Gefährten | |
| 5. | 246. | 1635. | 986. | 6495. | 14. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nicht | |
| 6. | 247. | 1636. | 988. | 6497. | 16. | 5 | 716 | 400_8_300_2_6 | תחשבו TCSBW | sinnt/ihr sollt ersinnen | |
| 7. | 248. | 1637. | 993. | 6502. | 21. | 6 | 96 | 2_30_2_2_20_40 | בלבבכם BLBBKM | in eurem Herzen | |
| 8. | 249. | 1638. | 999. | 6508. | 27. | 5 | 778 | 6_300_2_70_400 | ושבעת WSBaT | und Eid/und Schwur | |
| 9. | 250. | 1639. | 1004. | 6513. | 32. | 3 | 600 | 300_100_200 | שקר SQR | falschen/von Trug | |
| 10. | 251. | 1640. | 1007. | 6516. | 35. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nicht | |
| 11. | 252. | 1641. | 1009. | 6518. | 37. | 5 | 414 | 400_1_5_2_6 | תאהבו TAHBW | liebt/ihr sollt lieben | |
| 12. | 253. | 1642. | 1014. | 6523. | 42. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 13. | 254. | 1643. | 1016. | 6525. | 44. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 14. | 255. | 1644. | 1018. | 6527. | 46. | 2 | 50 | 20_30 | ךל KL | all(es) | |
| 15. | 256. | 1645. | 1020. | 6529. | 48. | 3 | 36 | 1_30_5 | אלה ALH | dies(es) | |
| 16. | 257. | 1646. | 1023. | 6532. | 51. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | es/welche | |
| 17. | 258. | 1647. | 1026. | 6535. | 54. | 5 | 761 | 300_50_1_400_10 | שנאתי SNATJ | ich hass(t)e | |
| 18. | 259. | 1648. | 1031. | 6540. | 59. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 19. | 260. | 1649. | 1034. | 6543. | 62. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 8.17

Verse: 115, Buchstaben: 65, 1037, 6546, Totalwerte: 6231, 72182, 406494

und sinnet keiner auf des anderen Unglück in euren Herzen, und falschen Eid liebet nicht; denn alles dieses, ich hasse es, spricht Jahwe.

– 8.18

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 261. | 1650. | 1038. | 6547. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 262. | 1651. | 1042. | 6551. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 263. | 1652. | 1045. | 6554. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 264. | 1653. | 1049. | 6558. | 12. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 265. | 1654. | 1054. | 6563. | 17. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir/an mich |
| 6. | 266. | 1655. | 1057. | 6566. | 20. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/zu sagen |

Ende des Verses 8.18

Verse: 116, Buchstaben: 23, 1060, 6569, Totalwerte: 1074, 73256, 407568

Und das Wort Jahwes der Heerscharen geschah zu mir also:

– 8.19

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|------|------|-----|--------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 267. | 1656. | 1061. | 6570. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 268. | 1657. | 1063. | 6572. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er) spricht |
| 3. | 269. | 1658. | 1066. | 6575. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 270. | 1659. | 1070. | 6579. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 271. | 1660. | 1075. | 6584. | 15. | 3 | 136 | 90_6_40 | צום | βWM | (das) Fasten |
| 6. | 272. | 1661. | 1078. | 6587. | 18. | 6 | 297 | 5_200_2_10_70_10 | הרביעי | HRBJaJ | des vierten |
| 7. | 273. | 1662. | 1084. | 6593. | 24. | 4 | 142 | 6_90_6_40 | וצום | WβWM | und (das) Fasten |
| 8. | 274. | 1663. | 1088. | 6597. | 28. | 6 | 373 | 5_8_40_10_300_10 | החמישי | HCMJSJ | des fünften |
| 9. | 275. | 1664. | 1094. | 6603. | 34. | 4 | 142 | 6_90_6_40 | וצום | WβWM | und (das) Fasten |
| 10. | 276. | 1665. | 1098. | 6607. | 38. | 6 | 397 | 5_300_2_10_70_10 | השביעי | HSBJaJ | des siebten |
| 11. | 277. | 1666. | 1104. | 6613. | 44. | 4 | 142 | 6_90_6_40 | וצום | WβWM | und (das) Fasten |
| 12. | 278. | 1667. | 1108. | 6617. | 48. | 6 | 595 | 5_70_300_10_200_10 | העשירי | HaSJRJ | des zehnten (Monats) |
| 13. | 279. | 1668. | 1114. | 6623. | 54. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | (er (=es)) wird |
| 14. | 280. | 1669. | 1118. | 6627. | 58. | 4 | 442 | 30_2_10_400 | לביה | LBJT | dem Haus |
| 15. | 281. | 1670. | 1122. | 6631. | 62. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 16. | 282. | 1671. | 1127. | 6636. | 67. | 5 | 686 | 30_300_300_6_50 | לששון | LSSWN | zur Wonne |
| 17. | 283. | 1672. | 1132. | 6641. | 72. | 6 | 389 | 6_30_300_40_8_5 | ולשמחה | WLSMCH | und zur Freude |
| 18. | 284. | 1673. | 1138. | 6647. | 78. | 7 | 200 | 6_30_40_70_4_10_40 | ולמעדים | WLMaDJM | und zu Festzeiten |
| 19. | 285. | 1674. | 1145. | 6654. | 85. | 5 | 67 | 9_6_2_10_40 | טובים | tWBJM | fröhlichen/guten |
| 20. | 286. | 1675. | 1150. | 6659. | 90. | 5 | 452 | 6_5_1_40_400 | והאמת | WHAMT | doch die Wahrheit/und die Wahrheit |
| 21. | 287. | 1676. | 1155. | 6664. | 95. | 6 | 387 | 6_5_300_30_6_40 | והשלום | WHSLWM | und den Frieden |
| 22. | 288. | 1677. | 1161. | 6670. | 101. | 4 | 14 | 1_5_2_6 | אהבו | AHBW | (ihr) liebet |

Ende des Verses 8.19

Verse: 117, Buchstaben: 104, 1164, 6673, Totalwerte: 5712, 78968, 413280

So spricht Jahwe der Heerscharen: Das Fasten des vierten und das Fasten des fünften und das Fasten des siebten und das Fasten des zehnten Monats wird dem Hause Juda zur Wonne und zur Freude und zu fröhlichen Festzeiten werden. Doch liebet die Wahrheit und den Frieden.

– 8.20

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 289. | 1678. | 1165. | 6674. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | so |
| 2. | 290. | 1679. | 1167. | 6676. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | (er (=es)) spricht |
| 3. | 291. | 1680. | 1170. | 6679. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 292. | 1681. | 1174. | 6683. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 5. | 293. | 1682. | 1179. | 6688. | 15. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | noch |
| 6. | 294. | 1683. | 1181. | 6690. | 17. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | wird es geschehen/welche |
| 7. | 295. | 1684. | 1184. | 6693. | 20. | 4 | 19 | 10_2_1_6 | יבאו | JBAW | dass kommen werden/(sie) werden kommen |
| 8. | 296. | 1685. | 1188. | 6697. | 24. | 4 | 160 | 70_40_10_40 | עמימ | aMJM | Völker |
| 9. | 297. | 1686. | 1192. | 6701. | 28. | 5 | 328 | 6_10_300_2_10 | וישבי | WJSBJ | und Bewohner |
| 10. | 298. | 1687. | 1197. | 6706. | 33. | 4 | 320 | 70_200_10_40 | ערימ | aRJM | Städte/(von) Städten |
| 11. | 299. | 1688. | 1201. | 6710. | 37. | 4 | 608 | 200_2_6_400 | רבות | RBWT | vieler/vielen |

Ende des Verses 8.20

Verse: 118, Buchstaben: 40, 1204, 6713, Totalwerte: 2801, 81769, 416081

So spricht Jahwe der Heerscharen: Noch wird es geschehen, daß Völker und Bewohner vieler Städte kommen werden;

– 8.21

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|------------------------------|
| 1. | 300. | 1689. | 1205. | 6714. | 1. | 5 | 67 | 6.5_30_20.6 | והלכו | WHLKW | und (sie (=es)) werden gehen |
| 2. | 301. | 1690. | 1210. | 6719. | 6. | 4 | 322 | 10_300_2_10 | ישבי | JSBJ | die Bewohner |
| 3. | 302. | 1691. | 1214. | 6723. | 10. | 3 | 409 | 1.8_400 | אחת | ACT | der einen/einer |
| 4. | 303. | 1692. | 1217. | 6726. | 13. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | zur |
| 5. | 304. | 1693. | 1219. | 6728. | 15. | 3 | 409 | 1.8_400 | אחת | ACT | anderen |
| 6. | 305. | 1694. | 1222. | 6731. | 18. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | ((und) sagen/zu sagen |
| 7. | 306. | 1695. | 1226. | 6735. | 22. | 4 | 105 | 50_30_20_5 | ולכה | NLKH | lasst uns (hin)gehen |
| 8. | 307. | 1696. | 1230. | 6739. | 26. | 4 | 61 | 5_30_6_20 | הלכו | HLWK | ((doch) (ein) Gehen |
| 9. | 308. | 1697. | 1234. | 6743. | 30. | 5 | 474 | 30_8_30_6_400 | לחלות | LCLWT | um anzuflehen/zu besänftigen |
| 10. | 309. | 1698. | 1239. | 6748. | 35. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 11. | 310. | 1699. | 1241. | 6750. | 37. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני | PNJ | /das Antlitz |
| 12. | 311. | 1700. | 1244. | 6753. | 40. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 13. | 312. | 1701. | 1248. | 6757. | 44. | 5 | 438 | 6_30_2_100_300 | ולבקש | WLBQS | und zu suchen |
| 14. | 313. | 1702. | 1253. | 6762. | 49. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 15. | 314. | 1703. | 1255. | 6764. | 51. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 16. | 315. | 1704. | 1259. | 6768. | 55. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | βBAWT | ((der) Heerscharen |
| 17. | 316. | 1705. | 1264. | 6773. | 60. | 4 | 56 | 1_30_20_5 | אלכה | ALKH | ((ich) will gehen |
| 18. | 317. | 1706. | 1268. | 6777. | 64. | 2 | 43 | 3_40 | גמ | GM | auch |
| 19. | 318. | 1707. | 1270. | 6779. | 66. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | ich |

Ende des Verses 8.21

Verse: 119, Buchstaben: 68, 1272, 6781, Totalwerte: 4240, 86009, 420321

und die Bewohner der einen werden zur anderen gehen und sagen: Laßt uns doch hingehen, um Jahwe anzuflehen und Jahwe der Heerscharen zu suchen!Auch ich will gehen!"

– 8.22

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 319. | 1708. | 1273. | 6782. | 1. | 4 | 15 | 6_2_1_6 | ובאו | WBAW | und (sie (=es)) werden kommen |
| 2. | 320. | 1709. | 1277. | 6786. | 5. | 4 | 160 | 70_40_10_40 | עמימ | aMJM | Völker/Nationen |
| 3. | 321. | 1710. | 1281. | 6790. | 9. | 4 | 252 | 200_2_10_40 | רבימ | RBJM | viele |
| 4. | 322. | 1711. | 1285. | 6794. | 13. | 5 | 65 | 6_3_6_10_40 | ונוימ | WGWJM | und Nationen/und Völker |
| 5. | 323. | 1712. | 1290. | 6799. | 18. | 6 | 256 | 70_90_6_40_10_40 | עצומימ | aßWMJM | mächtige |
| 6. | 324. | 1713. | 1296. | 6805. | 24. | 4 | 432 | 30_2_100_300 | לבקש | LBQS | (um) zu suchen |
| 7. | 325. | 1714. | 1300. | 6809. | 28. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 8. | 326. | 1715. | 1302. | 6811. | 30. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 9. | 327. | 1716. | 1306. | 6815. | 34. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 10. | 328. | 1717. | 1311. | 6820. | 39. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלמ | BJRWSLM | in Jerusalem |
| 11. | 329. | 1718. | 1318. | 6827. | 46. | 6 | 480 | 6_30_8_30_6_400 | ולחלות | WLCLWT | und anzuflehen/und zu besänftigen |
| 12. | 330. | 1719. | 1324. | 6833. | 52. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 13. | 331. | 1720. | 1326. | 6835. | 54. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני | PNJ | /das Antlitz |
| 14. | 332. | 1721. | 1329. | 6838. | 57. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 8.22

Verse: 120, Buchstaben: 60, 1332, 6841, Totalwerte: 3741, 89750, 424062

Und viele Völker und mächtige Nationen werden kommen, um Jahwe der Heerscharen in Jerusalem zu suchen und Jahwe anzuflehen.

– 8.23

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 333. | 1722. | 1333. | 6842. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה KH | so | |
| 2. | 334. | 1723. | 1335. | 6844. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר AMR | (er (=es)) spricht | |
| 3. | 335. | 1724. | 1338. | 6847. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 4. | 336. | 1725. | 1342. | 6851. | 10. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות βBAWT | (der) Heerscharen | |
| 5. | 337. | 1726. | 1347. | 6856. | 15. | 5 | 102 | 2_10_40_10_40 | בימי BJMJM | in den Tagen | |
| 6. | 338. | 1727. | 1352. | 6861. | 20. | 4 | 55 | 5_5_40_5 | ההמה HHMH | jenen/den jenigen | |
| 7. | 339. | 1728. | 1356. | 6865. | 24. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | da | |
| 8. | 340. | 1729. | 1359. | 6868. | 27. | 6 | 141 | 10_8_7_10_100_6 | יהזיקו JCZJQW | werden ergreifen/(sie) ergreifen | |
| 9. | 341. | 1730. | 1365. | 6874. | 33. | 4 | 575 | 70_300_200_5 | עשרה aSRH | zehn | |
| 10. | 342. | 1731. | 1369. | 6878. | 37. | 5 | 401 | 1_50_300_10_40 | אנשימ ANSJM | Männer | |
| 11. | 343. | 1732. | 1374. | 6883. | 42. | 3 | 90 | 40_20_30 | מכל MKL | aus allerlei/aus allen | |
| 12. | 344. | 1733. | 1377. | 6886. | 45. | 5 | 786 | 30_300_50_6_400 | לשונה LSNWT | Sprachen/Zungen | |
| 13. | 345. | 1734. | 1382. | 6891. | 50. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ HGWJM | der Nationen/der Völker | |
| 14. | 346. | 1735. | 1387. | 6896. | 55. | 7 | 142 | 6_5_8_7_10_100_6 | והזיקו WHCZJQW | ja sie werden ergreifen/und sie ergreifen | |
| 15. | 347. | 1736. | 1394. | 6903. | 62. | 4 | 152 | 2_20_50_80 | בכנפ BKNP | den (Rock)Zipfel | |
| 16. | 348. | 1737. | 1398. | 6907. | 66. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש AJS | eines | |
| 17. | 349. | 1738. | 1401. | 6910. | 69. | 5 | 35 | 10_5_6_4_10 | יהודי JHWDJ | jüdischen Mannes/Judäers | |
| 18. | 350. | 1739. | 1406. | 6915. | 74. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר LAMR | (und) sagen/zu sagen | |
| 19. | 351. | 1740. | 1410. | 6919. | 78. | 4 | 105 | 50_30_20_5 | ולכה NLKH | wir wollen gehen | |
| 20. | 352. | 1741. | 1414. | 6923. | 82. | 4 | 170 | 70_40_20_40 | עמכם aMKM | mit euch | |
| 21. | 353. | 1742. | 1418. | 6927. | 86. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 22. | 354. | 1743. | 1420. | 6929. | 88. | 5 | 466 | 300_40_70_50_6 | שמענו SMaNW | wir haben gehört | |
| 23. | 355. | 1744. | 1425. | 6934. | 93. | 5 | 86 | 1_30_5_10_40 | אלהימ ALHJM | (dass) Gott | |
| 24. | 356. | 1745. | 1430. | 6939. | 98. | 4 | 170 | 70_40_20_40 | עמכם aMKM | (ist) mit euch | |

Ende des Verses 8.23

Verse: 121, Buchstaben: 101, 1433, 6942, Totalwerte: 5444, 95194, 429506

So spricht Jahwe der Heerscharen: In jenen Tagen, da werden zehn Männer aus allerlei Sprachen der Nationen ergreifen, ja, ergreifen werden sie den Rockzipfel eines jüdischen Mannes und sagen: Wir wollen mit euch gehen, denn wir haben gehört, daß Gott mit euch ist.

Ende des Kapitels 8

– 9.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|---------------------------------------|
| 1. | 1. | 1746. | 1. | 6943. | 1. | 3 | 341 | 40_300_1 | מִשָּׂא | MSA | Ausspruch/(Last)Spruch |
| 2. | 2. | 1747. | 4. | 6946. | 4. | 3 | 206 | 4_2_200 | דְּבַר | DBR | des Wortes/das Wort |
| 3. | 3. | 1748. | 7. | 6949. | 7. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 4. | 4. | 1749. | 11. | 6953. | 11. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בְּאֶרֶץ | BARß | über das Land/in Lande |
| 5. | 5. | 1750. | 15. | 6957. | 15. | 4 | 232 | 8_4_200_20 | חֲדַרְכָּךְ | CDRK | Chadrak///<Umhüllung> |
| 6. | 6. | 1751. | 19. | 6961. | 19. | 5 | 450 | 6_4_40_300_100 | וּדְמַשֶּׁק | WDMSQ | und (auf) Damaskus///<Betriebsamkeit> |
| 7. | 7. | 1752. | 24. | 6966. | 24. | 5 | 504 | 40_50_8_400_6 | מִנְחָתוֹ | MNCTW | lässt es sich nieder/seinem Ruheplatz |
| 8. | 8. | 1753. | 29. | 6971. | 29. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 9. | 9. | 1754. | 31. | 6973. | 31. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | לִיהוָה | LJHWH | (zu) Jahwe |
| 10. | 10. | 1755. | 36. | 6978. | 36. | 3 | 130 | 70_10_50 | עֵינַי | aJN | hat ein Auge auf die/das Auge des |
| 11. | 11. | 1756. | 39. | 6981. | 39. | 3 | 45 | 1_4_40 | אָדָם | ADM | Menschen |
| 12. | 12. | 1757. | 42. | 6984. | 42. | 3 | 56 | 6_20_30 | וְכֹל | WKL | und (auf) alle |
| 13. | 13. | 1758. | 45. | 6987. | 45. | 4 | 321 | 300_2_9_10 | שְׁבֹטָי | SBtJ | Stämme |
| 14. | 14. | 1759. | 49. | 6991. | 49. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | יִשְׂרָאֵל | JSRAL | Israels/(von) Israel |

Ende des Verses 9.1

Verse: 122, Buchstaben: 53, 53, 6995, Totalwerte: 3231, 3231, 432737

Ausspruch des Wortes Jahwes über das Land Chadrak; und auf Damaskus läßt es sich nieder (denn Jahwe hat ein Auge auf die Menschen und auf alle Stämme Israels),

– 9.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 15. | 1760. | 54. | 6996. | 1. | 3 | 49 | 6_3_40 | ונג | WGM | und auch |
| 2. | 16. | 1761. | 57. | 6999. | 4. | 3 | 448 | 8_40_400 | חמת | CMT | auf Hamath/Chamat//<verteidigt> |
| 3. | 17. | 1762. | 60. | 7002. | 7. | 4 | 435 | 400_3_2_30 | תגבל | TGBL | welches grenzt/sie grenzt |
| 4. | 18. | 1763. | 64. | 7006. | 11. | 2 | 7 | 2_5 | בה | BH | daran |
| 5. | 19. | 1764. | 66. | 7008. | 13. | 2 | 290 | 90_200 | קר | BR | (auf) Tyrus///<Fels> |
| 6. | 20. | 1765. | 68. | 7010. | 15. | 6 | 166 | 6_90_10_4_6_50 | וצידון | WßJDWN | und Sidon///<Jagd> |
| 7. | 21. | 1766. | 74. | 7016. | 21. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | weil/denn |
| 8. | 22. | 1767. | 76. | 7018. | 23. | 4 | 73 | 8_20_40_5 | חכמה | CKMH | sie (=es) ist weise |
| 9. | 23. | 1768. | 80. | 7022. | 27. | 3 | 45 | 40_1_4 | סאד | MAD | sehr |

Ende des Verses 9.2

Verse: 123, Buchstaben: 29, 82, 7024, Totalwerte: 1543, 4774, 434280

und auch auf Hamath, welches daran grenzt, auf Tyrus und Zidon, weil es sehr weise ist. -

– 9.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|-------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 24. | 1769. | 83. | 7025. | 1. | 4 | 458 | 6_400_2_50 | וּבְנֵי וְתִבְנֵי | WTBN | und erbaut hat/und sie (=es) erbaute |
| 2. | 25. | 1770. | 87. | 7029. | 5. | 2 | 290 | 90_200 | צָר | ßR | Tyrus |
| 3. | 26. | 1771. | 89. | 7031. | 7. | 4 | 336 | 40_90_6_200 | מִצּוֹר | MBWR | eine Festung |
| 4. | 27. | 1772. | 93. | 7035. | 11. | 2 | 35 | 30_5 | לָהּ | LH | (zu) sich |
| 5. | 28. | 1773. | 95. | 7037. | 13. | 5 | 698 | 6_400_90_2_200 | וְתִצְבֵּר | WTßBR | und gehäuft/und sie häufte an |
| 6. | 29. | 1774. | 100. | 7042. | 18. | 3 | 160 | 20_60_80 | כֶּסֶף | KsP | Silber |
| 7. | 30. | 1775. | 103. | 7045. | 21. | 4 | 370 | 20_70_80_200 | כַּעֲפָר | KaPR | wie Staub |
| 8. | 31. | 1776. | 107. | 7049. | 25. | 5 | 310 | 6_8_200_6_90 | וְחֲרוּץ | WCRWß | und (Fein)Gold |
| 9. | 32. | 1777. | 112. | 7054. | 30. | 4 | 48 | 20_9_10_9 | כַּטִּיט | KtJt | wie Kot |
| 10. | 33. | 1778. | 116. | 7058. | 34. | 5 | 510 | 8_6_90_6_400 | חֻצוֹת | CWßWT | (der) Straßen/der Gassen |

Ende des Verses 9.3

Verse: 124, Buchstaben: 38, 120, 7062, Totalwerte: 3215, 7989, 437495

Und Tyrus hat sich eine Feste erbaut und Silber gehäuft wie Staub, und Feingold wie Straßenkot.

– 9.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|--------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 34. | 1779. | 121. | 7063. | 1. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה HNH | siehe | |
| 2. | 35. | 1780. | 124. | 7066. | 4. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אדני ADNJ | der Herr | |
| 3. | 36. | 1781. | 128. | 7070. | 8. | 6 | 571 | 10_6_200_300_50_5 | יורשנה JWRSNH | wird es einnehmen/(er) wird vertreiben sie | |
| 4. | 37. | 1782. | 134. | 7076. | 14. | 4 | 36 | 6_5_20_5 | והכה WHKH | und schlagen/und er schlägt | |
| 5. | 38. | 1783. | 138. | 7080. | 18. | 3 | 52 | 2_10_40 | בימ BJM | im Meer/in das Meer | |
| 6. | 39. | 1784. | 141. | 7083. | 21. | 4 | 53 | 8_10_30_5 | חילה CJLH | seine Macht/ihren Reichtum | |
| 7. | 40. | 1785. | 145. | 7087. | 25. | 4 | 22 | 6_5_10_1 | והיא WHJA | und es selbst/und sie (selbst) | |
| 8. | 41. | 1786. | 149. | 7091. | 29. | 3 | 303 | 2_1_300 | באש BAS | vom Feuer | |
| 9. | 42. | 1787. | 152. | 7094. | 32. | 4 | 451 | 400_1_20_30 | תאכל TAKL | wird verzehrt werden/sie wird verzehrt | |

Ende des Verses 9.4

Verse: 125, Buchstaben: 35, 155, 7097, Totalwerte: 1613, 9602, 439108

Siehe, der Herr wird es einnehmen und seine Macht im Meere schlagen; und es selbst wird vom Feuer verzehrt werden.

– 9.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 43. | 1788. | 156. | 7098. | 1. | 3 | 601 | 400_200_1 | תרא | TRA | sehen soll es/sie (=es) sieht (es) |
| 2. | 44. | 1789. | 159. | 7101. | 4. | 6 | 487 | 1_300_100_30_6_50 | אשקלון | ASQLWN | Askalon/Aschkelon//<Wanderung> |
| 3. | 45. | 1790. | 165. | 7107. | 10. | 5 | 617 | 6_400_10_200_1 | ותירא | WTJRA | und sich fürchten/und sie fürchtet sich |
| 4. | 46. | 1791. | 170. | 7112. | 15. | 4 | 88 | 6_70_7_5 | ועזה | WaZH | auch Gasa/und Gaza//<die Starke> |
| 5. | 47. | 1792. | 174. | 7116. | 19. | 5 | 454 | 6_400_8_10_30 | ותחיל | WTCJL | soll erzittern/und sie zittert |
| 6. | 48. | 1793. | 179. | 7121. | 24. | 3 | 45 | 40_1_4 | סאד | MAD | sehr |
| 7. | 49. | 1794. | 182. | 7124. | 27. | 6 | 432 | 6_70_100_200_6_50 | ועקרונו | WaQRWN | und Ekron//<weggerissen> |
| 8. | 50. | 1795. | 188. | 7130. | 33. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 9. | 51. | 1796. | 190. | 7132. | 35. | 4 | 317 | 5_2_10_300 | הביש | HBJS | zu Schanden geworden ist/er (=es) wurde zuschanden |
| 10. | 52. | 1797. | 194. | 7136. | 39. | 4 | 56 | 40_2_9_5 | מבטה | MBtH | seine Zuversicht/ihre Hoffnung |
| 11. | 53. | 1798. | 198. | 7140. | 43. | 4 | 13 | 6_1_2_4 | ואבד | WABD | und vertilgt wird/und er (=es) wird schwinden |
| 12. | 54. | 1799. | 202. | 7144. | 47. | 3 | 90 | 40_30_20 | מלכ | MLK | der König |
| 13. | 55. | 1800. | 205. | 7147. | 50. | 4 | 122 | 40_70_7_5 | מעזה | MaZH | auf Gasa/aus Gaza |
| 14. | 56. | 1801. | 209. | 7151. | 54. | 7 | 493 | 6_1_300_100_30_6_50 | ואשקלון | WASQLWN | und Askalon/und Aschkelon |
| 15. | 57. | 1802. | 216. | 7158. | 61. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 16. | 58. | 1803. | 218. | 7160. | 63. | 3 | 702 | 400_300_2 | תשב | TSB | wird mehr bewohnt werden/sie wird bewohnt sein |

Ende des Verses 9.5

Verse: 126, Buchstaben: 65, 220, 7162, Totalwerte: 4578, 14180, 443686

Askalon soll es sehen und sich fürchten; auch Gasa, und soll sehr erzittern, und Ekron, denn seine Zuversicht ist zu Schanden geworden. Und der König wird auf Gasa vertilgt, und Askalon wird nicht mehr bewohnt werden.

– 9.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 59. | 1804. | 221. | 7163. | 1. | 4 | 318 | 6_10_300_2 | וישב WJSB | und wohnen wird/und er (=es) wird sitzen | |
| 2. | 60. | 1805. | 225. | 7167. | 5. | 4 | 287 | 40_40_7_200 | ממזר MMZR | ein Bastard/(ein) Mischling | |
| 3. | 61. | 1806. | 229. | 7171. | 9. | 6 | 317 | 2_1_300_4_6_4 | באשדוד BASDWD | in Asdod/in Ashdod//<Festung> | |
| 4. | 62. | 1807. | 235. | 7177. | 15. | 6 | 641 | 6_5_20_200_400_10 | והכרתי WHKRTJ | und ich werde ausrotten/und ich mache schneiden | |
| 5. | 63. | 1808. | 241. | 7183. | 21. | 4 | 60 | 3_1_6_50 | גאון GAWN | den Hochmut | |
| 6. | 64. | 1809. | 245. | 7187. | 25. | 6 | 860 | 80_30_300_400_10_40 | פלשתימ PLSTJM | der Philister///<Fremdling> | |

Ende des Verses 9.6

Verse: 127, Buchstaben: 30, 250, 7192, Totalwerte: 2483, 16663, 446169

Und ein Bastard wird in Asdod wohnen, und ich werde den Hochmut der Philister ausrotten.

– 9.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 65. | 1810. | 251. | 7193. | 1. | 6 | 681 | 6_5_60_200_400_10 | והסרתיו | WHsRTJ | und ich werde wegtun/und ich entferne |
| 2. | 66. | 1811. | 257. | 7199. | 7. | 4 | 60 | 4_40_10_6 | דמיו | DMJW | sein Blut |
| 3. | 67. | 1812. | 261. | 7203. | 11. | 4 | 136 | 40_80_10_6 | מפיו | MPJW | aus seinem Mund |
| 4. | 68. | 1813. | 265. | 7207. | 15. | 6 | 512 | 6_300_100_90_10_6 | ושקציו | WSQBJW | und seine Gräuel |
| 5. | 69. | 1814. | 271. | 7213. | 21. | 4 | 102 | 40_2_10_50 | סבין | MBJN | (von) zwischen |
| 6. | 70. | 1815. | 275. | 7217. | 25. | 4 | 366 | 300_50_10_6 | שניו | SNJW | seinen Zähnen hinweg/seinen Zahnreihen |
| 7. | 71. | 1816. | 279. | 7221. | 29. | 5 | 557 | 6_50_300_1_200 | ונשאר | WNSAR | und übrigbleiben wird/und er (=es) bleibt |
| 8. | 72. | 1817. | 284. | 7226. | 34. | 2 | 43 | 3_40 | גמ | GM | auch |
| 9. | 73. | 1818. | 286. | 7228. | 36. | 3 | 12 | 5_6_1 | הוא | HWA | er |
| 10. | 74. | 1819. | 289. | 7231. | 39. | 7 | 132 | 30_1_30_5_10_50_6 | לאלהינו | LALHJNW | unserem Gott/(für) unseren Gott |
| 11. | 75. | 1820. | 296. | 7238. | 46. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und (er) wird (sein) |
| 12. | 76. | 1821. | 300. | 7242. | 50. | 4 | 131 | 20_1_30_80 | ךאלפ | KALP | wie ein Fürst/wie ein Stammeshaupt |
| 13. | 77. | 1822. | 304. | 7246. | 54. | 6 | 32 | 2_10_5_6_4_5 | ביהודה | BJHWDH | in Juda |
| 14. | 78. | 1823. | 310. | 7252. | 60. | 6 | 432 | 6_70_100_200_6_50 | ועקרונ | WaQRWN | und Ekron |
| 15. | 79. | 1824. | 316. | 7258. | 66. | 6 | 108 | 20_10_2_6_60_10 | כיבוסי | KJBWsJ | wie der Jebusiter///<Zertretung> |

Ende des Verses 9.7

Verse: 128, Buchstaben: 71, 321, 7263, Totalwerte: 3330, 19993, 449499

Und ich werde sein Blut aus seinem Munde wegtun und seine Greuel zwischen seinen Zähnen hinweg; und auch er wird übrigbleiben unserem Gott, und wird sein wie ein Fürst in Juda, und Ekron wie der Jebusiter.

– 9.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 80. | 1825. | 322. | 7264. | 1. | 6 | 484 | 6_8_50_10_400_10 | וּחַנִּיתִי | WCNJTTJ | und ich werde ein Lager aufschlagen/und ich lagere |
| 2. | 81. | 1826. | 328. | 7270. | 7. | 5 | 452 | 30_2_10_400_10 | לְבֵיתִי | LBJTJ | für mein Haus/um mein Haus |
| 3. | 82. | 1827. | 333. | 7275. | 12. | 4 | 137 | 40_90_2_5 | מִצְבֵּה | MBBH | vor dem Kriegsheer/vom Heer |
| 4. | 83. | 1828. | 337. | 7279. | 16. | 4 | 312 | 40_70_2_200 | מֵעֵבֶר | MaBR | von dem Hin-/wider den Vorbeiziehenden |
| 5. | 84. | 1829. | 341. | 7283. | 20. | 4 | 348 | 6_40_300_2 | וּמִשֵּׁב | WMSB | und Wiederziehenden/und wider den Kehrenden |
| 6. | 85. | 1830. | 345. | 7287. | 24. | 3 | 37 | 6_30_1 | וְלֹא | WLA | und nicht |
| 7. | 86. | 1831. | 348. | 7290. | 27. | 4 | 282 | 10_70_2_200 | יֵעֶבֶר | JaBR | wird überziehen/er durchzieht |
| 8. | 87. | 1832. | 352. | 7294. | 31. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עָלֶיהֶם | aLJHM | ((wider) sie |
| 9. | 88. | 1833. | 357. | 7299. | 36. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוֹד | aWD | mehr/hinfort |
| 10. | 89. | 1834. | 360. | 7302. | 39. | 3 | 353 | 50_3_300 | וְנֹשׁ | NGS | ein (Be)Dränger |
| 11. | 90. | 1835. | 363. | 7305. | 42. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 12. | 91. | 1836. | 365. | 7307. | 44. | 3 | 475 | 70_400_5 | עַתָּה | aTH | jetzt/nun |
| 13. | 92. | 1837. | 368. | 7310. | 47. | 5 | 621 | 200_1_10_400_10 | רָאִיתִי | RAJTJ | habe ich dareingesehen/ich sah (es) |
| 14. | 93. | 1838. | 373. | 7315. | 52. | 5 | 142 | 2_70_10_50_10 | בְּעֵינַי | BaJNJ | mit meinen Augen |

Ende des Verses 9.8

Verse: 129, Buchstaben: 56, 377, 7319, Totalwerte: 3908, 23901, 453407

Und ich werde für mein Haus ein Lager aufschlagen vor dem Kriegsheere, vor den Hin-und Wiederziehenden, und kein Bedränger wird sie mehr überziehen; denn jetzt habe ich dareingesehen mit meinen Augen. -

– 9.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-------------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 94. | 1839. | 378. | 7320. | 1. | 4 | 53 | 3.10.30.10 | נִילִי | GJLJ | frohlocke/juble |
| 2. | 95. | 1840. | 382. | 7324. | 5. | 3 | 45 | 40.1.4 | מֵאֵד | MAD | laut/sehr |
| 3. | 96. | 1841. | 385. | 7327. | 8. | 2 | 402 | 2.400 | בַּת | BT | Tochter |
| 4. | 97. | 1842. | 387. | 7329. | 10. | 4 | 156 | 90.10.6.50 | צִיּוֹן | BJWN | Zion |
| 5. | 98. | 1843. | 391. | 7333. | 14. | 5 | 295 | 5.200.10.70.10 | הֲרִיעִי | HRJaJ | jauchze |
| 6. | 99. | 1844. | 396. | 7338. | 19. | 2 | 402 | 2.400 | בַּת | BT | Tochter |
| 7. | 100. | 1845. | 398. | 7340. | 21. | 6 | 586 | 10.200.6.300.30.40 | יְרוּשָׁלַם | JRWSLM | Jerusalem |
| 8. | 101. | 1846. | 404. | 7346. | 27. | 3 | 60 | 5.50.5 | הִנֵּה | HNH | siehe |
| 9. | 102. | 1847. | 407. | 7349. | 30. | 4 | 110 | 40.30.20.20 | מֶלֶכְךָ | MLKK | dein König |
| 10. | 103. | 1848. | 411. | 7353. | 34. | 4 | 19 | 10.2.6.1 | יָבֹוא | JBWA | wird kommen/er kommt |
| 11. | 104. | 1849. | 415. | 7357. | 38. | 2 | 50 | 30.20 | לָךְ | LK | zu dir |
| 12. | 105. | 1850. | 417. | 7359. | 40. | 4 | 204 | 90.4.10.100 | צְדִיק | BDJQ | gerecht |
| 13. | 106. | 1851. | 421. | 7363. | 44. | 5 | 432 | 6.50.6.300.70 | וְנוֹשֵׁעַ | WNWSa | und ein Retter/und siegreich |
| 14. | 107. | 1852. | 426. | 7368. | 49. | 3 | 12 | 5.6.1 | הוּא | HWA | er (ist) |
| 15. | 108. | 1853. | 429. | 7371. | 52. | 3 | 130 | 70.50.10 | עֲנִי | aNJ | demütig/(ein) Demütiger |
| 16. | 109. | 1854. | 432. | 7374. | 55. | 4 | 228 | 6.200.20.2 | וְרֹכֵב | WRKB | und reitend(er) |
| 17. | 110. | 1855. | 436. | 7378. | 59. | 2 | 100 | 70.30 | עַל | aL | auf |
| 18. | 111. | 1856. | 438. | 7380. | 61. | 4 | 254 | 8.40.6.200 | חֲמוֹר | CMWR | ((einem) Esel |
| 19. | 112. | 1857. | 442. | 7384. | 65. | 3 | 106 | 6.70.30 | וְעַל | WaL | und zwar auf/und auf |
| 20. | 113. | 1858. | 445. | 7387. | 68. | 3 | 280 | 70.10.200 | עִיר | aJR | einem Füllen/(einem) Jungesel |
| 21. | 114. | 1859. | 448. | 7390. | 71. | 2 | 52 | 2.50 | בֶּן | BN | einem Jungen/(ein) Junges |
| 22. | 115. | 1860. | 450. | 7392. | 73. | 5 | 857 | 1.400.50.6.400 | אֲחֵנוֹת | ATNWT | der Eselin/(von) Eselinnen |

Ende des Verses 9.9

Verse: 130, Buchstaben: 77, 454, 7396, Totalwerte: 4833, 28734, 458240

Frohlocke laut, Tochter Zion; jauchze, Tochter Jerusalem! Siehe, dein König wird zu dir kommen: gerecht und ein Retter ist er, demütig, und auf einem Esel reitend, und zwar auf einem Füllen, einem Jungen der Eselin.

– 9.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------------------|
| 1. | 116. | 1861. | 455. | 7397. | 1. | 6 | 641 | 6_5_20_200_400_10 | והכרתיו | WHKRTJ | und ich werde ausrotten/und ich tilge |
| 2. | 117. | 1862. | 461. | 7403. | 7. | 3 | 222 | 200_20_2 | רכב | RKB | die Wagen/(Kriegs)Gefährt |
| 3. | 118. | 1863. | 464. | 7406. | 10. | 6 | 371 | 40_1_80_200_10_40 | מאפרימי | MAPRJM | aus Ephraim/aus Efraim//<doppelt fruchtbar> |
| 4. | 119. | 1864. | 470. | 7412. | 16. | 4 | 132 | 6_60_6_60 | ווסוס | WsWs | und (die) Rosse |
| 5. | 120. | 1865. | 474. | 7416. | 20. | 7 | 626 | 40_10_200_6_300_30_40 | מירושלם | MJRWSLM | aus Jerusalem |
| 6. | 121. | 1866. | 481. | 7423. | 27. | 6 | 681 | 6_50_20_200_400_5 | ונכרתה | WNKRTH | und ausgerottet werden wird/und sie (=es) wird ausgetilgt |
| 7. | 122. | 1867. | 487. | 7429. | 33. | 3 | 800 | 100_300_400 | קשה | QST | (der) Bogen |
| 8. | 123. | 1868. | 490. | 7432. | 36. | 5 | 123 | 40_30_8_40_5 | מלחמה | MLCMH | (des) Kriegs |
| 9. | 124. | 1869. | 495. | 7437. | 41. | 4 | 212 | 6_4_2_200 | ודבר | WDBR | und er wird reden/und er redet |
| 10. | 125. | 1870. | 499. | 7441. | 45. | 4 | 376 | 300_30_6_40 | שלום | SLWM | Frieden |
| 11. | 126. | 1871. | 503. | 7445. | 49. | 5 | 89 | 30_3_6_10_40 | לגויים | LGWJM | zu den Nationen/den Völkern |
| 12. | 127. | 1872. | 508. | 7450. | 54. | 5 | 382 | 6_40_300_30_6 | ומשלו | WMSLW | und seine Herrschaft wird sein/und sein Herrschen |
| 13. | 128. | 1873. | 513. | 7455. | 59. | 3 | 90 | 40_10_40 | מימ | MJM | (von) Meer |
| 14. | 129. | 1874. | 516. | 7458. | 62. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | zu |
| 15. | 130. | 1875. | 518. | 7460. | 64. | 2 | 50 | 10_40 | ימ | JM | Meer |
| 16. | 131. | 1876. | 520. | 7462. | 66. | 5 | 301 | 6_40_50_5_200 | ומנהר | WMNHR | und vom Strom |
| 17. | 132. | 1877. | 525. | 7467. | 71. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | bis an/bis zu |
| 18. | 133. | 1878. | 527. | 7469. | 73. | 4 | 151 | 1_80_60_10 | אפסי | APsJ | die Enden/den Enden |
| 19. | 134. | 1879. | 531. | 7473. | 77. | 3 | 291 | 1_200_90 | ארצ | ARß | der Erde |

Ende des Verses 9.10

Verse: 131, Buchstaben: 79, 533, 7475, Totalwerte: 5686, 34420, 463926

Und ich werde die Wagen ausrotten aus Ephraim und die Rosse aus Jerusalem, und der Kriegsbogen wird ausgerottet werden. Und er wird Frieden reden zu den Nationen; und seine Herrschaft wird sein von Meer zu Meer, und vom Strome bis an die Enden der Erde.

– 9.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 135. | 1880. | 534. | 7476. | 1. | 2 | 43 | 3_40 | גַּם | GM | und/auch |
| 2. | 136. | 1881. | 536. | 7478. | 3. | 2 | 401 | 1_400 | אַתָּה | AT | du |
| 3. | 137. | 1882. | 538. | 7480. | 5. | 3 | 46 | 2_4_40 | בְּדַמְּךָ | BDM | um des Blutes/wegen des Bluts |
| 4. | 138. | 1883. | 541. | 7483. | 8. | 5 | 632 | 2_200_10_400_20 | בְּרִיחֲךָ | BRJTK | deines Bundes (willen) |
| 5. | 139. | 1884. | 546. | 7488. | 13. | 5 | 748 | 300_30_8_400_10 | שְׁלַחְתִּי | SLCTJ | entlasse ich auch/ich schicke |
| 6. | 140. | 1885. | 551. | 7493. | 18. | 6 | 301 | 1_60_10_200_10_20 | אֲסִירֶיךָ | AsJRJK | deine Gefangenen |
| 7. | 141. | 1886. | 557. | 7499. | 24. | 4 | 248 | 40_2_6_200 | מִבּוֹר | MBWR | aus der Grube |
| 8. | 142. | 1887. | 561. | 7503. | 28. | 3 | 61 | 1_10_50 | אֵין | AJN | nicht ist |
| 9. | 143. | 1888. | 564. | 7506. | 31. | 3 | 90 | 40_10_40 | מִיַּם | MJM | Wasser |
| 10. | 144. | 1889. | 567. | 7509. | 34. | 2 | 8 | 2_6 | בּוֹ | BW | in welcher/darin |

Ende des Verses 9.11

Verse: 132, Buchstaben: 35, 568, 7510, Totalwerte: 2578, 36998, 466504

Und du-um des Blutes deines Bundes willen entlasse ich auch deine Gefangenen aus der Grube, in welcher kein Wasser ist.

– 9.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------|
| 1. | 145. | 1890. | 569. | 7511. | 1. | 4 | 314 | 300_6_2_6 | שובו | SWBW | kehrt zurück |
| 2. | 146. | 1891. | 573. | 7515. | 5. | 6 | 378 | 30_2_90_200_6_50 | לבצרון | LBßRWN | zur Festung |
| 3. | 147. | 1892. | 579. | 7521. | 11. | 5 | 281 | 1_60_10_200_10 | אסירי | As.JRJ | (ihr) Gefangene(n) |
| 4. | 148. | 1893. | 584. | 7526. | 16. | 5 | 516 | 5_400_100_6_5 | התקוה | HTQWH | (voll) der Hoffnung |
| 5. | 149. | 1894. | 589. | 7531. | 21. | 2 | 43 | 3_40 | גמ | GM | schon/auch |
| 6. | 150. | 1895. | 591. | 7533. | 23. | 4 | 61 | 5_10_6_40 | היום | HJWM | heute/der (heutige) Tag |
| 7. | 151. | 1896. | 595. | 7537. | 27. | 4 | 57 | 40_3_10_4 | מגיד | MGJD | verkündige ich/(ist) vermelden(er) |
| 8. | 152. | 1897. | 599. | 7541. | 31. | 4 | 395 | 40_300_50_5 | משנה | MSNH | dass das Doppelte/(ein) Doppel(maß) |
| 9. | 153. | 1898. | 603. | 7545. | 35. | 4 | 313 | 1_300_10_2 | אשיב | ASJB | ich erstatten werde/ich mache erstatten |
| 10. | 154. | 1899. | 607. | 7549. | 39. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | dir |

Ende des Verses 9.12

Verse: 133, Buchstaben: 40, 608, 7550, Totalwerte: 2408, 39406, 468912

Kehret zur Festung zurück, ihr Gefangenen der Hoffnung! Schon heute verkündige ich, daß ich dir das Doppelte erstatten werde. -

– 9.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|------------------|-------------------------------|-----------------|
| 1. | 155. | 1900. | 609. | 7551. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 2. | 156. | 1901. | 611. | 7553. | 3. | 5 | 634 | 4_200_20_400_10 | דרכתי DRKTJ | ich habe gespannt | |
| 3. | 157. | 1902. | 616. | 7558. | 8. | 2 | 40 | 30_10 | לי LJ | mir | |
| 4. | 158. | 1903. | 618. | 7560. | 10. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה JHWDH | Juda | |
| 5. | 159. | 1904. | 623. | 7565. | 15. | 3 | 800 | 100_300_400 | קשת QST | (den) Bogen | |
| 6. | 160. | 1905. | 626. | 7568. | 18. | 5 | 481 | 40_30_1_400_10 | מלאתי MLATJ | (ich habe) gefüllt | |
| 7. | 161. | 1906. | 631. | 7573. | 23. | 5 | 331 | 1_80_200_10_40 | אפרימ APRJM | (mit) Ephraim/(mit) Efraim | |
| 8. | 162. | 1907. | 636. | 7578. | 28. | 7 | 892 | 6_70_6_200_200_400_10 | ועוררתי WaWRRTJ | und ich wecke/und ich erzeuge | |
| 9. | 163. | 1908. | 643. | 7585. | 35. | 4 | 82 | 2_50_10_20 | בניכ BNJK | deine Söhne | |
| 10. | 164. | 1909. | 647. | 7589. | 39. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | ציון BJWN | Zion | |
| 11. | 165. | 1910. | 651. | 7593. | 43. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | auf wider/gegen | |
| 12. | 166. | 1911. | 653. | 7595. | 45. | 4 | 82 | 2_50_10_20 | בניכ BNJK | deine Kinder/deine Söhne | |
| 13. | 167. | 1912. | 657. | 7599. | 49. | 3 | 66 | 10_6_50 | יון JWN | Griechenland/Jawan//<Knabe> | |
| 14. | 168. | 1913. | 660. | 7602. | 52. | 6 | 776 | 6_300_40_400_10_20 | ושמתיכ WSMTJK | und (ich) mache dich | |
| 15. | 169. | 1914. | 666. | 7608. | 58. | 4 | 230 | 20_8_200_2 | ךחרב KCRB | wie das Schwert | |
| 16. | 170. | 1915. | 670. | 7612. | 62. | 4 | 211 | 3_2_6_200 | גבור GBWR | (eines) Helden | |

Ende des Verses 9.13

Verse: 134, Buchstaben: 65, 673, 7615, Totalwerte: 4941, 44347, 473853

Denn ich habe mir Juda gespannt, den Bogen mit Ephraim gefüllt; und ich wecke deine Söhne, Zion, auf wider deine Kinder, Griechenland, und mache dich wie das Schwert eines Helden.

– 9.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 171. | 1916. | 674. | 7616. | 1. | 5 | 32 | 6_10_5_6_5 | ויהוה | WJHWH | und Jahwe |
| 2. | 172. | 1917. | 679. | 7621. | 6. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם | aLJHM | über ihnen |
| 3. | 173. | 1918. | 684. | 7626. | 11. | 4 | 216 | 10_200_1_5 | יראה | JRAH | wird erscheinen/er erscheint |
| 4. | 174. | 1919. | 688. | 7630. | 15. | 4 | 107 | 6_10_90_1 | ויצא | WJBA | und ausfahren wird/und er (=es) fährt aus |
| 5. | 175. | 1920. | 692. | 7634. | 19. | 4 | 322 | 20_2_200_100 | כברק | KBRQ | wie der Blitz |
| 6. | 176. | 1921. | 696. | 7638. | 23. | 3 | 104 | 8_90_6 | חצו | CßW | sein Pfeil |
| 7. | 177. | 1922. | 699. | 7641. | 26. | 5 | 71 | 6_1_4_50_10 | ואדני | WADNJ | und der Herr |
| 8. | 178. | 1923. | 704. | 7646. | 31. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 9. | 179. | 1924. | 708. | 7650. | 35. | 5 | 588 | 2_300_6_80_200 | בשופר | BSWPR | in die Posaune/ins Horn |
| 10. | 180. | 1925. | 713. | 7655. | 40. | 4 | 580 | 10_400_100_70 | יחקע | JTQa | wird stoßen/er stößt |
| 11. | 181. | 1926. | 717. | 7659. | 44. | 4 | 61 | 6_5_30_20 | והלכ | WHLK | und einherziehen/und er geht |
| 12. | 182. | 1927. | 721. | 7663. | 48. | 6 | 738 | 2_60_70_200_6_400 | בסערות | BsaRWT | in (den) Stürmen |
| 13. | 183. | 1928. | 727. | 7669. | 54. | 4 | 500 | 400_10_40_50 | תימן | TJMN | des Südens |

Ende des Verses 9.14

Verse: 135, Buchstaben: 57, 730, 7672, Totalwerte: 3500, 47847, 477353

Und Jahwe wird über ihnen erscheinen, und sein Pfeil wird ausfahren wie der Blitz; und der Herr, Jahwe, wird in die Posaune stoßen und einherziehen in Stürmen des Südens.

– 9.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 184. | 1929. | 731. | 7673. | 1. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 2. | 185. | 1930. | 735. | 7677. | 5. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 3. | 186. | 1931. | 740. | 7682. | 10. | 3 | 63 | 10_3_50 | יג | JGN | (er) wird beschirmen |
| 4. | 187. | 1932. | 743. | 7685. | 13. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם | aLJHM | sie/über ihnen |
| 5. | 188. | 1933. | 748. | 7690. | 18. | 5 | 63 | 6_1_20_30_6 | ואכלו | WAKLW | und sie (werden) verzehren |
| 6. | 189. | 1934. | 753. | 7695. | 23. | 5 | 334 | 6_20_2_300_6 | וכבשו | WKBSW | und (sie) treten nieder |
| 7. | 190. | 1935. | 758. | 7700. | 28. | 4 | 63 | 1_2_50_10 | אבני | ABNJ | die Steine |
| 8. | 191. | 1936. | 762. | 7704. | 32. | 3 | 200 | 100_30_70 | קלע | QLa | (der) Schleuder |
| 9. | 192. | 1937. | 765. | 7707. | 35. | 4 | 712 | 6_300_400_6 | ושתו | WSTW | und sie (werden) trinken |
| 10. | 193. | 1938. | 769. | 7711. | 39. | 3 | 51 | 5_40_6 | המו | HMW | (sie) lärm(t)en |
| 11. | 194. | 1939. | 772. | 7714. | 42. | 3 | 66 | 20_40_6 | דמו | KMW | wie |
| 12. | 195. | 1940. | 775. | 7717. | 45. | 3 | 70 | 10_10_50 | יין | JJN | vom Wein/(beim) Wein |
| 13. | 196. | 1941. | 778. | 7720. | 48. | 5 | 83 | 6_40_30_1_6 | ומלאו | WMLAW | und voll werden/und sie sind voll |
| 14. | 197. | 1942. | 783. | 7725. | 53. | 5 | 367 | 20_40_7_200_100 | דמזרק | KMZRQ | wie die Opferschale(n) |
| 15. | 198. | 1943. | 788. | 7730. | 58. | 6 | 449 | 20_7_6_10_6_400 | דזויות | KZWJWT | wie (die) Ecken |
| 16. | 199. | 1944. | 794. | 7736. | 64. | 4 | 57 | 40_7_2_8 | סזבח | MZBC | des Altars/eines Altars |

Ende des Verses 9.15

Verse: 136, Buchstaben: 67, 797, 7739, Totalwerte: 3258, 51105, 480611

Jahwe der Heerscharen wird sie beschirmen; und sie werden die Schleudersteine verzehren und niedertreten; und sie werden trinken, lärmern wie vom Wein und voll werden wie die Opferschalen, wie die Ecken des Altars.

– 9.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|------|-------------------------|------------------|-----------|---------------------------------------------|
| 1. | 200. | 1945. | 798. | 7740. | 1. | 7 | 437 | 6.5_6.300_10_70_40 | והושיעם | WHWSJaM | und retten wird sie/und er (=es) rettet sie |
| 2. | 201. | 1946. | 805. | 7747. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 202. | 1947. | 809. | 7751. | 12. | 6 | 91 | 1_30_5_10_5_40 | אלהיהם | ALHJHM | ihr Gott |
| 4. | 203. | 1948. | 815. | 7757. | 18. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag |
| 5. | 204. | 1949. | 819. | 7761. | 22. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem |
| 6. | 205. | 1950. | 823. | 7765. | 26. | 4 | 161 | 20_90_1_50 | כצאן | KßAN | wie eine Herde |
| 7. | 206. | 1951. | 827. | 7769. | 30. | 3 | 116 | 70_40_6 | עמו | aMW | sein(es) Volk(es) |
| 8. | 207. | 1952. | 830. | 7772. | 33. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn sie sind/wie |
| 9. | 208. | 1953. | 832. | 7774. | 35. | 4 | 63 | 1_2_50_10 | אבני | ABNJ | Steine |
| 10. | 209. | 1954. | 836. | 7778. | 39. | 3 | 257 | 50_7_200 | זר | NZR | ((der) Krone(n) |
| 11. | 210. | 1955. | 839. | 7781. | 42. | 8 | 1022 | 40_400_50_6_60_60_6_400 | מתנוססות | MTNWssWT | funkelnd/sich erhebende |
| 12. | 211. | 1956. | 847. | 7789. | 50. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 13. | 212. | 1957. | 849. | 7791. | 52. | 5 | 451 | 1_4_40_400_6 | אדמתו | ADMTW | seinem Land/seinem Boden |

Ende des Verses 9.16

Verse: 137, Buchstaben: 56, 853, 7795, Totalwerte: 2829, 53934, 483440

Und Jahwe, ihr Gott, wird sie retten an jenem Tage, wird sein Volk retten wie ein Herde; denn Kronensteine sind sie, funkeln auf seinem Lande.

– 9.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------|
| 1. | 213. | 1958. | 854. | 7796. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי | KJ | denn |
| 2. | 214. | 1959. | 856. | 7798. | 3. | 2 | 45 | 40_5 | סה | MH | wie groß ist/was (ist) |
| 3. | 215. | 1960. | 858. | 7800. | 5. | 4 | 23 | 9_6_2_6 | טובו | tWBW | seine Anmut/sein Gutes |
| 4. | 216. | 1961. | 862. | 7804. | 9. | 3 | 51 | 6_40_5 | ומה | WMH | und wie groß/und was |
| 5. | 217. | 1962. | 865. | 7807. | 12. | 4 | 106 | 10_80_10_6 | יפיו | JPJW | seine Schönheit/sein Schönstes |
| 6. | 218. | 1963. | 869. | 7811. | 16. | 3 | 57 | 4_3_50 | דגנ | DGN | (das) Korn |
| 7. | 219. | 1964. | 872. | 7814. | 19. | 6 | 266 | 2_8_6_200_10_40 | בחורים | BCWRJM | Jünglinge |
| 8. | 220. | 1965. | 878. | 7820. | 25. | 6 | 922 | 6_400_10_200_6_300 | ותירוש | WTJRWS | und (der) Most |
| 9. | 221. | 1966. | 884. | 7826. | 31. | 5 | 70 | 10_50_6_2_2 | ינובב | JNWBB | wird wachsen lassen/(er) lässt gedeihen |
| 10. | 222. | 1967. | 889. | 7831. | 36. | 5 | 838 | 2_400_30_6_400 | בתלות | BTLWT | Jungfrauen |

Ende des Verses 9.17

Verse: 138, Buchstaben: 40, 893, 7835, Totalwerte: 2408, 56342, 485848

Denn wie groß ist seine Anmut, und wie groß seine Schönheit! Das Korn wird Jünglinge und der Most Jungfrauen wachsen lassen.

Ende des Kapitels 9

– 10.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 1. | 1968. | 1. | 7836. | 1. | 4 | 337 | 300_1_30_6 | שאלו | SALW | erbittet |
| 2. | 2. | 1969. | 5. | 7840. | 5. | 5 | 66 | 40_10_5_6_5 | מיהוה | MJHWH | von Jahwe |
| 3. | 3. | 1970. | 10. | 7845. | 10. | 3 | 249 | 40_9_200 | מטר | MtR | Regen |
| 4. | 4. | 1971. | 13. | 7848. | 13. | 3 | 472 | 2_70_400 | בעה | BaT | (zur) Zeit |
| 5. | 5. | 1972. | 16. | 7851. | 16. | 5 | 476 | 40_30_100_6_300 | מלקוש | MLQWS | des Spätregens/(des) Ernteregens |
| 6. | 6. | 1973. | 21. | 7856. | 21. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 7. | 1974. | 25. | 7860. | 25. | 3 | 375 | 70_300_5 | עשה | aSH | schafft/(ist) machend(er) |
| 8. | 8. | 1975. | 28. | 7863. | 28. | 6 | 82 | 8_7_10_7_10_40 | חזיזים | CZJZJM | die Wetterstrahlen/Gewitterwolken |
| 9. | 9. | 1976. | 34. | 7869. | 34. | 4 | 255 | 6_40_9_200 | ומטר | WMtR | und Güsse/und Erguss |
| 10. | 10. | 1977. | 38. | 7873. | 38. | 3 | 343 | 3_300_40 | גשם | GSM | (von) Regen |
| 11. | 11. | 1978. | 41. | 7876. | 41. | 3 | 460 | 10_400_50 | יהנ | JTN | er wird geben/er gibt |
| 12. | 12. | 1979. | 44. | 7879. | 44. | 3 | 75 | 30_5_40 | להם | LHM | euch/ihnen |
| 13. | 13. | 1980. | 47. | 7882. | 47. | 4 | 341 | 30_1_10_300 | לאיש | LAJS | einem jeden |
| 14. | 14. | 1981. | 51. | 7886. | 51. | 3 | 372 | 70_300_2 | עשב | aSB | Kraut/Grünes |
| 15. | 15. | 1982. | 54. | 7889. | 54. | 4 | 311 | 2_300_4_5 | בשרה | BSDH | auf dem Feld |

Ende des Verses 10.1

Verse: 139, Buchstaben: 57, 57, 7892, Totalwerte: 4240, 4240, 490088

Erbittet von Jahwe Regen zur Zeit des Spätregens; Jahwe schafft die Wetterstrahlen, und er wird euch Regengüsse geben, Kraut auf dem Felde einem jeden.

– 10.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|----------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 16. | 1983. | 58. | 7893. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | דָּי | KJ | denn |
| 2. | 17. | 1984. | 60. | 7895. | 3. | 6 | 735 | 5_400_200_80_10_40 | הַתְּרַפִּים | HTRPJM | die Teraphim/die Terafim (=Gottesbilder) |
| 3. | 18. | 1985. | 66. | 7901. | 9. | 4 | 212 | 4_2_200_6 | דָּבְרוּ | DBRW | haben geredet/sie red(et)en |
| 4. | 19. | 1986. | 70. | 7905. | 13. | 3 | 57 | 1_6_50 | אוֹן | AWN | Nichtiges/Lüge |
| 5. | 20. | 1987. | 73. | 7908. | 16. | 8 | 267 | 6_5_100_6_60_40_10_40 | וְהַקּוֹסְמִים | WHQWsMJM | und die Wahrsager |
| 6. | 21. | 1988. | 81. | 7916. | 24. | 3 | 21 | 8_7_6 | חָזוּ | CZW | haben geschaut/sie schau(t)en |
| 7. | 22. | 1989. | 84. | 7919. | 27. | 3 | 600 | 300_100_200 | שָׁקַר | SQR | Lüge/Trug |
| 8. | 23. | 1990. | 87. | 7922. | 30. | 6 | 490 | 6_8_30_40_6_400 | וְחִלְמוֹת | WCLMWT | und Träume |
| 9. | 24. | 1991. | 93. | 7928. | 36. | 4 | 312 | 5_300_6_1 | הַשְּׂוֹא | HSWA | des Trugs/des Eitlen |
| 10. | 25. | 1992. | 97. | 7932. | 40. | 5 | 222 | 10_4_2_200_6 | יִדְבְּרוּ | JDBRW | sie reden |
| 11. | 26. | 1993. | 102. | 7937. | 45. | 3 | 37 | 5_2_30 | הַבַּל | HBL | mit Dunst/(mit) Wind |
| 12. | 27. | 1994. | 105. | 7940. | 48. | 6 | 164 | 10_50_8_40_6_50 | יִנְחֲמוּן | JNCMWN | (sie) trösten |
| 13. | 28. | 1995. | 111. | 7946. | 54. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | wegen |
| 14. | 29. | 1996. | 113. | 7948. | 56. | 2 | 70 | 20_50 | כִּן | KN | diesem |
| 15. | 30. | 1997. | 115. | 7950. | 58. | 4 | 186 | 50_60_70_6 | נִסְעוּ | NsaW | sie sind fortgewandert/sie brachen aus |
| 16. | 31. | 1998. | 119. | 7954. | 62. | 3 | 66 | 20_40_6 | כִּמוֹ | KMW | wie |
| 17. | 32. | 1999. | 122. | 7957. | 65. | 3 | 141 | 90_1_50 | קָאָן | βAN | eine Herde/Schafe |
| 18. | 33. | 2000. | 125. | 7960. | 68. | 4 | 136 | 10_70_50_6 | יֵעֲנוּ | JaNW | werden bedrückt/sie leiden |
| 19. | 34. | 2001. | 129. | 7964. | 72. | 2 | 30 | 20_10 | דָּי | KJ | weil |
| 20. | 35. | 2002. | 131. | 7966. | 74. | 3 | 61 | 1_10_50 | אֵינִי | AJN | nicht ist (da) |
| 21. | 36. | 2003. | 134. | 7969. | 77. | 3 | 275 | 200_70_5 | רֹעֵה | RaH | ein Hirte |

Ende des Verses 10.2

Verse: 140, Buchstaben: 79, 136, 7971, Totalwerte: 4212, 8452, 494300

Denn die Teraphim haben Nichtiges geredet, und die Wahrsager haben Lüge geschaut; und sie reden Träume des Truges, trösten mit Dunst. Darum sind sie fortgewandert wie eine Herde, werden bedrückt, weil kein Hirte da ist.

– 10.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 37. | 2004. | 137. | 7972. | 1. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wider/ob |
| 2. | 38. | 2005. | 139. | 7974. | 3. | 5 | 325 | 5_200_70_10_40 | הרעימ | HRaJM | die Hirten/der Hirten |
| 3. | 39. | 2006. | 144. | 7979. | 8. | 3 | 213 | 8_200_5 | חרה | CRH | ist entbrannt/er (=es) entbrannte |
| 4. | 40. | 2007. | 147. | 7982. | 11. | 3 | 91 | 1_80_10 | אפי | APJ | mein Zorn |
| 5. | 41. | 2008. | 150. | 7985. | 14. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und (an) |
| 6. | 42. | 2009. | 153. | 7988. | 17. | 7 | 535 | 5_70_400_6_4_10_40 | העתודימ | HaTWDJM | die Böcke/den (Leit)Böcken |
| 7. | 43. | 2010. | 160. | 7995. | 24. | 5 | 191 | 1_80_100_6_4 | אפקוד | APQWD | ich werde heimsuchen |
| 8. | 44. | 2011. | 165. | 8000. | 29. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 9. | 45. | 2012. | 167. | 8002. | 31. | 3 | 184 | 80_100_4 | פקד | PQD | annehmen wird sich/er (=es) sucht(e) heim |
| 10. | 46. | 2013. | 170. | 8005. | 34. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 47. | 2014. | 174. | 8009. | 38. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | BBAWT | (der) Heerscharen |
| 12. | 48. | 2015. | 179. | 8014. | 43. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 13. | 49. | 2016. | 181. | 8016. | 45. | 4 | 280 | 70_4_200_6 | עדרו | aDRW | seine(r) Herde |
| 14. | 50. | 2017. | 185. | 8020. | 49. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 15. | 51. | 2018. | 187. | 8022. | 51. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/das Haus |
| 16. | 52. | 2019. | 190. | 8025. | 54. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 17. | 53. | 2020. | 195. | 8030. | 59. | 3 | 346 | 6_300_40 | ושמ | WSM | und machen/und er richtet auf |
| 18. | 54. | 2021. | 198. | 8033. | 62. | 4 | 447 | 1_6_400_40 | אותם | AWTM | sie |
| 19. | 55. | 2022. | 202. | 8037. | 66. | 4 | 146 | 20_60_6_60 | קסוס | KsWs | wie (das) Ross |
| 20. | 56. | 2023. | 206. | 8041. | 70. | 4 | 21 | 5_6_4_6 | הודו | HWDW | sein(er) Pracht/seine Hoheit |
| 21. | 57. | 2024. | 210. | 8045. | 74. | 6 | 125 | 2_40_30_8_40_5 | במלחמה | BMLCMH | im Streit/im Kampf |

Ende des Verses 10.3

Verse: 141, Buchstaben: 79, 215, 8050, Totalwerte: 4909, 13361, 499209

Mein Zorn ist wider die Hirten entbrannt, und die Böcke werde ich heimsuchen; denn Jahwe der Heerscharen wird seiner Herde, des Hauses Juda, sich annehmen und sie machen wie sein Prachtross im Streite.

– 10.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 58. | 2025. | 216. | 8051. | 1. | 4 | 136 | 40_40_50_6 | מִמֶּנּוּ | MMNW | von ihm kommt/aus ihm |
| 2. | 59. | 2026. | 220. | 8055. | 5. | 3 | 135 | 80_50_5 | פִּינָה | PNH | der Eckstein/(eine) Zinne |
| 3. | 60. | 2027. | 223. | 8058. | 8. | 4 | 136 | 40_40_50_6 | מִמֶּנּוּ | MMNW | von ihm/aus ihm |
| 4. | 61. | 2028. | 227. | 8062. | 12. | 3 | 414 | 10_400_4 | יָתֵד | JTD | der Pflock/ein (Zelt)Pflock |
| 5. | 62. | 2029. | 230. | 8065. | 15. | 4 | 136 | 40_40_50_6 | מִמֶּנּוּ | MMNW | von ihm/aus ihm |
| 6. | 63. | 2030. | 234. | 8069. | 19. | 3 | 800 | 100_300_400 | קֶשֶׁת | QST | der Bogen/(ein) Bogen |
| 7. | 64. | 2031. | 237. | 8072. | 22. | 5 | 123 | 40_30_8_40_5 | מִלְחָמָה | MLCMH | (des) Kriegs/des Kampfs |
| 8. | 65. | 2032. | 242. | 8077. | 27. | 4 | 136 | 40_40_50_6 | מִמֶּנּוּ | MMNW | von ihm/aus ihm |
| 9. | 66. | 2033. | 246. | 8081. | 31. | 3 | 101 | 10_90_1 | יֵצֵא | JBA | werden hervorkommen/er (=es) geht hervor |
| 10. | 67. | 2034. | 249. | 8084. | 34. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | alle/jeder |
| 11. | 68. | 2035. | 251. | 8086. | 36. | 4 | 359 | 50_6_3_300 | וְנֹשֵׁא | NWGS | Bedränger/Treibende |
| 12. | 69. | 2036. | 255. | 8090. | 40. | 4 | 28 | 10_8_4_6 | יַחְדּוֹ | JCDW | insgesamt |

Ende des Verses 10.4

Verse: 142, Buchstaben: 43, 258, 8093, Totalwerte: 2554, 15915, 501763

Von ihm kommt der Eckstein, von ihm der Pflock, von ihm der Kriegsbogen, von ihm werden alle Bedränger hervorkommen insgesamt.

– 10.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 70. | 2037. | 259. | 8094. | 1. | 4 | 27 | 6_5_10_6 | והיו | WHJW | und sie werden sein |
| 2. | 71. | 2038. | 263. | 8098. | 5. | 6 | 275 | 20_3_2_200_10_40 | קנברים | KGBRJM | wie Helden |
| 3. | 72. | 2039. | 269. | 8104. | 11. | 5 | 118 | 2_6_60_10_40 | בוסימ | BWsJM | die zertreten/(einher)stampfende |
| 4. | 73. | 2040. | 274. | 8109. | 16. | 4 | 30 | 2_9_10_9 | בטיט | BtJt | den Kot/im Kot |
| 5. | 74. | 2041. | 278. | 8113. | 20. | 5 | 510 | 8_6_90_6_400 | חוצות | CWßWT | der Straßen/der Gassen |
| 6. | 75. | 2042. | 283. | 8118. | 25. | 6 | 125 | 2_40_30_8_40_5 | במלחמה | BMLCMH | im Kampf/in der Schlacht |
| 7. | 76. | 2043. | 289. | 8124. | 31. | 6 | 140 | 6_50_30_8_40_6 | ונלחמו | WNLCMW | und sie werden kämpfen |
| 8. | 77. | 2044. | 295. | 8130. | 37. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 9. | 78. | 2045. | 297. | 8132. | 39. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 10. | 79. | 2046. | 301. | 8136. | 43. | 3 | 150 | 70_40_40 | עממ | aMM | (ist) mit ihnen |
| 11. | 80. | 2047. | 304. | 8139. | 46. | 6 | 329 | 6_5_2_10_300_6 | והבישו | WHBJSW | und (sie (=es)) werden zuschanden |
| 12. | 81. | 2048. | 310. | 8145. | 52. | 4 | 232 | 200_20_2_10 | רכבי | RKBJ | die Reiter |
| 13. | 82. | 2049. | 314. | 8149. | 56. | 5 | 176 | 60_6_60_10_40 | סוסימ | sWsJM | auf Rossen/der Rosse |

Ende des Verses 10.5

Verse: 143, Buchstaben: 60, 318, 8153, Totalwerte: 2168, 18083, 503931

Und sie werden wie Helden sein, die den Kot der Straßen im Kampfe zertreten; und sie werden kämpfen, denn Jahwe ist mit ihnen, und die Reiter auf Rossen werden zu Schanden.

– 10.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------------------|
| 1. | 83. | 2050. | 319. | 8154. | 1. | 6 | 621 | 6.3.2.200.400.10 | ונברתי | WGBRTJ | und ich werde stärken/und ich werde stark machen |
| 2. | 84. | 2051. | 325. | 8160. | 7. | 2 | 401 | 1.400 | את | AT | ** |
| 3. | 85. | 2052. | 327. | 8162. | 9. | 3 | 412 | 2.10.400 | בית | BJT | das Haus |
| 4. | 86. | 2053. | 330. | 8165. | 12. | 5 | 30 | 10.5.6.4.5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 5. | 87. | 2054. | 335. | 8170. | 17. | 3 | 407 | 6.1.400 | ואת | WAT | und ** |
| 6. | 88. | 2055. | 338. | 8173. | 20. | 3 | 412 | 2.10.400 | בית | BJT | das Haus |
| 7. | 89. | 2056. | 341. | 8176. | 23. | 4 | 156 | 10.6.60.80 | יוסף | JWsP | Joseph/Josef//<er füge hinzu> |
| 8. | 90. | 2057. | 345. | 8180. | 27. | 5 | 387 | 1.6.300.10.70 | אושיע | AWSJa | retten/ich werde befreien |
| 9. | 91. | 2058. | 350. | 8185. | 32. | 9 | 775 | 6.5.6.300.2.6.400.10.40 | והשבתי | WHWSBWTJM | und ich werde sie wohnen lassen/und ich führe zurück sie |
| 10. | 92. | 2059. | 359. | 8194. | 41. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | denn/weil |
| 11. | 93. | 2060. | 361. | 8196. | 43. | 6 | 698 | 200.8.40.400.10.40 | רחמתי | RCMTJM | ich habe mich ihrer erbarmt/ich habe Erbarmen für sie |
| 12. | 94. | 2061. | 367. | 8202. | 49. | 4 | 27 | 6.5.10.6 | והיו | WHJW | und sie werden sein |
| 13. | 95. | 2062. | 371. | 8206. | 53. | 4 | 521 | 20.1.300.200 | כאשר | KASR | als ob/wie |
| 14. | 96. | 2063. | 375. | 8210. | 57. | 2 | 31 | 30.1 | לא | LA | nicht |
| 15. | 97. | 2064. | 377. | 8212. | 59. | 6 | 515 | 7.50.8.400.10.40 | זנחתי | ZNCTJM | ich verstoßen (hätte) sie |
| 16. | 98. | 2065. | 383. | 8218. | 65. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | denn |
| 17. | 99. | 2066. | 385. | 8220. | 67. | 3 | 61 | 1.50.10 | אני | ANJ | ich (bin) |
| 18. | 100. | 2067. | 388. | 8223. | 70. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 19. | 101. | 2068. | 392. | 8227. | 74. | 6 | 91 | 1.30.5.10.5.40 | אלהי | ALHJHM | ihr Gott |
| 20. | 102. | 2069. | 398. | 8233. | 80. | 5 | 167 | 6.1.70.50.40 | ואענו | WAaNM | und (ich) werde ihnen antworten |

Ende des Verses 10.6

Verse: 144, Buchstaben: 84, 402, 8237, Totalwerte: 5798, 23881, 509729

Und ich werde das Haus Juda stärken und das Haus Joseph retten, und werde sie wohnen lassen; denn ich habe mich ihrer erbarmt, und sie werden sein, als ob ich sie nicht verstoßen hätte. Denn ich bin Jahwe, ihr Gott, und werde ihnen antworten.

– 10.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|------------------------------------------------------|
| 1. | 103. | 2070. | 403. | 8238. | 1. | 4 | 27 | 6_5_10_6 | והיו | WHJW | und sein wird/und sie (=es) werden sein |
| 2. | 104. | 2071. | 407. | 8242. | 5. | 5 | 231 | 20_3_2_6_200 | ךגבור | KGBWR | wie (ein) Held |
| 3. | 105. | 2072. | 412. | 8247. | 10. | 5 | 331 | 1_80_200_10_40 | אפרימ | APRJM | Ephraim/Efraim |
| 4. | 106. | 2073. | 417. | 8252. | 15. | 4 | 354 | 6_300_40_8 | ושמה | WSMC | und freuen wird sich/und er (=es) wird fröhlich sein |
| 5. | 107. | 2074. | 421. | 8256. | 19. | 3 | 72 | 30_2_40 | לבמ | LBM | ihr Herz |
| 6. | 108. | 2075. | 424. | 8259. | 22. | 3 | 66 | 20_40_6 | ךמו | KMW | wie |
| 7. | 109. | 2076. | 427. | 8262. | 25. | 3 | 70 | 10_10_50 | יין | JJN | (von dem) Wein |
| 8. | 110. | 2077. | 430. | 8265. | 28. | 6 | 113 | 6_2_50_10_5_40 | ובניהם | WBNJHM | und ihre Kinder/und ihre Söhne |
| 9. | 111. | 2078. | 436. | 8271. | 34. | 4 | 217 | 10_200_1_6 | יראו | JRAW | (sie) werden (es) sehen |
| 10. | 112. | 2079. | 440. | 8275. | 38. | 5 | 360 | 6_300_40_8_6 | ושמהו | WSMCW | und (sie) (werden) sich freuen |
| 11. | 113. | 2080. | 445. | 8280. | 43. | 3 | 43 | 10_3_30 | יגל | JGL | frohlocken wird/er (=es) wird jubeln |
| 12. | 114. | 2081. | 448. | 8283. | 46. | 3 | 72 | 30_2_40 | לבמ | LBM | ihr Herz |
| 13. | 115. | 2082. | 451. | 8286. | 49. | 5 | 28 | 2_10_5_6_5 | ביהוה | BJHWH | in Jahwe/über Jahwe |

Ende des Verses 10.7

Verse: 145, Buchstaben: 53, 455, 8290, Totalwerte: 1984, 25865, 511713

Und Ephraim wird sein wie ein Held, und ihr Herz wird sich freuen wie vom Wein; und ihre Kinder werden es sehen und sich freuen, ihr Herz wird frohlocken in Jahwe.

– 10.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------------------|
| 1. | 116. | 2083. | 456. | 8291. | 1. | 5 | 606 | 1_300_200_100_5 | אשרקה | ASRQH | ich will herbeizischen/ich will pfeifen |
| 2. | 117. | 2084. | 461. | 8296. | 6. | 3 | 75 | 30_5_40 | להם | LHM | sie/ihnen |
| 3. | 118. | 2085. | 464. | 8299. | 9. | 6 | 239 | 6_1_100_2_90_40 | ואקבצם | WAQBßM | und (ich will) sammeln sie |
| 4. | 119. | 2086. | 470. | 8305. | 15. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 5. | 120. | 2087. | 472. | 8307. | 17. | 6 | 544 | 80_4_10_400_10_40 | פדיתים | PDJTJM | ich habe sie erlöst/ich habe ausgelöst sie |
| 6. | 121. | 2088. | 478. | 8313. | 23. | 4 | 214 | 6_200_2_6 | ורבו | WRBW | und sie werden sich mehren/und sie sollen werden viele |
| 7. | 122. | 2089. | 482. | 8317. | 27. | 3 | 66 | 20_40_6 | כמו | KMW | wie |
| 8. | 123. | 2090. | 485. | 8320. | 30. | 3 | 208 | 200_2_6 | רבו | RBW | sie sich gemehrt haben/(sie) waren viele |

Ende des Verses 10.8

Verse: 146, Buchstaben: 32, 487, 8322, Totalwerte: 1982, 27847, 513695

Ich will sie herbeizischen und sie sammeln, denn ich habe sie erlöst; und sie werden sich mehren, wie sie sich gemehrt haben.

– 10.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------------|------------------|-----------|------------------------------------------------------|
| 1. | 124. | 2091. | 488. | 8323. | 1. | 6 | 324 | 6_1_7_200_70_40 | ואורעם | WAZRaM | und ich will sie säen/und ich säe aus sie |
| 2. | 125. | 2092. | 494. | 8329. | 7. | 5 | 162 | 2_70_40_10_40 | בעמימ | BaMJM | unter den Völkern/unter die Völker |
| 3. | 126. | 2093. | 499. | 8334. | 12. | 8 | 406 | 6_2_40_200_8_100_10_40 | ובמרחקים | WBMRCQJM | und in den fernen Ländern/und in den Fernen |
| 4. | 127. | 2094. | 507. | 8342. | 20. | 7 | 303 | 10_7_20_200_6_50_10 | יזכרוני | JZKRWNJ | sie werden meiner gedenken/sie werden denken an mich |
| 5. | 128. | 2095. | 514. | 8349. | 27. | 4 | 30 | 6_8_10_6 | וחיו | WCJW | und sie werden (auf)leben |
| 6. | 129. | 2096. | 518. | 8353. | 31. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | mit |
| 7. | 130. | 2097. | 520. | 8355. | 33. | 5 | 107 | 2_50_10_5_40 | בניהם | BNJHM | ihren Kindern/ihren Söhnen |
| 8. | 131. | 2098. | 525. | 8360. | 38. | 4 | 314 | 6_300_2_6 | ושבו | WSBW | und zurückkehren/und (sie) kehren heim |

Ende des Verses 10.9

Verse: 147, Buchstaben: 41, 528, 8363, Totalwerte: 2047, 29894, 515742

Und ich will sie unter den Völkern säen, und in den fernen Ländern werden sie meiner gedenken; und sie werden mit ihren Kindern leben und zurückkehren.

– 10.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------------|------------------|-----------|---------------------------------------------------------|
| 1. | 132. | 2099. | 529. | 8364. | 1. | 9 | 779 | 6_5_300_10_2_6_400_10_40 | והשיבותימ | WHSJBWTJM | und ich werde zurückführen sie/und ich führe zurück sie |
| 2. | 133. | 2100. | 538. | 8373. | 10. | 4 | 331 | 40_1_200_90 | סארצ | MARß | aus dem Lande |
| 3. | 134. | 2101. | 542. | 8377. | 14. | 5 | 380 | 40_90_200_10_40 | סצרימ | MßRJM | Ägypten |
| 4. | 135. | 2102. | 547. | 8382. | 19. | 6 | 553 | 6_40_1_300_6_200 | ומאשור | WMASWR | und aus Assyrien/und aus Assur |
| 5. | 136. | 2103. | 553. | 8388. | 25. | 5 | 233 | 1_100_2_90_40 | אקבצמ | AQBßM | sie sammeln/ich sammle sie |
| 6. | 137. | 2104. | 558. | 8393. | 30. | 3 | 37 | 6_1_30 | ואל | WAL | und in/und zum |
| 7. | 138. | 2105. | 561. | 8396. | 33. | 3 | 291 | 1_200_90 | ארצ | ARß | ((das) Land |
| 8. | 139. | 2106. | 564. | 8399. | 36. | 4 | 107 | 3_30_70_4 | נלעד | GLaD | Gilead///<Hügel> |
| 9. | 140. | 2107. | 568. | 8403. | 40. | 6 | 144 | 6_30_2_50_6_50 | ולבנו | WLBNWN | und (auf den) Libanon///<der Weiße> |
| 10. | 141. | 2108. | 574. | 8409. | 46. | 5 | 54 | 1_2_10_1_40 | אביאמ | ABJAM | sie bringen/ich mache kommen sie |
| 11. | 142. | 2109. | 579. | 8414. | 51. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 12. | 143. | 2110. | 582. | 8417. | 54. | 4 | 141 | 10_40_90_1 | ימצא | JMBA | wird gefunden werden Raum genug/er (=es) findet sich |
| 13. | 144. | 2111. | 586. | 8421. | 58. | 3 | 75 | 30_5_40 | להמ | LHM | für sie |

Ende des Verses 10.10

Verse: 148, Buchstaben: 60, 588, 8423, Totalwerte: 3162, 33056, 518904

Und ich werde sie zurückführen aus dem Lande Ägypten und sie sammeln aus Assyrien, und sie in das Land Gilead und auf den Libanon bringen; und nicht wird Raum genug für sie gefunden werden.

– 10.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------|-----------|-----------------------------------------------------------|
| 1. | 145. | 2112. | 589. | 8424. | 1. | 4 | 278 | 6_70_2_200 | ועבר | WaBR | und er wird ziehen/und einer er zieht |
| 2. | 146. | 2113. | 593. | 8428. | 5. | 3 | 52 | 2_10_40 | בִּים | BJM | durch das Meer |
| 3. | 147. | 2114. | 596. | 8431. | 8. | 3 | 295 | 90_200_5 | קִרָה | βRH | der Angst/(in) Drangsal |
| 4. | 148. | 2115. | 599. | 8434. | 11. | 4 | 36 | 6_5_20_5 | והכה | WHKH | und schlagen/und er schlägt |
| 5. | 149. | 2116. | 603. | 8438. | 15. | 3 | 52 | 2_10_40 | בִּים | BJM | im Meer |
| 6. | 150. | 2117. | 606. | 8441. | 18. | 4 | 83 | 3_30_10_40 | גִּלִּים | GLJM | die Wellen/Wogen |
| 7. | 151. | 2118. | 610. | 8445. | 22. | 6 | 329 | 6_5_2_10_300_6 | והבישו | WHBJSW | und versiegen werden/und (sie) vertrocknen |
| 8. | 152. | 2119. | 616. | 8451. | 28. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | alle |
| 9. | 153. | 2120. | 618. | 8453. | 30. | 6 | 572 | 40_90_6_30_6_400 | מַצִּילוֹת | MβWLWT | Tiefen |
| 10. | 154. | 2121. | 624. | 8459. | 36. | 3 | 211 | 10_1_200 | יָאֵר | JAR | ((des) Stromes |
| 11. | 155. | 2122. | 627. | 8462. | 39. | 5 | 221 | 6_5_6_200_4 | והורד | WHWRD | und niedergeworfen werden wird/und er (=es) wird gestürzt |
| 12. | 156. | 2123. | 632. | 8467. | 44. | 4 | 60 | 3_1_6_50 | גָּאוֹן | GAWN | die Hoffart/der Hochmut |
| 13. | 157. | 2124. | 636. | 8471. | 48. | 4 | 507 | 1_300_6_200 | אֲשׁוּר | ASWR | Assyriens/Assur(s) |
| 14. | 158. | 2125. | 640. | 8475. | 52. | 4 | 317 | 6_300_2_9 | וּשְׁבֵט | WSBt | und das Zepter |
| 15. | 159. | 2126. | 644. | 8479. | 56. | 5 | 380 | 40_90_200_10_40 | מִצְרַיִם | MβRJM | Ägyptens |
| 16. | 160. | 2127. | 649. | 8484. | 61. | 4 | 276 | 10_60_6_200 | יִסוּר | JsWR | wird weichen/er (=es) weicht |

Ende des Verses 10.11

Verse: 149, Buchstaben: 64, 652, 8487, Totalwerte: 3719, 36775, 522623

Und er wird durch das Meer der Angst ziehen und die Wellen im Meere schlagen, und alle Tiefen des Stromes werden versiegen; und die Hoffart Assyriens wird niedergeworfen werden, und weichen wird das Zepter Ägyptens.

– 10.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|---------------------------------------------------|
| 1. | 161. | 2128. | 653. | 8488. | 1. | 7 | 661 | 6_3_2_200_400_10_40 | וּגְבַרְתִּים | WGBRTJM | und ich werde sie stark machen/und ich stärke sie |
| 2. | 162. | 2129. | 660. | 8495. | 8. | 5 | 28 | 2_10_5_6_5 | בִּיהוּה | BJHWH | in Jahwe/durch Jahwe |
| 3. | 163. | 2130. | 665. | 8500. | 13. | 5 | 354 | 6_2_300_40_6 | וּבְשֵׁמוֹ | WBSMW | und in seinem Namen |
| 4. | 164. | 2131. | 670. | 8505. | 18. | 6 | 471 | 10_400_5_30_20_6 | יִתְהַלְכוּ | JTHLKW | sie (werden) wandeln |
| 5. | 165. | 2132. | 676. | 8511. | 24. | 3 | 91 | 50_1_40 | נֹאֵם | NAM | spricht/Spruch |
| 6. | 166. | 2133. | 679. | 8514. | 27. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוּה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 10.12

Verse: 150, Buchstaben: 30, 682, 8517, Totalwerte: 1631, 38406, 524254

Und ich werde sie stark machen in Jahwe, und in seinem Namen werden sie wandeln, spricht Jahwe.

Ende des Kapitels 10

– 11.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 1. | 2134. | 1. | 8518. | 1. | 3 | 488 | 80_400_8 | פתח | PTC | tue auf/öffne |
| 2. | 2. | 2135. | 4. | 8521. | 4. | 5 | 138 | 30_2_50_6_50 | לבנון | LBNWN | Libanon |
| 3. | 3. | 2136. | 9. | 8526. | 9. | 5 | 464 | 4_30_400_10_20 | דלתיכ | DLTJK | deine Tore |
| 4. | 4. | 2137. | 14. | 8531. | 14. | 5 | 457 | 6_400_1_20_30 | ותאכל | WTAKL | und verzehre/und sie (=es) fresse |
| 5. | 5. | 2138. | 19. | 8536. | 19. | 2 | 301 | 1_300 | אש | AS | Feuer |
| 6. | 6. | 2139. | 21. | 8538. | 21. | 6 | 240 | 2_1_200_7_10_20 | בארזיכ | BARZJK | (unter) deine(n) Zedern |

Ende des Verses 11.1

Verse: 151, Buchstaben: 26, 26, 8543, Totalwerte: 2088, 2088, 526342

Tue auf, Libanon, deine Tore, und Feuer verzehre deine Zedern!

– 11.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 7. | 2140. | 27. | 8544. | 1. | 4 | 75 | 5_10_30_30 | הילל | HJLL | Heule |
| 2. | 8. | 2141. | 31. | 8548. | 5. | 4 | 508 | 2_200_6_300 | ברוש | BRWS | Zypresse |
| 3. | 9. | 2142. | 35. | 8552. | 9. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 4. | 10. | 2143. | 37. | 8554. | 11. | 3 | 160 | 50_80_30 | נפל | NPL | (er (=es)) ist gefallen |
| 5. | 11. | 2144. | 40. | 8557. | 14. | 3 | 208 | 1_200_7 | ארז | ARZ | (die) Zeder |
| 6. | 12. | 2145. | 43. | 8560. | 17. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | denn/welche |
| 7. | 13. | 2146. | 46. | 8563. | 20. | 5 | 255 | 1_4_200_10_40 | אדרימ | ADRJM | die Herrlichen/Prächtige (sind) |
| 8. | 14. | 2147. | 51. | 8568. | 25. | 4 | 314 | 300_4_4_6 | שרדו | SDDW | sind verwüstet/(sie) wurden verwüstet |
| 9. | 15. | 2148. | 55. | 8572. | 29. | 6 | 91 | 5_10_30_10_30_6 | הילילו | HJLJLW | heulet |
| 10. | 16. | 2149. | 61. | 8578. | 35. | 5 | 97 | 1_30_6_50_10 | אלוני | ALWNJ | Eichen |
| 11. | 17. | 2150. | 66. | 8583. | 40. | 3 | 352 | 2_300_50 | בשנ | BSN | Basan(s)///<steinlose Ebene> |
| 12. | 18. | 2151. | 69. | 8586. | 43. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 13. | 19. | 2152. | 71. | 8588. | 45. | 3 | 214 | 10_200_4 | ירד | JRD | niedergestreckt ist/er (=sie) fiel nieder |
| 14. | 20. | 2153. | 74. | 8591. | 48. | 3 | 280 | 10_70_200 | יער | JaR | der Wald |
| 15. | 21. | 2154. | 77. | 8594. | 51. | 5 | 303 | 5_2_90_6_200 | הבצור | HBßWR | (der) unzugängliche |

Ende des Verses 11.2

Verse: 152, Buchstaben: 55, 81, 8598, Totalwerte: 3418, 5506, 529760

Heule, Zypresse! Denn die Zeder ist gefallen, denn die Herrlichen sind verwüstet. Heulet, Eichen Basans! Denn der unzugängliche Wald ist niedergestreckt.

– 11.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 22. | 2155. | 82. | 8599. | 1. | 3 | 136 | 100_6_30 | קול | QWL | lautes/horch |
| 2. | 23. | 2156. | 85. | 8602. | 4. | 4 | 470 | 10_30_30_400 | יללה | JLLT | Heulen/Wehgeheul |
| 3. | 24. | 2157. | 89. | 8606. | 8. | 5 | 325 | 5_200_70_10_40 | הרעימ | HRaJM | der Hirten |
| 4. | 25. | 2158. | 94. | 8611. | 13. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 5. | 26. | 2159. | 96. | 8613. | 15. | 4 | 313 | 300_4_4_5 | שרדה | SDDH | verwüstet ist/sie (=es) wurde verheert |
| 6. | 27. | 2160. | 100. | 8617. | 19. | 5 | 645 | 1_4_200_400_40 | אדרחמ | ADRTM | ihre Herrlichkeit/ihre Pracht(weide) |
| 7. | 28. | 2161. | 105. | 8622. | 24. | 3 | 136 | 100_6_30 | קול | QWL | lautes/horch |
| 8. | 29. | 2162. | 108. | 8625. | 27. | 4 | 704 | 300_1_3_400 | שאנה | SAGT | Gebrüll/(das) Brüllen |
| 9. | 30. | 2163. | 112. | 8629. | 31. | 6 | 360 | 20_80_10_200_10_40 | כיפירימ | KPJRJM | der jungen Löwen/(von) Löwen |
| 10. | 31. | 2164. | 118. | 8635. | 37. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 11. | 32. | 2165. | 120. | 8637. | 39. | 3 | 308 | 300_4_4 | שרד | SDD | verwüstet ist/er (=es) wurde verwüstet |
| 12. | 33. | 2166. | 123. | 8640. | 42. | 4 | 60 | 3_1_6_50 | נאון | GAWN | die Pracht/der Stolz |
| 13. | 34. | 2167. | 127. | 8644. | 46. | 5 | 269 | 5_10_200_4_50 | הירדן | HJRDN | des Jordan///<Herabfließender> |

Ende des Verses 11.3

Verse: 153, Buchstaben: 50, 131, 8648, Totalwerte: 3786, 9292, 533546

Lautes Heulen der Hirten, denn ihre Herrlichkeit ist verwüstet; lautes Gebrüll der jungen Löwen, denn die Pracht des Jordan ist verwüstet!

– 11.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 35. | 2168. | 132. | 8649. | 1. | 2 | 25 | 20_5 | ךה | KH | (al)so |
| 2. | 36. | 2169. | 134. | 8651. | 3. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר | AMR | sprach/er (=es) spricht |
| 3. | 37. | 2170. | 137. | 8654. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 38. | 2171. | 141. | 8658. | 10. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אלהי | ALHJ | mein Gott |
| 5. | 39. | 2172. | 145. | 8662. | 14. | 3 | 275 | 200_70_5 | רעה | RaH | weide |
| 6. | 40. | 2173. | 148. | 8665. | 17. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 7. | 41. | 2174. | 150. | 8667. | 19. | 3 | 141 | 90_1_50 | קאן | ßAN | (die) Herde |
| 8. | 42. | 2175. | 153. | 8670. | 22. | 5 | 218 | 5_5_200_3_5 | ההרנה | HHRGH | des Würgens/der Schlachtung |

Ende des Verses 11.4

Verse: 154, Buchstaben: 26, 157, 8674, Totalwerte: 1373, 10665, 534919

Also sprach Jahwe, mein Gott: Weide die Herde des Würgens,

– 11.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 43. | 2176. | 158. | 8675. | 1. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר | ASR | deren/welche |
| 2. | 44. | 2177. | 161. | 8678. | 4. | 5 | 215 | 100_50_10_5_50 | קניה | QNJHN | (ihre) Käufer |
| 3. | 45. | 2178. | 166. | 8683. | 9. | 5 | 268 | 10_5_200_3_50 | יהרג | JHRGN | sie (er)würgen |
| 4. | 46. | 2179. | 171. | 8688. | 14. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht/doch nicht |
| 5. | 47. | 2180. | 174. | 8691. | 17. | 5 | 357 | 10_1_300_40_6 | יאשמו | JASMW | (sie) (es) büßen (Schuld) |
| 6. | 48. | 2181. | 179. | 8696. | 22. | 7 | 331 | 6_40_20_200_10_5_50 | ומכריה | WMKRJHN | und deren Verkäufer/und ihre Verkäufer |
| 7. | 49. | 2182. | 186. | 8703. | 29. | 4 | 251 | 10_1_40_200 | יאמר | JAMR | sprechen/er spricht |
| 8. | 50. | 2183. | 190. | 8707. | 33. | 4 | 228 | 2_200_6_20 | ברוכ | BRWK | gepriesen (sei) |
| 9. | 51. | 2184. | 194. | 8711. | 37. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 10. | 52. | 2185. | 198. | 8715. | 41. | 5 | 577 | 6_1_70_300_200 | ואעשר | WAaSR | denn ich werde reich/und ich werde reich |
| 11. | 53. | 2186. | 203. | 8720. | 46. | 6 | 331 | 6_200_70_10_5_40 | ורעיהם | WRaJHM | und deren Hirten |
| 12. | 54. | 2187. | 209. | 8726. | 52. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 13. | 55. | 2188. | 211. | 8728. | 54. | 5 | 94 | 10_8_40_6_30 | יחמול | JCMWL | verschonen/er schont |
| 14. | 56. | 2189. | 216. | 8733. | 59. | 5 | 165 | 70_30_10_5_50 | עליהם | aLJHN | sie/an ihnen |

Ende des Verses 11.5

Verse: 155, Buchstaben: 63, 220, 8737, Totalwerte: 3412, 14077, 538331

deren Käufer sie erwürgen und es nicht büßen, und deren Verkäufer sprechen: Gepriesen sei Jahwe, denn ich werde reich! und deren Hirten sie nicht verschonen.

– 11.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------|-----------|-----------|------------------------------------------------------|
| 1. | 57. | 2190. | 221. | 8738. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי | KJ | denn |
| 2. | 58. | 2191. | 223. | 8740. | 3. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 3. | 59. | 2192. | 225. | 8742. | 5. | 5 | 85 | 1_8_40_6_30 | אחמול | ACMWL | ich werde (ver)schonen |
| 4. | 60. | 2193. | 230. | 8747. | 10. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | mehr/noch |
| 5. | 61. | 2194. | 233. | 8750. | 13. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /über |
| 6. | 62. | 2195. | 235. | 8752. | 15. | 4 | 322 | 10_300_2_10 | ישבי | JSBJ | die Bewohner/die Bewohnenden |
| 7. | 63. | 2196. | 239. | 8756. | 19. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARB | des Landes/das Land |
| 8. | 64. | 2197. | 243. | 8760. | 23. | 3 | 91 | 50_1_40 | ואמ | NAM | spricht/Spruch |
| 9. | 65. | 2198. | 246. | 8763. | 26. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 10. | 66. | 2199. | 250. | 8767. | 30. | 4 | 66 | 6_5_50_5 | והנה | WHNH | und siehe |
| 11. | 67. | 2200. | 254. | 8771. | 34. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי | ANKJ | ich (bin) |
| 12. | 68. | 2201. | 258. | 8775. | 38. | 5 | 181 | 40_40_90_10_1 | ממציא | MMBJA | überliefere/ausliefernd(er) |
| 13. | 69. | 2202. | 263. | 8780. | 43. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 14. | 70. | 2203. | 265. | 8782. | 45. | 4 | 50 | 5_1_4_40 | הארמ | HADM | die Menschen/den Menschen |
| 15. | 71. | 2204. | 269. | 8786. | 49. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | einen jeden |
| 16. | 72. | 2205. | 272. | 8789. | 52. | 3 | 16 | 2_10_4 | ביד | BJD | der Hand/in die Hand |
| 17. | 73. | 2206. | 275. | 8792. | 55. | 4 | 281 | 200_70_5_6 | רעהו | RaHW | seines Nächsten |
| 18. | 74. | 2207. | 279. | 8796. | 59. | 4 | 22 | 6_2_10_4 | וביד | WBJD | und der Hand/und in die Hand |
| 19. | 75. | 2208. | 283. | 8800. | 63. | 4 | 96 | 40_30_20_6 | מלכו | MLKW | seines Königs |
| 20. | 76. | 2209. | 287. | 8804. | 67. | 5 | 832 | 6_20_400_400_6 | וכתרו | WKTTW | und sie werden zertrümmern/und sie werden vernichten |
| 21. | 77. | 2210. | 292. | 8809. | 72. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 22. | 78. | 2211. | 294. | 8811. | 74. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARB | das Land |
| 23. | 79. | 2212. | 298. | 8815. | 78. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 24. | 80. | 2213. | 301. | 8818. | 81. | 4 | 131 | 1_90_10_30 | אציל | ABJL | ich werde befreien/ich rette |
| 25. | 81. | 2214. | 305. | 8822. | 85. | 4 | 94 | 40_10_4_40 | מידם | MJDM | aus ihrer Hand |

Ende des Verses 11.6

Verse: 156, Buchstaben: 88, 308, 8825, Totalwerte: 4357, 18434, 542688

Denn ich werde die Bewohner des Landes nicht mehr verschonen, spricht Jahwe; und siehe, ich überliefere die Menschen, einen jeden der Hand seines Nächsten und der Hand seines Königs; und sie werden das Land zertrümmern, und ich werde nicht aus ihrer Hand befreien. -

– 11.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 82. | 2215. | 309. | 8826. | 1. | 5 | 282 | 6_1_200_70_5 | וארעה | WARaH | und ich weidete |
| 2. | 83. | 2216. | 314. | 8831. | 6. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 84. | 2217. | 316. | 8833. | 8. | 3 | 141 | 90_1_50 | קאן | ßAN | (die) Herde |
| 4. | 85. | 2218. | 319. | 8836. | 11. | 5 | 218 | 5_5_200_3_5 | ההרגה | HHRGH | des Würgens/der Schlachtung |
| 5. | 86. | 2219. | 324. | 8841. | 16. | 3 | 100 | 30_20_50 | לכנ | LKN | mithin/also |
| 6. | 87. | 2220. | 327. | 8844. | 19. | 4 | 140 | 70_50_10_10 | עניי | aNJJ | die Elenden/(die) elend(st)en |
| 7. | 88. | 2221. | 331. | 8848. | 23. | 4 | 146 | 5_90_1_50 | הצאן | HßAN | der Herde |
| 8. | 89. | 2222. | 335. | 8852. | 27. | 4 | 115 | 6_1_100_8 | ואקח | WAQC | und ich nahm |
| 9. | 90. | 2223. | 339. | 8856. | 31. | 2 | 40 | 30_10 | לי | LJ | (zu) mir |
| 10. | 91. | 2224. | 341. | 8858. | 33. | 3 | 360 | 300_50_10 | שני | SNJ | zwei |
| 11. | 92. | 2225. | 344. | 8861. | 36. | 5 | 576 | 40_100_30_6_400 | מקלות | MLWT | Stäbe |
| 12. | 93. | 2226. | 349. | 8866. | 41. | 4 | 43 | 30_1_8_4 | לאחד | LACD | (den) einen |
| 13. | 94. | 2227. | 353. | 8870. | 45. | 5 | 711 | 100_200_1_400_10 | קראתי | QRATJ | nannte ich/ich rief |
| 14. | 95. | 2228. | 358. | 8875. | 50. | 3 | 160 | 50_70_40 | ועמ | NaM | Huld |
| 15. | 96. | 2229. | 361. | 8878. | 53. | 5 | 49 | 6_30_1_8_4 | ולאחד | WLACD | und den anderen |
| 16. | 97. | 2230. | 366. | 8883. | 58. | 5 | 711 | 100_200_1_400_10 | קראתי | QRATJ | nannte ich/ich rief |
| 17. | 98. | 2231. | 371. | 8888. | 63. | 5 | 90 | 8_2_30_10_40 | חבלימ | CBLJM | Bande/Verbindung |
| 18. | 99. | 2232. | 376. | 8893. | 68. | 5 | 282 | 6_1_200_70_5 | וארעה | WARaH | und ich weidete |
| 19. | 100. | 2233. | 381. | 8898. | 73. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 20. | 101. | 2234. | 383. | 8900. | 75. | 4 | 146 | 5_90_1_50 | הצאן | HßAN | die Herde |

Ende des Verses 11.7

Verse: 157, Buchstaben: 78, 386, 8903, Totalwerte: 5112, 23546, 547800

Und ich weidete die Herde des Würgens, mithin die Elenden der Herde; und ich nahm mir zwei Stäbe: den einen nannte ich Huld, und den anderen nannte ich Bande, und ich weidete die Herde.

– 11.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|------|------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------------|
| 1. | 102. | 2235. | 387. | 8904. | 1. | 5 | 39 | 6_1_20_8_4 | ואכחד | WAKCD | und ich vertilgte/und ich ließ vernichten |
| 2. | 103. | 2236. | 392. | 8909. | 6. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 104. | 2237. | 394. | 8911. | 8. | 4 | 1030 | 300_30_300_400 | שלשת | SLST | ((die) drei |
| 4. | 105. | 2238. | 398. | 8915. | 12. | 5 | 325 | 5_200_70_10_40 | הרעים | HRaJM | ((der) Hirten |
| 5. | 106. | 2239. | 403. | 8920. | 17. | 4 | 220 | 2_10_200_8 | בירה | BJRC | in Monat |
| 6. | 107. | 2240. | 407. | 8924. | 21. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד | ACD | einem |
| 7. | 108. | 2241. | 410. | 8927. | 24. | 5 | 796 | 6_400_100_90_200 | ותקצר | WTQßR | und ungeduldig wurde/und sie (=es) (war) unmutig |
| 8. | 109. | 2242. | 415. | 8932. | 29. | 4 | 440 | 50_80_300_10 | נפשי | NPSJ | meine Seele |
| 9. | 110. | 2243. | 419. | 8936. | 33. | 3 | 47 | 2_5_40 | בהם | BHM | über sie |
| 10. | 111. | 2244. | 422. | 8939. | 36. | 3 | 49 | 6_3_40 | וגם | WGM | und auch |
| 11. | 112. | 2245. | 425. | 8942. | 39. | 4 | 470 | 50_80_300_40 | נפשם | NPSM | ihre Seele |
| 12. | 113. | 2246. | 429. | 8946. | 43. | 4 | 45 | 2_8_30_5 | בחלה | BCLH | wurde überdrüssig/(sie) war unwillig |
| 13. | 114. | 2247. | 433. | 8950. | 47. | 2 | 12 | 2_10 | בי | BJ | meiner/gegen mich |

Ende des Verses 11.8

Verse: 158, Buchstaben: 48, 434, 8951, Totalwerte: 3887, 27433, 551687

Und ich vertilgte drei Hirten in einem Monat. Und meine Seele wurde ungeduldig über sie, und auch ihre Seele wurde meiner überdrüssig.

– 11.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|------------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 115. | 2248. | 435. | 8952. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | da sprach ich/und ich sagte |
| 2. | 116. | 2249. | 439. | 8956. | 5. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 3. | 117. | 2250. | 441. | 8958. | 7. | 4 | 276 | 1_200_70_5 | ארעה | ARaH | ich will (mehr) weiden |
| 4. | 118. | 2251. | 445. | 8962. | 11. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אהכמ | ATKM | euch |
| 5. | 119. | 2252. | 449. | 8966. | 15. | 4 | 450 | 5_40_400_5 | המתה | HMTH | was stirbt/die Sterbende |
| 6. | 120. | 2253. | 453. | 8970. | 19. | 4 | 846 | 400_40_6_400 | תמות | TMWT | mag sterben/sie stirbt |
| 7. | 121. | 2254. | 457. | 8974. | 23. | 7 | 493 | 6_5_50_20_8_4_400 | והנכחדת | WHNKCDT | und was umkommt/und das sich Verbergende |
| 8. | 122. | 2255. | 464. | 8981. | 30. | 4 | 432 | 400_20_8_4 | תכחד | TKCD | mag umkommen/sie (=es) verberge sich |
| 9. | 123. | 2256. | 468. | 8985. | 34. | 8 | 968 | 6_5_50_300_1_200_6_400 | והנשארות | WHNSARWT | und die Übrigbleibenden/und die Restlichen |
| 10. | 124. | 2257. | 476. | 8993. | 42. | 6 | 506 | 400_1_20_30_50_5 | תאכלנה | TAKLNH | ((sie) mögen fressen |
| 11. | 125. | 2258. | 482. | 8999. | 48. | 3 | 306 | 1_300_5 | אשה | ASH | eines/Frau |
| 12. | 126. | 2259. | 485. | 9002. | 51. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 13. | 127. | 2260. | 487. | 9004. | 53. | 3 | 502 | 2_300_200 | בשר | BSR | ((das) Fleisch |
| 14. | 128. | 2261. | 490. | 9007. | 56. | 5 | 681 | 200_70_6_400_5 | רעותה | RaWTH | des anderen/ihrer Genossin |

Ende des Verses 11.9

Verse: 159, Buchstaben: 60, 494, 9011, Totalwerte: 6600, 34033, 558287

Da sprach ich: Ich will euch nicht mehr weiden; was stirbt, mag sterben, und was umkommt, mag umkommen; und die Übrigbleibenden mögen eines des anderen Fleisch fressen.

– 11.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|--------------------------------------------------------|
| 1. | 129. | 2262. | 495. | 9012. | 1. | 4 | 115 | 6_1_100_8 | ואקח | WAQC | und ich nahm |
| 2. | 130. | 2263. | 499. | 9016. | 5. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 131. | 2264. | 501. | 9018. | 7. | 4 | 180 | 40_100_30_10 | סקלי | MQLJ | meinen Stab |
| 4. | 132. | 2265. | 505. | 9022. | 11. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 5. | 133. | 2266. | 507. | 9024. | 13. | 3 | 160 | 50_70_40 | נעמ | NaM | (die) Huld |
| 6. | 134. | 2267. | 510. | 9027. | 16. | 5 | 84 | 6_1_3_4_70 | ואגרע | WAGDa | und (ich) zerbrach |
| 7. | 135. | 2268. | 515. | 9032. | 21. | 3 | 407 | 1_400_6 | אתו | ATW | ihn |
| 8. | 136. | 2269. | 518. | 9035. | 24. | 5 | 325 | 30_5_80_10_200 | להפיר | LHPJR | um zu brechen |
| 9. | 137. | 2270. | 523. | 9040. | 29. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 10. | 138. | 2271. | 525. | 9042. | 31. | 5 | 622 | 2_200_10_400_10 | בריתי | BRJTJ | meinen Bund |
| 11. | 139. | 2272. | 530. | 9047. | 36. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | den/welchen |
| 12. | 140. | 2273. | 533. | 9050. | 39. | 4 | 630 | 20_200_400_10 | כרתיו | KRTJ | ich gemacht hatte/ich hatte geschnitten (=geschlossen) |
| 13. | 141. | 2274. | 537. | 9054. | 43. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | mit |
| 14. | 142. | 2275. | 539. | 9056. | 45. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | all(en) |
| 15. | 143. | 2276. | 541. | 9058. | 47. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | העמימ | HaMJM | (den) Völkern |

Ende des Verses 11.10

Verse: 160, Buchstaben: 51, 545, 9062, Totalwerte: 4843, 38876, 563130

Und ich nahm meinen Stab Huld und zerbrach ihn, um meinen Bund zu brechen, den ich mit allen Völkern gemacht hatte.

– 11.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|--------------------------------------------|
| 1. | 144. | 2277. | 546. | 9063. | 1. | 4 | 686 | 6_400_80_200 | והפך | WTPR | und er wurde gebrochen/und er wurde gelöst |
| 2. | 145. | 2278. | 550. | 9067. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 146. | 2279. | 554. | 9071. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/den jenigen |
| 4. | 147. | 2280. | 558. | 9075. | 13. | 5 | 96 | 6_10_4_70_6 | וידעו | WJDaW | und (sie) erkannten |
| 5. | 148. | 2281. | 563. | 9080. | 18. | 2 | 70 | 20_50 | ךן | KN | also |
| 6. | 149. | 2282. | 565. | 9082. | 20. | 4 | 140 | 70_50_10_10 | עניי | aNJJ | die Elenden/die elend(st)en |
| 7. | 150. | 2283. | 569. | 9086. | 24. | 4 | 146 | 5_90_1_50 | הצאן | HBAN | der Herde |
| 8. | 151. | 2284. | 573. | 9090. | 28. | 6 | 595 | 5_300_40_200_10_40 | השמרימ | HSMRJM | die achteten/die (Be)achtenden |
| 9. | 152. | 2285. | 579. | 9096. | 34. | 3 | 411 | 1_400_10 | אתי | ATJ | (auf) mich |
| 10. | 153. | 2286. | 582. | 9099. | 37. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | dass |
| 11. | 154. | 2287. | 584. | 9101. | 39. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 12. | 155. | 2288. | 587. | 9104. | 42. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 13. | 156. | 2289. | 591. | 9108. | 46. | 3 | 12 | 5_6_1 | הוא | HWA | er (=es war) |

Ende des Verses 11.11

Verse: 161, Buchstaben: 48, 593, 9110, Totalwerte: 2493, 41369, 565623

Und er wurde gebrochen an jenem Tage; und also erkannten die Elenden der Herde, die auf mich achteten, daß es das Wort Jahwes war.

– 11.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|----------------------------|
| 1. | 157. | 2290. | 594. | 9111. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר | WAMR | und ich sprach |
| 2. | 158. | 2291. | 598. | 9115. | 5. | 5 | 86 | 1_30_10_5_40 | אליהם | ALJHM | zu ihnen |
| 3. | 159. | 2292. | 603. | 9120. | 10. | 2 | 41 | 1_40 | אם | AM | wenn |
| 4. | 160. | 2293. | 605. | 9122. | 12. | 3 | 17 | 9_6_2 | טוב | tWB | (es ist) gut |
| 5. | 161. | 2294. | 608. | 9125. | 15. | 7 | 202 | 2_70_10_50_10_20_40 | בעיניכם | BaJNJKM | in euren Augen |
| 6. | 162. | 2295. | 615. | 9132. | 22. | 3 | 13 | 5_2_6 | הבו | HBW | (so) gebt (mir) |
| 7. | 163. | 2296. | 618. | 9135. | 25. | 4 | 530 | 300_20_200_10 | שכרי | SKRJ | meinen Lohn |
| 8. | 164. | 2297. | 622. | 9139. | 29. | 3 | 47 | 6_1_40 | ואם | WAM | wenn aber/und wenn |
| 9. | 165. | 2298. | 625. | 9142. | 32. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 10. | 166. | 2299. | 627. | 9144. | 34. | 4 | 48 | 8_4_30_6 | חדלו | CDLW | so lasst es/hört auf |
| 11. | 167. | 2300. | 631. | 9148. | 38. | 6 | 452 | 6_10_300_100_30_6 | וישקלו | WJSQLW | und sie wogen dar |
| 12. | 168. | 2301. | 637. | 9154. | 44. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 13. | 169. | 2302. | 639. | 9156. | 46. | 4 | 530 | 300_20_200_10 | שכרי | SKRJ | meinen Lohn |
| 14. | 170. | 2303. | 643. | 9160. | 50. | 5 | 680 | 300_30_300_10_40 | שלשים | SLSJM | dreißig |
| 15. | 171. | 2304. | 648. | 9165. | 55. | 3 | 160 | 20_60_80 | קספ | KsP | Silbersekel/Silber(stücke) |

Ende des Verses 11.12

Verse: 162, Buchstaben: 57, 650, 9167, Totalwerte: 3485, 44854, 569108

Und ich sprach zu ihnen: Wenn es gut ist in euren Augen, so gebet mir meinen Lohn, wenn aber nicht, so lasset es; und sie wogen meinen Lohn dar: dreißig Silbersekel.

– 11.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 172. | 2305. | 651. | 9168. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | da sprach/und er (=es) sprach |
| 2. | 173. | 2306. | 656. | 9173. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 174. | 2307. | 660. | 9177. | 10. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | zu mir |
| 4. | 175. | 2308. | 663. | 9180. | 13. | 7 | 376 | 5_300_30_10_20_5_6 | השליכוהו | HSLJKHW | wirf ihn (=es) |
| 5. | 176. | 2309. | 670. | 9187. | 20. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | hin/zu |
| 6. | 177. | 2310. | 672. | 9189. | 22. | 5 | 311 | 5_10_6_90_200 | היוצר | HJWBR | dem Töpfer |
| 7. | 178. | 2311. | 677. | 9194. | 27. | 3 | 205 | 1_4_200 | אדר | ADR | den Preis/(die) Pracht |
| 8. | 179. | 2312. | 680. | 9197. | 30. | 4 | 315 | 5_10_100_200 | היקר | HJQR | herrlichen/der Kostbarkeit |
| 9. | 180. | 2313. | 684. | 9201. | 34. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | dessen/die |
| 10. | 181. | 2314. | 687. | 9204. | 37. | 5 | 720 | 10_100_200_400_10 | יקרתי | JQRTJ | ich bin wert/geachtet) |
| 11. | 182. | 2315. | 692. | 9209. | 42. | 6 | 195 | 40_70_30_10_5_40 | מעליהם | MaLJHM | von ihnen/vor ihnen |
| 12. | 183. | 2316. | 698. | 9215. | 48. | 5 | 120 | 6_1_100_8_5 | ואקחה | WAQCH | und ich nahm |
| 13. | 184. | 2317. | 703. | 9220. | 53. | 5 | 680 | 300_30_300_10_40 | שלשים | SLSJM | (die) dreißig |
| 14. | 185. | 2318. | 708. | 9225. | 58. | 4 | 165 | 5_20_60_80 | הכסף | HKsP | Silbersekel/der Silberstücke |
| 15. | 186. | 2319. | 712. | 9229. | 62. | 6 | 367 | 6_1_300_30_10_20 | ואשליכ | WASLJK | und (ich) warf |
| 16. | 187. | 2320. | 718. | 9235. | 68. | 3 | 407 | 1_400_6 | אתו | ATW | sie/ihn (=es) |
| 17. | 188. | 2321. | 721. | 9238. | 71. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | ind das Haus/(im) Haus |
| 18. | 189. | 2322. | 724. | 9241. | 74. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 19. | 190. | 2323. | 728. | 9245. | 78. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | hin/zu |
| 20. | 191. | 2324. | 730. | 9247. | 80. | 5 | 311 | 5_10_6_90_200 | היוצר | HJWBR | dem Töpfer |

Ende des Verses 11.13

Verse: 163, Buchstaben: 84, 734, 9251, Totalwerte: 5497, 50351, 574605

Da sprach Jahwe zu mir: Wirf ihn dem Töpfer hin, den herrlichen Preis, dessen ich von ihnen wertgeachtet bin! Und ich nahm die dreißig Silbersekel und warf sie in das Haus Jahwes, dem Töpfer hin.

– 11.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 192. | 2325. | 735. | 9252. | 1. | 5 | 84 | 6_1_3_4_70 | ואנדע | WAGDa | und ich zerbrach |
| 2. | 193. | 2326. | 740. | 9257. | 6. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 194. | 2327. | 742. | 9259. | 8. | 4 | 180 | 40_100_30_10 | סקלי | MQLJ | meinen Stab |
| 4. | 195. | 2328. | 746. | 9263. | 12. | 4 | 365 | 5_300_50_10 | השני | HSNJ | (den) zweiten |
| 5. | 196. | 2329. | 750. | 9267. | 16. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 6. | 197. | 2330. | 752. | 9269. | 18. | 6 | 95 | 5_8_2_30_10_40 | החבלימ | HCBLJM | die Bande/die Verbindung |
| 7. | 198. | 2331. | 758. | 9275. | 24. | 4 | 315 | 30_5_80_200 | להפר | LHPR | (um) zu brechen |
| 8. | 199. | 2332. | 762. | 9279. | 28. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 9. | 200. | 2333. | 764. | 9281. | 30. | 5 | 25 | 5_1_8_6_5 | האחזה | HACWH | die Brüderschaft/die Bruderschaft |
| 10. | 201. | 2334. | 769. | 9286. | 35. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 11. | 202. | 2335. | 772. | 9289. | 38. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 12. | 203. | 2336. | 777. | 9294. | 43. | 4 | 68 | 6_2_10_50 | ובין | WBJN | und (zwischen) |
| 13. | 204. | 2337. | 781. | 9298. | 47. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל | JSRAL | Israel |

Ende des Verses 11.14

Verse: 164, Buchstaben: 51, 785, 9302, Totalwerte: 2968, 53319, 577573

Und ich zerbrach meinen zweiten Stab, die Bande, um die Brüderschaft zwischen Juda und Israel zu brechen. -

– 11.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|-----------------------|
| 1. | 205. | 2338. | 786. | 9303. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und (er (=es)) sprach |
| 2. | 206. | 2339. | 791. | 9308. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 207. | 2340. | 795. | 9312. | 10. | 3 | 41 | 1_30_10 | אֵלַי | ALJ | zu mir |
| 4. | 208. | 2341. | 798. | 9315. | 13. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוֹד | aWD | noch(mals) |
| 5. | 209. | 2342. | 801. | 9318. | 16. | 2 | 108 | 100_8 | קַח | QC | nimm |
| 6. | 210. | 2343. | 803. | 9320. | 18. | 2 | 50 | 30_20 | לְךָ | LK | (zu) dir |
| 7. | 211. | 2344. | 805. | 9322. | 20. | 3 | 60 | 20_30_10 | כְּלִי | KLJ | das Gerät/(ein) Gerät |
| 8. | 212. | 2345. | 808. | 9325. | 23. | 3 | 275 | 200_70_5 | רֹעֵה | RaH | eines Hirt(en) |
| 9. | 213. | 2346. | 811. | 9328. | 26. | 4 | 47 | 1_6_30_10 | אוֹלֵי | AWLJ | törichten |

Ende des Verses 11.15

Verse: 165, Buchstaben: 29, 814, 9331, Totalwerte: 944, 54263, 578517

Und Jahwe sprach zu mir: Nimm dir noch das Gerät eines törichten Hirten.

– 11.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|---------------------------------------|-----------------|
| 1. | 214. | 2347. | 815. | 9332. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | ךי KJ | denn | |
| 2. | 215. | 2348. | 817. | 9334. | 3. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה HNH | siehe | |
| 3. | 216. | 2349. | 820. | 9337. | 6. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי ANKJ | ich (bin) | |
| 4. | 217. | 2350. | 824. | 9341. | 10. | 4 | 190 | 40_100_10_40 | מקימ MQJM | erwecke/erstehen machend(er) | |
| 5. | 218. | 2351. | 828. | 9345. | 14. | 3 | 275 | 200_70_5 | רעה RaH | einen Hirten | |
| 6. | 219. | 2352. | 831. | 9348. | 17. | 4 | 293 | 2_1_200_90 | בארצ BARß | im Lande | |
| 7. | 220. | 2353. | 835. | 9352. | 21. | 7 | 493 | 5_50_20_8_4_6_400 | הנכחדות HNKCDWT | der Umkommenden/(der) die Verbor- | genen |
| 8. | 221. | 2354. | 842. | 9359. | 28. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 9. | 222. | 2355. | 844. | 9361. | 30. | 4 | 194 | 10_80_100_4 | יפקד JPQD | er wird sich annehmen/(er) (auf)sucht | |
| 10. | 223. | 2356. | 848. | 9365. | 34. | 4 | 325 | 5_50_70_200 | הנער HNaR | das Versprengte/das Junge | |
| 11. | 224. | 2357. | 852. | 9369. | 38. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 12. | 225. | 2358. | 854. | 9371. | 40. | 4 | 412 | 10_2_100_300 | יבקש JBQS | wird er suchen/(er) sucht | |
| 13. | 226. | 2359. | 858. | 9375. | 44. | 7 | 963 | 6_5_50_300_2_200_400 | והנשברת WHNSBRT | und das Verwundete/und das Ge- | brochene |
| 14. | 227. | 2360. | 865. | 9382. | 51. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 15. | 228. | 2361. | 867. | 9384. | 53. | 4 | 291 | 10_200_80_1 | ירפא JRPA | heilen/(er) heilt | |
| 16. | 229. | 2362. | 871. | 9388. | 57. | 5 | 152 | 5_50_90_2_5 | הנצבה HNßBH | das Gesunde/und das Stehende | |
| 17. | 230. | 2363. | 876. | 9393. | 62. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 18. | 231. | 2364. | 878. | 9395. | 64. | 5 | 110 | 10_20_30_20_30 | יכלכל JKLKL | wird er versorgen/(er) versorgt | |
| 19. | 232. | 2365. | 883. | 9400. | 69. | 4 | 508 | 6_2_300_200 | ובשר WBSR | und (das) Fleisch | |
| 20. | 233. | 2366. | 887. | 9404. | 73. | 6 | 223 | 5_2_200_10_1_5 | הבריאה HBRJAH | des Fettes/des Gemästeten | |
| 21. | 234. | 2367. | 893. | 9410. | 79. | 4 | 61 | 10_1_20_30 | יאכל JAKL | wird er essen/er isst | |
| 22. | 235. | 2368. | 897. | 9414. | 83. | 7 | 411 | 6_80_200_60_10_5_50 | ופרסיהנ WPRsJHN | und ihre Klauen | |
| 23. | 236. | 2369. | 904. | 9421. | 90. | 4 | 390 | 10_80_200_100 | יפרק JPRQ | zerreißen/er reißt ab | |

Ende des Verses 11.16

Verse: 166, Buchstaben: 93, 907, 9424, Totalwerte: 5586, 59849, 584103

Denn siehe, ich erwecke einen Hirten im Lande: der Umkommenden wird er sich nicht annehmen, das Versprengte wird er nicht suchen, und das Verwundete nicht heilen; das Gesunde wird er nicht versorgen, und das Fleisch des Fettes wird er essen und ihre Klauen zerreißen.

– 11.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------|
| 1. | 237. | 2370. | 908. | 9425. | 1. | 3 | 21 | 5_6_10 | הוי | HWJ | wehe |
| 2. | 238. | 2371. | 911. | 9428. | 4. | 3 | 280 | 200_70_10 | רעי | RaJ | dem Hirten/meinem Hirten |
| 3. | 239. | 2372. | 914. | 9431. | 7. | 5 | 76 | 5_1_30_10_30 | האליל | HALJL | nichtigen/die Nichtigkeit |
| 4. | 240. | 2373. | 919. | 9436. | 12. | 4 | 89 | 70_7_2_10 | עזבי | aZBJ | der verlässt/meinem Verlassenden |
| 5. | 241. | 2374. | 923. | 9440. | 16. | 4 | 146 | 5_90_1_50 | הצאנ | HBAN | die Herde |
| 6. | 242. | 2375. | 927. | 9444. | 20. | 3 | 210 | 8_200_2 | חרב | CRB | das Schwert |
| 7. | 243. | 2376. | 930. | 9447. | 23. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | (komme) über |
| 8. | 244. | 2377. | 932. | 9449. | 25. | 5 | 289 | 7_200_6_70_6 | זרועו | ZRWaW | seinen Arm |
| 9. | 245. | 2378. | 937. | 9454. | 30. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und über/und auf(s) |
| 10. | 246. | 2379. | 940. | 9457. | 33. | 3 | 130 | 70_10_50 | עין | aJN | (sein) Auge |
| 11. | 247. | 2380. | 943. | 9460. | 36. | 5 | 116 | 10_40_10_50_6 | ימינו | JMJNW | rechtes/seine Rechte |
| 12. | 248. | 2381. | 948. | 9465. | 41. | 4 | 283 | 7_200_70_6 | זרעו | ZRaW | sein Arm |
| 13. | 249. | 2382. | 952. | 9469. | 45. | 4 | 318 | 10_2_6_300 | יבוש | JBWS | soll verdorren/ein Verdorren |
| 14. | 250. | 2383. | 956. | 9473. | 49. | 4 | 712 | 400_10_2_300 | חיבש | TJBS | (gänzlich) verdorren/sie (=es) wird verdorren |
| 15. | 251. | 2384. | 960. | 9477. | 53. | 4 | 136 | 6_70_10_50 | ועין | WaJN | und (das) Auge |
| 16. | 252. | 2385. | 964. | 9481. | 57. | 5 | 116 | 10_40_10_50_6 | ימינו | JMJNW | sein rechtes/seine Rechte |
| 17. | 253. | 2386. | 969. | 9486. | 62. | 3 | 30 | 20_5_5 | ךהה | KHH | erlöschen/ein Erblinden |
| 18. | 254. | 2387. | 972. | 9489. | 65. | 4 | 430 | 400_20_5_5 | תכהה | TKHH | (völlig) erlöschen/sie (=es) wird erblinden |

Ende des Verses 11.17

Verse: 167, Buchstaben: 68, 975, 9492, Totalwerte: 3588, 63437, 587691

Wehe dem nichtigen Hirten, der die Herde verläßt! Das Schwert über seinen Arm und über sein rechtes Auge! Sein Arm soll gänzlich verdorren, und sein rechtes Auge völlig erlöschen.

Ende des Kapitels 11

– 12.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-------------------------------------|-----------------|
| 1. | 1. | 2388. | 1. | 9493. | 1. | 3 | 341 | 40_300_1 | מִשָּׂא MSA | Ausspruch/(Last)Spruch | |
| 2. | 2. | 2389. | 4. | 9496. | 4. | 3 | 206 | 4_2_200 | דְּבַר DBR | (des) Wort(es) | |
| 3. | 3. | 2390. | 7. | 9499. | 7. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה JHWH | Jahwe(s) | |
| 4. | 4. | 2391. | 11. | 9503. | 11. | 2 | 100 | 70_30 | עַל aL | über | |
| 5. | 5. | 2392. | 13. | 9505. | 13. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | יִשְׂרָאֵל JSRAL | Israel | |
| 6. | 6. | 2393. | 18. | 9510. | 18. | 3 | 91 | 50_1_40 | נֹאֵם NAM | es spricht/Spruch | |
| 7. | 7. | 2394. | 21. | 9513. | 21. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה JHWH | Jahwe(s) | |
| 8. | 8. | 2395. | 25. | 9517. | 25. | 3 | 64 | 50_9_5 | נֹטֵה NtH | der ausspannt/(des) Ausspannend(en) | |
| 9. | 9. | 2396. | 28. | 9520. | 28. | 4 | 390 | 300_40_10_40 | שָׁמַיִם SMJM | den Himmel/ Himmel | |
| 10. | 10. | 2397. | 32. | 9524. | 32. | 4 | 80 | 6_10_60_4 | וַיִּסַּד WJsD | und gründet/und Gründenden | |
| 11. | 11. | 2398. | 36. | 9528. | 36. | 3 | 291 | 1_200_90 | אֲרֶצַּע ARß | die Erde | |
| 12. | 12. | 2399. | 39. | 9531. | 39. | 4 | 306 | 6_10_90_200 | וַיַּצֵּר WJßR | und bildet/und Bildenden | |
| 13. | 13. | 2400. | 43. | 9535. | 43. | 3 | 214 | 200_6_8 | רוּחַ RWC | (den) Geist | |
| 14. | 14. | 2401. | 46. | 9538. | 46. | 3 | 45 | 1_4_40 | אָדָם ADM | des Menschen | |
| 15. | 15. | 2402. | 49. | 9541. | 49. | 5 | 310 | 2_100_200_2_6 | בְּקִרְבוֹ BQRBW | in seinem Inneren | |

Ende des Verses 12.1

Verse: 168, Buchstaben: 53, 53, 9545, Totalwerte: 3031, 3031, 590722

Ausspruch des Wortes Jahwes über Israel. Es spricht Jahwe, der den Himmel ausspannt und die Erde gründet, und des Menschen Geist in seinem Innern bildet:

– 12.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 16. | 2403. | 54. | 9546. | 1. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה | HNH | siehe |
| 2. | 17. | 2404. | 57. | 9549. | 4. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי | ANKJ | ich (bin) |
| 3. | 18. | 2405. | 61. | 9553. | 8. | 2 | 340 | 300_40 | שמ | SM | mache(nd) |
| 4. | 19. | 2406. | 63. | 9555. | 10. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | /mit |
| 5. | 20. | 2407. | 65. | 9557. | 12. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 6. | 21. | 2408. | 71. | 9563. | 18. | 2 | 140 | 60_80 | ספ | sP | zu einer Schale/eine Kelch |
| 7. | 22. | 2409. | 73. | 9565. | 20. | 3 | 300 | 200_70_30 | רעל | RaL | (des) Taumel(s) |
| 8. | 23. | 2410. | 76. | 9568. | 23. | 3 | 80 | 30_20_30 | לכל | LKL | für all(e) |
| 9. | 24. | 2411. | 79. | 9571. | 26. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | העמימ | HaMJM | (die) Völker |
| 10. | 25. | 2412. | 84. | 9576. | 31. | 4 | 74 | 60_2_10_2 | סביב | sBJB | ringsum |
| 11. | 26. | 2413. | 88. | 9580. | 35. | 3 | 49 | 6_3_40 | ונם | WGM | und auch |
| 12. | 27. | 2414. | 91. | 9583. | 38. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über/auf |
| 13. | 28. | 2415. | 93. | 9585. | 40. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 14. | 29. | 2416. | 98. | 9590. | 45. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | wird es kommen/er (=es) ist |
| 15. | 30. | 2417. | 102. | 9594. | 49. | 5 | 338 | 2_40_90_6_200 | במצור | BMßWR | bei der Belagerung |
| 16. | 31. | 2418. | 107. | 9599. | 54. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | von/gegen |
| 17. | 32. | 2419. | 109. | 9601. | 56. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |

Ende des Verses 12.2

Verse: 169, Buchstaben: 61, 114, 9606, Totalwerte: 3460, 6491, 594182

Siehe, ich mache Jerusalem zu einer Taumelschale für alle Völker ringsum; und auch über Juda wird es kommen bei der Belagerung von Jerusalem.

– 12.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------------|
| 1. | 33. | 2420. | 115. | 9607. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 34. | 2421. | 119. | 9611. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 35. | 2422. | 123. | 9615. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 36. | 2423. | 127. | 9619. | 13. | 4 | 351 | 1_300_10_40 | אשימ | ASJM | da werde ich machen/ich setze |
| 5. | 37. | 2424. | 131. | 9623. | 17. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | /aus |
| 6. | 38. | 2425. | 133. | 9625. | 19. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 7. | 39. | 2426. | 139. | 9631. | 25. | 3 | 53 | 1_2_50 | אבן | ABN | zu einem Stein/(einen) Stein |
| 8. | 40. | 2427. | 142. | 9634. | 28. | 5 | 215 | 40_70_40_60_5 | מעמסה | MaMsH | ((der) Last/der Bürde |
| 9. | 41. | 2428. | 147. | 9639. | 33. | 3 | 80 | 30_20_30 | לכל | LKL | für all(e) |
| 10. | 42. | 2429. | 150. | 9642. | 36. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | העמימ | HaMJM | ((die) Völker |
| 11. | 43. | 2430. | 155. | 9647. | 41. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | alle |
| 12. | 44. | 2431. | 157. | 9649. | 43. | 5 | 185 | 70_40_60_10_5 | עמסיה | aMsJH | die ihn aufladen (wollen) |
| 13. | 45. | 2432. | 162. | 9654. | 48. | 4 | 515 | 300_200_6_9 | שרוט | SRWt | werden sich verwunden/ein Wundritzen |
| 14. | 46. | 2433. | 166. | 9658. | 52. | 5 | 525 | 10_300_200_9_6 | ישרטו | JSRtW | ((gewisslich) daran verwunden/werden sie sich wundritzen |
| 15. | 47. | 2434. | 171. | 9663. | 57. | 6 | 203 | 6_50_1_60_80_6 | ונאספו | WNApPW | und versammeln werden sich/und sie (=es) sammeln sich |
| 16. | 48. | 2435. | 177. | 9669. | 63. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עליה | aLJH | wider dasselbe/gegen sie (=es) |
| 17. | 49. | 2436. | 181. | 9673. | 67. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | alle |
| 18. | 50. | 2437. | 183. | 9675. | 69. | 4 | 29 | 3_6_10_10 | גויי | GWJJ | Nationen/Volksstämme |
| 19. | 51. | 2438. | 187. | 9679. | 73. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | der Erde |

Ende des Verses 12.3

Verse: 170, Buchstaben: 76, 190, 9682, Totalwerte: 3920, 10411, 598102

Und es wird geschehen an jenem Tage, da werde ich Jerusalem zu einem Laststein machen für alle Völker: alle, die ihn aufladen wollen, werden sich gewißlich daran verwunden. Und alle Nationen der Erde werden sich wider dasselbe versammeln.

– 12.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|---------------|----------------------------------------|-----------------|
| 1. | 52. | 2439. | 191. | 9683. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום BJWM | an Tag/am Tag | |
| 2. | 53. | 2440. | 195. | 9687. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא HHWA | jenem/dem jenigen | |
| 3. | 54. | 2441. | 199. | 9691. | 9. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 4. | 55. | 2442. | 202. | 9694. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 5. | 56. | 2443. | 206. | 9698. | 16. | 3 | 26 | 1_20_5 | אכה AKH | ich werde schlagen | |
| 6. | 57. | 2444. | 209. | 9701. | 19. | 2 | 50 | 20_30 | ךל KL | alle/jedes | |
| 7. | 58. | 2445. | 211. | 9703. | 21. | 3 | 126 | 60_6_60 | סוס sWs | Ross(e) | |
| 8. | 59. | 2446. | 214. | 9706. | 24. | 6 | 503 | 2_400_40_5_6_50 | בתמהון BTMHWN | mit Scheuwerden/mit Verwirrung | |
| 9. | 60. | 2447. | 220. | 9712. | 30. | 5 | 234 | 6_200_20_2_6 | ורכבו WRKBW | und ihre Reiter/und seinen Reiter | |
| 10. | 61. | 2448. | 225. | 9717. | 35. | 6 | 431 | 2_300_3_70_6_50 | בשגעון BSGaWN | mit Wahnsinn | |
| 11. | 62. | 2449. | 231. | 9723. | 41. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל WaL | und über | |
| 12. | 63. | 2450. | 234. | 9726. | 44. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית BJT | das Haus | |
| 13. | 64. | 2451. | 237. | 9729. | 47. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה JHWDH | Juda | |
| 14. | 65. | 2452. | 242. | 9734. | 52. | 4 | 189 | 1_80_100_8 | אפקח APQC | werde ich offen halten/ich halte offen | |
| 15. | 66. | 2453. | 246. | 9738. | 56. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 16. | 67. | 2454. | 248. | 9740. | 58. | 4 | 140 | 70_10_50_10 | עני aJNJ | meine Augen | |
| 17. | 68. | 2455. | 252. | 9744. | 62. | 3 | 56 | 6_20_30 | וכל WKL | und alle/und jedes | |
| 18. | 69. | 2456. | 255. | 9747. | 65. | 3 | 126 | 60_6_60 | סוס sWs | Ross(e) | |
| 19. | 70. | 2457. | 258. | 9750. | 68. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | העמימ HaMJM | der Völker | |
| 20. | 71. | 2458. | 263. | 9755. | 73. | 3 | 26 | 1_20_5 | אכה AKH | schlagen/ich schlage | |
| 21. | 72. | 2459. | 266. | 9758. | 76. | 6 | 334 | 2_70_6_200_6_50 | בעורון BaWRWN | mit Blindheit | |

Ende des Verses 12.4

Verse: 171, Buchstaben: 81, 271, 9763, Totalwerte: 3547, 13958, 601649

An jenem Tage, spricht Jahwe, werde ich alle Rosse mit Scheuwerden und ihre Reiter mit Wahnsinn schlagen; und über das Haus Juda werde ich meine Augen offen halten, und alle Rosse der Völker mit Blindheit schlagen.

– 12.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 73. | 2460. | 272. | 9764. | 1. | 5 | 253 | 6_1_40_200_6 | ואמרו | WAMRW | und sprechen werden/und sie sagen |
| 2. | 74. | 2461. | 277. | 9769. | 6. | 4 | 121 | 1_30_80_10 | אלפי | ALPJ | die Fürsten/die Stammhäupter |
| 3. | 75. | 2462. | 281. | 9773. | 10. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | (von) Juda |
| 4. | 76. | 2463. | 286. | 9778. | 15. | 4 | 74 | 2_30_2_40 | בלבם | BLBM | in ihrem Herzen |
| 5. | 77. | 2464. | 290. | 9782. | 19. | 4 | 136 | 1_40_90_5 | אמצה | AMBH | (eine) Stärke |
| 6. | 78. | 2465. | 294. | 9786. | 23. | 2 | 40 | 30_10 | לי | LJ | (sind) mir |
| 7. | 79. | 2466. | 296. | 9788. | 25. | 4 | 322 | 10_300_2_10 | ישבי | JSBJ | die Bewohner |
| 8. | 80. | 2467. | 300. | 9792. | 29. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | von Jerusalem/Jerusalem(s) |
| 9. | 81. | 2468. | 306. | 9798. | 35. | 5 | 28 | 2_10_5_6_5 | ביהוה | BJHWH | in Jahwe/durch Jahwe |
| 10. | 82. | 2469. | 311. | 9803. | 40. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 11. | 83. | 2470. | 316. | 9808. | 45. | 6 | 91 | 1_30_5_10_5_40 | אלהיהם | ALHJHM | ihrem Gott/ihren Gott |

Ende des Verses 12.5

Verse: 172, Buchstaben: 50, 321, 9813, Totalwerte: 2180, 16138, 603829

Und die Fürsten von Juda werden in ihrem Herzen sprechen: Eine Stärke sind mir die Bewohner von Jerusalem in Jahwe der Heerscharen, ihrem Gott. -

– 12.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|---------------------------------------------|
| 1. | 84. | 2471. | 322. | 9814. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 2. | 85. | 2472. | 326. | 9818. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem selben |
| 3. | 86. | 2473. | 330. | 9822. | 9. | 4 | 351 | 1_300_10_40 | אשימ | ASJM | werde ich machen/ich mache |
| 4. | 87. | 2474. | 334. | 9826. | 13. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 5. | 88. | 2475. | 336. | 9828. | 15. | 4 | 121 | 1_30_80_10 | אלפי | ALPJ | die Fürsten/die Stammhäupter |
| 6. | 89. | 2476. | 340. | 9832. | 19. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | (von) Juda |
| 7. | 90. | 2477. | 345. | 9837. | 24. | 5 | 256 | 20_20_10_6_200 | ככיר | KKJWR | gleich einem Becken/wie ein Becken |
| 8. | 91. | 2478. | 350. | 9842. | 29. | 2 | 301 | 1_300 | אש | AS | (von) Feuer |
| 9. | 92. | 2479. | 352. | 9844. | 31. | 5 | 212 | 2_70_90_10_40 | בעצים | BaBJM | unter Holzstücken/unter Hölzern |
| 10. | 93. | 2480. | 357. | 9849. | 36. | 6 | 150 | 6_20_30_80_10_4 | וכלפיד | WKLPJD | und gleich einer Fackel/und wie eine Fackel |
| 11. | 94. | 2481. | 363. | 9855. | 42. | 2 | 301 | 1_300 | אש | AS | (von) Feuer/(von) Brand |
| 12. | 95. | 2482. | 365. | 9857. | 44. | 5 | 322 | 2_70_40_10_200 | בעמיר | BaMJR | unter Garben/an einer Garbe |
| 13. | 96. | 2483. | 370. | 9862. | 49. | 5 | 63 | 6_1_20_30_6 | ואכלו | WAKLW | und sie werden verzehren |
| 14. | 97. | 2484. | 375. | 9867. | 54. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | zur |
| 15. | 98. | 2485. | 377. | 9869. | 56. | 4 | 110 | 10_40_10_50 | ימי | JMJN | Rechten |
| 16. | 99. | 2486. | 381. | 9873. | 60. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und zur |
| 17. | 100. | 2487. | 384. | 9876. | 63. | 5 | 377 | 300_40_1_6_30 | שמאול | SMAWL | Linken |
| 18. | 101. | 2488. | 389. | 9881. | 68. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 19. | 102. | 2489. | 391. | 9883. | 70. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | alle |
| 20. | 103. | 2490. | 393. | 9885. | 72. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | העמים | HaMJM | (die) Völker |
| 21. | 104. | 2491. | 398. | 9890. | 77. | 4 | 74 | 60_2_10_2 | סביב | sBJB | ringsum |
| 22. | 105. | 2492. | 402. | 9894. | 81. | 5 | 323 | 6_10_300_2_5 | וישבה | WJSBH | und wohnen wird/und sie (=es) wird bleiben |
| 23. | 106. | 2493. | 407. | 9899. | 86. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 24. | 107. | 2494. | 413. | 9905. | 92. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | fortan/auch fernerhin |
| 25. | 108. | 2495. | 416. | 9908. | 95. | 5 | 823 | 400_8_400_10_5 | תחתיה | TCTJH | an seiner Stätte/an ihrer Stelle |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|------|------|-----|----------------------|------------------|-----------|-----------------|
| 26. | 109. | 2496. | 421. | 9913. | 100. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בִּירוּשָׁלַם | BJRWSLM | in Jerusalem |

Ende des Verses 12.6

Verse: 173, Buchstaben: 106, 427, 9919, Totalwerte: 6366, 22504, 610195

An jenem Tage werde ich die Fürsten von Juda machen gleich einem Feuerbecken unter Holzstücken und gleich einer Feuerfackel unter Garben; und sie werden zur Rechten und zur Linken alle Völker ringsum verzehren. Und fortan wird Jerusalem an seiner Stätte wohnen in Jerusalem.

– 12.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|-------|-----|------|------|--------------------|-----------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 110. | 2497. | 428. | 9920. | 1. | 6 | 397 | 6_5_6_300_10_70 | והושיע | WHWSJa | und retten wird/und er (=es) wird retten |
| 2. | 111. | 2498. | 434. | 9926. | 7. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 112. | 2499. | 438. | 9930. | 11. | 2 | 401 | 1_400 | אח | AT | ** |
| 4. | 113. | 2500. | 440. | 9932. | 13. | 4 | 46 | 1_5_30_10 | אהלי | AHLJ | die Zelte |
| 5. | 114. | 2501. | 444. | 9936. | 17. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Judas/(von) Juda |
| 6. | 115. | 2502. | 449. | 9941. | 22. | 6 | 558 | 2_200_1_300_50_5 | בראשנה | BRASNH | zuerst |
| 7. | 116. | 2503. | 455. | 9947. | 28. | 4 | 190 | 30_40_70_50 | למען | LMaN | auf dass/damit |
| 8. | 117. | 2504. | 459. | 9951. | 32. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 9. | 118. | 2505. | 461. | 9953. | 34. | 4 | 437 | 400_3_4_30 | תגדל | TGDL | sich erhebe/sie (=er) groß werde |
| 10. | 119. | 2506. | 465. | 9957. | 38. | 5 | 1081 | 400_80_1_200_400 | תפארת | TPART | die Pracht/der Ruhm |
| 11. | 120. | 2507. | 470. | 9962. | 43. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses |
| 12. | 121. | 2508. | 473. | 9965. | 46. | 4 | 24 | 4_6_10_4 | דויד | DWJD | David(s)//<Geliebter> |
| 13. | 122. | 2509. | 477. | 9969. | 50. | 6 | 1087 | 6_400_80_1_200_400 | ותפארת | WTPART | und die Pracht/und die Ehre |
| 14. | 123. | 2510. | 483. | 9975. | 56. | 3 | 312 | 10_300_2 | ישב | JSB | der Bewohner/des Bewohnenden |
| 15. | 124. | 2511. | 486. | 9978. | 59. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | von Jerusalem/Jerusalem(s) |
| 16. | 125. | 2512. | 492. | 9984. | 65. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 17. | 126. | 2513. | 494. | 9986. | 67. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |

Ende des Verses 12.7

Verse: 174, Buchstaben: 71, 498, 9990, Totalwerte: 5748, 28252, 615943

Und Jahwe wird die Zelte Judas zuerst retten, auf daß die Pracht des Hauses Davids und die Pracht der Bewohner von Jerusalem sich nicht über Juda erhebe. -

– 12.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 127. | 2514. | 499. | 9991. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 2. | 128. | 2515. | 503. | 9995. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 3. | 129. | 2516. | 507. | 9999. | 9. | 3 | 63 | 10_3_50 | יגן | JGN | (er) wird beschirmen |
| 4. | 130. | 2517. | 510. | 10002. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 131. | 2518. | 514. | 10006. | 16. | 3 | 76 | 2_70_4 | בעד | BaD | /durch |
| 6. | 132. | 2519. | 517. | 10009. | 19. | 4 | 318 | 10_6_300_2 | יושב | JWSB | die Bewohner/den Bewohner |
| 7. | 133. | 2520. | 521. | 10013. | 23. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | (von) Jerusalem |
| 8. | 134. | 2521. | 527. | 10019. | 29. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und (er (=es)) wird sein |
| 9. | 135. | 2522. | 531. | 10023. | 33. | 5 | 405 | 5_50_20_300_30 | הנכשל | HNKSL | der Strauchelnde |
| 10. | 136. | 2523. | 536. | 10028. | 38. | 3 | 47 | 2_5_40 | בהם | BHM | unter ihnen |
| 11. | 137. | 2524. | 539. | 10031. | 41. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 12. | 138. | 2525. | 543. | 10035. | 45. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 13. | 139. | 2526. | 547. | 10039. | 49. | 5 | 44 | 20_4_6_10_4 | כדוד | KDWJD | wie David |
| 14. | 140. | 2527. | 552. | 10044. | 54. | 4 | 418 | 6_2_10_400 | ובית | WBJT | und das Haus |
| 15. | 141. | 2528. | 556. | 10048. | 58. | 4 | 24 | 4_6_10_4 | דוד | DWJD | David |
| 16. | 142. | 2529. | 560. | 10052. | 62. | 6 | 106 | 20_1_30_5_10_40 | כאלהים | KALHJM | wie Gott(wesen) |
| 17. | 143. | 2530. | 566. | 10058. | 68. | 5 | 111 | 20_40_30_1_20 | כמלאכ | KMLAK | wie der Engel/wie (ein) Bote |
| 18. | 144. | 2531. | 571. | 10063. | 73. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 19. | 145. | 2532. | 575. | 10067. | 77. | 6 | 215 | 30_80_50_10_5_40 | לפניהם | LPNJHM | vor ihnen her/vor ihren Gesichtern |

Ende des Verses 12.8

Verse: 175, Buchstaben: 82, 580, 10072, Totalwerte: 2641, 30893, 618584

An jenem Tage wird Jahwe die Bewohner von Jerusalem beschirmen; und der Strauchelnde unter ihnen wird an jenem Tage wie David sein, und das Haus Davids wie Gott, wie der Engel Jahwes vor ihnen her.

– 12.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 146. | 2533. | 581. | 10073. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 147. | 2534. | 585. | 10077. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 148. | 2535. | 589. | 10081. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 149. | 2536. | 593. | 10085. | 13. | 4 | 403 | 1_2_100_300 | אבקש | ABQS | (da) ich werde suchen |
| 5. | 150. | 2537. | 597. | 10089. | 17. | 6 | 389 | 30_5_300_40_10_4 | להשמיר | LHSMJD | zu vertilgen/zu vernichten |
| 6. | 151. | 2538. | 603. | 10095. | 23. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 7. | 152. | 2539. | 605. | 10097. | 25. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | alle |
| 8. | 153. | 2540. | 607. | 10099. | 27. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | Nationen/die Völker |
| 9. | 154. | 2541. | 612. | 10104. | 32. | 5 | 58 | 5_2_1_10_40 | הבאים | HBAJM | die heranziehen/die (heran)kommenden |
| 10. | 155. | 2542. | 617. | 10109. | 37. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wider/gegen |
| 11. | 156. | 2543. | 619. | 10111. | 39. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |

Ende des Verses 12.9

Verse: 176, Buchstaben: 44, 624, 10116, Totalwerte: 2152, 33045, 620736

Und es wird geschehen an jenem Tage, da werde ich alle Nationen zu vertilgen suchen, die wider Jerusalem heranziehen.

– 12.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------|
| 1. | 157. | 2544. | 625. | 10117. | 1. | 6 | 816 | 6_300_80_20_400_10 | ושפכתי | WSPKTJ | und ich werde ausgießen/und ich gieße aus |
| 2. | 158. | 2545. | 631. | 10123. | 7. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 3. | 159. | 2546. | 633. | 10125. | 9. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | das Haus |
| 4. | 160. | 2547. | 636. | 10128. | 12. | 4 | 24 | 4_6_10_4 | דויד | DWJD | David(s) |
| 5. | 161. | 2548. | 640. | 10132. | 16. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und über |
| 6. | 162. | 2549. | 643. | 10135. | 19. | 4 | 318 | 10_6_300_2 | יושב | JWSB | die Bewohner/den Bewohner |
| 7. | 163. | 2550. | 647. | 10139. | 23. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | ((von) Jerusalem |
| 8. | 164. | 2551. | 653. | 10145. | 29. | 3 | 214 | 200_6_8 | רוח | RWC | ((den) Geist |
| 9. | 165. | 2552. | 656. | 10148. | 32. | 2 | 58 | 8_50 | חנ | CN | ((der) Gnade |
| 10. | 166. | 2553. | 658. | 10150. | 34. | 8 | 570 | 6_400_8_50_6_50_10_40 | ותחנוני | WTCNWNJM | und des Flehens/und des Gebets |
| 11. | 167. | 2554. | 666. | 10158. | 42. | 6 | 38 | 6_5_2_10_9_6 | והביטו | WHBJtW | und sie werden (auf)blicken |
| 12. | 168. | 2555. | 672. | 10164. | 48. | 3 | 41 | 1_30_10 | אלי | ALJ | auf mich/zu mir |
| 13. | 169. | 2556. | 675. | 10167. | 51. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | /zu |
| 14. | 170. | 2557. | 677. | 10169. | 53. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | /dem |
| 15. | 171. | 2558. | 680. | 10172. | 56. | 4 | 310 | 4_100_200_6 | דקרו | DQRW | ((den) sie durchbohrt haben |
| 16. | 172. | 2559. | 684. | 10176. | 60. | 5 | 156 | 6_60_80_4_6 | וספרו | WsPDW | und (sie) werden (weh)klagen |
| 17. | 173. | 2560. | 689. | 10181. | 65. | 4 | 116 | 70_30_10_6 | עליו | aLJW | über ihn/um ihn |
| 18. | 174. | 2561. | 693. | 10185. | 69. | 5 | 204 | 20_40_60_80_4 | קמספר | KMsPD | gleich der Wehklage/gleich einem Klagen |
| 19. | 175. | 2562. | 698. | 10190. | 74. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über/um |
| 20. | 176. | 2563. | 700. | 10192. | 76. | 5 | 37 | 5_10_8_10_4 | היחיד | HJCJD | den Eingeborenen/den Einzigen |
| 21. | 177. | 2564. | 705. | 10197. | 81. | 4 | 251 | 6_5_40_200 | והמר | WHMR | und bitterlich leidtragen/und bitterlich weinen |
| 22. | 178. | 2565. | 709. | 10201. | 85. | 4 | 116 | 70_30_10_6 | עליו | aLJW | über ihn/um ihn |
| 23. | 179. | 2566. | 713. | 10205. | 89. | 4 | 265 | 20_5_40_200 | קמר | KHMR | wie man bitterlich leidträgt/wie Bitternis |
| 24. | 180. | 2567. | 717. | 10209. | 93. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über/um |
| 25. | 181. | 2568. | 719. | 10211. | 95. | 5 | 233 | 5_2_20_6_200 | הבכור | HBKWR | den Erstgeborenen |

Ende des Verses 12.10

Verse: 177, Buchstaben: 99, 723, 10215, Totalwerte: 6073, 39118, 626809

Und ich werde über das Haus Davids und über die Bewohner von Jerusalem den Geist der Gnade und des Flehens ausgießen; und sie werden auf mich blicken, den sie durchbohrt haben, und werden über ihn wehklagen gleich der Wehklage über den Eingeborenen, und bitterlich über ihn leidtragen, wie man bitterlich über den Erstgeborenen leidträgt.

– 12.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 182. | 2569. | 724. | 10216. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 2. | 183. | 2570. | 728. | 10220. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 3. | 184. | 2571. | 732. | 10224. | 9. | 4 | 47 | 10_3_4_30 | יגדל | JGDL | (er (=es)) wird groß sein |
| 4. | 185. | 2572. | 736. | 10228. | 13. | 5 | 189 | 5_40_60_80_4 | המספר | HMsPD | die Wehklage/die Trauer |
| 5. | 186. | 2573. | 741. | 10233. | 18. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | in Jerusalem |
| 6. | 187. | 2574. | 748. | 10240. | 25. | 5 | 204 | 20_40_60_80_4 | המספר | KMsPD | wie die Wehklage/wie die Trauer |
| 7. | 188. | 2575. | 753. | 10245. | 30. | 3 | 13 | 5_4_4 | הדר | HDD | (von) Hadad///<der Mächtige> |
| 8. | 189. | 2576. | 756. | 10248. | 33. | 4 | 296 | 200_40_6_50 | רמון | RMWN | Rimmon///<der Glänzende> |
| 9. | 190. | 2577. | 760. | 10252. | 37. | 5 | 574 | 2_2_100_70_400 | בבקעה | BBQaT | im Tal/in (der) Talebene |
| 10. | 191. | 2578. | 765. | 10257. | 42. | 5 | 103 | 40_3_4_6_50 | מגדון | MGDWN | (von) Meggido(n)///<Mengen> |

Ende des Verses 12.11

Verse: 178, Buchstaben: 46, 769, 10261, Totalwerte: 2089, 41207, 628898

An jenem Tage wird die Wehklage in Jerusalem groß sein wie die Wehklage von Hadad-Rimmon im Tale Megiddo.

– 12.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 192. | 2579. | 770. | 10262. | 1. | 5 | 155 | 6_60_80_4_5 | וספדה | WsPDH | und wehklagen wird/und sie (=es) wird klagen |
| 2. | 193. | 2580. | 775. | 10267. | 6. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | das Land |
| 3. | 194. | 2581. | 779. | 10271. | 10. | 6 | 834 | 40_300_80_8_6_400 | משפחות | MSPCWT | /Sippen |
| 4. | 195. | 2582. | 785. | 10277. | 16. | 6 | 834 | 40_300_80_8_6_400 | משפחות | MSPCWT | jedes Geschlecht/(nach) Sippen |
| 5. | 196. | 2583. | 791. | 10283. | 22. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/gesondert |
| 6. | 197. | 2584. | 794. | 10286. | 25. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | das Geschlecht/die Sippe |
| 7. | 198. | 2585. | 799. | 10291. | 30. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/(vom) Haus |
| 8. | 199. | 2586. | 802. | 10294. | 33. | 4 | 24 | 4_6_10_4 | דויד | DWJD | David(s) |
| 9. | 200. | 2587. | 806. | 10298. | 37. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 10. | 201. | 2588. | 809. | 10301. | 40. | 6 | 411 | 6_50_300_10_5_40 | ונשיהם | WNSJHM | und ihre Frauen |
| 11. | 202. | 2589. | 815. | 10307. | 46. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 12. | 203. | 2590. | 818. | 10310. | 49. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | das Geschlecht/die Sippe |
| 13. | 204. | 2591. | 823. | 10315. | 54. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/(vom) Haus |
| 14. | 205. | 2592. | 826. | 10318. | 57. | 3 | 500 | 50_400_50 | נתן | NTN | Nathans/Natan//<er hat gegeben> |
| 15. | 206. | 2593. | 829. | 10321. | 60. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 16. | 207. | 2594. | 832. | 10324. | 63. | 6 | 411 | 6_50_300_10_5_40 | ונשיהם | WNSJHM | und ihre Frauen |
| 17. | 208. | 2595. | 838. | 10330. | 69. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |

Ende des Verses 12.12

Verse: 179, Buchstaben: 71, 840, 10332, Totalwerte: 6125, 47332, 635023

Und wehklagen wird das Land, jedes Geschlecht besonders: das Geschlecht des Hauses Davids besonders, und ihre Weiber besonders; das Geschlecht des Hauses Nathans besonders, und ihre Weiber besonders;

– 12.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-------------------------------------------------------|
| 1. | 209. | 2596. | 841. | 10333. | 1. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | das Geschlecht/die Sippe |
| 2. | 210. | 2597. | 846. | 10338. | 6. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/(vom) Haus |
| 3. | 211. | 2598. | 849. | 10341. | 9. | 3 | 46 | 30_6_10 | לוי | LWJ | Levi(s)/// <anhänglich> |
| 4. | 212. | 2599. | 852. | 10344. | 12. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 5. | 213. | 2600. | 855. | 10347. | 15. | 6 | 411 | 6_50_300_10_5_40 | ונשיהם | WNSJHM | und ihre Frauen |
| 6. | 214. | 2601. | 861. | 10353. | 21. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 7. | 215. | 2602. | 864. | 10356. | 24. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | das Geschlecht/die Sippe |
| 8. | 216. | 2603. | 869. | 10361. | 29. | 5 | 425 | 5_300_40_70_10 | השמעי | HSMaJ | der Simeiter/des Schimi// <von dem berichtet wird> |
| 9. | 217. | 2604. | 874. | 10366. | 34. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 10. | 218. | 2605. | 877. | 10369. | 37. | 6 | 411 | 6_50_300_10_5_40 | ונשיהם | WNSJHM | und ihre Frauen |
| 11. | 219. | 2606. | 883. | 10375. | 43. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |

Ende des Verses 12.13

Verse: 180, Buchstaben: 45, 885, 10377, Totalwerte: 3505, 50837, 638528

das Geschlecht des Hauses Levis besonders, und ihre Weiber besonders; das Geschlecht der Simeiter besonders, und ihre Weiber besonders;

– 12.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|--------------------------------|
| 1. | 220. | 2607. | 886. | 10378. | 1. | 2 | 50 | 20_30 | לך | KL | all(e) |
| 2. | 221. | 2608. | 888. | 10380. | 3. | 7 | 839 | 5_40_300_80_8_6_400 | המשפחות | HMSPCWT | Geschlechter/die Sippen |
| 3. | 222. | 2609. | 895. | 10387. | 10. | 7 | 962 | 5_50_300_1_200_6_400 | הנשארות | HNSARWT | übrigen/die übrig gebliebenen |
| 4. | 223. | 2610. | 902. | 10394. | 17. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | /Sippen |
| 5. | 224. | 2611. | 907. | 10399. | 22. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה | MSPCT | jedes Geschlecht/(nach) Sippen |
| 6. | 225. | 2612. | 912. | 10404. | 27. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |
| 7. | 226. | 2613. | 915. | 10407. | 30. | 6 | 411 | 6_50_300_10_5_40 | ונשיהם | WNSJHM | und ihre Frauen |
| 8. | 227. | 2614. | 921. | 10413. | 36. | 3 | 36 | 30_2_4 | לבר | LBD | besonders/für sich |

Ende des Verses 12.14

Verse: 181, Buchstaben: 38, 923, 10415, Totalwerte: 3990, 54827, 642518

alle übrigen Geschlechter, jedes Geschlecht besonders, und ihre Weiber besonders.

Ende des Kapitels 12

– 13.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|-----|--------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|----------------------------|
| 1. | 1. | 2615. | 1. | 10416. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 2. | 2. | 2616. | 5. | 10420. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 3. | 3. | 2617. | 9. | 10424. | 9. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | wird sein/er (=es) ist |
| 4. | 4. | 2618. | 13. | 10428. | 13. | 4 | 346 | 40_100_6_200 | מקור | MQWR | ein Quell |
| 5. | 5. | 2619. | 17. | 10432. | 17. | 4 | 538 | 50_80_400_8 | נפתח | NPTC | geöffnet/sich auftuend(er) |
| 6. | 6. | 2620. | 21. | 10436. | 21. | 4 | 442 | 30_2_10_400 | לבית | LBJT | dem Haus |
| 7. | 7. | 2621. | 25. | 10440. | 25. | 4 | 24 | 4_6_10_4 | דויד | DWJD | David(s) |
| 8. | 8. | 2622. | 29. | 10444. | 29. | 6 | 358 | 6_30_10_300_2_10 | ולושבי | WLJSBJ | und den Bewohnern |
| 9. | 9. | 2623. | 35. | 10450. | 35. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | (von) Jerusalem |
| 10. | 10. | 2624. | 41. | 10456. | 41. | 5 | 448 | 30_8_9_1_400 | להטאת | LCtAT | für Sünde |
| 11. | 11. | 2625. | 46. | 10461. | 46. | 5 | 95 | 6_30_50_4_5 | ולנדה | WLNDH | und für Unreinheit |

Ende des Verses 13.1

Verse: 182, Buchstaben: 50, 50, 10465, Totalwerte: 2942, 2942, 645460

An jenem Tage wird ein Quell geöffnet sein dem Hause Davids und den Bewohnern von Jerusalem für Sünde und für Unreinigkeit.

– 13.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------------------|
| 1. | 12. | 2626. | 51. | 10466. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 13. | 2627. | 55. | 10470. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 14. | 2628. | 59. | 10474. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/denjenigen |
| 4. | 15. | 2629. | 63. | 10478. | 13. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 5. | 16. | 2630. | 66. | 10481. | 16. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 17. | 2631. | 70. | 10485. | 20. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 7. | 18. | 2632. | 75. | 10490. | 25. | 5 | 631 | 1_20_200_10_400 | אכרית | AKRJT | da werde ich ausrotten/ich lasse vertilgen |
| 8. | 19. | 2633. | 80. | 10495. | 30. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 9. | 20. | 2634. | 82. | 10497. | 32. | 4 | 746 | 300_40_6_400 | שמות | SMWT | die Namen |
| 10. | 21. | 2635. | 86. | 10501. | 36. | 6 | 217 | 5_70_90_2_10_40 | העצבים | HaßBJM | der Götzen(bilder) |
| 11. | 22. | 2636. | 92. | 10507. | 42. | 2 | 90 | 40_50 | מן | MN | aus |
| 12. | 23. | 2637. | 94. | 10509. | 44. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ | HARß | dem Land |
| 13. | 24. | 2638. | 98. | 10513. | 48. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 14. | 25. | 2639. | 101. | 10516. | 51. | 5 | 243 | 10_7_20_200_6 | יוכרו | JZKRW | wird ihrer gedacht werden/sie in Erinnerung gebracht werden |
| 15. | 26. | 2640. | 106. | 10521. | 56. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | mehr/noch |
| 16. | 27. | 2641. | 109. | 10524. | 59. | 3 | 49 | 6_3_40 | ונם | WGM | und auch |
| 17. | 28. | 2642. | 112. | 10527. | 62. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 18. | 29. | 2643. | 114. | 10529. | 64. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאים | HNBIAJM | die Propheten |
| 19. | 30. | 2644. | 121. | 10536. | 71. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת | WAT | und ** |
| 20. | 31. | 2645. | 124. | 10539. | 74. | 3 | 214 | 200_6_8 | רוח | RWC | den Geist |
| 21. | 32. | 2646. | 127. | 10542. | 77. | 5 | 60 | 5_9_40_1_5 | הטמאה | HtMAH | der Unreinheit |
| 22. | 33. | 2647. | 132. | 10547. | 82. | 5 | 283 | 1_70_2_10_200 | אעביר | AaBJR | ich werde wegschaffen |
| 23. | 34. | 2648. | 137. | 10552. | 87. | 2 | 90 | 40_50 | מן | MN | aus/von |
| 24. | 35. | 2649. | 139. | 10554. | 89. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ | HARß | dem Land |

Ende des Verses 13.2

Verse: 183, Buchstaben: 92, 142, 10557, Totalwerte: 5376, 8318, 650836

Und es wird geschehen an jenem Tage, spricht Jahwe der Heerscharen, da werde ich die Namen der Götzen ausrotten aus dem Lande, und ihrer wird nicht mehr gedacht werden; und auch die Propheten und den Geist der Unreinheit werde ich aus dem Lande wegschaffen.

– 13.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|-----------------------------------------------------------------|
| 1. | 36. | 2650. | 143. | 10558. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 37. | 2651. | 147. | 10562. | 5. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | wenn |
| 3. | 38. | 2652. | 149. | 10564. | 7. | 4 | 63 | 10_50_2_1 | ינבא | JNBA | (er) weissagt |
| 4. | 39. | 2653. | 153. | 10568. | 11. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | (ein) Mann |
| 5. | 40. | 2654. | 156. | 10571. | 14. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | ferner/noch |
| 6. | 41. | 2655. | 159. | 10574. | 17. | 5 | 253 | 6_1_40_200_6 | ואמרו | WAMRW | so werden sprechen/und sie (=es) werden sagen |
| 7. | 42. | 2656. | 164. | 10579. | 22. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 8. | 43. | 2657. | 168. | 10583. | 26. | 4 | 19 | 1_2_10_6 | אביו | ABJW | sein Vater |
| 9. | 44. | 2658. | 172. | 10587. | 30. | 4 | 53 | 6_1_40_6 | ואמו | WAMW | und seine Mutter |
| 10. | 45. | 2659. | 176. | 10591. | 34. | 5 | 60 | 10_30_4_10_6 | ילדיו | JLDJW | seine (Er)Zeuger |
| 11. | 46. | 2660. | 181. | 10596. | 39. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 12. | 47. | 2661. | 183. | 10598. | 41. | 4 | 423 | 400_8_10_5 | תחיה | TCJH | darfst du leben/du wirst am Leben bleiben |
| 13. | 48. | 2662. | 187. | 10602. | 45. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 14. | 49. | 2663. | 189. | 10604. | 47. | 3 | 600 | 300_100_200 | שקר | SQR | Lüge/Trug |
| 15. | 50. | 2664. | 192. | 10607. | 50. | 4 | 606 | 4_2_200_400 | דברת | DBRT | du hast geredet |
| 16. | 51. | 2665. | 196. | 10611. | 54. | 3 | 342 | 2_300_40 | בשמי | BSM | im Namen |
| 17. | 52. | 2666. | 199. | 10614. | 57. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 18. | 53. | 2667. | 203. | 10618. | 61. | 6 | 321 | 6_4_100_200_5_6 | ודקרהו | WDQRHW | und durchbohren werden ihn/und sie (=es) werden durchbohren ihn |
| 19. | 54. | 2668. | 209. | 10624. | 67. | 5 | 24 | 1_2_10_5_6 | אביו | ABJHW | sein Vater |
| 20. | 55. | 2669. | 214. | 10629. | 72. | 4 | 53 | 6_1_40_6 | ואמו | WAMW | und seine Mutter |
| 21. | 56. | 2670. | 218. | 10633. | 76. | 5 | 60 | 10_30_4_10_6 | ילדיו | JLDJW | seine (Er)Zeuger |
| 22. | 57. | 2671. | 223. | 10638. | 81. | 6 | 66 | 2_5_50_2_1_6 | בהנבאו | BHNBAW | wenn er weissagt/für sein Weissagen |

Ende des Verses 13.3

Verse: 184, Buchstaben: 86, 228, 10643, Totalwerte: 3524, 11842, 654360

Und es wird geschehen, wenn ein Mann ferner weissagt, so werden sein Vater und seine Mutter, seine Erzeuger, zu ihm sprechen: Du darfst nicht leben, denn du hast Lüge geredet im Namen Jahwes! Und sein Vater und seine Mutter, seine Erzeuger, werden ihn durchbohren, wenn er weissagt.

– 13.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|------------------------------------------------------|
| 1. | 58. | 2672. | 229. | 10644. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 59. | 2673. | 233. | 10648. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 60. | 2674. | 237. | 10652. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 61. | 2675. | 241. | 10656. | 13. | 4 | 318 | 10_2_300_6 | יבשו | JBSW | da werden sich schämen/sie (=es) werden schämen sich |
| 5. | 62. | 2676. | 245. | 10660. | 17. | 7 | 118 | 5_50_2_10_1_10_40 | הנביאים | HNBIAJM | die Propheten |
| 6. | 63. | 2677. | 252. | 10667. | 24. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | ein jeder/(ein) Mann |
| 7. | 64. | 2678. | 255. | 10670. | 27. | 6 | 121 | 40_8_7_10_50_6 | סחוינו | MCZJNW | über sein Gesicht/ob seiner Schauung |
| 8. | 65. | 2679. | 261. | 10676. | 33. | 7 | 466 | 2_5_50_2_1_400_6 | בהנבאתו | BHNBATW | wenn er weissagt/bei seinem Prophezeien |
| 9. | 66. | 2680. | 268. | 10683. | 40. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 10. | 67. | 2681. | 271. | 10686. | 43. | 5 | 348 | 10_30_2_300_6 | ילבשו | JLBSW | sie werden anlegen mehr/sie anziehen |
| 11. | 68. | 2682. | 276. | 10691. | 48. | 4 | 605 | 1_4_200_400 | אדרת | ADRT | (einen) (Pracht)Mantel |
| 12. | 69. | 2683. | 280. | 10695. | 52. | 3 | 570 | 300_70_200 | שער | SaR | häernen |
| 13. | 70. | 2684. | 283. | 10698. | 55. | 4 | 190 | 30_40_70_50 | למען | LMaN | um zu |
| 14. | 71. | 2685. | 287. | 10702. | 59. | 3 | 328 | 20_8_300 | ךחש | KCS | lügen/betrügen |

Ende des Verses 13.4

Verse: 185, Buchstaben: 61, 289, 10704, Totalwerte: 3513, 15355, 657873

Und es wird geschehen an jenem Tage, da werden die Propheten sich schämen, ein jeder über sein Gesicht, wenn er weissagt; und sie werden nicht mehr einen härenen Mantel anlegen, um zu lügen.

– 13.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------------|------------------|----------------------------------------|-----------------|
| 1. | 72. | 2686. | 290. | 10705. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | und er wird sprechen/und er wird sagen | |
| 2. | 73. | 2687. | 294. | 10709. | 5. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 3. | 74. | 2688. | 296. | 10711. | 7. | 4 | 63 | 50_2_10_1 | נביא NBJA | (ein) Prophet | |
| 4. | 75. | 2689. | 300. | 10715. | 11. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי ANKJ | ich (bin) | |
| 5. | 76. | 2690. | 304. | 10719. | 15. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש AJS | (ein) Mann | |
| 6. | 77. | 2691. | 307. | 10722. | 18. | 3 | 76 | 70_2_4 | עבד aBD | der bebaut/bearbeitend(er) | |
| 7. | 78. | 2692. | 310. | 10725. | 21. | 4 | 50 | 1_4_40_5 | אדמה ADMH | das Land/Acker | |
| 8. | 79. | 2693. | 314. | 10729. | 25. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי ANKJ | ich (bin) | |
| 9. | 80. | 2694. | 318. | 10733. | 29. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn | |
| 10. | 81. | 2695. | 320. | 10735. | 31. | 3 | 45 | 1_4_40 | אדם ADM | man/(der) Mensch | |
| 11. | 82. | 2696. | 323. | 10738. | 34. | 5 | 215 | 5_100_50_50_10 | הקניי HQNNJ | (er) hat gekauft mich | |
| 12. | 83. | 2697. | 328. | 10743. | 39. | 6 | 376 | 40_50_70_6_200_10 | מנעורי MNaWRJ | von meiner Jugend (an) (auf) | |

Ende des Verses 13.5

Verse: 186, Buchstaben: 44, 333, 10748, Totalwerte: 1606, 16961, 659479

Und er wird sprechen: Ich bin kein Prophet, ich bin ein Mann, der das Land bebaut; denn man hat mich gekauft von meiner Jugend an.

– 13.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|----------------|------------------|------------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 84. | 2698. | 334. | 10749. | 1. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | und wenn jemand spricht/und er sagt | |
| 2. | 85. | 2699. | 338. | 10753. | 5. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו ALJW | zu ihm | |
| 3. | 86. | 2700. | 342. | 10757. | 9. | 2 | 45 | 40_5 | מה MH | was sind für/was (bedeuten) | |
| 4. | 87. | 2701. | 344. | 10759. | 11. | 5 | 471 | 5_40_20_6_400 | המכות HMKWT | Wunden/die Schlagwunden | |
| 5. | 88. | 2702. | 349. | 10764. | 16. | 4 | 41 | 5_1_30_5 | האלה HALH | das/diese da | |
| 6. | 89. | 2703. | 353. | 10768. | 20. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין BJN | in/zwischen | |
| 7. | 90. | 2704. | 356. | 10771. | 23. | 4 | 44 | 10_4_10_20 | ידיך JDJK | deinen Händen | |
| 8. | 91. | 2705. | 360. | 10775. | 27. | 4 | 247 | 6_1_40_200 | ואמר WAMR | so wird er sagen (es sind die Wunden)/und er spricht | |
| 9. | 92. | 2706. | 364. | 10779. | 31. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | womit/weil | |
| 10. | 93. | 2707. | 367. | 10782. | 34. | 5 | 445 | 5_20_10_400_10 | הכיתי HKJTJ | ich geschlagen worden bin/ich wurde geschlagen | |
| 11. | 94. | 2708. | 372. | 10787. | 39. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית BJT | (im) Haus | |
| 12. | 95. | 2709. | 375. | 10790. | 42. | 5 | 58 | 40_1_5_2_10 | סאהבי MAHBJ | derer die mich lieben/meiner Liebenden | |

Ende des Verses 13.6

Verse: 187, Buchstaben: 46, 379, 10794, Totalwerte: 2620, 19581, 662099

Und wenn jemand zu ihm spricht: Was sind das für Wunden in deinen Händen? so wird er sagen: Es sind die Wunden, womit ich geschlagen worden bin im Hause derer, die mich lieben.

– 13.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 96. | 2710. | 380. | 10795. | 1. | 3 | 210 | 8_200_2 | חַרֵב | CRB | Schwert |
| 2. | 97. | 2711. | 383. | 10798. | 4. | 4 | 286 | 70_6_200_10 | עוּרִי | aWRJ | erwache/reg dich |
| 3. | 98. | 2712. | 387. | 10802. | 8. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | wider/gegen |
| 4. | 99. | 2713. | 389. | 10804. | 10. | 3 | 280 | 200_70_10 | רְעִי | RaJ | meinen Hirten |
| 5. | 100. | 2714. | 392. | 10807. | 13. | 3 | 106 | 6_70_30 | וְעַל | WaL | und wider/und gegen |
| 6. | 101. | 2715. | 395. | 10810. | 16. | 3 | 205 | 3_2_200 | גִּבּוֹר | GBR | den Mann |
| 7. | 102. | 2716. | 398. | 10813. | 19. | 5 | 530 | 70_40_10_400_10 | עִמִּיתִי | aMJTJ | der mein Genosse ist/meines Volksgenossen |
| 8. | 103. | 2717. | 403. | 10818. | 24. | 3 | 91 | 50_1_40 | אָמַר | NAM | spricht/Spruch |
| 9. | 104. | 2718. | 406. | 10821. | 27. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe(s) |
| 10. | 105. | 2719. | 410. | 10825. | 31. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קִבְּאוֹת | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 11. | 106. | 2720. | 415. | 10830. | 36. | 2 | 25 | 5_20 | הַכּ | HK | schlage |
| 12. | 107. | 2721. | 417. | 10832. | 38. | 2 | 401 | 1_400 | אַתָּה | AT | ** |
| 13. | 108. | 2722. | 419. | 10834. | 40. | 4 | 280 | 5_200_70_5 | הִרְעָה | HRaH | den Hirten |
| 14. | 109. | 2723. | 423. | 10838. | 44. | 7 | 642 | 6_400_80_6_90_10_50 | וְהַפּוֹצִינִי | WTPWßJN | und zerstreuen wird sich/und (sie) zer- stieben |
| 15. | 110. | 2724. | 430. | 10845. | 51. | 4 | 146 | 5_90_1_50 | הַצֹּאֵן | HßAN | die Herde/die Schafe |
| 16. | 111. | 2725. | 434. | 10849. | 55. | 6 | 723 | 6_5_300_2_400_10 | וְהִשְׁבַּחְתִּי | WHSBTJ | und ich werde wenden/und ich kehre |
| 17. | 112. | 2726. | 440. | 10855. | 61. | 3 | 24 | 10_4_10 | יְדִי | JDJ | meine Hand |
| 18. | 113. | 2727. | 443. | 10858. | 64. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | zu/gegen |
| 19. | 114. | 2728. | 445. | 10860. | 66. | 6 | 415 | 5_90_70_200_10_40 | הַצְעִרִימָה | HßaRJM | den Kleinen/die Geringen |

Ende des Verses 13.7

Verse: 188, Buchstaben: 71, 450, 10865, Totalwerte: 5089, 24670, 667188

Schwert, erwache wider meinen Hirten und wider den Mann, der mein Genosse ist! spricht Jahwe der Heerscharen; schlage den Hirten, und die Herde wird sich zerstreuen. Und ich werde meine Hand den Kleinen zuwenden.

– 13.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|------|-----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------|
| 1. | 115. | 2729. | 451. | 10866. | 1. | 4 | 26 | 6.5_10.5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 116. | 2730. | 455. | 10870. | 5. | 3 | 52 | 2.20_30 | בכל | BKL | im ganzen/auf all |
| 3. | 117. | 2731. | 458. | 10873. | 8. | 4 | 296 | 5.1_200_90 | הארץ | HARß | Land/der Erde |
| 4. | 118. | 2732. | 462. | 10877. | 12. | 3 | 91 | 50.1_40 | אמ | NAM | spricht/Spruch |
| 5. | 119. | 2733. | 465. | 10880. | 15. | 4 | 26 | 10.5_6.5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 120. | 2734. | 469. | 10884. | 19. | 2 | 90 | 80_10 | פי | PJ | Teile |
| 7. | 121. | 2735. | 471. | 10886. | 21. | 4 | 400 | 300.50_10.40 | שני | SNJM | zwei |
| 8. | 122. | 2736. | 475. | 10890. | 25. | 2 | 7 | 2.5 | בה | BH | davon |
| 9. | 123. | 2737. | 477. | 10892. | 27. | 5 | 636 | 10.20_200_400_6 | יכרתו | JKRTW | (sie) werden ausgerottet (werden) |
| 10. | 124. | 2738. | 482. | 10897. | 32. | 5 | 95 | 10.3_6_70.6 | יועו | JGWaW | und verschiden/(sie) werden umkommen |
| 11. | 125. | 2739. | 487. | 10902. | 37. | 7 | 1051 | 6.5_300_30_300_10_400 | והשלשית | WHLSJT | aber der dritte Teil/und das (eine) Drittel |
| 12. | 126. | 2740. | 494. | 10909. | 44. | 4 | 616 | 10.6_400_200 | יהר | JWTR | wird übrigbleiben/er (=es) wird übriggelassen |
| 13. | 127. | 2741. | 498. | 10913. | 48. | 2 | 7 | 2.5 | בה | BH | davon |

Ende des Verses 13.8

Verse: 189, Buchstaben: 49, 499, 10914, Totalwerte: 3393, 28063, 670581

Und es wird geschehen im ganzen Lande, spricht Jahwe: zwei Teile davon werden ausgerottet werden und verschiden, aber der dritte Teil davon wird übrigbleiben.

– 13.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|------|-----------------------|-----------|-----------|-----------------------------------------------|
| 1. | 128. | 2742. | 500. | 10915. | 1. | 6 | 424 | 6.5_2.1_400_10 | והבאתי | WHBATJ | und ich werde bringen/und ich lasse kommen |
| 2. | 129. | 2743. | 506. | 10921. | 7. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 130. | 2744. | 508. | 10923. | 9. | 6 | 1045 | 5.300_30_300_10_400 | השלשית | HSLSJT | den dritten Teil/das Drittel |
| 4. | 131. | 2745. | 514. | 10929. | 15. | 3 | 303 | 2.1_300 | באש | BAS | ins Feuer/durch das Feuer |
| 5. | 132. | 2746. | 517. | 10932. | 18. | 7 | 826 | 6.90_200_80_400_10_40 | וצרפתימ | WBRPTJM | und ich werde sie läutern/und ich läutere sie |
| 6. | 133. | 2747. | 524. | 10939. | 25. | 4 | 390 | 20_90_200_80 | צרפ | KBRP | wie man läutert/wie ein Läutern |
| 7. | 134. | 2748. | 528. | 10943. | 29. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 8. | 135. | 2749. | 530. | 10945. | 31. | 4 | 165 | 5.20_60_80 | הכסף | HKsP | das Silber/(von) Silber |
| 9. | 136. | 2750. | 534. | 10949. | 35. | 7 | 516 | 6.2_8_50_400_10_40 | ובהנתימ | WBCNTJM | und sie prüfen/und ich prüfe sie |
| 10. | 137. | 2751. | 541. | 10956. | 42. | 4 | 80 | 20.2_8_50 | רבהנ | KBCN | wie man prüft/wie ein Prüfen |
| 11. | 138. | 2752. | 545. | 10960. | 46. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 12. | 139. | 2753. | 547. | 10962. | 48. | 4 | 19 | 5.7_5_2 | הזהב | HZHB | das Gold/(von) Gold |
| 13. | 140. | 2754. | 551. | 10966. | 52. | 3 | 12 | 5.6_1 | הוא | HWA | er |
| 14. | 141. | 2755. | 554. | 10969. | 55. | 4 | 311 | 10_100_200.1 | יקרא | JQRA | wird anrufen/er (=es) wird rufen |
| 15. | 142. | 2756. | 558. | 10973. | 59. | 4 | 352 | 2.300_40_10 | בשמי | BSMJ | meinen Namen/nach meinem Namen |
| 16. | 143. | 2757. | 562. | 10977. | 63. | 4 | 67 | 6.1_50_10 | ואני | WANJ | und ich |
| 17. | 144. | 2758. | 566. | 10981. | 67. | 4 | 126 | 1.70_50_5 | אענה | AaNH | (ich) werde antworten |
| 18. | 145. | 2759. | 570. | 10985. | 71. | 3 | 407 | 1.400_6 | אתו | ATW | ihm |
| 19. | 146. | 2760. | 573. | 10988. | 74. | 5 | 651 | 1.40_200_400_10 | אמרתיו | AMRTJ | ich werde sagen/ich werde sprechen |
| 20. | 147. | 2761. | 578. | 10993. | 79. | 3 | 120 | 70_40_10 | עמי | aMJ | mein Volk |
| 21. | 148. | 2762. | 581. | 10996. | 82. | 3 | 12 | 5.6_1 | הוא | HWA | (ist) er (=es) |
| 22. | 149. | 2763. | 584. | 10999. | 85. | 4 | 18 | 6.5_6_1 | והוא | WHWA | und er (=es) |
| 23. | 150. | 2764. | 588. | 11003. | 89. | 4 | 251 | 10_1_40_200 | יאמר | JAMR | wird sagen/er (=es) wird sprechen |
| 24. | 151. | 2765. | 592. | 11007. | 93. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 25. | 152. | 2766. | 596. | 11011. | 97. | 4 | 46 | 1.30_5_10 | אלהי | ALHJ | (ist) mein Gott |

Ende des Verses 13.9

Verse: 190, Buchstaben: 100, 599, 11014, Totalwerte: 7370, 35433, 677951

Und ich werde den dritten Teil ins Feuer bringen, und ich werde sie läutern, wie man das Silber läutert, und sie prüfen, wie man das Gold prüft. Es wird meinen Namen anrufen, und ich werde ihm antworten; ich werde sagen: Es ist mein Volk; und es wird sagen: Jahwe ist mein Gott.

Ende des Kapitels 13

– 14.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|-------|-----|--------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|----------------------------------------------------|
| 1. | 1. | 2767. | 1. | 11015. | 1. | 3 | 60 | 5_50_5 | הנה | HNH | siehe |
| 2. | 2. | 2768. | 4. | 11018. | 4. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | (ein) Tag |
| 3. | 3. | 2769. | 7. | 11021. | 7. | 2 | 3 | 2_1 | בא | BA | kommt/(ist) kommend(er) |
| 4. | 4. | 2770. | 9. | 11023. | 9. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | für Jahwe |
| 5. | 5. | 2771. | 14. | 11028. | 14. | 4 | 144 | 6_8_30_100 | והלק | WCLQ | da wird verteilt werden/und er (=es) wird verteilt |
| 6. | 6. | 2772. | 18. | 11032. | 18. | 4 | 380 | 300_30_30_20 | שללכ | SLLK | deine Beute |
| 7. | 7. | 2773. | 22. | 11036. | 22. | 5 | 324 | 2_100_200_2_20 | בקרובכ | BQRBK | in deiner Mitte |

Ende des Verses 14.1

Verse: 191, Buchstaben: 26, 26, 11040, Totalwerte: 1023, 1023, 678974

Siehe, ein Tag kommt für Jahwe, da wird deine Beute verteilt werden in deiner Mitte.

– 14.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|---------------------------------------------|
| 1. | 8. | 2774. | 27. | 11041. | 1. | 6 | 557 | 6_1_60_80_400_10 | ואספתי | WAsPTJ | und ich werde versammeln/und ich sammle |
| 2. | 9. | 2775. | 33. | 11047. | 7. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 10. | 2776. | 35. | 11049. | 9. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(e) |
| 4. | 11. | 2777. | 37. | 11051. | 11. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | Nationen/die Völker |
| 5. | 12. | 2778. | 42. | 11056. | 16. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach |
| 6. | 13. | 2779. | 44. | 11058. | 18. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 7. | 14. | 2780. | 50. | 11064. | 24. | 6 | 153 | 30_40_30_8_40_5 | למלחמה | LMLCMH | zum Krieg/zum Kampf |
| 8. | 15. | 2781. | 56. | 11070. | 30. | 6 | 115 | 6_50_30_20_4_5 | ונלכדה | WNLKDH | und (sie (=es)) wird eingenommen |
| 9. | 16. | 2782. | 62. | 11076. | 36. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | die Stadt |
| 10. | 17. | 2783. | 66. | 11080. | 40. | 5 | 422 | 6_50_300_60_6 | ונשסו | WNSsW | und (sie (=es)) werden geplündert |
| 11. | 18. | 2784. | 71. | 11085. | 45. | 5 | 457 | 5_2_400_10_40 | הבתימ | HBTJM | die Häuser |
| 12. | 19. | 2785. | 76. | 11090. | 50. | 6 | 411 | 6_5_50_300_10_40 | והנשימ | WHNSJM | und die Frauen |
| 13. | 20. | 2786. | 82. | 11096. | 56. | 6 | 788 | 400_300_3_30_50_5 | תשגלנה | TSGLNH | ((sie) werden geschändet (werden)) |
| 14. | 21. | 2787. | 88. | 11102. | 62. | 4 | 107 | 6_10_90_1 | ויצא | WJBA | und ausziehen wird/und er (=es) muss ziehen |
| 15. | 22. | 2788. | 92. | 11106. | 66. | 3 | 108 | 8_90_10 | הצי | CBJ | die Hälfte |
| 16. | 23. | 2789. | 95. | 11109. | 69. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt |
| 17. | 24. | 2790. | 99. | 11113. | 73. | 5 | 46 | 2_3_6_30_5 | בגולה | BGWLH | in die Gefangenschaft/in die Verbannung |
| 18. | 25. | 2791. | 104. | 11118. | 78. | 4 | 616 | 6_10_400_200 | ויתר | WJTR | aber das übrige/und der Rest |
| 19. | 26. | 2792. | 108. | 11122. | 82. | 3 | 115 | 5_70_40 | העמ | HaM | ((des) Volk(es)) |
| 20. | 27. | 2793. | 111. | 11125. | 85. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 21. | 28. | 2794. | 113. | 11127. | 87. | 4 | 630 | 10_20_200_400 | יכרת | JKRT | wird ausgerottet werden/er wird getilgt |
| 22. | 29. | 2795. | 117. | 11131. | 91. | 2 | 90 | 40_50 | מן | MN | aus |
| 23. | 30. | 2796. | 119. | 11133. | 93. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt |

Ende des Verses 14.2

Verse: 192, Buchstaben: 96, 122, 11136, Totalwerte: 6633, 7656, 685607

Und ich werde alle Nationen nach Jerusalem zum Kriege versammeln; und die Stadt wird eingenommen und die Häuser werden geplündert und die Weiber geschändet werden; und die Hälfte der Stadt wird in die Gefangenschaft ausziehen, aber das übrige Volk wird nicht aus der Stadt ausgerottet werden.

– 14.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------|------------------|-----------|-------------------------------------------|
| 1. | 31. | 2797. | 123. | 11137. | 1. | 4 | 107 | 6_10_90_1 | ויצא | WJBA | und ausziehen wird/und er (=es) zieht aus |
| 2. | 32. | 2798. | 127. | 11141. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 33. | 2799. | 131. | 11145. | 9. | 5 | 134 | 6_50_30_8_40 | ונלחמ | WNLCM | und streiten/und (er) streitet |
| 4. | 34. | 2800. | 136. | 11150. | 14. | 5 | 61 | 2_3_6_10_40 | בנוימ | BGWJM | wider (die) Nationen/gegen die Völker |
| 5. | 35. | 2801. | 141. | 11155. | 19. | 3 | 50 | 5_5_40 | ההמ | HHM | jene/die jenigen |
| 6. | 36. | 2802. | 144. | 11158. | 22. | 4 | 76 | 20_10_6_40 | ךיומ | KJWM | wie am Tag |
| 7. | 37. | 2803. | 148. | 11162. | 26. | 5 | 89 | 5_30_8_40_6 | הלחמו | HLCMW | da er streitet/seines Streitens |
| 8. | 38. | 2804. | 153. | 11167. | 31. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביומ | BJWM | am Tag |
| 9. | 39. | 2805. | 157. | 11171. | 35. | 3 | 302 | 100_200_2 | קרב | QRB | der Schlacht/des Kampfes |

Ende des Verses 14.3

Verse: 193, Buchstaben: 37, 159, 11173, Totalwerte: 903, 8559, 686510

Und Jahwe wird ausziehen und wider jene Nationen streiten, wie an dem Tage, da er streitet, an dem Tage der Schlacht.

– 14.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------|
| 1. | 40. | 2806. | 160. | 11174. | 1. | 5 | 126 | 6_70_40_4_6 | ועמדו | WaMDW | und stehen werden/und sie (=es) stehen |
| 2. | 41. | 2807. | 165. | 11179. | 6. | 5 | 249 | 200_3_30_10_6 | רגליו | RGLJW | seine Füße |
| 3. | 42. | 2808. | 170. | 11184. | 11. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 4. | 43. | 2809. | 174. | 11188. | 15. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 5. | 44. | 2810. | 178. | 11192. | 19. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 6. | 45. | 2811. | 180. | 11194. | 21. | 2 | 205 | 5_200 | הר | HR | (dem) Berg |
| 7. | 46. | 2812. | 182. | 11196. | 23. | 5 | 462 | 5_7_400_10_40 | הזיתים | HZTJM | (des) Öl(s)/der Ölbäume |
| 8. | 47. | 2813. | 187. | 11201. | 28. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | der/welcher |
| 9. | 48. | 2814. | 190. | 11204. | 31. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | vor |
| 10. | 49. | 2815. | 192. | 11206. | 33. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני | PNJ | /dem Antlitz (=gegenüber) |
| 11. | 50. | 2816. | 195. | 11209. | 36. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | (von) Jerusalem |
| 12. | 51. | 2817. | 201. | 11215. | 42. | 4 | 184 | 40_100_4_40 | מקדמ | MQDM | gegen Osten liegt/im Osten (liegt) |
| 13. | 52. | 2818. | 205. | 11219. | 46. | 5 | 228 | 6_50_2_100_70 | ונבקע | WNBQa | und spalten wird sich/und er (=es) spaltet sich |
| 14. | 53. | 2819. | 210. | 11224. | 51. | 2 | 205 | 5_200 | הר | HR | (der) Berg |
| 15. | 54. | 2820. | 212. | 11226. | 53. | 6 | 472 | 5_7_10_400_10_40 | הזיתים | HZJTJM | (des) Öl(s)/der Ölbäume |
| 16. | 55. | 2821. | 218. | 11232. | 59. | 5 | 154 | 40_8_90_10_6 | מחציו | MCBJW | in der Mitte/in seiner Mitte |
| 17. | 56. | 2822. | 223. | 11237. | 64. | 5 | 260 | 40_7_200_8_5 | מזרחה | MZRCH | nach Osten/von Osten her |
| 18. | 57. | 2823. | 228. | 11242. | 69. | 4 | 61 | 6_10_40_5 | וימה | WJMH | und nach Westen (hin) |
| 19. | 58. | 2824. | 232. | 11246. | 73. | 3 | 14 | 3_10_1 | גיא | GJA | zu einem Tal/eine Schlucht |
| 20. | 59. | 2825. | 235. | 11249. | 76. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | große(n) |
| 21. | 60. | 2826. | 240. | 11254. | 81. | 3 | 45 | 40_1_4 | סאר | MAD | sehr (entsteht) |
| 22. | 61. | 2827. | 243. | 11257. | 84. | 3 | 346 | 6_40_300 | ומש | WMS | und weichen wird/und er (=es) weicht |
| 23. | 62. | 2828. | 246. | 11260. | 87. | 3 | 108 | 8_90_10 | חצי | CBJ | die Hälfte/(eine) Hälfte |
| 24. | 63. | 2829. | 249. | 11263. | 90. | 3 | 210 | 5_5_200 | ההר | HHR | des Berges/(vom) Berg |
| 25. | 64. | 2830. | 252. | 11266. | 93. | 5 | 231 | 90_80_6_50_5 | קפונה | BPWNH | nach Norden (hin) |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|------|------|-----|-------------|------------------|-----------|-------------------------|
| 26. | 65. | 2831. | 257. | 11271. | 98. | 5 | 120 | 6_8_90_10_6 | והציו | WCBJW | und seine andere Hälfte |
| 27. | 66. | 2832. | 262. | 11276. | 103. | 4 | 60 | 50_3_2_5 | זנבה | NGBH | nach Süden (hin) |

Ende des Verses 14.4

Verse: 194, Buchstaben: 106, 265, 11279, Totalwerte: 5290, 13849, 691800

Und seine Füße werden an jenem Tage auf dem Ölberge stehen, der vor Jerusalem gegen Osten liegt; und der Ölberg wird sich in der Mitte spalten nach Osten und nach Westen hin, zu einem sehr großen Tale, und die Hälfte des Berges wird nach Norden und seine andere Hälfte nach Süden weichen.

– 14.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 67. | 2833. | 266. | 11280. | 1. | 5 | 556 | 6_50_60_400_40 | ונסתמ | WNsTM | und ihr werdet fliehen |
| 2. | 68. | 2834. | 271. | 11285. | 6. | 3 | 14 | 3_10_1 | ניא | GJA | ins Tal |
| 3. | 69. | 2835. | 274. | 11288. | 9. | 3 | 215 | 5_200_10 | הרי | HRJ | meiner Berge |
| 4. | 70. | 2836. | 277. | 11291. | 12. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | und/denn |
| 5. | 71. | 2837. | 279. | 11293. | 14. | 4 | 93 | 10_3_10_70 | יגיע | JGJa | reichen wird/er (=es) reicht heran |
| 6. | 72. | 2838. | 283. | 11297. | 18. | 2 | 13 | 3_10 | ני | GJ | das Tal |
| 7. | 73. | 2839. | 285. | 11299. | 20. | 4 | 255 | 5_200_10_40 | הרימ | HRJM | der Berge |
| 8. | 74. | 2840. | 289. | 11303. | 24. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | bis/an |
| 9. | 75. | 2841. | 291. | 11305. | 26. | 3 | 121 | 1_90_30 | אצל | AßL | Azal/Azal//<adelig> |
| 10. | 76. | 2842. | 294. | 11308. | 29. | 5 | 556 | 6_50_60_400_40 | ונסתמ | WNsTM | und ihr werdet fliehen |
| 11. | 77. | 2843. | 299. | 11313. | 34. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | ךאשר | KASR | so wie |
| 12. | 78. | 2844. | 303. | 11317. | 38. | 4 | 550 | 50_60_400_40 | נסתמ | NsTM | ihr geflohen seid |
| 13. | 79. | 2845. | 307. | 11321. | 42. | 4 | 180 | 40_80_50_10 | מפני | MPNJ | vor |
| 14. | 80. | 2846. | 311. | 11325. | 46. | 4 | 575 | 5_200_70_300 | הרעש | HRaS | dem (Erd)Beben |
| 15. | 81. | 2847. | 315. | 11329. | 50. | 4 | 62 | 2_10_40_10 | בימי | BJMJ | in den Tagen |
| 16. | 82. | 2848. | 319. | 11333. | 54. | 4 | 92 | 70_7_10_5 | עזיה | aZJH | Ussijas/(von) Ussija//<meine Stärke ist Jah> |
| 17. | 83. | 2849. | 323. | 11337. | 58. | 3 | 90 | 40_30_20 | מלכ | MLK | des Königs |
| 18. | 84. | 2850. | 326. | 11340. | 61. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | von Juda |
| 19. | 85. | 2851. | 331. | 11345. | 66. | 3 | 9 | 6_2_1 | ובא | WBA | und kommen wird/und er (=es) kommt |
| 20. | 86. | 2852. | 334. | 11348. | 69. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 21. | 87. | 2853. | 338. | 11352. | 73. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אלהי | ALHJ | mein Gott |
| 22. | 88. | 2854. | 342. | 11356. | 77. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | und alle |
| 23. | 89. | 2855. | 344. | 11358. | 79. | 5 | 454 | 100_4_300_10_40 | קדשימ | QDSJM | Heiligen |
| 24. | 90. | 2856. | 349. | 11363. | 84. | 3 | 130 | 70_40_20 | עמכ | aMK | mit dir |

Ende des Verses 14.5

Verse: 195, Buchstaben: 86, 351, 11365, Totalwerte: 4699, 18548, 696499

Und ihr werdet in das Tal meiner Berge fliehen, und das Tal der Berge wird bis Azel reichen; und ihr werdet fliehen, wie ihr vor dem Erdbeben geflohen seid in den Tagen Ussijas, des Königs von Juda. Und kommen wird Jahwe, mein Gott, und alle Heiligen mit dir.

– 14.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-------|------|--------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 91. | 2857. | 352. | 11366. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 92. | 2858. | 356. | 11370. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 93. | 2859. | 360. | 11374. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 94. | 2860. | 364. | 11378. | 13. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 5. | 95. | 2861. | 366. | 11380. | 15. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | wird da sein/er (=es) wird sein |
| 6. | 96. | 2862. | 370. | 11384. | 19. | 3 | 207 | 1_6_200 | אור | AWR | Licht |
| 7. | 97. | 2863. | 373. | 11387. | 22. | 5 | 716 | 10_100_200_6_400 | יקרות | JQRWT | die Gestirne/Pracht |
| 8. | 98. | 2864. | 378. | 11392. | 27. | 6 | 247 | 10_100_80_1_6_50 | יקפאנו | JQPAWN | werden sich verfinstern/(und) Frost |

Ende des Verses 14.6

Verse: 196, Buchstaben: 32, 383, 11397, Totalwerte: 1332, 19880, 697831

Und es wird geschehen an jenem Tage, da wird kein Licht sein; die Gestirne werden sich verfinstern.

– 14.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------|-----------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 99. | 2865. | 384. | 11398. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird sein |
| 2. | 100. | 2866. | 388. | 11402. | 5. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | (ein) Tag |
| 3. | 101. | 2867. | 391. | 11405. | 8. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד | ACD | einziger |
| 4. | 102. | 2868. | 394. | 11408. | 11. | 3 | 12 | 5_6_1 | הוא | HWA | er |
| 5. | 103. | 2869. | 397. | 11411. | 14. | 4 | 90 | 10_6_4_70 | יודע | JWDa | (er) ist bekannt |
| 6. | 104. | 2870. | 401. | 11415. | 18. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | (zu) Jahwe |
| 7. | 105. | 2871. | 406. | 11420. | 23. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 8. | 106. | 2872. | 408. | 11422. | 25. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | Tag |
| 9. | 107. | 2873. | 411. | 11425. | 28. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 10. | 108. | 2874. | 414. | 11428. | 31. | 4 | 75 | 30_10_30_5 | לילה | LJLH | Nacht |
| 11. | 109. | 2875. | 418. | 11432. | 35. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 12. | 110. | 2876. | 422. | 11436. | 39. | 3 | 500 | 30_70_400 | לעת | LaT | zur Zeit |
| 13. | 111. | 2877. | 425. | 11439. | 42. | 3 | 272 | 70_200_2 | ערב | aRB | des Abends |
| 14. | 112. | 2878. | 428. | 11442. | 45. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | da wird sein/er (=es) wird sein |
| 15. | 113. | 2879. | 432. | 11446. | 49. | 3 | 207 | 1_6_200 | אור | AWR | Licht |

Ende des Verses 14.7

Verse: 197, Buchstaben: 51, 434, 11448, Totalwerte: 1487, 21367, 699318

Und es wird ein einziger Tag sein (er ist Jahwe bekannt), nicht Tag und nicht Nacht; und es wird geschehen zur Zeit des Abends, da wird es Licht sein.

– 14.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|--------------------------------------------------|
| 1. | 114. | 2880. | 435. | 11449. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 115. | 2881. | 439. | 11453. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 116. | 2882. | 443. | 11457. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 117. | 2883. | 447. | 11461. | 13. | 4 | 107 | 10_90_1_6 | יצאו | JBAW | da werden fließen/sie (=es) werden herausfließen |
| 5. | 118. | 2884. | 451. | 11465. | 17. | 3 | 90 | 40_10_40 | מים | MJM | Wasser |
| 6. | 119. | 2885. | 454. | 11468. | 20. | 4 | 68 | 8_10_10_40 | חיים | CJJM | lebendige |
| 7. | 120. | 2886. | 458. | 11472. | 24. | 7 | 626 | 40_10_200_6_300_30_40 | מירושלם | MJRWSLM | aus Jerusalem/von Jerusalem |
| 8. | 121. | 2887. | 465. | 11479. | 31. | 4 | 148 | 8_90_10_40 | הצימ | CBJM | zur Hälfte/eine Hälfte |
| 9. | 122. | 2888. | 469. | 11483. | 35. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach/zu |
| 10. | 123. | 2889. | 471. | 11485. | 37. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | dem Meer |
| 11. | 124. | 2890. | 474. | 11488. | 40. | 7 | 215 | 5_100_4_40_6_50_10 | הקדמוני | HQDMWNJ | östlichen/das östliche |
| 12. | 125. | 2891. | 481. | 11495. | 47. | 5 | 154 | 6_8_90_10_40 | והצימ | WCBJM | und zur Hälfte/und (eine) Hälfte |
| 13. | 126. | 2892. | 486. | 11500. | 52. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach/zu |
| 14. | 127. | 2893. | 488. | 11502. | 54. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | dem Meer |
| 15. | 128. | 2894. | 491. | 11505. | 57. | 6 | 270 | 5_1_8_200_6_50 | האחרון | HACRWN | hinteren/das hintere (=Mittelmeer) |
| 16. | 129. | 2895. | 497. | 11511. | 63. | 4 | 202 | 2_100_10_90 | בקיץ | BQJß | im Sommer |
| 17. | 130. | 2896. | 501. | 11515. | 67. | 5 | 296 | 6_2_8_200_80 | ובהרפ | WBCRP | und im Winter |
| 18. | 131. | 2897. | 506. | 11520. | 72. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | er (=es) wird geschehen |

Ende des Verses 14.8

Verse: 198, Buchstaben: 75, 509, 11523, Totalwerte: 2479, 23846, 701797

Und es wird geschehen an jenem Tage, da werden lebendige Wasser aus Jerusalem fließen, zur Hälfte nach dem östlichen Meere und zur Hälfte nach dem hinteren Meere; im Sommer und im Winter wird es geschehen.

– 14.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-------------|-----------|-----------|--------------------------|
| 1. | 132. | 2898. | 510. | 11524. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und (er (=es)) wird sein |
| 2. | 133. | 2899. | 514. | 11528. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 134. | 2900. | 518. | 11532. | 9. | 4 | 120 | 30_40_30_20 | למלכ | LMLK | (als) König |
| 4. | 135. | 2901. | 522. | 11536. | 13. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über |
| 5. | 136. | 2902. | 524. | 11538. | 15. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | die ganze/all |
| 6. | 137. | 2903. | 526. | 11540. | 17. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | (die) Erde |
| 7. | 138. | 2904. | 530. | 11544. | 21. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 8. | 139. | 2905. | 534. | 11548. | 25. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 9. | 140. | 2906. | 538. | 11552. | 29. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | (er (=es)) wird sein |
| 10. | 141. | 2907. | 542. | 11556. | 33. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 11. | 142. | 2908. | 546. | 11560. | 37. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד | ACD | einer/der einzige |
| 12. | 143. | 2909. | 549. | 11563. | 40. | 4 | 352 | 6_300_40_6 | ושמו | WSMW | und sein Name |
| 13. | 144. | 2910. | 553. | 11567. | 44. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד | ACD | einer/der einzige |

Ende des Verses 14.9

Verse: 199, Buchstaben: 46, 555, 11569, Totalwerte: 1127, 24973, 702924

Und Jahwe wird König sein über die ganze Erde; an jenem Tage wird Jahwe einer sein und sein Name einer.

– 14.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|------|------|-----|--------------------|-----------|-----------|----------------------------------------------------------|
| 1. | 145. | 2911. | 556. | 11570. | 1. | 4 | 78 | 10_60_6_2 | יסוב | JsWB | umwandeln wird sich/er (=es) wird sich wandeln |
| 2. | 146. | 2912. | 560. | 11574. | 5. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | das ganze/all |
| 3. | 147. | 2913. | 562. | 11576. | 7. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | ((das) Land |
| 4. | 148. | 2914. | 566. | 11580. | 11. | 5 | 297 | 20_70_200_2_5 | ךערה | KaRBH | wie die Ebene/wie die Steppe |
| 5. | 149. | 2915. | 571. | 11585. | 16. | 4 | 115 | 40_3_2_70 | מנבע | MGBa | von Geba///<Hügel> |
| 6. | 150. | 2916. | 575. | 11589. | 20. | 5 | 326 | 30_200_40_6_50 | לרמון | LRMWN | bis Rimmon |
| 7. | 151. | 2917. | 580. | 11594. | 25. | 3 | 55 | 50_3_2 | ונב | NGB | welches liegt südlich/im Süden |
| 8. | 152. | 2918. | 583. | 11597. | 28. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | ((von) Jerusalem/Jerusalem(s) |
| 9. | 153. | 2919. | 589. | 11603. | 34. | 5 | 252 | 6_200_1_40_5 | וראמה | WRAMH | und (Jerusalem) wird erhaben sein/und sie wird hochragen |
| 10. | 154. | 2920. | 594. | 11608. | 39. | 5 | 323 | 6_10_300_2_5 | וישבה | WJSBH | und wohnen/und sie (=es) wird bleiben |
| 11. | 155. | 2921. | 599. | 11613. | 44. | 5 | 823 | 400_8_400_10_5 | תחתיה | TCTJH | an seiner Stätte/an ihrer Stelle |
| 12. | 156. | 2922. | 604. | 11618. | 49. | 5 | 640 | 30_40_300_70_200 | למשער | LMSaR | vom Tor |
| 13. | 157. | 2923. | 609. | 11623. | 54. | 5 | 152 | 2_50_10_40_50 | בנימנ | BNJMN | Benjamin///<Sohn der Rechten> |
| 14. | 158. | 2924. | 614. | 11628. | 59. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | bis (zum) |
| 15. | 159. | 2925. | 616. | 11630. | 61. | 4 | 186 | 40_100_6_40 | מקום | MQWM | zur Stelle/Ort |
| 16. | 160. | 2926. | 620. | 11634. | 65. | 3 | 570 | 300_70_200 | שער | SaR | des Tores |
| 17. | 161. | 2927. | 623. | 11637. | 68. | 6 | 562 | 5_200_1_300_6_50 | הראשון | HRASWN | ((des) ersten |
| 18. | 162. | 2928. | 629. | 11643. | 74. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | ((und) bis zum |
| 19. | 163. | 2929. | 631. | 11645. | 76. | 3 | 570 | 300_70_200 | שער | SaR | Tor |
| 20. | 164. | 2930. | 634. | 11648. | 79. | 5 | 185 | 5_80_50_10_40 | הפנימ | HPNJM | ((der) Eck(en) |
| 21. | 165. | 2931. | 639. | 11653. | 84. | 5 | 83 | 6_40_3_4_30 | ומגדל | WMGDL | und vom Turm/und (dem) Turm |
| 22. | 166. | 2932. | 644. | 11658. | 89. | 5 | 139 | 8_50_50_1_30 | הנאל | CNNAL | Hananel/Chananel (=hundert)//<Gott ist gnädig> |
| 23. | 167. | 2933. | 649. | 11663. | 94. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | bis zu |
| 24. | 168. | 2934. | 651. | 11665. | 96. | 4 | 122 | 10_100_2_10 | יקבי | JQBJ | den Keltern |
| 25. | 169. | 2935. | 655. | 11669. | 100. | 4 | 95 | 5_40_30_20 | המלכ | HMLK | des Königs/(von) dem König |

Ende des Verses 14.10

Verse: 200, Buchstaben: 103, 658, 11672, Totalwerte: 6727, 31700, 709651

Das ganze Land wird sich umwandeln wie die Ebene, von Geba bis Rimmon, welches südlich von Jerusalem liegt; und Jerusalem wird erhaben sein und an seiner Stätte wohnen, vom Tore Benjamin bis zur Stelle des ersten Tores und bis zum Ecktore, und vom Turme Hananel bis zu den Keltern des Königs.

– 14.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 170. | 2936. | 659. | 11673. | 1. | 5 | 324 | 6_10_300_2_6 | וישבו | WJSBW | und man wird wohnen/und sie wohnen |
| 2. | 171. | 2937. | 664. | 11678. | 6. | 2 | 7 | 2_5 | בה | BH | darin |
| 3. | 172. | 2938. | 666. | 11680. | 8. | 4 | 254 | 6_8_200_40 | והרמ | WCRM | und ein Bann(fluch) |
| 4. | 173. | 2939. | 670. | 11684. | 12. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 5. | 174. | 2940. | 672. | 11686. | 14. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | (er) wird sein |
| 6. | 175. | 2941. | 676. | 11690. | 18. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | mehr/noch |
| 7. | 176. | 2942. | 679. | 11693. | 21. | 5 | 323 | 6_10_300_2_5 | וישבה | WJSBH | und wohnen wird/und sie (=es) wohnt |
| 8. | 177. | 2943. | 684. | 11698. | 26. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 9. | 178. | 2944. | 690. | 11704. | 32. | 4 | 49 | 30_2_9_8 | לבטח | LBtC | in Sicherheit |

Ende des Verses 14.11

Verse: 201, Buchstaben: 35, 693, 11707, Totalwerte: 1684, 33384, 711335

Und man wird darin wohnen, und kein Bann wird mehr sein; und Jerusalem wird in Sicherheit wohnen.

– 14.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|--------------------|--------------|-----------|-----------------------------------------------|
| 1. | 179. | 2945. | 694. | 11708. | 1. | 4 | 414 | 6_7_1_400 | וּזַא | WZAT | und dies(e) |
| 2. | 180. | 2946. | 698. | 11712. | 5. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תְּהִיָּה | THJH | wird sein/(sie) ist |
| 3. | 181. | 2947. | 702. | 11716. | 9. | 5 | 133 | 5_40_3_80_5 | הַמִּגְפָּה | HMGP | die Plage |
| 4. | 182. | 2948. | 707. | 11721. | 14. | 3 | 501 | 1_300_200 | אֲשֶׁר | ASR | womit/(mit) welcher |
| 5. | 183. | 2949. | 710. | 11724. | 17. | 3 | 93 | 10_3_80 | יִנֶּפֶ | JGP | plagen wird/er (=es) schlägt |
| 6. | 184. | 2950. | 713. | 11727. | 20. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 185. | 2951. | 717. | 11731. | 24. | 2 | 401 | 1_400 | אַתָּה | AT | ** |
| 8. | 186. | 2952. | 719. | 11733. | 26. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | all(e) |
| 9. | 187. | 2953. | 721. | 11735. | 28. | 5 | 165 | 5_70_40_10_40 | הָעַמִּים | HaMJM | (die) Völker |
| 10. | 188. | 2954. | 726. | 11740. | 33. | 3 | 501 | 1_300_200 | אֲשֶׁר | ASR | welche/die |
| 11. | 189. | 2955. | 729. | 11743. | 36. | 4 | 99 | 90_2_1_6 | אָבְאוּ | ßBAW | Krieg geführt haben/(sie) haben geschart sich |
| 12. | 190. | 2956. | 733. | 11747. | 40. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | gegen |
| 13. | 191. | 2957. | 735. | 11749. | 42. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | יְרוּשָׁלַם | JRWSLM | Jerusalem |
| 14. | 192. | 2958. | 741. | 11755. | 48. | 3 | 145 | 5_40_100 | הַמֶּקֶ | HMQ | er wird verwesen lassen/durch Verfaulen |
| 15. | 193. | 2959. | 744. | 11758. | 51. | 4 | 508 | 2_300_200_6 | בְּשָׂרוֹ | BSRW | eines jeden Fleisch/seines Fleisches |
| 16. | 194. | 2960. | 748. | 11762. | 55. | 4 | 18 | 6_5_6_1 | וְהוּא | WHWA | während er/und er |
| 17. | 195. | 2961. | 752. | 11766. | 59. | 3 | 114 | 70_40_4 | עֹמֵד | aMD | steht/stehend(er) (ist) |
| 18. | 196. | 2962. | 755. | 11769. | 62. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | auf |
| 19. | 197. | 2963. | 757. | 11771. | 64. | 5 | 249 | 200_3_30_10_6 | רַגְלָיו | RGLJW | seinen Füßen |
| 20. | 198. | 2964. | 762. | 11776. | 69. | 6 | 152 | 6_70_10_50_10_6 | וְעֵינָיו | WaJNJW | und seine Augen |
| 21. | 199. | 2965. | 768. | 11782. | 75. | 5 | 595 | 400_40_100_50_5 | תִּמְקַנְהוּ | TMQNH | werden verwesen/(sie) werden sich auflösen |
| 22. | 200. | 2966. | 773. | 11787. | 80. | 6 | 275 | 2_8_200_10_5_50 | בְּחַרְיָהֶן | BCRJHN | in ihren Höhlen |
| 23. | 201. | 2967. | 779. | 11793. | 86. | 6 | 398 | 6_30_300_6_50_6 | וּלְשׁוֹנוֹ | WLSWNW | und seine Zunge |
| 24. | 202. | 2968. | 785. | 11799. | 92. | 3 | 540 | 400_40_100 | תִּמְקַ | TMQ | wird verwesen/(sie) wird sich auflösen |
| 25. | 203. | 2969. | 788. | 11802. | 95. | 5 | 137 | 2_80_10_5_40 | בְּפִיהֶם | BPJHM | in seinem Mund/in ihrem Mund |

Ende des Verses 14.12

Verse: 202, Buchstaben: 99, 792, 11806, Totalwerte: 6720, 40104, 718055

Und dies wird die Plage sein, womit Jahwe alle Völker plagen wird, welche gegen Jerusalem Krieg geführt haben: Er wird eines jeden Fleisch verwesen lassen, während er auf seinen Füßen steht, und seine Augen werden verwesen in ihren Höhlen, und seine Zunge wird in seinem Munde verwesen.

– 14.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|-------------------------------------------------|
| 1. | 204. | 2970. | 793. | 11807. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 205. | 2971. | 797. | 11811. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 3. | 206. | 2972. | 801. | 11815. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 4. | 207. | 2973. | 805. | 11819. | 13. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה | THJH | da wird entstehen/sie (=es) wird sein |
| 5. | 208. | 2974. | 809. | 11823. | 17. | 5 | 491 | 40_5_6_40_400 | מהומת | MHWMT | (eine) Verwirrung |
| 6. | 209. | 2975. | 814. | 11828. | 22. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | (von) Jahwe |
| 7. | 210. | 2976. | 818. | 11832. | 26. | 3 | 207 | 200_2_5 | רבה | RBH | große/gewaltige |
| 8. | 211. | 2977. | 821. | 11835. | 29. | 3 | 47 | 2_5_40 | בהם | BHM | unter ihnen |
| 9. | 212. | 2978. | 824. | 11838. | 32. | 7 | 142 | 6_5_8_7_10_100_6 | והחזיקו | WHCZJQW | und sie (werden) ergreifen |
| 10. | 213. | 2979. | 831. | 11845. | 39. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | einer/jedermann |
| 11. | 214. | 2980. | 834. | 11848. | 42. | 2 | 14 | 10_4 | יד | JD | die Hand |
| 12. | 215. | 2981. | 836. | 11850. | 44. | 4 | 281 | 200_70_5_6 | רעהו | RaHW | des anderen/seines Gefährten |
| 13. | 216. | 2982. | 840. | 11854. | 48. | 5 | 511 | 6_70_30_400_5 | ועלתה | WaLTH | und erheben wird sich/und sie (=es) erhebt sich |
| 14. | 217. | 2983. | 845. | 11859. | 53. | 3 | 20 | 10_4_6 | ידו | JDW | eines jeden Hand/seine Hand |
| 15. | 218. | 2984. | 848. | 11862. | 56. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | gegen/wider |
| 16. | 219. | 2985. | 850. | 11864. | 58. | 2 | 14 | 10_4 | יד | JD | die Hand |
| 17. | 220. | 2986. | 852. | 11866. | 60. | 4 | 281 | 200_70_5_6 | רעהו | RaHW | seines Nächsten/seines Gefährten |

Ende des Verses 14.13

Verse: 203, Buchstaben: 63, 855, 11869, Totalwerte: 2966, 43070, 721021

Und es wird geschehen an jenem Tage, da wird eine große Verwirrung von Jahwe unter ihnen entstehen; und sie werden einer des anderen Hand ergreifen, und eines jeden Hand wird sich gegen die Hand seines Nächsten erheben.

– 14.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|-----------------------------------------------------------------------|
| 1. | 221. | 2987. | 856. | 11870. | 1. | 3 | 49 | 6_3_40 | ונם | WGM | und auch |
| 2. | 222. | 2988. | 859. | 11873. | 4. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 3. | 223. | 2989. | 864. | 11878. | 9. | 4 | 478 | 400_30_8_40 | תלחמ | TLCM | wird streiten/(sie) wird kämpfen |
| 4. | 224. | 2990. | 868. | 11882. | 13. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | in Jerusalem/gegen Jerusalem |
| 5. | 225. | 2991. | 875. | 11889. | 20. | 4 | 147 | 6_1_60_80 | ואסף | WAsP | und gesammelt werden wird/und er (=es) wird zusammenge- mengerafft |
| 6. | 226. | 2992. | 879. | 11893. | 24. | 3 | 48 | 8_10_30 | היל | CJL | der Reichtum/(das) Vermögen |
| 7. | 227. | 2993. | 882. | 11896. | 27. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(er) |
| 8. | 228. | 2994. | 884. | 11898. | 29. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | Nationen/der Volksstämme |
| 9. | 229. | 2995. | 889. | 11903. | 34. | 4 | 74 | 60_2_10_2 | סביב | sBJB | ringsum |
| 10. | 230. | 2996. | 893. | 11907. | 38. | 3 | 14 | 7_5_2 | זהב | ZHB | Gold |
| 11. | 231. | 2997. | 896. | 11910. | 41. | 4 | 166 | 6_20_60_80 | וכסף | WKsP | und Silber |
| 12. | 232. | 2998. | 900. | 11914. | 45. | 6 | 65 | 6_2_3_4_10_40 | ובגדימ | WBGDJM | und Kleider/und Gewänder |
| 13. | 233. | 2999. | 906. | 11920. | 51. | 3 | 232 | 30_200_2 | לרב | LRB | in Menge/zu Menge |
| 14. | 234. | 3000. | 909. | 11923. | 54. | 3 | 45 | 40_1_4 | סאד | MAD | großer |

Ende des Verses 14.14

Verse: 204, Buchstaben: 56, 911, 11925, Totalwerte: 2050, 45120, 723071

Und auch Juda wird in Jerusalem streiten; und der Reichtum aller Nationen ringsum wird gesammelt werden: Gold und Silber und Kleider in großer Menge.

– 14.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|------|--------|-----|------|-----|-----------------|------------------|----------------------------|-----------------|
| 1. | 235. | 3001. | 912. | 11926. | 1. | 3 | 76 | 6_20_50 | וכן WKN | und ebenso | |
| 2. | 236. | 3002. | 915. | 11929. | 4. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה THJH | (sie (=es)) wird sein | |
| 3. | 237. | 3003. | 919. | 11933. | 8. | 4 | 523 | 40_3_80_400 | מגפת MGPT | die Plage | |
| 4. | 238. | 3004. | 923. | 11937. | 12. | 4 | 131 | 5_60_6_60 | הסוס HsWs | der Rosse/(für) das Ross | |
| 5. | 239. | 3005. | 927. | 11941. | 16. | 4 | 289 | 5_80_200_4 | הפרר HPRD | der Maultiere/das Maultier | |
| 6. | 240. | 3006. | 931. | 11945. | 20. | 4 | 78 | 5_3_40_30 | הגמל HGML | der Kamele/das Kamel | |
| 7. | 241. | 3007. | 935. | 11949. | 24. | 6 | 265 | 6_5_8_40_6_200 | והחמור WHCMWR | und der Esel/und den Esel | |
| 8. | 242. | 3008. | 941. | 11955. | 30. | 3 | 56 | 6_20_30 | וכל WKL | und all(es) | |
| 9. | 243. | 3009. | 944. | 11958. | 33. | 5 | 57 | 5_2_5_40_5 | הבהמה HBHMH | Viehs/das Vieh | |
| 10. | 244. | 3010. | 949. | 11963. | 38. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | welches | |
| 11. | 245. | 3011. | 952. | 11966. | 41. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה JHJH | (er (=es)) wird sein | |
| 12. | 246. | 3012. | 956. | 11970. | 45. | 6 | 506 | 2_40_8_50_6_400 | במהנות BMCNWT | in (den) (Heer)Lagern | |
| 13. | 247. | 3013. | 962. | 11976. | 51. | 4 | 55 | 5_5_40_5 | ההמה HHMH | jenen/denjenigen | |
| 14. | 248. | 3014. | 966. | 11980. | 55. | 5 | 148 | 20_40_3_80_5 | קמנפה KMGPH | gleich (der) Plage | |
| 15. | 249. | 3015. | 971. | 11985. | 60. | 4 | 413 | 5_7_1_400 | הזאת HZAT | dieser (da) | |

Ende des Verses 14.15

Verse: 205, Buchstaben: 63, 974, 11988, Totalwerte: 3548, 48668, 726619

Und ebenso, gleich dieser Plage, wird die Plage der Rosse, der Maultiere, der Kamele und der Esel und alles Viehes sein, welches in jenen Heerlagern sein wird.

– 14.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|------|----------------------|-----------------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 250. | 3016. | 975. | 11989. | 1. | 4 | 26 | 6.5_10.5 | וְהָיָה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 251. | 3017. | 979. | 11993. | 5. | 2 | 50 | 20.30 | כִּל | KL | ((dass) all(e)) |
| 3. | 252. | 3018. | 981. | 11995. | 7. | 5 | 661 | 5.50_6.400_200 | הַנּוֹתָר | HNWTR | Übriggebliebenen/das Übriggebliebene |
| 4. | 253. | 3019. | 986. | 12000. | 12. | 3 | 90 | 40.20.30 | מִכֹּל | MKL | von all(en) |
| 5. | 254. | 3020. | 989. | 12003. | 15. | 5 | 64 | 5.3_6.10.40 | הַגּוֹיִם | HGWJM | Nationen/den Völkern |
| 6. | 255. | 3021. | 994. | 12008. | 20. | 5 | 58 | 5.2_1.10.40 | הַבָּאִים | HBAJM | welche gekommen sind/den gekommenen |
| 7. | 256. | 3022. | 999. | 12013. | 25. | 2 | 100 | 70.30 | עַל | aL | wider/gegen |
| 8. | 257. | 3023. | 1001. | 12015. | 27. | 6 | 586 | 10.200.6_300_30_40 | יְרוּשָׁלַם | JRWSLM | Jerusalem |
| 9. | 258. | 3024. | 1007. | 12021. | 33. | 4 | 112 | 6.70.30_6 | וְעָלוּ | WaLW | ((und sie (=es)) werden hinaufziehen |
| 10. | 259. | 3025. | 1011. | 12025. | 37. | 3 | 54 | 40.4_10 | מִדֵּי | MDJ | von (Maßgabe) |
| 11. | 260. | 3026. | 1014. | 12028. | 40. | 3 | 355 | 300.50.5 | שָׁנָה | SNH | Jahr |
| 12. | 261. | 3027. | 1017. | 12031. | 43. | 4 | 357 | 2.300.50_5 | בְּשָׁנָה | BSNH | zu Jahr/um Jahr |
| 13. | 262. | 3028. | 1021. | 12035. | 47. | 7 | 1149 | 30.5_300_400_8.6_400 | לְהִשְׁתַּחֲוֹת | LHSTCWT | ((um) anzubeten |
| 14. | 263. | 3029. | 1028. | 12042. | 54. | 4 | 120 | 30.40.30_20 | לְמֶלֶךְ | LMLK | den König |
| 15. | 264. | 3030. | 1032. | 12046. | 58. | 4 | 26 | 10.5_6.5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 16. | 265. | 3031. | 1036. | 12050. | 62. | 5 | 499 | 90.2_1.6_400 | צְבָאוֹת | ßBAWT | ((der) Heerscharen |
| 17. | 266. | 3032. | 1041. | 12055. | 67. | 4 | 47 | 6.30_8.3 | וְלַחֵג | WLCG | und zu feiern |
| 18. | 267. | 3033. | 1045. | 12059. | 71. | 2 | 401 | 1.400 | אֵת | AT | ** |
| 19. | 268. | 3034. | 1047. | 12061. | 73. | 2 | 11 | 8.3 | חַג | CG | das Fest |
| 20. | 269. | 3035. | 1049. | 12063. | 75. | 5 | 491 | 5.60.20_6.400 | הַסֻּכּוֹת | HsKWT | ((der) Laubhütten |

Ende des Verses 14.16

Verse: 206, Buchstaben: 79, 1053, 12067, Totalwerte: 5257, 53925, 731876

Und es wird geschehen, daß alle Übriggebliebenen von allen Nationen, welche wider Jerusalem gekommen sind, von Jahr zu Jahr hinaufziehen werden, um den König, Jahwe der Heerscharen, anzubeten und das Laubhüttenfest zu feiern.

– 14.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|------|----------------------|-----------------|-----------|------------------------------------------|
| 1. | 270. | 3036. | 1054. | 12068. | 1. | 4 | 26 | 6.5_10_5 | וְהָיָה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 271. | 3037. | 1058. | 12072. | 5. | 3 | 501 | 1.300_200 | אֲשֶׁר | ASR | wenn eines/der |
| 3. | 272. | 3038. | 1061. | 12075. | 8. | 2 | 31 | 30_1 | לֹא | LA | nicht |
| 4. | 273. | 3039. | 1063. | 12077. | 10. | 4 | 115 | 10_70_30_5 | יַעֲלֶה | JaLH | hinaufziehen wird/(er) will hinaufziehen |
| 5. | 274. | 3040. | 1067. | 12081. | 14. | 3 | 441 | 40_1_400 | מֵאֵת | MAT | von (seiten) |
| 6. | 275. | 3041. | 1070. | 12084. | 17. | 6 | 834 | 40_300_80_8_6_400 | מִשְׁפָּחוֹת | MSPCWT | den Geschlechtern/(der) Geschlechter |
| 7. | 276. | 3042. | 1076. | 12090. | 23. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הָאָרֶץ | HARß | der Erde |
| 8. | 277. | 3043. | 1080. | 12094. | 27. | 2 | 31 | 1_30 | אַל | AL | nach |
| 9. | 278. | 3044. | 1082. | 12096. | 29. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | יְרוּשָׁלַם | JRWSLM | Jerusalem |
| 10. | 279. | 3045. | 1088. | 12102. | 35. | 7 | 1149 | 30_5_300_400_8_6_400 | לְהִשְׁתַּחֲוֹת | LHSTCWT | ((um) anzubeten) |
| 11. | 280. | 3046. | 1095. | 12109. | 42. | 4 | 120 | 30_40_30_20 | לְמֶלֶךְ | LMLK | den König |
| 12. | 281. | 3047. | 1099. | 12113. | 46. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 13. | 282. | 3048. | 1103. | 12117. | 50. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קְבָאוֹת | ßBAWT | ((der) Heerscharen) |
| 14. | 283. | 3049. | 1108. | 12122. | 55. | 3 | 37 | 6_30_1 | וְלֹא | WLA | ((auch) nicht) |
| 15. | 284. | 3050. | 1111. | 12125. | 58. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עֲלֵיהֶם | aLJHM | über dasselbe/über ihnen |
| 16. | 285. | 3051. | 1116. | 12130. | 63. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יְהִי | JHJH | ((er) wird kommen) |
| 17. | 286. | 3052. | 1120. | 12134. | 67. | 4 | 348 | 5_3_300_40 | הַגֶּשֶׁם | HGSM | Regen |

Ende des Verses 14.17

Verse: 207, Buchstaben: 70, 1123, 12137, Totalwerte: 5225, 59150, 737101

Und es wird geschehen, wenn eines von den Geschlechtern der Erde nicht nach Jerusalem hinaufziehen wird, um den König, Jahwe der Heerscharen, anzubeten: über dasselbe wird kein Regen kommen;

– 14.18

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|-----|-----------------|-------------|------------------------------------------------|-----------------|
| 1. | 287. | 3053. | 1124. | 12138. | 1. | 3 | 47 | 6_1_40 | ואם WAM | und wenn | |
| 2. | 288. | 3054. | 1127. | 12141. | 4. | 5 | 828 | 40_300_80_8_400 | משפחה MSPCT | das Geschlecht | |
| 3. | 289. | 3055. | 1132. | 12146. | 9. | 5 | 380 | 40_90_200_10_40 | מצרים MBRJM | Ägyptens/von Ägypten | |
| 4. | 290. | 3056. | 1137. | 12151. | 14. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 5. | 291. | 3057. | 1139. | 12153. | 16. | 4 | 505 | 400_70_30_5 | תעלה TaLH | ((sie (=es)) zieht hinauf | |
| 6. | 292. | 3058. | 1143. | 12157. | 20. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא WLA | und nicht | |
| 7. | 293. | 3059. | 1146. | 12160. | 23. | 3 | 8 | 2_1_5 | באה BAH | ((sie) kommt | |
| 8. | 294. | 3060. | 1149. | 12163. | 26. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא WLA | so auch nicht/und nicht | |
| 9. | 295. | 3061. | 1152. | 12166. | 29. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם aLJHM | über dieses (wird kommen der Regen)/über ihnen | |
| 10. | 296. | 3062. | 1157. | 12171. | 34. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה THJH | das wird sein/(sie) wird sein | |
| 11. | 297. | 3063. | 1161. | 12175. | 38. | 5 | 133 | 5_40_3_80_5 | המגפה HMGPH | die Plage | |
| 12. | 298. | 3064. | 1166. | 12180. | 43. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | womit/(mit) welcher | |
| 13. | 299. | 3065. | 1169. | 12183. | 46. | 3 | 93 | 10_3_80 | ינפ JGP | plagen wird/plagt | |
| 14. | 300. | 3066. | 1172. | 12186. | 49. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 15. | 301. | 3067. | 1176. | 12190. | 53. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 16. | 302. | 3068. | 1178. | 12192. | 55. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ HGWJM | die Nationen/die Volksstämme | |
| 17. | 303. | 3069. | 1183. | 12197. | 60. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | welche | |
| 18. | 304. | 3070. | 1186. | 12200. | 63. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 19. | 305. | 3071. | 1188. | 12202. | 65. | 4 | 116 | 10_70_30_6 | יעלו JaLW | hinaufziehen werden/(sie) wollen hinaufziehen | |
| 20. | 306. | 3072. | 1192. | 12206. | 69. | 3 | 41 | 30_8_3 | לחג LCG | um zu feiern | |
| 21. | 307. | 3073. | 1195. | 12209. | 72. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 22. | 308. | 3074. | 1197. | 12211. | 74. | 2 | 11 | 8_3 | חג CG | das Fest | |
| 23. | 309. | 3075. | 1199. | 12213. | 76. | 5 | 491 | 5_60_20_6_400 | הסכות HsKWT | ((der) Laubhütten | |

Ende des Verses 14.18

Verse: 208, Buchstaben: 80, 1203, 12217, Totalwerte: 5258, 64408, 742359

und wenn das Geschlecht Ägyptens nicht hinaufzieht und nicht kommt, so wird der Regen auch nicht über dieses kommen. Das wird die Plage sein, womit Jahwe die Nationen plagen wird, welche nicht hinaufziehen werden, um das Laubhüttenfest zu feiern.

– 14.19

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|----------------------------------------------|
| 1. | 310. | 3076. | 1204. | 12218. | 1. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאת | ZAT | das |
| 2. | 311. | 3077. | 1207. | 12221. | 4. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה | THJH | ((sie (=es)) wird sein |
| 3. | 312. | 3078. | 1211. | 12225. | 8. | 4 | 418 | 8_9_1_400 | השאה | CtAT | die (Sünden)Strafe |
| 4. | 313. | 3079. | 1215. | 12229. | 12. | 5 | 380 | 40_90_200_10_40 | מצרים | MBRJM | Ägypten(s) |
| 5. | 314. | 3080. | 1220. | 12234. | 17. | 5 | 424 | 6_8_9_1_400 | והשאה | WCtAT | und die (Sünden)Strafe |
| 6. | 315. | 3081. | 1225. | 12239. | 22. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(er) |
| 7. | 316. | 3082. | 1227. | 12241. | 24. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הגוימ | HGWJM | Nationen/der Volksstämme |
| 8. | 317. | 3083. | 1232. | 12246. | 29. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 9. | 318. | 3084. | 1235. | 12249. | 32. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 10. | 319. | 3085. | 1237. | 12251. | 34. | 4 | 116 | 10_70_30_6 | יעלו | JaLW | hinaufziehen werden/(sie) wollen hinaufgehen |
| 11. | 320. | 3086. | 1241. | 12255. | 38. | 3 | 41 | 30_8_3 | להנ | LCG | um zu feiern |
| 12. | 321. | 3087. | 1244. | 12258. | 41. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 13. | 322. | 3088. | 1246. | 12260. | 43. | 2 | 11 | 8_3 | הנ | CG | das Fest |
| 14. | 323. | 3089. | 1248. | 12262. | 45. | 5 | 491 | 5_60_20_6_400 | הסכות | HsKWT | ((der) Laubhütten |

Ende des Verses 14.19

Verse: 209, Buchstaben: 49, 1252, 12266, Totalwerte: 3756, 68164, 746115

Das wird die Strafe Ägyptens und die Strafe aller Nationen sein, welche nicht hinaufziehen werden, um das Laubhüttenfest zu feiern.

– 14.20

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|----------------------------------------|
| 1. | 324. | 3090. | 1253. | 12267. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 2. | 325. | 3091. | 1257. | 12271. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |
| 3. | 326. | 3092. | 1261. | 12275. | 9. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | wird stehen/er (=es) wird sein |
| 4. | 327. | 3093. | 1265. | 12279. | 13. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 5. | 328. | 3094. | 1267. | 12281. | 15. | 5 | 566 | 40_90_30_6_400 | מצלות | MßLWT | den Schellen |
| 6. | 329. | 3095. | 1272. | 12286. | 20. | 4 | 131 | 5_60_6_60 | הסוס | HsWs | der Rosse/des Rosses |
| 7. | 330. | 3096. | 1276. | 12290. | 24. | 3 | 404 | 100_4_300 | קדש | QDS | heilig/Heiligkeit |
| 8. | 331. | 3097. | 1279. | 12293. | 27. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | dem Jahwe/für Jahwe |
| 9. | 332. | 3098. | 1284. | 12298. | 32. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und sein werden/und er (=es) wird sein |
| 10. | 333. | 3099. | 1288. | 12302. | 36. | 6 | 681 | 5_60_10_200_6_400 | הסירות | HsJRWT | die (Koch)Töpfe |
| 11. | 334. | 3100. | 1294. | 12308. | 42. | 4 | 414 | 2_2_10_400 | בבית | BBJT | im Haus |
| 12. | 335. | 3101. | 1298. | 12312. | 46. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 13. | 336. | 3102. | 1302. | 12316. | 50. | 7 | 417 | 20_40_7_200_100_10_40 | כמוזרקימ | KMZRQJM | wie die Opferschalen/wie die Becken |
| 14. | 337. | 3103. | 1309. | 12323. | 57. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני | LPNJ | vor |
| 15. | 338. | 3104. | 1313. | 12327. | 61. | 5 | 62 | 5_40_7_2_8 | המזבח | HMZBC | dem Altar |

Ende des Verses 14.20

Verse: 210, Buchstaben: 65, 1317, 12331, Totalwerte: 3158, 71322, 749273

An jenem Tage wird auf den Schellen der Rosse stehen: Heilig dem Jahwe. Und die Kochtöpfe im Hause Jahwes werden sein wie die Opferschalen vor dem Altar;

– 14.21

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|-------|-------|--------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 339. | 3105. | 1318. | 12332. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und sein wird/und er (=es) wird |
| 2. | 340. | 3106. | 1322. | 12336. | 5. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | jeder |
| 3. | 341. | 3107. | 1324. | 12338. | 7. | 3 | 270 | 60_10_200 | סיר | sJR | (Koch)Topf |
| 4. | 342. | 3108. | 1327. | 12341. | 10. | 7 | 588 | 2_10_200_6_300_30_40 | בירושלם | BJRWSLM | in Jerusalem |
| 5. | 343. | 3109. | 1334. | 12348. | 17. | 7 | 38 | 6_2_10_5_6_4_5 | וביהודה | WBJHWDH | und in Juda |
| 6. | 344. | 3110. | 1341. | 12355. | 24. | 3 | 404 | 100_4_300 | קדש | QDS | heilig/Heiligkeit |
| 7. | 345. | 3111. | 1344. | 12358. | 27. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | (für) Jahwe |
| 8. | 346. | 3112. | 1349. | 12363. | 32. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | ץבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 9. | 347. | 3113. | 1354. | 12368. | 37. | 4 | 15 | 6_2_1_6 | ובאו | WBAW | und (sie (=es)) werden kommen |
| 10. | 348. | 3114. | 1358. | 12372. | 41. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(e) |
| 11. | 349. | 3115. | 1360. | 12374. | 43. | 6 | 72 | 5_7_2_8_10_40 | הזבחימ | HZBCJM | (die) Opfernden |
| 12. | 350. | 3116. | 1366. | 12380. | 49. | 5 | 150 | 6_30_100_8_6 | ולקחו | WLQCW | und (sie) nehmen |
| 13. | 351. | 3117. | 1371. | 12385. | 54. | 3 | 85 | 40_5_40 | מהם | MHM | von denselben/von ihnen |
| 14. | 352. | 3118. | 1374. | 12388. | 57. | 5 | 344 | 6_2_300_30_6 | ובשלו | WBSLW | und (sie) kochen |
| 15. | 353. | 3119. | 1379. | 12393. | 62. | 3 | 47 | 2_5_40 | בהם | BHM | darin/in ihnen |
| 16. | 354. | 3120. | 1382. | 12396. | 65. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 17. | 355. | 3121. | 1385. | 12399. | 68. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה | JHJH | (er (=es)) wird sein |
| 18. | 356. | 3122. | 1389. | 12403. | 72. | 5 | 200 | 20_50_70_50_10 | ךנעני | KNaNJ | ein Kanaaniter/(ein) Viehhändler |
| 19. | 357. | 3123. | 1394. | 12408. | 77. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד | aWD | mehr/fernerhin |
| 20. | 358. | 3124. | 1397. | 12411. | 80. | 4 | 414 | 2_2_10_400 | בבית | BBJT | im Haus |
| 21. | 359. | 3125. | 1401. | 12415. | 84. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 22. | 360. | 3126. | 1405. | 12419. | 88. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | ץבאות | ßBAWT | (der) Heerscharen |
| 23. | 361. | 3127. | 1410. | 12424. | 93. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | an Tag/am Tag |
| 24. | 362. | 3128. | 1414. | 12428. | 97. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem/dem jenigen |

Ende des Verses 14.21

Verse: 211, Buchstaben: 100, 1417, 12431, Totalwerte: 4055, 75377, 753328

und jeder Kochtopf in Jerusalem und in Juda wird Jahwe der Heerscharen heilig sein; und alle Opfernden werden kommen und von denselben nehmen und darin kochen. Und es wird an jenem Tage kein Kanaaniter mehr sein im Hause Jahwes der Heerscharen.

Ende des Kapitels 14

Ende des Buches